

# डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको दोस्रो आवधिक योजना

(आ.व. २०८१/८२-२०८५/८६)



डुङ्गेश्वर गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

डाँडापराजुल, दैलेख  
कर्णाली प्रदेश, नेपाल

२०८१

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको दोस्रो आवधिक योजना  
(आ.व. २०८१/८२-२०८५/८६)

सहयोगी संस्था:

फेनापति कन्सल्टेन्ट प्रा.लि.  
शंखमुल, काठमाण्डौ

तयार गर्ने/प्रकाशक:  
डुङ्गेश्वर गाउँपालिका,  
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय,  
डाँडापराजुल, दैलेख, कर्णाली प्रदेश, नेपाल

सर्वाधिकार : प्रकाशकमा

प्रकाशन वर्ष : २०८१

## विषय सूची

परिच्छेद १ : परिचय.....	१
१.१ पृष्ठभूमि .....	१
१.२ आवधिक योजनाको उद्देश्य .....	२
१.३ आवधिक योजना तर्जुमाका आधारहरु .....	३
१.४ आवधिक योजना तयारी प्रकृया.....	३
१.४.१ योजना अभिमुखीकरण कार्यशाला गोष्ठी.....	३
१.४.२ वडागत छलफल तथा समस्या पहिचान अन्तरक्रिया .....	४
१.४.३ योजना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठी तथा विषयगत योजना तयारी कार्यशालाको आयोजना.....	४
१.४.४ मस्यौदा प्रतिवेदन तयारी.....	४
१.५ योजना तर्जुमाका सीमाहरु.....	५
परिच्छेद २: गाउँपालिकाको विद्यमान वस्तुगत स्थिति.....	६
२.१ गाउँपालिकाको परिचय.....	६
२.१.१ भौगोलिक अवस्थिति .....	६
२.१.२ जनसाङ्ख्यिकीय अवस्था .....	७
२.२ आर्थिक विकास अवस्था.....	१२
२.२.१ कृषि, पशुपंक्षीपालन तथा खाद्य सुरक्षा.....	१२
२.२.२ पर्यटन तथा संस्कृति.....	१२
२.२.३ व्यापार, व्यवसाय तथा उद्योग .....	१३
२.२.४ श्रम तथा रोजगारी.....	१३
२.२.५ बैंक, सहकारी तथा वित्तीय क्षेत्र .....	१३
२.३ सामाजिक विकास अवस्था .....	१३
२.३.१ स्वास्थ्य तथा पोषण .....	१३
२.३.२ शैक्षिक विकास.....	१४
२.३.३ खानेपानी तथा सरसफाई.....	१४
२.३.४ लैंगिक समानता र सामाजिक समानीकरण .....	१५
२.५ पूर्वाधार विकास अवस्था.....	१६
२.५.१ वस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण .....	१६

२.५.२ सडक, पुल तथा यातायात .....	१६
२.५.३ विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा .....	१६
२.५.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि .....	१७
२.५.५ सिंचाई .....	१८
२.६ वन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापनको अवस्था .....	१८
२.६.१ वन तथा जैविक विविधता .....	१८
२.६.२ भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन .....	१८
२.६.३ वातावरण व्यवस्थापन तथा स्वच्छता .....	१८
२.६.४ विपद व्यवस्थापन .....	१९
२.७ सुशासन तथा संस्थागत व्यवस्था .....	१९
२.७.१ संगठनात्मक तथा मानव संसाधन .....	१९
२.७.२ वित्तीय श्रोत परिचालन .....	१९
<b>परिच्छेद ३: सोच तथा विकास अवधारणा .....</b>	<b>२१</b>
३.१ पृष्ठभूमि .....	२१
३.२ प्रमुख समस्या तथा चुनौती .....	२१
३.३ प्रमुख सम्भावना तथा अवसर .....	२३
३.६ सोच, लक्ष्य र उद्देश्य .....	२५
३.६.१ सोच .....	२५
३.६.२ लक्ष्य .....	२७
३.६.३ उद्देश्य .....	२७
३.७ रणनीति तथा प्राथमिकता .....	२८
३.५ निर्देशक सिद्धान्त .....	३०
३.८ स्रोत अनुमान र बाँडफाँड .....	३१
३.८.१ आयको विश्लेषण र प्रक्षेपण .....	३१
<b>परिच्छेद ४: आर्थिक क्षेत्र .....</b>	<b>३६</b>
४.१ कृषि .....	३६
४.१.१ पृष्ठभूमि .....	३६
४.१.२ समस्या तथा चुनौती .....	३६

४.१.३ सम्भावना र अवसर .....	३७
४.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	३७
४.१.५ विस्तृत कार्यक्रम .....	४०
४.१.६ नतिजा खाका .....	४१
४.१.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	४५
४.१.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	४५
४.२ पशुपन्ध्री .....	४५
४.२.१ पृष्ठभूमि .....	४५
४.२.२ समस्या तथा चुनौती .....	४५
४.२.३ सम्भावना र अवसर .....	४६
४.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	४६
४.२.५ विस्तृत कार्यक्रम .....	५०
४.२.६ नतिजा खाका .....	५१
४.२.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	५३
४.२.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	५३
४.३ विस्तीय तथा सहकारी क्षेत्र .....	५३
४.३.१ पृष्ठभूमि .....	५३
४.३.२ समस्या तथा चुनौती .....	५४
४.३.३ सम्भावना र अवसर .....	५४
४.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	५५
४.३.५ विस्तृत कार्यक्रम .....	५७
४.३.६ नतिजा खाका .....	५७
४.३.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	६०
४.३.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	६०
४.४ पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा .....	६०
४.४.१ पृष्ठभूमि .....	६०
४.४.२ समस्या र चुनौती .....	६०
४.४.३ सम्भावना र अवसर .....	६१

४.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	६२
४.४.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	६४
४.४.६ नतिजा खाका .....	६४
४.४.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	६७
४.४.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	६७
४.५ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय तथा आपूर्ति .....	६७
४.५.१ पृष्ठभूमि .....	६७
४.५.२ समस्या र चुनौती .....	६८
४.५.३ सम्भावना र अवसर .....	६९
४.५.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	६९
४.५.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	७२
४.५.६ नतिजा खाका .....	७२
४.५.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	७६
४.५.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	७६
४.६ श्रम तथा रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा.....	७६
४.६.१ पृष्ठभूमि .....	७६
४.६.२ समस्या र चुनौती .....	७७
४.६.३ सम्भावना र अवसर .....	७८
४.६.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	७८
४.६.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	८१
४.६.६ नतिजा खाका .....	८१
४.६.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	८४
४.६.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	८४
<b>परिच्छेद ५: सामाजिक क्षेत्र .....</b>	<b>८५</b>
५.१ स्वास्थ्य तथा पोषण .....	८५
५.१.१ पृष्ठभूमि .....	८५
५.१.२ समस्या र चुनौती .....	८५
५.१.३ सम्भावना र अवसर .....	८६

५.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	८६
५.१.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	९०
५.१.६ नतिजा खाका .....	९२
५.१.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	९७
५.१.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	९७
५.२ शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवर्द्धन .....	९७
५.२.१ पृष्ठभूमि .....	९७
५.२.२ समस्या र चुनौती .....	९८
५.२.३ सम्भावना र अवसर .....	९९
५.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	९९
५.२.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	१०२
५.२.६ नतिजा खाका .....	१०३
५.२.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	१०८
५.२.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	१०८
५.३ खानेपानी तथा सरसफाइ.....	१०८
५.३.१ पृष्ठभूमि .....	१०८
५.३.२ समस्या र चुनौती .....	१०९
५.३.३ सम्भावना र अवसर .....	१०९
५.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	११०
५.३.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	११२
५.३.६ नतिजा खाका .....	११३
५.३.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	११५
५.३.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	११५
५.४ महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग .....	११५
५.४.१ पृष्ठभूमि .....	११५
५.४.२ समस्या र चुनौती .....	११६
५.४.३ सम्भावना र अवसर .....	११६
५.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	११७

५.४.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	१२०
५.४.६ नतिजा खाका .....	१२२
५.४.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	१२६
५.४.८ अनुमानित तथा जोखिम पक्ष.....	१२६
५.५ युवा तथा खेलकूद.....	१२६
५.५.१ पृष्ठभूमि .....	१२६
५.५.२ समस्या र चुनौती .....	१२७
५.५.३ सम्भावना र अवसर .....	१२७
५.५.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	१२८
५.५.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	१३०
५.५.६ नतिजा खाका .....	१३१
५.५.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	१३३
५.५.८ अनुमानित तथा जोखिम पक्ष.....	१३३
५.६ भाषा, कला, साहित्य, संस्कृति तथा सम्पदा संरक्षण.....	१३३
५.६.१ पृष्ठभूमि .....	१३३
५.६.२ समस्या र चुनौती .....	१३३
५.६.३ सम्भावना र अवसर .....	१३४
५.६.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	१३४
५.६.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	१३६
५.६.६ नतिजा खाका .....	१३७
५.६.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	१३९
५.६.८ अनुमानित तथा जोखिम पक्ष.....	१३९
परिच्छेद ६ : पूर्वाधार क्षेत्र .....	१४०
६.१ वस्ती, आवास भवन तथा सार्वजनिक निर्माण.....	१४०
६.१.१ पृष्ठभूमि .....	१४०
६.१.२ समस्या र चुनौती .....	१४०
६.१.३ सम्भावना र अवसर .....	१४१
६.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	१४१



६.१.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	१४३
६.१.६ नतिजा खाका .....	१४३
६.१.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	१४६
६.१.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	१४६
६.२ सडक पूर्वाधार तथा यातायात .....	१४६
६.२.१ पृष्ठभूमि .....	१४६
६.२.२ समस्या र चुनौती .....	१४७
६.२.३ सम्भावना र अवसर .....	१४७
६.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	१४८
६.२.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	१५०
६.२.६ नतिजा खाका .....	१५१
६.२.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	१५४
६.२.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	१५४
६.३ सिंचाई .....	१५४
६.३.१ पृष्ठभूमि .....	१५४
६.३.२ समस्या र चुनौती .....	१५५
६.३.३ सम्भावना र अवसर .....	१५५
६.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	१५५
६.३.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	१५७
६.३.६ नतिजा खाका .....	१५८
६.३.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	१६०
६.३.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	१६०
६.४ विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा .....	१६०
६.४.१ पृष्ठभूमि .....	१६०
६.४.२ समस्या र चुनौती .....	१६०
६.४.३ सम्भावना र अवसर .....	१६१
६.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	१६१
६.४.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	१६३

६.४.६ नतिजा खाका .....	१६३
६.४.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	१६५
६.४.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	१६५
६.५ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि.....	१६५
६.५.१ पृष्ठभूमि .....	१६५
६.५.२ समस्या र चुनौती .....	१६५
६.५.३ सम्भावना र अवसर .....	१६६
६.५.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	१६६
६.५.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	१६८
६.५.६ नतिजा खाका .....	१६९
६.५.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	१७१
६.५.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	१७१
<b>परिच्छेद ७: वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन.....</b>	<b>१७२</b>
७.१ वन तथा जैविक विविधता.....	१७२
७.१.१ पृष्ठभूमि .....	१७२
७.१.३ सम्भावना र अवसर .....	१७३
७.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	१७३
७.१.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	१७६
७.१.६ नतिजा खाका .....	१७६
७.१.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	१७९
७.१.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	१७९
७.२ भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन.....	१७९
७.२.१ पृष्ठभूमि .....	१७९
७.२.२ समस्या र चुनौती .....	१८०
७.२.३ सम्भावना र अवसर .....	१८०
७.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना.....	१८१
७.२.५ विस्तृत कार्यक्रम.....	१८३
७.२.६ नतिजा खाका .....	१८४

७.२.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	१८६
७.२.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	१८६
७.३ वातावरण तथा फोहरमैला व्यवस्थापन .....	१८६
७.३.१ पृष्ठभूमि .....	१८६
७.३.२ समस्या र चुनौती .....	१८७
७.३.३ सम्भावना र अवसर .....	१८७
७.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	१८८
७.३.५ विस्तृत कार्यक्रम .....	१९०
७.३.६ नतिजा खाका .....	१९१
७.३.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	१९३
७.३.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	१९३
७.४ विपद् जोखिम न्यूनिकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशिलता .....	१९३
७.४.१ पृष्ठभूमि .....	१९३
७.४.२ समस्या र चुनौती .....	१९४
७.४.३ सम्भावना र अवसर .....	१९४
७.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	१९५
७.४.५ विस्तृत कार्यक्रम .....	१९७
७.४.६ नतिजा खाका .....	१९८
७.४.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	२००
७.४.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	२००
<b>परिच्छेद ८ : संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र .....</b>	<b>२०१</b>
८.१ सुशासन ऐन, कानून र जवाफदेहिता .....	२०१
८.१.१ पृष्ठभूमि .....	२०१
८.१.२ समस्या र चुनौती .....	२०१
८.१.३ सम्भावना र अवसर .....	२०२
८.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	२०२
८.२.५ विस्तृत कार्यक्रम .....	२०५
८.२.६ नतिजा खाका .....	२०६

द.१.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	२०८
द.१.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	२०८
द.२ संस्थागत विकास, मानव संसाधन विकास तथा सेवा प्रवाह .....	२०८
द.२.१ पृष्ठभूमि .....	२०८
द.२.२ समस्या र चुनौती .....	२०९
द.२.३ सम्भावना र अवसर .....	२१०
द.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	२१०
द.२.५ विस्तृत कार्यक्रम .....	२१३
द.२.६ नतिजा खाका .....	२१४
द.२.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	२१६
द.२.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	२१६
द.३ वित्तीय श्रोत परिचालन .....	२१६
द.३.१ पृष्ठभूमि .....	२१६
द.३.२ समस्या र चुनौती .....	२१७
द.३.३ सम्भावना र अवसर .....	२१७
द.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	२१८
द.३.५ विस्तृत कार्यक्रम .....	२२०
द.३.६ नतिजा खाका .....	२२०
द.३.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	२२३
द.३.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	२२३
द.४ योजना व्यवस्थापन .....	२२३
द.४.१ पृष्ठभूमि .....	२२३
द.४.२ समस्या र चुनौती .....	२२४
द.४.३ सम्भावना र अवसर .....	२२४
द.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना .....	२२५
द.४.५ विस्तृत कार्यक्रम .....	२२७
द.४.६ नतिजा खाका .....	२२७
द.४.७ अपेक्षित उपलब्धी .....	२३०

८.४.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष .....	२३०
<b>परिच्छेद ९: योजना कार्यान्वयन व्यवस्था .....</b>	<b>२३१</b>
९.१ पृष्ठभूमि .....	२३१
९.२ संस्थागत व्यवस्था तथा मानव संसाधन योजना .....	२३१
९.३ विषय क्षेत्र अनुसार अनुमानित बजेट .....	२३२
९.४ श्रोत परिचालन रणनीति .....	२३२
९.५ आवधिक योजना कार्यान्वयन .....	२३३
९.५.१ कार्यान्वयन योजना .....	२३३
९.५.२ योजना कार्यान्वयन विधि .....	२३४
९.६ अनुगमन तथा मुल्याङ्कन योजना .....	२३५
९.६.१ अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको आवश्यकता .....	२३५
९.६.२ अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको जिम्मेवारी .....	२३६
९.६.३ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रकृया .....	२३७
<b>अनुसूची १ : विषयगत वडागत आयोजनाहरू .....</b>	<b>२३९</b>
<b>अनुसूची ३ : फोटोहरू .....</b>	<b>२९३</b>

## तालिका सूची

तालिका १ भौगोलिक अवस्था .....	७
तालिका २ वडागत जनसंख्या तथा क्षेत्रफल .....	७
तालिका ३ जनसाङ्ख्यिकीय विवरण .....	८
तालिका ४ वडागत जनसंख्या विवरण .....	८
तालिका ५ जनसंख्या वृद्धिदर .....	८
तालिका ६ उमेर समुह अनुसार जनसंख्याको बनावट .....	९
तालिका ७ जातजातिको आधारमा जनसंख्या विवरण .....	१०
तालिका ८ मातृभाषाको आधारमा जनसंख्या विवरण .....	११
तालिका ९ अपाङ्गताको अवस्था .....	११
तालिका १० घरधुरी अनुसार खानेपानीको स्रोतको अवस्था .....	१४
तालिका ११ घरधुरी अनुसार शौचालयको प्रयोगको अवस्था .....	१५
तालिका १२ घरधुरी अनुसार शौचालयको प्रयोगको अवस्था .....	१६
तालिका १३ बत्ती बाल्नेको लागि प्रयोग हुने इन्धनको स्रोत .....	१७
तालिका १४ घरधुरी अनुसार खाना पकाउने इन्धनको स्रोत .....	१७
तालिका १५ आ.व.२०८०/८१ को आय अनुमान .....	२०
तालिका १६ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रक्रिया .....	२३७

## परिच्छेद १ : परिचय

### १.१ पृष्ठभूमि

कुनै पनि क्षेत्रको व्यवस्थित विकासको लागि आवधिक योजनाहरू महत्वपूर्ण साधन हुन् । नेपालको संविधानले स्थानीय तहलाई प्राप्त संरचना अनुरूप एक बलियो स्थानीय सरकारको रूपमा स्थापित गरेको छ । संविधानमा नै स्थानीय तहको एकल र साझा अधिकारहरू परिभाषित छन् । जनसहभागिता, उत्तरदायित्व र पारदर्शिता सुनिश्चित गरी सुलभ र गुणस्तरीय सेवा प्रवाह गर्न, लोकतन्त्रका लाभहरूको समानुपातिक र न्यायोचित वितरण गरी कानुनी राज्य र दिगो विकासको अवधारणा अनुरूप समाजवाद उन्मुख प्राप्त लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासन प्रणालीलाई स्थानीय तहदेखि नै सुदृढ गर्ने उद्देश्य स्थानीय सरकार ऐन, २०७४ ले राखेको छ । उक्त ऐनको दफा ११ र १२ मा क्रमशः कार्यपालिका र वडा समितिको काम कर्तव्य र अधिकार तोकिएका छन् भने दफा २४ को उपदफा (१) मा स्थानीय तहले आफ्नो अधिकार क्षेत्र भित्रका विषयमा स्थानीय स्तरको विकासका लागि आवधिक, वार्षिक, रणनीतिगत विषय क्षेत्रगत मध्यकालीन र दीर्घकालीन योजना बनाई लागू गर्ने स्पष्ट उल्लेख छ । त्यसैगरी, ऐनको परिच्छेद ९ मा नगरपालिका/गाउँपालिकाको वित्तीय अधिकार क्षेत्र समेत तोकिएको छ । संविधान र कानून बमोजिम प्राप्त र प्रदेश सरकारले आवधिक योजना र दिगो विकास लक्ष्यहरू प्राप्त गर्ने मार्गचित्र समेत तर्जुमा गरिसकेका छन् । संविधानमा व्यवस्था भए अनुसार सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तह बीच सहकारिता, सहअस्तित्व र समन्वयमा आधारित विकास प्रकृतिलाई स्थानीय तहमा संस्थागत गर्न, उपलब्ध सीमित स्रोतहरूको न्यायोचित वितरण गरी स्थानीय जनताको विकासको चाहनालाई पूरा गर्नको लागि स्पष्ट मार्गचित्र आवश्यक भएकोले डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाले आवधिक योजना (आ.व. २०८१/८२-८५/८६) तर्जुमा गर्ने प्रकृतिलाई अगाडि बढाएको छ ।

गाउँपालिकामा उपलब्ध स्रोत तथा साधन र विकासको स्थितिलाई ध्यान दिई आगामी वर्षहरूमा विकास कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नको लागि योजनावद्ध विकासको आवश्यकता हुन्छ । त्यसकारण आवधिक योजनाले गाउँपालिकामा उपलब्ध स्रोत साधनको पहिचान गर्दै भविष्यमा गाउँपालिकालाई कस्तो किसिमको गाउँपालिकाको रूपमा विकास गर्ने हो भन्ने कुराको समेत निक्कौल गर्न मद्दत गर्दछ । नेपालको संविधान र कानूनमा व्यवस्था भए बमोजिम स्थानीय तहले आफ्नो अधिकार क्षेत्रभित्र रहेको विषय र क्षेत्रलाई समेट्ने गरी आर्थिक, सामाजिक विकासको लागि आवधिक विकास योजना तर्जुमा गर्नुपर्दछ । खास गरी स्थानीय तहका आर्थिक सामाजिक नीति, स्थानीय स्तरका आयोजना लगायतका विषय समेटेर स्थानीय सरकारले स्थानीय तहको आवधिक योजना तर्जुमा गर्छन् । यस्तो योजना तर्जुमा गर्दा नेपाल सरकारले राष्ट्रिय योजना र आ-आफ्नो प्रदेश सरकारको आवधिक योजनासँग तादात्म्यता कायम गर्नुपर्दछ । सङ्घ, प्रदेश र स्थानीय तहको आवधिक योजनाहरू बीच अन्तर सम्बन्ध रहेको हुन्छ ।

आवधिक योजनाले डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको समृद्धि र विकासको दीर्घकालीन सोच, उद्देश्य, रणनीति, कार्यनीति र प्राथमिकताको मार्गचित्र प्रस्तुत गर्दछ । यस आवधिक योजना पाँच वर्षका लागि निर्माण गरिएको भए पनि दीर्घकालीन सोच निर्धारण गर्दा "समृद्ध नेपाल: सुखी नेपाली" सोचसँग तादात्म्यता कायम हुने गरी गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच तयार गरिएको छ । योजनाको समष्टिगत सोचको परिकल्पना पाँच वर्षभन्दा

बढी अवधिको परिकल्पनाको आधारमा लक्ष्य र उद्देश्य तय गरिएको छ । यस आवधिक योजनामा उल्लेखित समष्टिगत र क्षेत्रगत सोच, लक्ष्य र उद्देश्य स्थलगत कार्यशाला गोष्ठीहरूमा गरिएको सामूहिक छलफलहरूको निचोड हो । रणनीतिको तर्जुमा ५ वर्ष भन्दा बढीको समयावधिलाई ध्यानमा राखेर गरिएको भए पनि कार्यान्वयन गर्ने नीतिहरू भने ५ वर्षको अवधिका लागि मात्र हुन् । संविधान बमोजिम कार्यपालिकाले डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच र योजना तर्जुमा गरी प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा लगानी गर्नुपर्दछ ।

## १.२ आवधिक योजनाको उद्देश्य

स्थानीय तहको आवधिक योजनाले निश्चित अवधिका लागि गाउँपालिकालाई आफुले चाहेको गन्तव्यतर्फ विकासको गतिलाई डोर्याउने काम गर्दछ । गाउँपालिकाको नेतृत्वमा योजनावद्ध विकासका लागि सरकारी, गैरसरकारी, सहकारी, समुदायमा आधारित संस्था तथा निजी क्षेत्रलाई एक स्थानमा ल्याई एकीकृत तथा समष्टिगत विकास प्रक्रियालाई मार्गदर्शन गर्नु नै आवधिक विकास योजना तर्जुमाको मुख्य उद्देश्य हो । डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको आवधिक योजना तयारीको मुख्य उद्देश्य नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारबाट जारी निर्देशिका, मापदण्ड र ढाँचाको अनुसार नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारको दीर्घकालीन सोच, नीति तथा योजना र दीगो विकासका लक्ष्यसँग तादात्म्यता कायम हुने गरी आवधिक योजना निर्माण गर्ने जसका निर्दिष्ट उद्देश्य निम्नानुसार रहेका छन् ।

- क) गाउँपालिका स्थित विभिन्न स्रोत साधनको उपलब्धता र वर्तमान स्थिति, समस्याहरू एवम् विषयगत क्षेत्रगत विकासका सम्भावनाहरूको बारेमा विश्लेषण गर्ने ।
- ख) गाउँपालिकाका विद्यमान पूर्वाधारहरूको अधिकतम उपयोग गर्दै योजनावद्ध तवरले आर्थिक सामाजिक पूर्वाधारको दीगो विकास योजना तर्जुमा गर्ने ।
- ग) विपन्न र सामाजिक हिसाबले वञ्चित रहेका क्षेत्र, वर्ग र लिङ्गका स्थानीय जनताको शिक्षा, स्वास्थ्य, खेलकुद एवम् मनोरञ्जनको आवश्यकतालाई परिपूर्ति गर्ने योजना तर्जुमा गर्ने ।
- घ) गाउँपालिका क्षेत्रभित्र उद्योग, व्यापार, कृषि, पशुपालन, पर्यटन, उर्जा र रोजगारी प्रवर्द्धन कार्यक्रमहरू मार्फत आर्थिक गतिविधिमा विस्तार गर्ने आर्थिक विकास योजना तर्जुमा गर्ने ।
- ङ) आवधिक योजनाका विभिन्न कार्यक्रमहरूको सञ्चालनका लागि आवश्यक पर्ने वित्तीय स्रोत परिचालन र त्यसको क्षेत्रगत लगानी योजना तयार गर्ने ।
- च) गाउँपालिकाको सांगठनिक स्वरूप, संस्थागत व्यवस्थापन, जनशक्ति व्यवस्थापन र असल शासनका कार्यक्रमहरू समेटिएको संस्थागत योजना तयार गर्ने ।
- छ) गाउँपालिका क्षेत्रको पर्यावरणीय सन्तुलन, वातावरण संरक्षण र व्यवस्थापन तथा सम्भावित विपद् व्यवस्थापनको योजना तर्जुमा गर्ने ।
- ज) गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच, स्थानीय आवश्यकता, प्राथमिकता र विकासका सम्भावनाका आधारमा गाउँपालिकाको एकीकृत विकासको लागि आवधिक योजना तयार गर्ने ।
- (झ) बहु क्षेत्रीय लगानी योजना तयार गर्ने ।
- ञ) आवधिक योजना कार्यान्वयन, अनुगमन र मूल्याङ्कनको कार्ययोजना निर्माण गर्ने ।



### १.३ आवधिक योजना तर्जुमाका आधारहरू

नेपालको संविधान, विद्यमान ऐन, नियमहरू, विद्यमान राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक नीति प्राप्त सोही योजनाको आधार पत्रका लक्ष्य तथा उद्देश्यहरू, दिगो विकासका लक्ष्य, राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक सरकारका मार्ग निर्देशन, डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाका प्रमुख समस्या र सम्भावना, गाउँपालिकामा प्रतिनिधित्व गर्ने राजनैतिक दलका घोषणा पत्रहरू, जोखिममा रहेका परिवारको अध्ययन प्रतिवेदनलाई यस आवधिक योजना तर्जुमाको लागि महत्वपूर्ण आधारका रूपमा लिइएको छ । तसर्थ यस आवधिक योजना तर्जुमा गर्दा संविधानमा रहेका विभिन्न प्रावधान एवम् देशको आर्थिक, सामाजिक, वातावरणीय तथा राजनीतिक पक्षसँग सम्बन्धित विभिन्न ऐन, नियम र नीतिको कार्यान्वयन तथा उद्देश्य हासिल गर्ने पक्षलाई ध्यान दिदै निम्न लिखित आधारहरू लिइएको छ ।

- क) स्थानीय तहको संवैधानिक हैसियत (अनुसूचि ८ मा उल्लेखित अधिकारलाई प्रयोग गर्ने) ।
- ख) स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को परिच्छेद ६, दफा २४ को व्यवस्था अनुसार स्थानीय तहलाई निक्षेपित अधिकारहरूको कार्यान्वयन ।
- ग) डुङ्गेश्वर गाउँ कार्यपालिकाको निर्णय अनुसार कार्यनिर्देशन ।
- घ) स्थलगत सर्वेक्षण, अन्तरक्रिया र विभिन्न विषयगत समितिहरूसँग व्यापक छलफल ।
- ङ) राष्ट्रिय योजना आयोगले तयार पारेको स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन ।
- च) विद्यमान राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक नीति ।
- छ) राष्ट्रिय/प्रादेशिक/स्थानीय तहको दीर्घकालीन सोच ।
- ज) राष्ट्रिय / प्रादेशिक आवधिक योजना ।
- झ) दिगो विकास लक्ष्य ।
- ञ) राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक सरकारका मार्गनिर्देशन ।
- ट) गाउँपालिकाको प्रमुख समस्या र सम्भावना ।
- ठ) स्थानीय राजनैतिक दल तथा सरोकारवालाहरूको विकास दृष्टिकोण ।

### १.४ आवधिक योजना तयारी प्रकृया

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको विस्तृत स्वरूपको आवधिक विकास योजना देहायको विधि तथा प्रक्रिया अनुसार तर्जुमा गरिएको छ ।

#### १.४.१ योजना अभिमुखीकरण कार्यशाला गोष्ठी

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको आवधिक योजना तर्जुमा कार्यको मिति २०८० साल चैत्र १५ गते विहिवार आवधिक योजना तर्जुमा सम्बन्धी पूर्व योजना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठी सम्पन्न गरी परामर्शदाताको तर्फबाट आवधिक योजनाको उद्देश्य, प्रकृया यसको सम्भावित नतिजाको बारेमा प्रकाश पारिने कार्य सम्पन्न गरियो। सरोकारवालाहरूसँग सुझाव सङ्कलन गरी आगामी कार्ययोजना बारे समेत छलफल गरिएको थियो। यस क्रममा आवधिक योजना तर्जुमाका लागि संगठनात्मक संयन्त्र निर्देशक समिति, समन्वय तथा सहजीकरण समिति क्रमशः गाउँपालिकाका अध्यक्ष र प्रमुख प्रशासकिय अधिकृतको संयोजकत्वमा गठन गरिएको थियो। यसैगरी योजना तर्जुमाका लागि तथ्याङ्क तथा सूचनाहरू अद्यावधिक गर्ने कार्य समेत प्रारम्भ गरिएको थियो ।

#### १.४.२ वडागत छलफल तथा समस्या पहिचान अन्तरक्रिया

निर्वाचित वडा पदाधिकारीहरू, पूर्व निर्वाचित पदाधिकारीहरू, वडा स्थित राजनीतिक दलका प्रतिनिधिहरू, शिक्षक तथा बुद्धिजीवीहरू, संघ संस्था, दलित, महिला, जनजाति तथा अन्य जातिहरू, टोल विकास संस्थाका प्रतिनिधिहरू तथा परामर्शदाताका प्राविधिकहरूको संयुक्त छलफलमा वडाका प्रमुख समस्याहरू, विकासको सम्भावनाहरू, क्षेत्रगत चुनौतीहरू, अपेक्षित आयोजनाहरूको बारेमा आवधिक योजना तयारीको लागि तयार गरिएको चेकलिस्टमा आधारित रही छलफल गरिएको थियो । वडागत छलफल तथा अन्तर्क्रियामा यसैगरी वडाको वार्षिक योजना तथा कार्यक्रम, वडाको समष्टिगत विकास अवधारणा र प्रगति बारेमा समेत सूचना सङ्कलन गरिएको थियो । यस किसिमका सूचनाहरू वडाको समस्या सम्भावना पहिल्याई वडागत योजना तयारीको लागि उपयोग गर्नुका साथै वडागत समस्या पहिचान गर्ने, वडा स्तरका कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूको पहिचान र प्राथमिकीकरण गर्ने, समस्या न्यूनीकरणको लागि सुझावहरू सङ्कलन गर्ने, अन्य आवश्यक सूचनाहरू सङ्कलन गर्ने तथा ती सूचनाहरू विश्लेषणको आधारमा आगामी पाँच वर्षको योजनामा समावेश गरिएको छ ।

#### १.४.३ योजना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठी तथा विषयगत योजना तयारी कार्यशालाको आयोजना

विषय विज्ञहरूसँगको परामर्श तथा प्राविधिक टोलीको सहयोगमा २०८१ साल वैशाख २८ र २९ गते योजना तर्जुमा कार्यशाला गोष्ठी आयोजना गरियो । गाउँपालिकाको नेतृत्व तथा विषयगत समितिहरूका संयोजक, सरोकारवाला र विषय विज्ञहरूको सहजीकरणमा सम्पन्न गोष्ठीमा दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, तथा रणनीति, सम्भावना तथा समस्या विश्लेषण, विषय क्षेत्रगत रणनीतिक उद्देश्य एवम् भौतिक एवम् वार्षिक कार्यान्वयन तालिका निर्धारण गरिएको थियो । साथै सबै विषय क्षेत्रगत विकास अवधारणा, प्रमुख कार्यक्रम तथा आयोजना, भौतिक लक्ष्य र आवश्यक श्रोतमा सहमति गरिएको थियो । गाउँपालिकाको समष्टिगत आर्थिक तथा सामाजिक विकासको लक्ष्य प्राप्त गर्न गाउँपालिका तथा स्थानीय तहका सरोकारवालाहरूको स्रोत तथा क्षमता आधार मानी दुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको ५ वर्ष अवधिको योजना तयार गरिएको हो । योजनालाई वार्षिक योजना (वार्षिक नीति, कार्यक्रम तथा बजेट) मार्फत कार्यान्वयन गर्ने र नियमित अनुगमन तथा आवधिक समीक्षा तथा मूल्याङ्कन गरी नतिजाको मापन तथा सिकाईको प्रारूप समेत तयार गरिएको थियो ।

#### १.४.४ मस्यौदा प्रतिवेदन तयारी

आवधिक योजना तयारीका क्रममा विभिन्न चरणहरूबाट प्राप्त विवरण, सुझाव एवम् निष्कर्षका आधारमा आवधिक योजना दस्तावेजको मस्यौदा तयार गरिएको छ । यस आवधिक योजनामा क्षेत्रगत योजनाहरू जस्तै: आर्थिक क्षेत्र, सामाजिक क्षेत्र, पूर्वाधार क्षेत्र, वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र, संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र रहेका छन् । त्यसैगरी आवधिक योजना कार्यान्वयनको लागि कार्यान्वयन व्यवस्था समेत तयार गरिएको छ । क्षेत्रगत विकास योजना तयार गर्दा सम्बन्धित सरोकारवाला समितिहरूबाट व्यापक छलफल गराई योजनाको प्रारूप तयार गरिएको छ । यसका साथै योजना टोलीमा

संलग्न विषय विज्ञ तथा योजनाविद्हरूसँगको सुझाव लिई प्राविधिक सहयोग टोलीद्वारा आवधिक योजना दस्तावेज परिमार्जन गरिनुका साथै स्थानीय तहका अधिकार क्षेत्रका प्राय सबै विषय एवम् प्राविधिक पक्षहरूलाई तर्कपूर्ण एवम् वस्तुनिष्ठ ढङ्गबाट प्रस्तुत गरी दुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको आवधिक योजनाको दस्तावेज तयार गरिएको छ ।

#### १. ५ योजना तर्जुमाका सीमाहरू

क) योजना तर्जुमाका क्रममा उपयुक्त कतिपय तथ्याङ्कहरू सर्वेक्षणबाट प्राप्त हुन नसकेकोले गोष्ठीबाट प्राप्त सूचना र प्रमाणीकरण भए बमोजिमका तथ्याङ्कहरूलाई नै आधार मानी प्रयोग गरिएको छ ।

ख) कतिपय अवस्थामा विगत वर्षका तथ्याङ्कहरूलाई प्रवृत्तिका रूपमा विश्लेषण गरी सो को आधारमा आ.व. २०८०/८१ लाई नै आधार वर्षको रूपमा तय गरिएको छ ।

ग) राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ तथा गाउँपालिकाबाट प्राप्त तथ्याङ्कहरूलाई आधिकारिक मानी विश्लेषण गरिएको छ । यद्यपि केही तथ्याङ्कहरू अन्य स्रोतजर्बाट पनि प्रयोग गरिएको छ ।

घ) पुर्नगठित गाउँपालिका पूर्वका स्थानीय तहको एकिकृत तथ्याङ्कको अभावमा लामो समयको प्रवृत्तिगत विश्लेषण गर्न नसकिएको ।

ङ) वडा भेलामा सहभागीहरूको विचार प्रतिनिधिमुलक रूपमा आवधिक योजनामा समावेश भएको

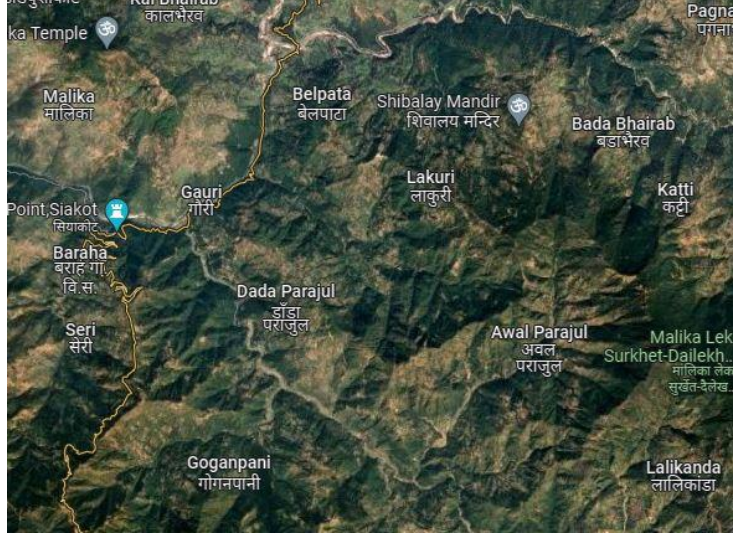
च) स्रोत साधान र समयको सीमितताको कारणले वडावासीहरूका सम्पूर्ण अपेक्षा र आकांक्षाहरू योजनामा समेट्न नसकिएको ।

छ) विभिन्न कार्यक्रमहरू दीर्घकालीन प्रकृतिका र विस्तृत परियोजना प्रतिवेदनको आवश्यकता पर्ने खालका भएकाले परियोजनागत विस्तृत लगानी योजना गर्न तत्काल सम्भव नभएको ।

## परिच्छेद २: गाउँपालिकाको विद्यमान वस्तुगत स्थिति

### २.१ गाउँपालिकाको परिचय

नेपाल सरकारले साविकका ४ वटा गाविसहरू (बेलपाटा, लाँकुरी, अवलपराजुल, डाँडापराजुल) लाई गाभेर मिति २०७३ साल फागुन २७ गते डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको पुनःसंरचना गरेको छ। कुल १०५.२० बर्ग कि.मी. क्षेत्रमा फैलिएको यो गाउँपालिका दैलेखका ११ वटा स्थानीय तहहरू मध्य क्षेत्रफलका हिसाबले तेस्रो सानो स्थानीय तह हो। साविकको डाँडापराजुल गाविसको डुङ्गेश्वर बजार यस क्षेत्रकै चर्चित ठाँउ भएकोले यस गाउँपालिकाको नाम डुङ्गेश्वर गाउँपालिका रहन पुग्यो। विगतका वर्षहरूमा डुँगेल देवताको वासस्थान भएको कारणले गर्दा देवताको नामबाट यस स्थानको नाम डुँगेश्वर नामाकरण गरीएको इतिहास यस क्षेत्रमा पाइन्छ। किम्बदन्ती अनुसार डुँगेल भनेको देवता र श्वर भनेको वासस्थान हुनेभएकोले डुँगेल देवताको वासस्थान मानिएकोस्थानको नाम पछि आएर डुङ्गेश्वर नै रहन भएको एकथरी किम्बदन्ति रहेको छ भने अर्कोतर्फ प्राचित कालमा यस स्थाबाट अन्यत्र बाहिर जानुपथ्यो भने वरीपरी खोलाहरू भएको कारणले डुङ्गा तेरर जानुपर्ने भएको हुँदा त्यस ठाउँको नाम डुङ्गेश्वर रहन गएको भन्ने अर्को किम्बदन्ती पाइन्छ।



### २.१.१ भौगोलिक अवस्थिति

डुङ्गेश्वर गाउँपालिका दैलेख जिल्लाको दक्षिण क्षेत्रमा अवस्थित छ। यस गाउँपालिकाको पूर्वमा भगवतीमाई गाउँपालिका, पश्चिममा दुल्लु नगरपालिका, उत्तरमा नारायण नगरपालिका पर्दछन् भने दक्षिणमा गुराँस गाउँपालिका रहेको छ। यस डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा साविकको बेलपाटा गाविसका १-९ वडालाई वडा नं. १, साविक लाँकुरी गाविसका १-९ वडालाई वडा नं. २, साविक अवलपराजुल गाविसका १-४ वडालाई वडा नं. ३, अवलपराजुल गाविसका ५-९ वडालाई वडा नं. ४, साविक डाँडापराजुल गाविसका १,२,३,५ र ६ वडालाई वडा नं. ५ तथा डाँडापराजुल गाविसका ४,७,८ र ९ वडालाई वडा नं. ६ कायम गरिएको छ। यो गाउँपालिकाको अवस्थितिलाई जिआईएस बिधिको प्रयोग गरि गणना गरि हेर्दा ८१ डिग्री २५ मिनेट देशान्तरदेखि ८१ डिग्री ५३ मिनेट देशान्तरसम्म र २८ डिग्री ३५ मिनेट अक्षांशदेखि २९ डिग्री ८ मिनेट अक्षांशसम्म फैलिएर रहेको छ।

तालिका १ भौगोलिक अवस्था	
प्रदेश	कर्णाली प्रदेश
जिल्ला	दैलेख
गाउँपालिका	डुङ्गेश्वर गाउँपालिका
गाउँपालिका केन्द्र	साविक डाँडापराजुल गाविस
वडा संख्या	६ वटा
पूर्व	भगवतीमाई गाउँपालिका
पश्चिम	दुल्लु नगरपालिका
उत्तर	नारायण नगरपालिका
दक्षिण	गुराँस गाउँपालिका
कुल क्षेत्रफल	१०५.२० वर्ग कि.मी.
कुल घरधुरी (२०७८)	३३९९
कुल जनसंख्या (२०७८)	१४५३३
श्रोत: संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय र राष्ट्रिय जनगणना, २०७८	

तालिका २ वडागत जनसंख्या तथा क्षेत्रफल				
नयाँ वडा	समावेश गाविस/पालिका	जनसंख्या	प्रतिशत	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)
१	बेलपाटा (१-९)	२७७९	१९.१२	१०.०८
२	लाँकुरी (१-९)	२९६९	२०.४३	२४.४७
३	अवलपराजुल (१-४)	१८०७	१२.४३	२८.१२
४	अवलपराजुल (५-९)	२२१६	१५.२५	८.७३
५	डाँडापराजुल (१,२,३,५ र ६)	२०१६	१३.८७	१५.२४
६	डाँडापराजुल (४,७,८ र ९)	२७४६	१८.८९	१८.५६
जम्मा		१४५३३	१००.००	१०५.२
श्रोत: संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय र राष्ट्रिय जनगणना, २०७८				

### २.१.२ जनसाङ्ख्यिकीय अवस्था

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको कुल जनसङ्ख्या १४५३३ र जम्मा घरधुरी ३३९९ रहेको छ जसमध्ये पुरुष ६८९० (४७.४० प्रतिशत) र महिला ७६४३ (५२.६० प्रतिशत) रहेको छ । यस गाउँपालिकाको सरदर घरधुरी आकार ४.२८, लैङ्गिक अनुपात ९०.१५ र जनघनत्व १३८.१५ व्यक्ति प्रति वर्ग कि. मि. छ ।

तालिका ३ जनसाङ्ख्यिकीय विवरण	
जम्मा घरधुरी	३३९९
जम्मा जनसङ्ख्या	१४५३३
पुरुष	६८९०
महिला	७६४३
सरदर घरधुरी आकार	४.२८
लैंगिक अनुपात	९०.१५
जनघनत्व	१३८.१५
श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८	

जनसङ्ख्याको वडागत वितरण हेर्दा सबैभन्दा बढी जनसङ्ख्या वडा नं २ मा २९६९ (२०.४३ प्रतिशत) र सबैभन्दा कम जनसङ्ख्या वडा नं ३ मा १८०७ (१२.३३ प्रतिशत) छ । जनघनत्वको हिसाबले हेर्दा सबैभन्दा बढी जनघनत्व वडा १ को २७५.६९ व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मि. तथा सबै भन्दा कम वडा नं. ३ मा ६४.२६ व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मि. छ ।

तालिका ४ वडागत जनसंख्या विवरण							
वडा नं.	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि)	घरधुरी संख्या	जनसंख्या			जनघनत्व	लैंगिक अनुपात
			पुरुष	महिला	कुल		
१	१०.०८	६९६	१३१४	१४६५	२७७९	२७५.६९	८९.६९
२	२४.४७	७६१	१३५२	१६१७	२९६९	१२१.३३	८३.६१
३	२८.१२	३६९	९२२	८८५	१८०७	६४.२६	१०४.१८
४	८.७३	४८९	१०३६	११८०	२२१६	२५३.८४	८७.८०
५	१५.२४	४८५	९५४	१०६२	२०१६	१३२.२८	८९.८३
६	१८.५६	५९९	१३१२	१४३४	२७४६	१४७.९५	९१.४९
	१०५.२	३३९९	६८९०	७६४३	१४५३३	१३८.१५	९०.१५
श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८							

गाउँपालिकाबाट रोजगारी, शिक्षा र अन्य अवसरहरूको लागि अन्यत्र जाने र सकेसम्म उतै बस्ने प्रवृत्ति रहेको छ । यस गाउँपालिकामा घर भई विभिन्न कारणले अन्यत्र बसोबास गर्ने व्यक्तिको सङ्ख्या प्रशस्त देखिन्छ ।

तालिका ५ जनसंख्या वृद्धिदर		
दुङ्गेश्वर गाउँपालिका	जनसंख्या २०६८	जनसंख्या २०७८
जनसंख्या	१५८८३	१४५३३
जनसंख्या वृद्धिदर		-०.०९३
श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना २०६८ र २०७८		

जनसङ्ख्या वृद्धिदर २०७८ सालमा ०.०९३ प्रतिशतले घटेको देखिन्छ । जनसङ्ख्या घट्नुमा वैदेशिक रोजगार र आसपासका जिल्लाका पालिकाहरूमा बसाइँसराइको कारण रहेको अनुमान गर्न सकिन्छ ।

जनसङ्ख्याको बनावटलाई हेर्दा सबैभन्दा बढी १०-१४ वर्ष उमेर समुहमा ११.६८ प्रतिशत जनसङ्ख्या रहेको छ भने सबैभन्दा कम ९५ माथि वर्ष उमेर समुहमा ०.०३ प्रतिशत जनसङ्ख्या रहेको छ । जनसङ्ख्याको सक्रिय उमेर समुह (१५-५९) लाई हेर्दा ६०.०८ प्रतिशत जनसङ्ख्या रहेको छ । आश्रित जनसङ्ख्याको हकमा ( ० देखि १४ वर्ष सम्म) २९.९० प्रतिशत र ६० वर्ष माथि १०.०२ प्रतिशत रहेका छन् ।

तालिका ६ उमेर समुह अनुसार जनसंख्याको बनावट						
उमेर समुह	पुरुष	प्रतिशत	महिला	प्रतिशत	कुल	प्रतिशत
००-०४	६५७	४.५	६२७	४.३	१२८४	८.८४
०५-०९	६९१	४.८	६७३	४.६	१३६४	९.३९
१०-१४	८२५	५.७	८७२	६.०	१६९७	११.६८
१५-१९	८२१	५.६	८५२	५.९	१६७३	११.५१
२०-२४	६२६	४.३	७९३	५.५	१४१९	९.७६
२५-२९	४९२	३.४	६१७	४.२	११०९	७.६३
३०-३४	४२२	२.९	५२२	३.६	९४४	६.५०
३५-३९	३५४	२.४	४५८	३.२	८१२	५.५९
४०-४४	३२५	२.२	४१८	२.९	७४३	५.११
४५-४९	३११	२.१	४०३	२.८	७१४	४.९१
५०-५४	३७३	२.६	३९८	२.७	७७१	५.३१
५५-५९	२७०	१.९	२७७	१.९	५४७	३.७६
६०-६४	२४७	१.७	२३५	१.६	४८२	३.३२
६५-६९	१९८	१.४	१५७	१.१	३५५	२.४४
७०-७४	१२२	०.८	१८६	१.३	३०८	२.१२
७५-७९	९६	०.७	१००	०.७	१९६	१.३५
८०-८४	३४	०.२	३४	०.२	६८	०.४७
८५-८९	२०	०.१	१७	०.१	३७	०.२५
९०-९४	३	०.०२	३	०.०	६	०.०४
९५ माथि	३	०.०२	१	०.०	४	०.०३
<b>कुल जम्मा</b>	<b>६८९०</b>	<b>४७.४</b>	<b>७६४३</b>	<b>५२.६</b>	<b>१४५३३</b>	<b>१००</b>

श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८

जातजाति र मातृ भाषा

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा जातिगत विविधता रहेको देखिन्छ । सम्पूर्ण जातजातिहरूमा पारस्परिक मेलमिलाप, सद्भाव र समझदारी कायम रहेको छ । यस गाउँपालिकामा क्षेत्री, मगर र विश्वकर्मा जातिको जनसंख्या अधिक रहेको छ । क्षेत्री जातिको जनसंख्या ४२ प्रतिशत रहेको पाईन्छ भने मगर जातिको जनसंख्या १६.६ प्रतिशत रहेको पाईन्छ । यसैगरी यस गाउँपालिकामा विश्वकर्मा जाति तेस्रो स्थानमा रहेको छ । विश्वकर्मा जातिको जनसंख्या १५.५ प्रतिशत रहेको छ । चौथो स्थानमा ब्राह्मण - पहाड जाति (६.९%) र पाँचौँ स्थानमा ठकुरी जाति (६.६%) को जनसंख्या रहेको छ । डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको जात जाति सम्बन्धी विवरण तलको तालिकामा देखाइएको छ ।

तालिका ७ जातजातिको आधारमा जनसंख्या विवरण			
क्र.म.	जातजातिहरू	जनसंख्या	प्रतिशत
१	क्षेत्री	६१०४	४२
२	मगर	२४१२	१६.६
३	विश्वकर्मा	२२५३	१५.५
४	ब्राह्मण - पहाड	१००३	६.९
५	ठकुरी	९५९	६.६
६	परियार	७७०	५.३
७	गुरुङ	४२१	२.९
८	मिजार	३३४	२.३
९	गाइने	७३	०.५
१०	अन्य	२०३	१.४
जम्मा		१४५३३	१००

श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा भाषिक विविधता पाइन्छ । यहाँ विभिन्न जात-जातिका मानिसहरूको बसोबास भएका कारण विविध भाषाहरू प्रचलनमा रहेका छन् । गाउँपालिकामा विभिन्न भाषाभाषीहरू गणनामा आएको पाइन्छ । तथापि नेपाली, मगर टुट, र गुरुङ भाषा यस क्षेत्रमा बढी मात्रामा बोलिचालिमा रहेको छ । डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा सबैभन्दा बढी ९५.३ प्रतिशतले नेपाली भाषा बोल्दछन् भने ३.७ प्रतिशत मगर टुट भाषा बोल्ने गरेको पाइन्छ । यसरी नै ०.५ प्रतिशतले गुरुङ भाषा बोल्ने गरेको पाइन्छ भने ०.३ प्रतिशतले मगर खाम भाषा मातृभाषाको रूपमा बोल्ने गर्दछन् । त्यसैगरी यस गाउँपालिकामा ०.१ प्रतिशतले हिन्दी मातृभाषाको रूपमा बोल्ने गर्दछ भने अन्य भाषिक समुदायको पनि बसोबास रहेको छ । सरकारी कामकाजको भाषा चै नेपाली नै रहेको छ ।



तालिका ८ मातृभाषाको आधारमा जनसंख्या विवरण			
क्र.म.	मातृभाषा	जनसंख्या	प्रतिशत
१	नेपाली	१३८५०	९५.३
२	मगर ढुट	५३७.७	३.७
३	गुरुङ	७२.६७	०.५
४	मगर खाम	४४	०.३
५	हिन्दी	१५	०.१
६	अन्य	१५	०.१
जम्मा		१४५३३	१००
श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८			

#### अपाङ्गता

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार यस गाउँपालिकामा कुल जनसङ्ख्याको १४१०२ जना (९७.०३ प्रतिशत) को शारीरिक अवस्था सामान्य रहेको छ भने ४३१ जना (२.९७ प्रतिशत) अपाङ्गता भएका व्यक्ति भेटिएका छन् । जसमध्ये शारीरिक अपाङ्गता भएका व्यक्ति सबभन्दा बढी कुल जनसङ्ख्याको १.३६ प्रतिशत छ भने सबभन्दा कम बौद्धिक अपाङ्गता अनुवंशीय रक्तश्राव तथा अटिजम रहेको छ जसको ०.०१ प्रतिशत रहेको छ ।

तालिका ९ अपाङ्गताको अवस्था		
अपाङ्गताको प्रकार	जनसंख्या	प्रतिशत
कुनै प्रकारको अपाङ्गता नभएको	१४१०२	९७.०३
शारीरिक अपाङ्गता	१९८	१.३६
न्यून दृष्टियुक्त	६१	०.४२
दृष्टिविहीन	१८	०.१२
बहिरोपन	१९	०.१३
मनोसामाजिक अपाङ्गता	१३	०.०९
न्यून श्रवणशक्ति	२८	०.१९
बहिरोपन एवं दृष्टिविहीन	१२	०.०८
मानसिक वा मनोसामाजिक	३३	०.२३
बौद्धिक अपाङ्गता	२	०.०१
अनुवंशीय रक्तश्राव (हेमोफेलिया)	१	०.०१
अटिजम्	२	०.०१
बहुअपाङ्गता	३६	०.२५
अन्य	८	०.०६

जम्मा	१४५३३	१००.००
श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८		

## २.२ आर्थिक विकास अवस्था

### २.२.१ कृषि, पशुपंक्षीपालन तथा खाद्य सुरक्षा

गाउँपालिकाका नागरिकको जीवनयापनको प्रमुख आधार कृषि तथा पशुपालन हो । यस गाउँपालिकामा प्रमुख रूपमा मकै, धान, कोदो, आलु, गहुँ खेती नै आर्थिक विकासको प्रमुख साधनको रूपमा रहेको छ । तरकारी बाली, दलहन बाली, तेलहन बाली, नगदे वालीका साथै मसला बालीको समेत उत्पादन भईरहेको भएता पनि व्यावसायिक तवरले उत्पादन हुन नसक्दा यस क्षेत्रको समुचित विकास हुन सकिरहेको छैन । आर्थिक विकास सम्भावनाका क्षेत्रहरू प्रचुर भएपनि आवश्यक व्यावसायिक ज्ञान तथा सूचनाको कमी, आधुनिक तथा महिलामैत्री प्रविधिको अभाव, कृषि बजारको कमी, वित्तीय संस्थाको कमी, कृषि विमाको अभ्यासको कमी, सङ्कलन केन्द्रको अभाव, जंगली जनावरले बालीको नोक्सानी, सिँचाइको कमी, अनुसन्धानमूलक कृषि प्रणालीको कमी, कर्जामा पहुँच कम बजारोन्मुख खेती प्रणाली नहुनु मुख्य चुनौतीको रूपमा रहेको छ । डुङ्गेश्वर गाउँपालिकावासीको प्रमुख पेशा कृषि भएतापनि अधिकांश कृषकहरू परम्परागत तौरतरिकामा नै सिमित रहेको हुँदा व्यावसायिक खेती प्रणालीको समेत विकास हुन सकेको छैन । यस डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा भएका सिँचाइ पूर्वाधारको उचित व्यवस्थापन गर्न सकेमा एवं कृषि एवं पशुपालनमा व्यावसायिक प्रणाली अपनाउन सकिने एवं व्यावसायिकतामा जोड दिन सकिने सम्भावना प्रशस्त रहेको छ ।

### २.२.२ पर्यटन तथा संस्कृति

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको वडाहरूमा विभिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक तथा साँस्कृतिक महत्व बोकेका सम्पदाहरू रहेका छन् । प्रचार प्रसार, संरक्षण र सम्बर्द्धनको अभावमा पर्यटक भने तान्न यि सम्पदाहरूले सकिरहेका छैनन् । यस गाउँपालिकाको पर्यटकिय स्थानहरू कुइया ताल, खराते ताल, मालिका मन्दिर, कोटाफेरा, देवल, नारायण मन्दिर, लाँकुरी मन्दिर, माइको थान मन्दिर, गिद्धपोखारी, गुरुडगाडेडाँडा, पञ्चायन/डुङ्गेधारा, डुङ्गेल मन्दिर रहेका छन् ।

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको धार्मिक पर्यटकीय महत्वको दुष्टिकोणले सामाजिक रितिरिवाज र चाड पर्वमा दशैं, तिहार, चैतेदशैं, साउने संक्रान्ति, स्थानीय देवीदवताहरूको पैठ र लहरेपैसरी लगायतका स्थानीय कला संस्कृतिहरू रहेका छन् । यस गाउँपालिकाका पुरुषहरूले दौरा, सुरुवाल, कोट, टोपी र महिलाहरूले गुन्यू चोलो भेषभुषाका रूपमा लगाउने गरे पनि युवा वर्ग भने एक्काईसौं शताब्दीको आधुनिकता तर्फ आर्कषित भएको पाईन्छ । यसले गर्दा पुरानो कला संस्कृती र रितिरीवाजलाई दोश्रो पुस्ता सम्म हस्तान्तरण गर्न कठिनाई देखिएको छ । आफ्नै जातजातिगत भेषभुषा तथा खानपिन भाषाभाषी सस्कार संस्कृति रहनुले यस क्षेत्रको विकासको संभावना प्रशस्त देखिन्छ ।

### २.२.३ व्यापार, व्यवसाय तथा उद्योग

यस गाउँपालिकामा मुख्य हाट बजारहरू डुङ्गेश्वर, चुप्रा देउली र अवलपराजुल दैलेख आदी सञ्चालनमा रहेको तथा प्रमुख बजार क्षेत्रको रूपमा डुङ्गेश्वर र चुप्रा आदि रहेको छ । गाउँपालिकामा संभावना बोकेका व्यापार व्यवसायहरूमा बाँसजडीवुटी लगायत अन्य वन पैदावारमा आधारित उद्योग, दुध तथा डेरी, ऊन व्यवसाय, मासु व्यवसाय आदि प्रमुख रूपमा देखिन्छन् । घरेलु व्यवसायमा स्थानीय महिला तथा युवालाई लक्षित गरी सीपमा आधारित ढाका कपडा बुन्ने व्यवसायको विस्तार गर्न सकिने देखिन्छ । यसैगरी वैदेशिक रोजगारबाट प्राप्त रेमिट्यान्सलाई व्यवसायमा लगाउनका साथै वैदेशिक रोजगारीबाट भित्रिएको दक्ष जनशक्तिलाई स्थानीय स्तरमा उपलब्ध कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगहरूको स्थापना गरी सञ्चालन गर्न सकिने संभावना रहेको देखिन्छ ।

### २.२.४ श्रम तथा रोजगारी

सामान्यतया आफ्नो दैनिक बन्दोवस्तीको व्यवस्था आफै गर्न सक्ने अर्थात् आफै आय आर्जन गरी गुजारा गर्न सक्ने जनसंख्या नै सक्रिय हो भने त्यसको विपरित परनिर्भरतामा जिवन गुजारा गर्ने जनसंख्या नै आश्रित जनसंख्या हो । जनसांख्यिक दृष्टिकोण अनुसार ०-१४ वर्ष र ६०+ वर्ष भन्दा माथिको उमेरको जनसंख्यालाई आश्रित जनसंख्या भनिन्छ भने १५-५९ वर्ष उमेर समुहको जनसंख्या सक्रिय जनसंख्या हो । जनसङ्ख्याको बनावटलाई हेर्दा सबैभन्दा बढी १०-१४ वर्ष उमेर समुहमा ११.६८ प्रतिशत जनसङ्ख्या रहेको छ । जनसङ्ख्याको सक्रिय उमेर समुह (१५-५९) लाई हेर्दा ६०.०८ प्रतिशत जनसङ्ख्या रहेको छ । आश्रित जनसङ्ख्याको हकमा ( ० देखि १४ वर्ष सम्म) २९.९० प्रतिशत र ६० वर्ष माथि १०.०२ प्रतिशत रहेका छन् ।

### २.२.५ बैंक, सहकारी तथा वित्तीय क्षेत्र

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा हाल १ वटा मात्र बैंकको संचालनमा रहेको छ । यहाँ १३ वटा सहकारी संस्थाहरू रहेका छन् जसले बचत संकलन, ऋण लगानीका कार्यक्रम मात्र गर्दछन् भने आमा समूह, सामुदायिक संस्था र विभिन्न बचत समूहबाट समेत वित्तीय सेवा उपलब्ध भईरहेका छन् ।

### २.३ सामाजिक विकास अवस्था

#### २.३.१ स्वास्थ्य तथा पोषण

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा सरकारी संस्थाबाट संचालित ४ वटा स्वास्थ्य चौकी, १२ वटा गाँउघर क्लिनिक, १६ वटा खोप क्लिनिक र ६ वटा वर्थिड सेन्टर रहेका छन् । यस गाउँपालिकामा गैर- सरकारी संस्थाबाट संचालित १ वटा पोलिक्लिनिक रहेको पाइन्छ । अन्य स्वास्थ्य केन्द्रहरूमा २ वटा माइक्रोस्कोपी केन्द्र, ६ वटा क्षयरोग उपचार केन्द्र र २ वटा आधारभूत स्वास्थ्य केन्द्र सञ्चालनमा रहेका छन् ।

नेपाल सरकारको पछिल्लो स्वास्थ्य नीति अनुरूप हरेक स्थानीय निकायमा एउटा स्वास्थ्य केन्द्र कम्तिमा १५ शैयाको स्थापना गर्ने लक्ष्य रहेको छ । यस गाउँपालिकामा विद्यमान स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट विरामीहरूले उचित उपचार प्राप्त गर्नका लागि कठिन भएको तथा बढ्दो जनसंख्या र सिमित जनशक्तिका कारण पर्याप्त

मात्रामा स्वास्थ्य उपचारको व्यवस्था हुन सकेको छैन । हाल यस नगपालिकाका विभिन्न वडा तथा टोलहरूमा ५७ जना महिला स्वास्थ्य स्वयमसेविकाले स्वयमसेवा गरिरहेका छन् ।

### २.३.२ शैक्षिक विकास

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार साक्षरता दर ७९.१ प्रतिशत रहेको जसमध्ये पुरुष साक्षरता ८७.२ प्रतिशत र महिला साक्षरता ७१.९ प्रतिशत रहेको छ । कूल ३५ वटा विद्यालयहरू र बालविकास केन्द्र ३० रहेको देखिन्छ भने १५ वटा विद्यालयहरूमा बालमैत्री आधारभूत पूर्वाधारसहितको सेवा सुविधा उपलब्ध भएकोछ । बालबालिकाको सर्वाङ्गीर्ण विकास तथा बाल अधिकारको संरक्षणका लागि १० वटा बालक्लबहरू र १ महिला सञ्जाल वटा सामाजिक संस्था दर्ता भएकाछन् । व्यवस्थित विज्ञान प्रयोगशाला भएका विद्यालय सङ्ख्या ४ वटा रहेकाछन् । यस डुङ्गेधर गाउँपालिकामा माध्यमिक विद्यालय ६ वटा, उच्च माध्यमिक विद्यालय १ वटा र क्याम्पस १ रहेको पाइन्छ ।

### २.३.३ खानेपानी तथा सरसफाई

राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ अनुसार कूल घरधुरी ३३९९ मध्ये करीव ५७.२२ प्रतिशत अर्थात १९४५ घरधुरीमा पाइपलाइनको निजीधारा जडान भएको पाइन्छ । यस अनुसार अझै पनि करीव ४२.७८ प्रतिशत घरधुरीमा खानेपानीको निजी धारा उपलब्ध हुन बाँकी रहेको देखिन्छ । यसैगरी सार्वजनिक धारावाट खानेपानी उपभोग गर्ने घरधुरी संख्या ७५२ अर्थात करीव २२.१२ प्रतिशत र सुरक्षित कुवावाट खानेपानी उपभोग गर्ने घरधुरी ०.३५ प्रतिशत रहेको छ । यसरी सुरक्षित खानेपानी उपभोग गर्ने घरधुरी करीव ७९.३४ प्रतिशत रहेको देखिन्छ भने असुरक्षित खुल्ला कुवा, ढुङ्गेधारा एवं नदीखोलावाट खानेपानी उपभोग गर्ने घरधुरी संख्या करीव २०.६६ प्रतिशत रहेको देखिन्छ ।

तालिका १० घरधुरी अनुसार खानेपानीको स्रोतको अवस्था		
खानेपानीको स्रोत	घरधुरी	प्रतिशत
धारा/पाइप (घरपरिसर भित्र)	१९४५	५७.२२
धारा/पाइप(घरपरिसर बाहिर)	७५२	२२.१२
ट्युबवेल/हाते पम्प	०	०
ढाकिएको इनार/कुवा	१२	०.३५
खुला इनार/कुवा	८०	२.३५
मूल धारा	५९७	१७.५६
खोला/झरना	१०	०.२९
जार/बोतल	०	०.००
अन्य	३	०.०९
<b>जम्मा</b>	<b>३३९९</b>	<b>१००.००</b>
श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८		

यसैगरी शौचालय तर्फ राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार करीव ९९.४२ प्रतिशत घरधुरीमा शौचालयको सुविधा उपलब्ध भएको देखिन्छ भने करीव ०.५८ प्रतिशत घरधुरीलाई व्यवस्थित शौचालयको व्यवस्था हुन सकेको छैन । ढल सहितको शौचालय भएका घरधुरी संख्या करीव ५.७४ प्रतिशत छन् भने सेप्टिट्याङ्की भएकाको संख्या करीव ५८.०२ प्रतिशत छ । त्यसैगरी ३५.६६ प्रतिशत घरधुरीमा खाल्डे चर्पी प्रयोगमा आएको पाइन्छ भने सार्वजनिक शौचालय प्रयोग गर्ने ०.०९ प्रतिशत र शौचालयको पहुँच नपुगेकाहरू ०.५० प्रतिशत रहेका छन् ।

तालिका ११ घरधुरी अनुसार शौचालयको प्रयोगको अवस्था		
शौचालयको प्रयोगको अवस्था	घरधुरी	प्रतिशत
फलस भएको (सार्वजनिक ढल)	१९५	५.७४
फलस भएको (सेप्टिक ट्याङ्की)	१९७२	५८.०२
साधारण	१२१२	३५.६६
सार्वजनिक	३	०.०९
चर्पी नभएको	१७	०.५०
<b>जम्मा</b>	<b>३३९९</b>	<b>१००.००</b>
श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८		

### २.३.४ लैंगिक समानता र सामाजिक समानीकरण

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको कुल जनसंख्यामध्ये महिला जनसंख्या ७६४३ अर्थात ५२.५९ प्रतिशत रहेको छ । त्यसै गरी महिला घरमुलीको १.४ प्रतिशत रहेको छ । त्यसैगरी महिलाको स्वामित्वमा घर तथा जग्गा ५.८ प्रतिशतको रहेकोछ । ६० वर्ष भन्दा माथिको उमेर समुहको जनसंख्या १०.०२ प्रतिशत रहेको छ भने १५ वर्ष भन्दा मुनिको उमेर समुहको जनसंख्या २९.९० प्रतिशत रहेको छ ।

कार्यपालिका अन्तर्गत बनेका समिति तथा उपसमितिहरूमा जनजाति तथा दलित महिलाहरूको प्रतिनिधित्व हुँदै आएको पाइन्छ । यसका साथै कृषक समूह, वन समूह, सहकारी, टोलसुधार समिति, खानेपानी उपभोक्त समितिहरू पनि महिलाहरूको उपस्थिति रहदै आएको पाइन्छ । त्यसैगरी महिला सशक्तीकरणका लागि उद्यम सञ्चालन कार्यक्रम र सीप अभिवृद्धि तालिम कार्यक्रमहरू पनि सञ्चालन भइरहेको पाइन्छ ।

### २.३.५ युवा तथा खेलकुद

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा १५ देखि ३९ वर्ष उमेर समूहको जनसंख्या कुल जनसंख्याको ४०.९९ प्रतिशत रहेको छ, जसमा पुरुष १८.७ प्रतिशत र महिला २२.३ प्रतिशत रहेको छ । यस गाउँपालिका अन्तर्गतका विभिन्न वडाहरूमा खुला तथा ठुला खेलमैदानहरू नभएता पनि साना खेल मैदानहरू तथा विद्यालय हाताभिन्न खेल मैदानहरू रहेको देखिन्छ । वडागत रूपमा रहेका खेलमैदानको विवरण यस प्रकार रहेको छ ।

तालिका १२ घरधुरी अनुसार शौचालयको प्रयोगको अवस्था			
वडा नं.	खेलमैदानको नाम	अनुमानित क्षेत्रफल (रोपनी)	उपयोगको अवस्था (कसले उपयोग गर्छ)
१	चुप्रा खेलमैदान	२	बिद्यालयले प्रयोग गरीरहेको
२	सेर्माकोट खेलमैदान	१५	बिद्यालयले प्रयोग गरीरहेको
४	देवल खेल मैदान	५	स्थानीय खेलप्रेमिहरुले
६	डुङ्गेश्वर खेल मैदान	९	स्थानीय खेलप्रेमिहरुले
श्रोत:			

## २.५ पूर्वाधार विकास अवस्था

### २.५.१ वस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार, परिवार संख्या मध्ये ९६.३ प्रतिशतले आफ्नै स्वामित्वको आवासमा र बाँकी मध्ये ३.४ प्रतिशतले भाडाका आवासमा बसोबास गरेको पाइन्छ । संस्थागत तथा व्यावसायिक भवन ०.३ प्रतिशत छन् । यस गाउँपालिकामा ८९.३ प्रतिशत जति आवासीय भवन माटोको जोडाइमा ढुङ्गा र ईटाको गारोले बनेका छन् । त्यसैगरी जस्ता तथा टिनले छाएको घर ३०.४ प्रतिशत रहेको छ भने खर, पराल, छवालीले छाएको घर २.३ प्रतिशत रहेको छ । यस गाउँपालिकामा सबै भन्दा बढी ढुङ्गा तथा स्लेटले छाएको घर पाइन्छ जुन ५९.० प्रतिशत रहेको छ । राष्ट्रिय भवन संहिताको कमजोर कार्यान्वयनले पनि निर्मित भवन भूकम्पीय दृष्टिकोणले कमजोर देखिन्छ र खरको छानामुक्त गाउँपालिका बनाउने कार्य भइरहेको छ ।

### २.५.२ सडक, पुल तथा यातायात

डुङ्गेश्वर गाउँपालिका भित्र जम्मा ४० कि.मि. सडकमा बाह्रै महिना सवारी साधन चलन सक्ने अवस्था रहेकोछ । यस डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको केन्द्रसम्मको सडक सुविधाको दृष्टिले सुगम मानिन्छ । यो गाउँपालिका अन्तरगत २३८ कि.मि. कच्ची सडक रहेको छ । करीव ८ कि.मि. पक्की सडक सुर्खेत दैलेख राजमार्ग डुङ्गेश्वरदेखि चुप्रासम्म जोडिएको छ ।

### २.५.३ विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार, ८४.९१ प्रतिशत परिवारको विद्युत सेवामा पहुँच पुगेको छ भने १३.१२ प्रतिशत परिवारले सोलार प्रयोग गर्दछन् । खाना पकाउन प्रयोग हुने इन्धनका स्रोतहरूको अवस्था हेर्दा सबैभन्दा धेरै दाउरा (९०.७३ प्रतिशत) को प्रयोग भएको देखिन्छ । जिल्ला सदरमुकामदेखि करिव २४ कि.मि. दक्षिण पर्ने डुङ्गेश्वर गाउँपालिका कृषि, स्लेट ढुङ्गा, लघु जलविद्युत् र बन सम्पदाका हिसाबले अत्यन्त सम्भावना बोकेको गाउँपालिका हो ।

तालिका १३ बत्ती बाल्नेको लागि प्रयोग हुने इन्धनको श्रोत		
बत्ती बाल्ने इन्धनको श्रोत	घरघुरी	प्रतिशत
बिजुली	२८८६	८४.९१
सोलार/सौर्यउर्जा	४४६	१३.१२
मट्टीतेल	१२	०.३५
बायोग्याँस	०	०.००
अन्य	५५	१.६२
<b>जम्मा</b>	<b>३३९९</b>	<b>१००.००</b>
श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८		

तालिका १४ घरघुरी अनुसार खाना पकाउने इन्धनको श्रोत		
खाना पकाउने इन्धनको श्रोत	घरघुरी	प्रतिशत
काठ/दाउरा	३०८४	९०.७३
एल.पी.ग्याँस	३०६	९.००
बिजुली	१	०.०३
गुइँठा/गोरहा	०	०.००
बायोग्याँस	१	०.०३
मट्टीतेल	७	०.२१
<b>जम्मा</b>	<b>३३९९</b>	<b>१००.००</b>
श्रोत: राष्ट्रिय जनगणना, २०७८		

#### २.५.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

वि. स. २०७८ को जनगणना अनुसार यस गाउँपालिकाका ५६.८ प्रतिशत घरपरिवारमा रेडियो रहेको देखिन्छ भने ११.९ प्रतिशत घरपरिवारमा टेलिभिजन रहेको देखिन्छ । त्यसैगरी ल्याण्डलाइन टेलिफोन प्रयोग गर्ने घरपरिवार ०.६ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । यस गाउँपालिकामा साधारण मोबाइल प्रयोग गर्ने घरपरिवार ८९.६ प्रतिशत रहेको छ भने स्मार्ट मोबाइल प्रयोग गर्ने घरपरिवार ६५ प्रतिशत रहेको छ । कम्प्युटर तथा ल्याटप प्रयोग गर्ने घरपरिवार २.८ प्रतिशत रहेको छ भने इन्टरनेट प्रयोग गर्ने घरपरिवार २०.३ प्रतिशत रहेको छ । पालिकामा सूचना, संचार तथा प्रविधि विकासका क्षेत्रमा उल्लेख्य प्रगति हुन सकेको छैन । पालिका र वडा कार्यालयमा निशुल्क इन्टरनेटको व्यवस्था गरिएको छ तर यो प्रभावकारी भने छैन ।

## २.५.५ सिंचाई

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाका क्षेत्रमा हाल १८ वटा सिंचाइ कुलो र ३५ सिंचाइ पोखरी सञ्चालनमा रहेका छन् भने १ वटा व्यक्तिगत लगानीमा निर्माण भएको सामुहिक सिंचाइका लागि खैराँते ताल रहेको पाइन्छ । यस गाउँपालिकाको ६ वटै वडामा सिंचाइको लागि प्रयास पानिको स्रोत रहेको छ । सञ्चालित सिंचाइ उपभोक्ता समितिहरू ११ वटा ९मर्मत सम्भार कोष तथा कार्यक्रम सहित रहेको देखिन्छ । सिंचाइका स्रोतहरूको दिगो व्यवस्थापनबाट खेतीयोग्य भूमिमा सिंचाइ सुविधा विस्तार गर्न सकिन्छ ।

## २.६ वन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापनको अवस्था

### २.६.१ वन तथा जैविक विविधता

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा व्यवस्थित सामुदायिक वन क्षेत्र तथा जडीबुटीहरूको उपलब्धता रहेका छन् । यस गाउँपालिकामा सल्ला, कटुस, गुँरास, बाँझ, सिमल आदि प्रजातीहरू पाइन्छन् । डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा भित्र रहेका सामुदायिक वन तथा कबुलियती वनले ढाकेको क्षेत्र ३८३०.३३ हेक्टर रहेको छ । क्षेत्रफलका आधारमा कुल जमिनको ५३.९७ प्रतिशत वन क्षेत्र रहेको तथ्यांक उपलब्ध र भने नदीनालाले ओगटेको क्षेत्र चरी चरन १५.०७ प्रतिशत रहेको, कृषि योग्य जमिन खेतबारी ३०.९६ प्रतिशत रहेको देखिन्छ । विभिन्न सामुदायिक वन तथा सरकारी वन समेतको सीमाना कागजमा मात्र सीमित भएको र जमिनमा यकीन नहुँदा वनहरू बीच सीमा विवाद रहेको छ तथा सरकारी वन क्षेत्र निरन्तर रूपमा अतिक्रमित हुँदै गएका छन् ।

### २.६.२ भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

यस डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा जम्मा ५,६७७.५६ हेक्टर क्षेत्रफलमा वनक्षेत्र फैलिएर रहेको छ । हेक्टर वन क्षेत्रले ओगटेको छ । यस गाउँपालिका भित्र ५ वटा खोलाखोल्सा नदीहरू रहेका छन् । जसका कारण सिंचाइ सुविधा विस्तारमा टेवा पुगेको छ । लोहोरे खोला, मटेलाखोला, हनेटाखोला, पराजुलीखोला आदि यस गाउँपालिका आसपासमा रहेका प्रमुख खोला तथा नदीहरू हुन् । जैविक विविधताको दृष्टिकोणले समेत धनी क्षेत्र रहेको हुँदा पर्यापर्यटनको प्रवर्द्धन गरी स्थानीय समुदायलाई भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापनमा थप जिम्मेवार र जवाफदेही बनाउन सकिने सम्भावना रहेको छ । जलउपयोग गुरुयोजना निर्माण भएको छ ।

### २.६.३ वातावरण व्यवस्थापन तथा स्वच्छता

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा अव्यवस्थित भू-उपयोग तथा अनियन्त्रित भौतिक पूर्वाधार विकासमा वृद्धि, प्राकृतिक स्रोतहरूको अनियन्त्रित दोहन वन वातावरण सम्बन्धी एकीकृत योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र सोको नतिजामूलक अनुगमन तथा मूल्याङ्कन हुन नसक्नु नीतिगत निर्णय तथा ऐन, नियम तयारी नहुनु लगायतका कारणले वन क्षेत्रमाथि चाप बढ्न गई वातावरण तथा स्वच्छतामा समेत असर परेको छ । गाउँपालिका क्षेत्रमा २ स्थानलाई मनोरञ्जन स्थल, पार्क वा हरित क्षेत्रको रूपमा लिन सकिने अवस्था विद्यमान छ । यद्यपि ती स्थानहरूको उचित संरक्षण, प्रवर्द्धन गर्न भने बाँकी नै रहेको छ । वन तथा वातावरण र सम्बन्धित सम्पदाप्रति स्थानीय नागरिकमा जिम्मेवारीबोध तथा जवाफदेहिताको वृद्धि गर्नुपर्ने खाँचो रहेको छ । गाउँपालिका तथा स्थानीय नागरिकहरूमा ज्ञान, सीप र संयन्त्रको कमी रहेको छ ।



## २.६.४ विपद व्यवस्थापन

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको मुख्य प्रकोपहरूमा पहिरो, बाढी, भूकम्प, वन डढेलो, खडेरी, रोगकिरा, असिना, हुरी बतास रहेका छन् । भूमिको व्यवस्थित तथा वैज्ञानिक रूपमा उपयोग हुन नसक्दा विकासका प्रयासहरू दिगो नहुने जोखिम रहेकोछ । विभाजन स्थानमा नाङ्गाडाँडा रहेका हुँदा भुस्खलनको जोखिम रहेको छ । जलवायु परिवर्तनजन्य जोखिम उच्च भए पनि विपद् प्रतिरोधी कृषि बालीहरूको विस्तार हुन सकेकोछैन । नेपालमा भएको वि.सं. २०७२ को भूकम्पपछि भूकम्प प्रतिरोधी घरहरूको निर्माण भएको हुँदा भूकम्पीय जोखिमका दृष्टिकोणले सोभन्दा अगाडिको तुलनामा गाउँपालिकाका वस्तीहरू बढी सुरक्षित भएको आँकलन गर्न सकिन्छ । प्राथमिक उपचारका लागी स्थानीय स्वयम्सेविकाहरू तथा स्वास्थ्यकर्मीको उपलब्धता रहेको छ । स्थानीय समुदायमा विपद् व्यवस्थापनका लागि परम्परागत ज्ञान, सीप रहेको छ ।

## २.७ सुशासन तथा संस्थागत व्यवस्था

### २.७.१ संगठनात्मक तथा मानव संसाधन

स्थानीय तहको योजना तर्जुमा नमूना दिग्दर्शनको व्यवस्था अनुसार गाउँपालिकाको विषयगत वस्तुस्थिति झल्कने विवरण सहितको वस्तुगत विवरण तयार भई गाउँपालिकाको समष्टिगत आर्थिक सामाजिक विकासको लक्ष्य, उद्देश्य, तथा रणनीतिक कार्यक्रम सहितको आवधिक योजना तर्जुमासँगै अद्यावधिक गरिएको छ । यस डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा गाउँसभा र गाउँ कार्यपालिकाबाट ३६ वटा विभिन्न ऐन, नियम तथा विनियम, निर्देशिका र कार्यविधि तर्जुमा भई कार्यान्वयनको अवस्थामा रहेका छन् । सहभागितामूलक योजना तर्जुमा प्रक्रिया मार्फत् नागरिकको समेत सहभागितामा योजना तर्जुमाको सात चरणको अभ्यास गरी सभाबाट स्वीकृत बजेट तथा नीति कार्यक्रमलाई बजेट पुस्तिका, वेबसाइट र सूचना पाटी, सार्वजनिक सुनुवाइ, सामाजिक परीक्षण, नागरिक बडापत्र मार्फत् सार्वजनिक गर्ने गरिएको छ । वार्षिक बजेट तथा योजना तर्जुमा टोल, बस्तीबाट शुरु गर्ने योजना तर्जुमा प्रक्रियामा सेवाग्राही नागरिक र नागरिक समाजका प्रतिनिधिको समेत सहभागिताको व्यवस्था गरिएकोछ । सञ्चालित आयोजना तथा कार्यक्रमको प्रक्रिया अनुगमनको कार्य हुने गरेको छ । यस डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाले पार्श्वचित्र २०७४ तयार गरी सूचना व्यवस्थित गरेको छ ।

### २.७.२ वित्तीय श्रोत परिचालन

गाउँपालिकामा स्थानीय सञ्चित कोष स्थापना भई सुत्रमा आधारित वित्तीय कारोवार सञ्चालन भएको छ । आ.व.२०८०/८१ को वार्षिक बजेट रु. ३९ करोड १८ लाख ७४ हजार रहेको छ जसमध्ये आन्तरिक श्रोत रु. ४५ लाख, आन्तरिक श्रोत - बैंक मौज्जात रु. १ करोड ५० लाख, नेपाल सरकारबाट प्राप्त रु. ३३ करोड ४१ लाख ५६ हजार र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त रु. ३ करोड ८२ लाख १८ हजार रहेको छ । लक्षित वर्गलाई बजेट व्यवस्था भएको छ । सार्वजनिक निजी साझेदारी अभ्यास सुरु भएको, लागत सहभागिता कार्यक्रम भएको, डिजिटल लेखा प्रणाली रहेको, राजश्वको निति कार्यक्रम कार्यान्वयन रहेको छ । राजश्वका श्रोतहरू व्यवसाय, जडिबुटि जिवजन्तु कर, सिफारिस सेवा शुल्क, वित्तिय संस्था समुह दर्ता शुल्क आदि रहेका छन् ।

तालिका १५ आ.व.२०८०/८१ को आय अनुमान		
रु. हजारमा		
स्रोत	शिर्षकहरू	बजेट
संघ	वित्तिय समानीकरण अनुदान	७८७००.००
	सशर्त अनुदान (चालु)	१५९२००.००
	सशर्त अनुदान (पुँजीगत)	७३००.००
	विशेष अनुदान	८०००.००
	समपूरक अनुदान	८०००.००
	राजश्व वाँडफाँड	७२९५६.२०
प्रदेश	वित्तिय समानीकरण अनुदान	८३१०.००
	सशर्त अनुदान (चालु)	६६१३.००
	सशर्त अनुदान (पुँजीगत)	९०००.००
	विशेष अनुदान	६०००.००
	समपूरक अनुदान	७८००.००
	राजश्व वाँडफाँड (सवारी कर)	४९५.५६
स्थानीय	आन्तरिक श्रोत	४५००.००
	आन्तरिक श्रोत - बैंक मौज्दात	१५०००.००
जम्मा		३९१८७४.७६
चालु तर्फ		२८४६६४.७६
पुँजीगत तर्फ		१०७२१०.००

## परिच्छेद ३: सोच तथा विकास अवधारणा

### ३.१ पृष्ठभूमि

यस आवधिक योजनाले राष्ट्रिय योजनाको दीर्घकालीन सोच “सुशासन, सामाजिक न्याय र समृद्धि” र “समृद्ध अर्थतन्त्र, सामाजिक न्याय तथा परिष्कृत जीवन सहितको समाजवाद उन्मुख राज्यको रूपमा रूपान्तरण गर्दै उच्च आय स्तर भएको मुलुकमा स्तरोन्नति हुने आधार निर्माण गर्ने” भन्ने लक्ष्य एवम् निर्धारित उद्देश्य एवम् प्राथमिकताहरू र आ.व. २०८०/८१ को कर्णाली प्रदेशको वार्षिक नीति र कार्यक्रमले निर्दिष्ट गरेका उद्देश्यहरू तथा तत्कालिन कर्णाली प्रदेशको पहिलो आवधिक योजना (आ.व. २०७६/७७-२०८०/८१) को दीर्घकालीन सोच “समृद्ध कर्णाली, सुखारी कर्णालीवासी”, लक्ष्य र उद्देश्यहरूसँग तादात्म्यता हुने गरी यस यस गाउँपालिकाको आवश्यकता र प्राथमिकता अनुसार यो आवधिक योजना तर्जुमा गरिएको छ ।

### ३.२ प्रमुख समस्या तथा चुनौती

यस गाउँपालिकाको विगतका प्रयास र उपलब्धीहरू एवम् वस्तुस्थिति स्थिति तथा सहभागितात्मक छलफलबाट पहिचान गरिएका समस्या तथा चुनौतीहरूलाई बुँदागत रूपमा संक्षिप्तमा तल प्रस्तुत तथा विश्लेषण गरिएको छ ।

क) समग्र विकासलाई सम्बोधन गर्ने अनुकूल नीति नियमको अभाव तथा कार्यान्वयनमा कमजोरी विकासको लागि अति आवश्यक भू-उपयोग लगायत दीर्घकालीन तथा रणनीतिक योजनाहरूलाई सफल कार्यान्वयन हुनुपर्दछ । गाउँपालिकाको भौतिक, भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक र साँस्कृतिक विशेषता अनुकूल नीति, नियम र योजनाको अभाव हुनुका साथै भएका नीति, नियम, व्यवस्था र योजनाहरू पनि कम व्यवहारिक र समय सापेक्ष नभएको कारण सफल कार्यान्वयनमा समस्या रहेको छ ।

ख) विकासको प्राथमिकता निर्धारण गर्न नसक्नु र श्रोत साधन उपलब्ध गराउन नसक्नु यस क्षेत्रको विकासमा प्राथमिकता अनुसार श्रोत साधनहरूको व्यवस्था गर्न नसक्नु राज्य तथा स्थानीय सरकारको कमजोरीको रूपमा रहेको छ । साथै गाउँपालिकाको प्राथमिकता तथा समस्यालाई हेरी विकासका कार्यक्रमहरू लैजान नसक्नुले समग्र गाउँपालिकाको विकासमा समस्याहरू देखिएका छन् र यहाको चुनौती पनि यही नै रहेको छ ।

### ग) बाह्य स्रोतमा अत्यधिक निर्भरता

गाउँपालिकाको आन्तरिक आयमा स्रोतहरू न्यून रहेको र संघ तथा प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने समानीकरण अनुदान, शसर्त अनुदान, विशेष अनुदान, अन्य अनुदान र बजेटबाट स्थानीय विकास निर्माणमा कार्यहरू गर्नुपर्ने अवस्था रहेकोले यस गाउँपालिका बाह्य स्रोतमा निर्भर रहेको छ । राजश्वको आन्तरिक स्रोतहरूको पहिचान गर्नको लागि गाउँपालिकाले राजश्व अभिवृद्धि गरी स्व-निर्भरतातिर उन्मुख हुन सकेको छैन । राजश्व सुधार कार्ययोजना अनुसार पालिकाको राजश्व सङ्कलनमा वृद्धि गर्न सकिन्छ ।

घ) अपर्याप्त सामाजिक, आर्थिक तथा भौतिक पूर्वाधारको विकास

यस गाउँपालिकामा विद्यमान सडकहरूको स्तरोन्नति कार्य सीमित आयको कारण अपेक्षाकृत रूपमा अगाडी बढिरहेको अवस्था हुन नसक्यो । स्वास्थ्य चौकीहरू व्यवस्थित गर्नुका साथै तीव्र रूपमा सञ्चालन तथा व्यवस्थापन गर्न आवश्यक देखिन्छ भने शिक्षण संस्थाहरूमा थप कक्षा कोठा, ल्याब र छात्रावास निर्माण, घेराबार, खेलमैदानहरू व्यवस्थित गर्न जरुरी देखिन्छ । गाउँपालिकामा उपलब्ध सेवा पनि नियमित, गुणस्तरीय र भरपर्दो हुन जरुरी छ । शिक्षामा गुणस्तरीयता, व्यवहारिक तथा रोजगार उन्मुख बनाउने नीति तथा रणनीति आवश्यक छ । खानेपानी, सरसफाइ, सिंचाई तथा अन्य पूर्वाधार अपर्याप्त रहेको छ । आर्थिक विकासतर्फ हाटबजार व्यवस्थापन, कृषि उपज सङ्कलन केन्द्र, शित भण्डार निर्माण, पर्यटकीय पूर्वाधारहरूको विकास अपेक्षित हुन सकेको छैन ।

ङ) आन्तरिक रोजगारी सिर्जना गर्न नसक्नु तथा युवा शक्ति पलायन हुनु

गाउँपालिकामा सामाजिक, आर्थिक र भौतिक पूर्वाधार विकास कार्यक्रमहरूको अपर्याप्तता, परिणाममुखी तथा प्रभावकारिताको कमीको कारण गाउँपालिकामा आर्थिक तथा सामाजिक विकासको गति अपेक्षाकृत हुन सकेको देखिँदैन । गाउँपालिकाको सम्भावनालाई रोजगारी सिर्जना गर्ने कुनै पनि नीति नियम बन्न सकेको छैन । फलस्वरूप उत्पादनशिल श्रमशक्ति विशेष गरी युवाशक्ति विदेश तथा शहर पलायन भइरहेका छन् । यसैगरी लैङ्गिक, वर्गीय, जातीय तथा क्षेत्रीय असमानता पनि विद्यमान छ । आम नागरिक विशेष गरी लक्षित वर्गको पहुँच र अवसरमा कमी र शक्तिकेन्द्र केन्द्रित शासनको परिणाम स्वरूप असमानतामा कमी आउन सकेको छैन । गाउँपालिकाको रणनीतिक योजना र कार्यक्रमको कमीका कारण रोजगारीको अवसरमा पनि स्थानीयवासीको पहुँचमा सन्तोषजनक रहेको देखिँदैन । जस अनुसार गाउँपालिकाको समग्र विकासमा समय सापेक्ष रूपमा सुधार तीव्र नभएको देखिन्छ ।

च) सेवा सुविधामा अपर्याप्त पहुँच र उपलब्धता

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको भौगोलिक अवस्थिति, सामाजिक, आर्थिक तथा भौतिक पूर्वाधारहरूको अपर्याप्त उपलब्धता, संस्थागत विकास, श्रोत परिचालन र सुशासन अभिवृद्धिमा कमीका कारण विकास कार्यहरू परिणाममुखी र प्रभावकारी हुन सकेका छैनन् । फलस्वरूप आधारभूत सेवा तथा सुविधाहरूमा लक्षित वर्ग, क्षेत्र र समुदायका मानिसहरूको पहुँच पुग्न सकेको छैन ।

ज) भू-बनोट तथा छरिएर रहेका वस्तीहरू

गाउँपालिकाको भौगोलिक अवस्थिति तथा बनावटका कारण बजार क्षेत्रमा बाहेक गाउँपालिकाका धेरैजसो वस्तीहरू छरिएर रहेका छन् । परिणामस्वरूप उक्त वस्तीहरूका सेवा तथा सुविधाको प्रवाह कठिन रहेको छ र सेवा विस्तारका कार्यहरूमा लागत मूल्य अत्याधिक रहेको छ । तसर्थ छरिएर रहेका वस्तीहरूलाई एकत्रित गरी एकीकृत वस्ती विकासको योजना सहित विकास तथा सेवा प्रवाहका कार्यका लागि व्यवहारिक नीति, योजना, कार्यक्रमको अभाव रहेको छ ।

### ३.३ प्रमुख सम्भावना तथा अवसर

सहभागितात्मक रूपमा गाउँपालिकाको सम्पूर्ण सरोकार वर्ग, निकाय तथा संघ संस्थाको सहभागितामा भएको छलफल, विगतका प्रयास र उपलब्धीहरूको समीक्षा तथा वस्तुस्थिति विवरणबाट पहिचान भएका विकासका अवसरहरूलाई देहाय बमोजिम प्रस्तुत गरिएको छ। यी अवसरहरू सामान्य रूपमा प्रस्तुत गरिएको अवधारणा मात्र हुन् । यसको अलावा थप नयाँ अवसर पनि हुन सक्दछन् त्यसलाई पनि यस आवधिक विकास योजनाले अवसरको रूपमा लिन कुनै बाधा पार्ने छैन ।

#### क) कृषिमा उन्नत प्रविधिको प्रयोग

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा धान, गहुँ, मकै, कोदो, आलु, जस्ता बालीहरूको उत्पादन भईरहेको छ । यस क्षेत्रमा व्यवसायिक तरकारी खेतीका लागि उपयुक्त हावापनी पाईने भएकोले यस गाउँपालिकामा कृषिका अन्य उत्पादनको व्यवसायिकरण तथा बजारीकरणबाट गाउँपालिकाको विकासमा फड्को मार्न सम्भव छ । सूचना तथा सञ्चार प्रविधिमा आएको आमूल परिवर्तनसँग कृषि प्रविधि उपयोग गरी पालिकाको आर्थिक विकासको गतिलाई तिब्रता दिन सकिन्छ ।

#### ख) पर्यटन विकासको सम्भावना

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा पर्यटन विकासको सम्भावना प्रचुर मात्रामा रहेको छ । यस क्षेत्रमा रहेका पर्यटकीय सम्भावना बोकेका स्थलहरूको एकीकृत पर्यटन गुरुयोजना तयार गरि सो अनुसार क्रमागत रूपमा पर्यटकीय पूर्वाधारहरू निर्माण गरि पर्यटकहरूलाई आकर्षण गर्न सकिन्छ । यसबाट स्थानीय स्तरमा नै रोजगारी वृद्धि हुने प्रबल सम्भावना, पर्यटकीय क्षेत्रको विकास तथा विस्तार गर्नुका साथै स्थानीयहरूलाई पर्यटन तालिम, पर्यटन सूचना केन्द्र स्थापना तथा विविध जनजातिहरूको साँस्कृतिक कार्यक्रमहरूको प्रदर्शनी सहित होमस्टेको व्यवस्थापन गर्न सकिन्छ ।

#### ग) प्राकृतिक श्रोत तथा साधन

यस गाउँपालिकाको वस्तुस्थिति विवरण अनुसार वन तथा झाडीले पर्याप्त मात्रामा भरिएको यस गाउँपालिकामा सल्ला, कटुस, गुराँस, बाँझ, सिमल आदि प्रजातिहरू पाइन्छन् । डुङ्गेश्वर गाउँपालिका भित्र रहेका सामुदायिक वन तथा कबुलियती वनले ढाकेको क्षेत्र छ । पहाडी क्षेत्रमा हिउँदमा पात झर्ने सल्लो, चाँप, उत्तिस, लाँकुरी, ओखर, कटुस जस्ता पतझर वनस्पतिहरू पाइन्छन् । वन क्षेत्रको व्यवस्थापन वैज्ञानिक ढङ्गले गर्न सकेमा यस क्षेत्रको दिगो विकास तथा आर्थिक समृद्ध हुने विश्वास गर्न सकिन्छ ।

#### घ) स्थानीय उद्योग स्थापना

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा औद्योगिक क्षेत्र निर्माणको लागि सम्भाव्यता अध्ययन तथा डि.पि.आर तयार गर्न सकिन्छ । त्यसै गरी स्थानीय कृषिजन्य उत्पादकहरू (उद्यमीहरू) लाई प्रोत्साहन र प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रम सञ्चालन गरी उत्पादित वस्तुहरूलाई ब्राण्डिङ गर्न सकिन्छ ।

ड) दक्ष जनशक्ति उत्पादन र परिचालन

अल्पकालीन तथा मध्यकालीन तालिमका माध्यमबाट गाउँपालिकाका युवा जनशक्तिलाई थप ज्ञान र सीप दिलाउन सकिएमा यस गाउँपालिकामा आवश्यक पर्ने दक्ष जनशक्तिको परिपूर्ति भई सो क्षेत्रको आर्थिक विकासमा थप योगदान पुग्ने देखिन्छ, जसबाट गाउँपालिका क्षेत्रमा हुने आर्थिक कारोबारमा वृद्धि भई विभिन्न क्षेत्रसँग सम्बन्धित आर्थिक गतिविधिहरू बढ्ने सम्भावना देखिन्छ । गाउँपालिकामा प्राविधिक र व्यवहारिक शिक्षा, परामर्श र अवसरको अभावका कारण गाउँपालिकाका उत्पादनशिल जनशक्ति विशेष गरी ठूलो सङ्ख्यामा युवाहरू विदेश तथा शहर पलायन हुने गरेका छन् । यसका साथै देश तथा बाह्य बजारमा प्राविधिक सीपयुक्त मानव संसाधनको अत्यधिक माग रहेको छ । फलस्वरूप यस गाउँपालिकामा कार्यरत सरकारी, गैर सरकारी र निजी क्षेत्रको लगानी तथा साझेदारीमा पालिकाका मानवीय शक्तिलाई दक्ष र सीपयुक्त बनाउन सकिने अवसर गाउँपालिकाको लागि रहेको छ ।

च) संस्थागत क्षमता तथा सुशासन अभिवृद्धि

प्रभावकारी विकास प्रक्रियामा संस्थागत विकास, श्रोत परिचालन तथा सुशासन प्रमुख माध्यमको रूपमा रहेको हुन्छ । यस डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको विकास प्रक्रियामा संस्थागत विकास श्रोत परिचालन र सुशासन सम्बन्धी समस्याहरू विद्यमान रहेका छन् । फलस्वरूप विकास कार्यहरू परिमाणमुखी र प्रभावकारी हुन सकेका छैनन् । यस सम्बन्धी उपलब्ध संवैधानिक तथा कानूनी व्यवस्था, औजार तथा रणनीतिहरूको राजनीतिक, प्रशासनिक र नागरिकस्तरबाट समेत परिपालना गर्न सके विकासको अवधारणा अनुसार विकास कार्यलाई दिशानिर्देश गरी अपेक्षित परिणाम तथा प्रभावकारिता हासिल गर्न सम्भव हुनेछ ।

छ) परम्परागत सीप र प्रविधिको विकास तथा विस्तार

गाउँपालिका क्षेत्रको जातजाति, भाषा, धर्म, संस्कृति र भौगोलिक क्षेत्र अनुसार स्थानीयवासीहरूमा स्थानीय तथा परम्परागत ज्ञान, सीप र प्रविधिहरू प्रचलनमा रहेको पाइन्छ । उक्त ज्ञान, सीप र प्रविधिहरू समयानुसार परिमार्जन हुँदै समेत आएका छन् । त्यसैगरी कृषि, व्यवसाय, वन, शिक्षा तथा स्वास्थ्य जस्ता क्षेत्रमा विभिन्न निकायहरूबाट नागरिकहरूमा ज्ञान तथा सीपको हस्तान्तरण हुँदै आएको छ । उक्त सीप तथा प्रविधि हस्तान्तरण कार्यक्रमबाट बस्तु तथा सेवा उत्पादन गर्ने वातावरण निर्माण भएको छ । हाल गाउँपालिका क्षेत्रमा सडक पूर्वाधार, यातायात, सञ्चार सेवा र सुविधा तथा सूचना प्रविधि विकासको शुरुवात भएकोले स्थानीय तथा परम्परागत ज्ञान, सीप र प्रविधि परिचालन र वृद्धि समेतमा सहयोग पुग्ने देखिन्छ ।

झ) जडिबुटी सङ्कलन

यस गाउँपालिकामा जडिबुटीलाई व्यवसायिकरण गर्न सकिएमा स्थानीयवासीको आर्थिक विकासमा मनग्य फाइदा लिन सकिने अवस्था छ । जडिबुटी उत्पादनको लागि हावापानी अनुकूल भएकोले गाउँपालिकाका विभिन्न स्थानमा जडिबुटी उत्पादनलाई अभियानको रूपमा लैजान सकेमा यसले स्थानीयवासीको आयआर्जनमा उल्लेखनीय रूपमा टेवा दिन सकिन्छ ।

## ब) सहकारी विकास

गाउँपालिकामा सहकारी क्षेत्रको विकास र विस्तार गरी गाउँपालिकावासीलाई स्थानीय स्तरमा नै यस्ता सेवा दिनुपर्ने आवश्यकता रहेको, बैँकिको माध्यमबाट एकीकृत गरी लघु तथा घरेलु उद्योगहरूमा परिचालन गर्न सकिने प्रशस्त सम्भावना छ। विभिन्न किसिमका आर्थिक तथा सामाजिक र पूर्वाधार विकास सम्बन्धी कार्यहरूको वृद्धि र विकासले बैँकिङ तथा सहकारी विकासको सम्भावनामा वृद्धि गरेको छ। गाउँपालिकामा बढ्दै गएको यस्ता विकासको गतिविधिले बैँकिङ तथा सहकारीमा अभिवृद्धि हुने आशा लिन सकिन्छ ।

## ट) वन व्यवस्थापन मार्फत वातावरण सेवा भुक्तानी

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको उल्लेखनीय भू-भाग वन जङ्गलले ढाकेको हुनाले यस गाउँपालिकामा वनको वैज्ञानिक तथा दिगो वन व्यवस्थापन गरी वनमा आश्रित उपभोक्ता तथा समुदायलाई यसको उपयोग गर्ने तथा राज्यले कार्वन सञ्चितिकरण गरी श्रोत तथा वातावरण संरक्षणमा योगदान गरे वापत वातावरणीय सेवा भुक्तानीको प्रशस्त सम्भावना देखिन्छ । यसको अलावा गाउँपालिकामा जडिबुटीको सम्भावना रहेको हुँदा त्यसको विकास र विस्तार गरी स्थानीयवासीको आर्थिक उपार्जन गर्न सम्भावना देखिन्छ ।

## ३.६ सोच, लक्ष्य र उद्देश्य

### ३.६.१ सोच

दीर्घकालीन सोचलाई गाउँपालिकाको दीर्घकालको आदर्शको रूपमा लिन सकिन्छ । दीर्घकालीन सोच भन्नाले वर्तमानको अवस्थाबाट निश्चित भविष्यमा पुग्न सकिने एक ईच्छित अवस्था हो । यसको लागि गाउँपालिकामा उपलब्ध स्रोत, साधन, सम्भाव्यतालाई सदुपयोग गर्दै गाउँपालिकाको मुख्य समस्या र चुनौतीलाई सामना गर्न तयार बनाउन सक्नु पर्दछ । दीर्घकालीन सोच एक आवधिक योजनामा मात्र प्राप्त गर्न सकिने सोच नभएतापनि आवधिक योजनाले यसलाई अगाडी बढाउन मद्दत गर्दछ ।

समग्र राष्ट्र र सम्बन्धित प्रदेशको दीर्घकालीन सोच तब मात्र पूरा हुन सक्दछ जब स्थानीय तहले त्यसका योजनाका उद्देश्य र लक्ष्यमा सहयोग पुर्याउँदछ । त्यसैले डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको योजना तर्जुमा गर्दा केन्द्रिय सरकारले तर्जुमा गरेको राष्ट्रिय दीर्घकालीन सोच, त्यसमा अन्तर्निहित लक्ष्य, उद्देश्य र रणनीति आदिलाई पनि ध्यान दिईएको छ । त्यस्तै गरी कर्णाली प्रदेशको दीर्घकालीन सोच, अन्तर्निहित लक्ष्य, उद्देश्य र रणनीतिलाई पनि आधार मानिएको छ । त्यसैले गाउँ कार्यपालिकाको सम्भावना तथा अग्रणी क्षेत्रको आधारमा दीर्घकालीन सोच तय गरिएको छ । आगामी १५-२० वर्षको अवधिको लागि डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको समग्र दिगो आर्थिक विकास र समृद्ध गाउँपालिका विकासको लागि दीर्घकालीन सोच निर्धारण गर्न गाउँपालिकाका निर्वाचित पदाधिकारीहरू, प्रमुख प्रशासकिय अधिकृत, विषयगत उप- समितिका सदस्यहरू लगायत सरोकारवालाहरू र परामर्शदाताका विज्ञ टोलीको उपस्थितिमा छलफल कार्यक्रमको आयोजना गरी गाउँपालिकाको निम्न दीर्घकालीन सोच निर्धारण गरिएको थियो ।

**"सुशासन, कृषि, शिक्षा, पर्यटन र पूर्वाधार, डुङ्गेश्वर समृद्धिको मूल आधार"**

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको अधिकांश लगानी भौतिक र सामाजिक पूर्वाधार विकास तथा कृषिको विकास र रोजगार प्रवर्द्धनमा नै केन्द्रित भईरहेको छ । सडक तथा पुल निर्माण, विद्यालय तथा स्वास्थ्य चौकीहरूको भौतिक संरचना निर्माण र मर्मत सम्भार, गुणस्तरीय शिक्षा र प्राविधिक शिक्षामा जोड दिई स्थानीयवासीको रोजगारी बढाउने लक्ष्य गाउँपालिकाले लिएको छ । त्यस्तै यो गाउँपालिका कृषि उत्पादनमा अत्यन्तै सम्भावना रहेको छ । यहाँको हावापानी कृषिमा उद्यमशिलता र व्यवसायिकरण प्रमुख सम्भावना रहेको हुँदा कृषि क्षेत्रको विकासबाट गाउँपालिकाको पहिचान र सम्वृद्धिको आधार बन्न सक्दछ । यसको लागि व्यवसायिक कृषिलाई प्रवर्द्धन गरी उन्नत बीउ विजन, मल, औजार तथा सामग्रीहरूको व्यवस्था गर्न सकिन्छ । त्यस्तै गरी यस गाउँपालिका भित्र विभिन्न स्थानमा भएका पर्यटकीय क्षेत्रहरूको विकास गर्न सकिएमा पर्यटनबाट पनि रोजगारी वृद्धि गर्न सकिन्छ । गाउँपालिकामा पर्यापर्यटन, कृषि पर्यटन, होमस्टे, साहसिक पर्यटन आदिको प्रशस्त सम्भावना रहेको छ । सम्वृद्धिलाई डोर्याउने सबैभन्दा महत्वपूर्ण विषय भनेको पूर्वाधार नै हो । गाउँपालिकाका सबै वडा र टोलहरूसम्म बाह्रै महिना आवागमन हुन सञ्चालन सडक यातायातले गाउँपालिकाको विकासमा महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ने हुँदा गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोचमा पूर्वाधार विकासलाई जोड दिएको छ ।

विपद् जोखिम नक्सामा कार्य, विपद् व्यवस्थापन कार्ययोजना, सिंचाई पूर्वाधार, खानेपानी तथा सरसफाइ अन्तर्गत १ घर १ धारा तथा १ घर १ शौचालयको व्यवस्था गराउनु जरुरी छ । गाउँपालिकामा सुरक्षित भवन तथा आवास (एकीकृत वस्ती विकास योजना), पुल पुलेसा, आधुनिक सञ्चार (कम्प्युटर, इन्टरनेट, टेलिफोन, मोबाईल ) सुविधा उपलब्ध गर्नुपर्ने छ । यी सबै कार्य गाउँपालिकामा उपलब्ध स्रोत साधनबाट मात्र सम्भव नहुने हुँदा गाउँपालिकाको विकासमा कसरी सार्वजनिक तथा निजी लगानीलाई आकर्षण गर्ने सोचको लागि ठोस पहल गरी पूर्वाधार निर्माण गर्नुपर्ने अर्को चुनौतीको रूपमा रहेको छ । गाउँपालिकामा बसोबास गर्ने सामाजिक तथा आर्थिक रूपमा तुलनात्मक रूपमा पछि परेका जनजाति तथा अल्पसङ्ख्यक समुदायको समग्र विकासमा कसरी प्रभावकारी कार्यक्रम तथा योजनाहरू ल्याउन तथा गाउँपालिकाका महिला तथा आश्रित समूहलाई विकासको मूलप्रवाहमा राखी समग्र सामाजिक, साँस्कृतिक र आर्थिक विकास प्राप्तिका केन्द्रित गर्न प्रतिवद्ध हुनु गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच रहेको छ ।

दीर्घकालीन सोचले समेटेका क्षेत्रहरूलाई तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ:

कृषि	पर्यटन	पूर्वाधार विकास
<ul style="list-style-type: none"> <li>व्यवसायिक कृषि तथा पशुपालन</li> <li>पकेट क्षेत्र विकास</li> <li>कृषि उपज सङ्कलन केन्द्र तथा शित भण्डार</li> <li>उच्च उत्पादकत्व</li> <li>सहज बजार पहुँच र उचित मूल्य</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>पर्यटन गुरुयोजना कार्यान्वयन</li> <li>पर्यापर्यटन</li> <li>पर्यटन पूर्वाधार विकास</li> <li>होमस्टे प्रवर्द्धन</li> <li>पर्यटकीय क्षेत्रको डिपिआर</li> <li>साहसिक पर्यटन सम्भाव्यता</li> <li>नीजि क्षेत्रलाई लगानीको लागि आकर्षित गर्ने</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>सडक तथा यातायात</li> <li>शिक्षा तथा स्वास्थ्य पूर्वाधार विकास र स्तरोन्नति</li> <li>खानेपानी र सिंचाई पूर्वाधार विकास</li> <li>बसपार्क तथा हाटबजार पूर्वाधार निर्माण</li> <li>उर्जा तथा सञ्चार</li> </ul>



<ul style="list-style-type: none"> <li>• कृषि सामाग्री, मल, बीउ विजन, प्रविधि, तालिम र सहज ऋणको व्यवस्था</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• तालिम र क्षमता अभिवृद्धि</li> </ul>	
---	--	--

### ३.६.२ लक्ष्य

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको समग्र विकासका लागि कृषिको आधुनिकरण गर्दै आर्थिक एवम् सामाजिक स्तरमा वृद्धि, वन, वातावरण एवम् दिगो पूर्वाधारहरूको विकास, स्वावलम्बी एवम् आत्मनिर्भर नागरिक तयार गरी सभ्य, सुसंस्कृत, सुशासनयुक्त समाजको निर्माण गर्ने मुख्य लक्ष्य निर्धारण गरिएको छ । साथै यस योजनाका निम्न लक्ष्य रहेका छन्

१. गाउँपालिकालाई कृषि र प्राकृतिक स्रोत साधन युक्त क्षेत्रको रूपमा विकास गर्ने ।
२. गाउँपालिकाको पर्यटकीय क्षेत्रहरूको विकास तथा प्रवर्द्धन गर्ने ।
३. गाउँपालिकामा सामाजिक, आर्थिक र भौतिक पूर्वाधारको विकास गर्ने ।
४. गाउँपालिकाको विद्यमान स्रोत, साधन र सम्पदाको प्रयोग गरी समृद्ध बनाउने ।

### ३.६.३ उद्देश्य

गाउँपालिकाको सबै क्षेत्र र पक्षको यथार्थ वस्तुस्थिति विश्लेषण गरी दीर्घकालीन रूपमा गाउँपालिकालाई कस्तो स्थानीय तहको रूपमा विकास गर्ने र आगामी पाँच वर्षको गाउँपालिकाको विकास योजना तर्जुमा गर्ने मूल उद्देश्य रहेको यस आवधिक योजनाको अन्य विशिष्ट उद्देश्यहरू निम्न प्रकार रहेका छन्:

१. व्यवसायिक कृषि, पशुपालन र स्थानीय उद्योग व्यवसायद्वारा रोजगारी र आयमा वृद्धि गर्नु ।
२. पर्यटकीय क्षेत्र प्रवर्द्धन तथा गुरुयोजना वा डिपिआर तयार गरी पर्यटन पूर्वाधार निर्माण गर्नु ।
३. आधारभूत स्वास्थ्य र सरसफाइ तथा गुणस्तरीय शिक्षाका माध्यमबाट समावेशी विकास गर्नु ।
४. गाउँपालिकालाई आर्थिक तथा सामाजिक विकास तर्फ अग्रसर गर्नु ।
५. वातावरण मंत्री दिगो भौतिक पूर्वाधारहरूको विकास गर्नु ।
६. प्राकृतिक स्रोत र साधनहरूको दिगो उपयोग गर्नु ।
७. संस्थागत सुशासन कायम भई प्रभावकारी सेवा प्रवाह गर्नु ।
८. समावेशीकरण तथा लैङ्गिक समानता सुनिश्चित गर्नु ।
९. दीर्घकालीन सोच निर्धारण गरी योजना तथा कार्यक्रमहरूको खाका तयार तयार गर्ने तथा प्राथमिकताको आधारमा लागत योजना तयार पार्ने कार्यक्रम कार्यान्वयन योजना तर्जुमा गरी गाउँपालिकाको विकास प्रयासलाई आगामी ५ वर्षमा कुन दिशातर्फ डोर्याउने भन्ने निर्धारण गर्नु ।
१०. गाउँपालिकाको आवधिक योजना, क्षेत्रगत, रणनीति तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्नका लागि मार्गनिर्देशक सिद्धान्तहरू निर्धारण गर्नु ।
११. प्राप्त तथा प्रादेशिक योजना तर्जुमाको लागि सहयोग पुर्याउनु ।

### ३.७ रणनीति तथा प्राथमिकता

यस आवधिक योजनाले निर्दिष्ट गरेका लक्ष्य र उद्देश्यहरू प्राप्त गर्नेको लागि निम्न बमोजिमका रणनीति र कार्यनीतिहरू प्रस्ताव गरिएको छः

#### विकास रणनीतिहरू

- प्राकृतिक श्रोतमा आधारित आर्थिक उत्पादनका अवसरहरूको अत्यधिक उपयोग गर्ने ।
- आकर्षक पर्यटकीय क्षेत्रहरूको प्रवर्द्धनका साथै उद्यम, व्यापार तथा व्यवसायको विकास गर्ने ।
- सामाजिक विकासका सूचकहरूमा सुधार गर्ने ।
- सामाजिक सुरक्षा तथा समावेशीतालाई सुनिश्चित गर्ने ।
- यातायात, जलश्रोत, सञ्चार तथा वस्ती विकास लगायत पूर्वाधार विकास गर्ने ।
- वन, वातावरण संरक्षण तथा जैविक विविधता कायम गर्दै विपद् जोखिम न्यूनीकरणबाट विकास र वातावरण बीच सन्तुलन कायम गर्ने ।
- विकास कार्यको प्रभावकारिता र सेवा प्रवाह सदृढ गरी सुशासन अभिवृद्धि गर्ने ।
- मानवपूँजी निर्माण र सशक्तिकरण गर्न गाउँपालिकाका शिक्षित युवाहरूलाई सामाजिक परिचालनमा संलग्न गराउने ।
- गरिबी न्यूनीकरण कार्यक्रममा लगानी वृद्धि गरी नियमित अनुगमन र मूल्याङ्कन गर्ने ।
- गरीब, द्वन्दबाट प्रभावित र सिमान्तकृत वर्गका बालबालिकालाई निःशुल्क पठनपाठन गराउन निजी, संस्थागत र सामुदायिक विद्यालयहरूसँग सहकार्य गर्ने ।
- लक्षित समूहलाई लक्षित गरेका कार्यक्रमहरूमा गाउँपालिकाले अनुदान बढाउँदै जाने ।
- गाउँपालिकाको भौतिक विकासमा उपभोक्ता समितिको लागत सहभागिता र संलग्नता बढाउँदै जाने ।
- विशेष लगानीका क्षेत्रहरूको पहिचान गर्दै गाउँपालिकाको दीर्घकालीन योजनामा समावेश गर्ने ।
- निजी क्षेत्रको लगानीलाई आकर्षित गरी सार्वजनिक निजी साझेदारीको सिद्धान्त अनुरूप विकास कार्य सञ्चालन गर्ने ।
- वातावरण संरक्षण सम्बन्धी प्रष्ट नीति ल्याउने ।

#### प्राथमिकताका क्षेत्रहरू

गाउँपालिकाको विकासको लागि देहाय बमोजिमका प्राथमिकताका क्षेत्रहरू निर्धारण गरिएको छः

#### क) पूर्वाधारको विकास तथा विस्तार

गाउँ कार्यपालिकाको समग्र विकास गर्न आवश्यक पूर्वाधारहरूको योजनावद्ध विकास र विस्तार गर्नुपर्ने देखिन्छ । पूर्वाधारको विकास गर्दा उपलब्ध सीमित स्रोत र साधनलाई उच्चतम प्रयोग गर्नुपर्ने र स्थानीय स्रोत साधनको प्रभावकारी रूपमा परिचालन गर्नुपर्ने देखिन्छ । उपलब्ध स्रोत साधनको समुचित प्रयोग गर्दै भू-उपयोगको अवधारणालाई सफलतापूर्वक कार्यान्वयन गरी आवधिक योजनाले पहिचान गरेका

पूर्वाधारहरूको क्रमश विकास गर्न सकेको खण्डमा भविष्यमा यस गाउँपालिकाको व्यवस्थित र योजनाबद्ध विकासको सपनालाई साकार पार्न सकिन्छ ।

ख) सु-शासनद्वारा सेवा प्रवाहमा सुधार

विकासको प्रतिफल प्रत्येक जनतालाई समानुपातिक तथा प्रजातान्त्रिक हिसाबले प्राप्त गर्ने वातावरण तयारीको लागि जनतालाई गरिने सेवा प्रवाहमा सु-शासन कार्य गर्नु गराउनु राज्यको दायित्व हो । राज्यको स्थानीय नेतृत्व समेतको भूमिका निर्वाह गरेको गाउँपालिकाले सेवा प्रवाहमा सुधार गरी जनतालाई सु-शासनको प्रत्याभूति गराउनु परेको छ । यसको लागि गाउँपालिकाले आफ्नो प्रशासनलाई सवलीकरण गरी सबै जनतालाई सेवा प्रवाह गर्नमा समेत ध्यान दिनु पर्दछ । सेवा सुविधा चुस्त र दुरुस्त बनाउनको लागि यस योजनाले प्रस्ताव गरेको संस्थागत विकास योजनालाई समेत ध्यान दिनुपर्ने देखिन्छ ।

ग) समावेशी तथ लक्षित समूहको विकास

एक्काईसौं शताब्दीमा महिलाहरूलाई विकासको मुल प्रवाहमा ल्याउनुपर्छ भन्ने विश्वव्यापी अवधारणा तथा महिला प्रतिको विभेद अन्त्य गर्न समेत गाउँपालिकाको लक्ष्यलाई शिरमा राखी पूर्वाधार विकास निर्माणमा योजना तथा कार्यान्वयनमा समेत महिला सशक्तिकरण र लैङ्गिक समानताको पक्षलाई बढी भन्दा बढी प्रयोग गर्नु पर्दछ । यस किसिमको अवधारणालाई व्यवहारमा ल्याई मूर्त रूप समेत दिनुपर्ने देखिन्छ । यसको लागि महिला वर्गको लक्षित कार्यक्रमहरूलाई गाउँपालिकाले प्राथमिकताका साथ अवलम्बन गर्नुपर्ने देखिन्छ । योजना तर्जुमा तथा कार्यक्रम कार्यान्वयनमा महिलाहरूलाई सक्रिय सहभागिता गराउन सकेमा महिला सशक्तिकरण हुन पुग्दछ । सामाजिक बञ्चित भएको कारणले समाजमा अझै पनि उत्पीडित, दलित, आदिवासी र जनजातिहरूले जीवन यापनमा कठिनाई भोग्नुपर्ने बाध्यतात्मक परिस्थिति बनेको छ । यस आवधिक योजनाले पनि सोही सिद्धान्तलाई आत्मसाथ गर्दै उत्पीडित, दलित, जनजातिको उत्थानको लागि विभिन्न कार्यक्रमहरू समावेश गरेको छ ।

घ) सामाजिक परिचालन र सहकारिताको विकास

समाजको सर्वपक्षीय विकासको लागि नागरिकको आर्थिक तथा सामाजिक क्षेत्रको समेत विकास हुनुपर्ने र यसका लागि सामाजिक परिचालन र विकास कार्यमा सहकारिताको स्पष्ट अवधारणा अपनाई कार्य गर्नुपर्ने देखिन्छ । यसको लागि समाजका हरेक वर्ग र समुदायलाई परिचालन गरी विकास कार्यलाई प्रभावकारी रूपमा अगाडी बढाउन सकिन्छ । त्यसकारण सामाजिक परिचालन र सहकारिताको योजना निर्माणमा महत्वपूर्ण स्थान रहेको हुन्छ । योजना तर्जुमा देखि कार्यान्वयनको तहसम्म सामाजिक परिचालनको अवस्था उल्लेखनीय रूपमा वृद्धि हुनेछ ।

(ङ) पर्यटन प्रवर्द्धन तथा धार्मिक, ऐतिहासिक र विविध साँस्कृतिक सम्पदाहरूको संरक्षण र विकास

गाउँपालिकामा पर्यटन विकासका साथै स्थानीय जातजाति र पिछडिएका वर्गहरूको बसोबास रहेकोले उनिहरूको कला, संस्कृति, धर्म लगायत गाउँपालिकामा भएका धार्मिक, पुरातात्विक, ऐतिहासिक तथा विविध साँस्कृतिक सम्पदाहरूको संरक्षण र विकास गर्नु जरुरी छ । कुनै पनि योजनाले त्यस क्षेत्रको धार्मिक,

साँस्कृतिक तथा पुरातात्विक महत्वका सम्पदाहरूको संरक्षण गर्नुमा जोड दिनुपर्ने हुन्छ । यस आवधिक योजनाले पर्यटन प्रवर्द्धन, ऐतिहासिक र साँस्कृतिक सम्पदाहरूको संरक्षण र विकासलाई समेत प्राथमिकतामा राखेको छ ।

च) कर्मचारी तथा पदाधिकारीको क्षमता अभिवृद्धि

संविधानमा नै स्थानीय तहको एकल र साझा अधिकारहरू परिभाषित छन्। स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले स्थानीय निकायलाई बढी सक्षम बनाउने र विकासको प्रतिफल आम जनतालाई प्रदान गर्ने हिसाबले विभिन्न विषयगत तालिमहरू प्रदान गर्ने, अनलाईन सफ्टवेयर तालिम, आन्तरिक आय वृद्धि गरी विकास कार्यक्रममा खर्च गर्न सकिनेमा स्थानीय निकायको क्षमता अभिवृद्धि हुने निश्चित छ ।

ज) प्रभावकारी अनुगमन र मूल्याङ्कन

योजना तथा कार्यक्रमहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन सहभागितामूलक अनुगमन र मूल्याङ्कन प्रणालीको विशिष्ट योगदान रहन्छ । जनताको लागि गरिने विकास निर्माण जस्ता कार्यको कार्यान्वयनमा गाउँपालिकाको मात्र अनुगमन पर्याप्त नहुने भएकोले सरोकारवालाहरू समेतको सहभागितामा अनुगमन र मूल्याङ्कन पद्धतिको विकास गर्नु पर्दछ । यसको लागि समुदायका हरेक वर्गबाट र संस्थाहरूबाट प्रभावकारी अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्नुपर्ने हुन्छ । यसो हुन सकेमा कार्य योजनाहरूले स्थायित्व पाउनुका साथै प्रभावकारी रूपमा यसको प्रभाव समुदायमा पर्ने गर्दछ । नियमित अनुगमन, योजनाहरूको कार्यान्वयन मूल्याङ्कनको लागि गाउँपालिका स्थित सरोकारवाला निकायहरूलाई परिचालन गरिनु पर्दछ ।

३.५ निर्देशक सिद्धान्त

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोचको आधारमा गाउँपालिकाको विकासको प्रतिवद्धता, विशेषता र चाहना स्पष्ट दर्शाउने गरी र दीर्घकालीन सोच प्राप्त तर्फ विकास प्रयासलाई डोयाउने गरी विकासका सिद्धान्तहरू तय गरिएको छ । यस आवधिक योजनाले परिलक्षित गरेका लक्ष्य, उद्देश्यहरू प्राप्त गर्नको लागि डुङ्गेश्वर गाउँपालिका विकासको निर्देशक सिद्धान्त निम्नानुसार रहने छन् ।

- जन सहभागितात्मक विकास अभियान
- उपभोक्ता समूहहरूको सुदृढीकरण र विकास
- स्थानीय समुदायमा आधारित संगठनहरूको विकास तथा परिचालन
- स्थानीय गैरसरकारी संस्थाहरूको परिचालन र सुदृढीकरण
- निजी सार्वजनिक साझेदारिमा आधारित विकास अभियान सरकारी तथा निजी साझेदारीमा विशेष जोड
- जनसवलीकरण, समावेशी विकास र लक्षित समूहलाई विशेष जोड
- सेवा र सुविधामा सबै वर्ग समुदायको समान पहुँच
- दलित, उपेक्षित तथा जनजाति उत्थान र विकास महिला सशक्तिकरण, सहभागिता र परिचालन • मानवीय विकास
- प्राकृतिक श्रोतसाधन को दिगो उपयोग
- वातावरण मैत्री विकास

- आर्थिक गतिविधिमा अभिवृद्धि
- समानुपातिक बजेट बाँडफाँड
- स्थानीय श्रोत, साधन र सीपको समुचित उपयोग
- रोजगारीको अवसरमा अभिवृद्धि तथा लक्षित वर्गलाई रोजगारीमा पहुँच
- गरिबी न्यूनीकरण

### ३.८ स्रोत अनुमान र बाँडफाँड

#### ३.८.१ आयको विश्लेषण र प्रक्षेपण

आन्तरिक आयको तुलनामा बाह्य आयको हिस्सा निकै बढी देखिन्छ । आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मा भने आन्तरिक आयको हिस्सा २.२६ प्रतिशत, बाह्य आय ४३.७१ प्रतिशत र राजस्व बाँडफाँडबाट प्राप्त हुने रकम १६.५७ प्रतिशत आँकलन गरिएको छ । तसर्थ डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाले विशेष ध्यान दिएर आन्तरिक आय बढाउने नयाँ नीति तथा कार्यक्रमहरू ल्याउनुपर्ने देखिन्छ ।

गाउँपालिकाको राजस्वका सीमित स्रोतहरू भएकोले आफ्नो आन्तरिक आय बढाई संघ र प्रदेशको निर्भरता कम गर्न निकै चुनौतीपूर्ण छ । तर गाउँपालिकाले राजस्व अभिवृद्धि कार्ययोजना ( Revenue Improvement Action Plan) तर्जुमा, लगानी मैत्री वातावरण मार्फत बाहिरी लगानी आकर्षण, स्थानीय लघु तथा घरेलु उद्योग र व्यापार व्यवसायहरूको प्रवर्द्धन मार्फत आफ्नो राजस्व बढाउन सकिने सम्भावनाहरू देखिन्छ । नक्सा पास दस्तुर बजार क्षेत्र बाहेक अन्य क्षेत्रमा पनि अनिवार्य लागु गर्ने, व्यवसाय दर्ता लगायत अन्य सम्भावनाहरूको खोजी गरेर राजस्वको दायरा बढाउन सकिन्छ । गाउँपालिकामा लघु जलविद्युत, फलफुल, तरकारी, आलु, कफी, पशुपालनको प्रशस्त सम्भावना रहेकोले यी उत्पादनहरूको निर्यात र लघु तथा घरेलु उद्योगहरूको प्रवर्द्धन मार्फत आफ्नो आन्तरिक आय बढाउन सक्छ । वित्तीय सम्पत्ति तथा दायित्व अत्यन्तै बढी भएको कारण सो घटाउनु पर्ने देखिन्छ भने अन्य आयहरू सोही अनुसार बढ्ने देखिन्छ । गाउँपालिकाको विगत ३ वर्षको आयको प्रवृत्तिलाई आधार मानी आगामी वर्षहरूमा न्यूनतम १० प्रतिशतको दरले वार्षिक आय वृद्धि हुने अनुमान गरिएको छ र सोही वृद्धिदरको आधारमा आगामी ५ वर्षको आयको अनुमानित प्रक्षेपण गरिएको छ । तर आवधिक योजनाको कार्यान्वयनसँगै गाउँपालिकाको आयको वार्षिक वृद्धिदर बढ्न सक्छ । यस आवधिक योजनाले पहिचान गरेका योजना तथा कार्यक्रमहरूको कार्यान्वयनको लागि आगामी ५ वर्षको आयको अनुमानित प्रक्षेपण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

#### लगानीको आवश्यकता र स्रोत

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक खर्च जुटाउन संघ र प्रदेशको अन्तर सरकारी वित्तीय हस्तान्तरणका साथै आन्तरिक राजस्वका स्रोतहरू पनि परिचालन गरिनेछ । यस गाउँपालिकाको आन्तरिक स्रोतहरू कम भएकोले संघ र प्रदेशबाट हुने वित्तीय हस्तान्तरण माथि बढी भन्दा बढी निर्भर रहनु पर्ने बाध्यता छ । यसै गरी आवधिक योजनाको आगामी वर्षहरूमा पनि संघ र प्रदेशबाट प्राप्त हुने वित्तीय हस्तान्तरणमा क्रमिक वृद्धि हुँदै जाने अनुमान भएको छ ।

### आन्तरिक स्रोत परिचालन

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको आन्तरिक स्रोत परिचालन गर्न टोल सुधार समिति गठन गरी त्यस्ता संस्थाहरूको क्षमता विकास र तिनीहरूलाई विकासका कार्यक्रमहरूमा परिचालन गर्ने नीति लिईएको छ । सामाजिक परिचालनका लागि काम गर्ने सम्पूर्ण निकायहरूको सामाजिक परिचालनको बजेट एकै बास्केटमा राखी एक रूपता कायम गर्न पहल गरिने नीति लिईएको छ । गाउँपालिका क्षेत्रमा भएका सार्वजनिक सम्पत्ति र स्रोत पहिचान गरी उपयुक्त तवरले पहिचान, परिचालन र सदुपयोग गर्ने नीति लिईएको छ । गैर सरकारी संस्थाहरूसँग समन्वय र सहकार्यलाई अघि बढाउन सामाजिक विकास शाखालाई प्रभावकारी एवम् व्यवस्थित बनाइने योजना रहेको छ । प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत प्राप्त हुने कार्यक्रमलाई प्रभावकारी कार्यान्वयनको वातावरण बनाई स्थानीय बेरोजगारलाई लाभान्वित हुने वातावरण निर्माण गर्ने लक्ष्य समेत लिईएको छ ।

### अन्तर सरकारी स्रोत परिचालन

संविधान र कानून बमोजिम संघ, प्रदेश र स्थानीय तहहरूले कार्य जिम्मेवारी पूरा गर्न आवश्यक स्रोत परिचालन सहितको अधिकारको प्रयोगका लागि वित्तीय प्राप्तता आवश्यक हुन्छ । नेपालको संविधानको धारा ५७ बमोजिम राज्यशक्तिको प्रयोग र अनुसूची ५, ६, ७, ८ र ९ बमोजिमका एकल र साझा अधिकार प्रदान गरी तीन तहलाई कार्य जिम्मेवारी तोकेको छ । घाटा बजेट प्रस्तुत गर्न पाउने भएकोले वित्त व्यवस्थापनका लागि आन्तरिक ऋण समेत उठाउन पाउने व्यवस्था रहेको छ । पारदर्शी र न्यायपूर्ण वित्तीय हस्तान्तरण गर्दै वित्तीय प्राप्ततालाई संस्थागन गर्ने, सन्तुलित र समन्यायिक ढङ्गमा प्रादेशिक र स्थानीय अर्थतन्त्रको विकास गर्दै विकास र समृद्धिको आधार सिर्जना गर्ने गरी अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन गर्नमा योजना केन्द्रित छ ।

### जनसहभागिता परिचालन

बजेट तर्जुमा गर्दा योजना तथा कार्यक्रमको प्रकृति अनुसार एकल रूपमा गाउँपालिकाको तर्फबाट हुने आयोजनाहरूमा न्यूनतम २० प्रतिशत देखि अधिकतम ४० प्रतिशतसम्म रकम जनसहभागिताबाट उठ्ने र बाँकी गाउँपालिकाले व्यहोर्नु पर्ने गरी तर्जुमा गरिएको छ । विकास कार्यलाई समानुपातिक रूपमा वितरण गरी आम मानिसमा विकास प्रति अपनत्व प्रदान गर्न समेत हरेक विकास निर्माण कार्यहरूमा जनताको लागत सहभागिता अपरिहार्य र अनिवार्य विषय भएको छ । विकास कार्यमा जनसहभागिताले विकासको प्रतिफलमा जनताहरूलाई उत्तरदायी बहन गर्न सिकाउँछ । यसले गर्दा जनताहरूलाई विकास योजनाहरू हाम्रो हो भन्ने भावनाको विकास भई विकास आयोजनाहरू दिगो र टिकाउ हुन सक्दछ । विशेषगरी सडक निर्माण तथा सुधार, ढल प्रणालीको निर्माण तथा मर्मत सुधार, खानेपानी प्रणालीको निर्माण र सुधार जस्ता विषयहरूमा जनताको तर्फबाट उपभोक्ता समिति गठन गरी लागत सहभागितालाई आत्मसाथ गर्ने वर्तमान पद्धतिलाई समेत दृष्टिगत गरी भविष्यमा निर्माण / सञ्चालन गर्न यी आयोजनाहरूमा जनताको आर्थिक स्थिति र आय आर्जन क्षमतालाई विचार गरी लागत सहभागितालाई कार्यान्वयन गर्न सकिने देखिन्छ ।

यसका साथै आर्थिक विकासमा स्थानीय जनसमुदायको लागत सहभागितालाई बढावा दिने, स्वरोजगारका कार्यक्रमहरूलाई विस्तार र विकास गरी रोजगारीको अवसर सिर्जना गर्ने, पर्यटकीय क्षेत्रहरूलाई समुदायमा हस्तान्तरण गरी व्यवस्थापन समिति मार्फत सञ्चालन गर्ने, लघु उद्योग तथा बचत कार्यक्रमहरूमा जनताको रुचिलाई ध्यान दिई कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने, व्यवसायिक तरकारी खेती तथा नगदेबालीको लागि कृषकहरूलाई प्रोत्साहित गर्दै उनीहरूको आमदानीको अवसर वृद्धि गर्ने जस्ता सहभागितामूलक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरी स्थानीयवासीहरूको सहभागितालाई बढाउन सकिने देखिन्छ । यस्तो किसिमको लागत सहभागिता कार्यक्रमहरूमा निजी क्षेत्र तथा अन्य संस्थाहरूलाई समेत सहभागी गराउँदै जानुपर्ने देखिन्छ ।

#### नीजि क्षेत्रको स्रोत परिचालन

नेपालको संविधानद्वारा निर्दिष्ट गरिएको अर्थ, उद्योग र वाणिज्य सम्बन्धी नीति अन्तर्गत अर्थतन्त्रमा निजी क्षेत्रको भूमिकालाई महत्व दिँदै उपलब्ध साधन र स्रोतको अधिकतम परिचालन गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्ने उल्लेख गरिएको छ । डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको सन्दर्भमा माथि उल्लेख भए अनुसार गाउँपालिकाको सडक निर्माण, केन्द्रिय प्रसारण लाइनको जडान कार्य, गाउँपालिकामा पाइने कृषि तथा वन जन्य उपजहरू, उपलब्ध विभिन्न प्रकारका जडिबुटी, पर्यटन व्यवसायका अवसरहरूलाई उपयोग गर्दै स्थानीय स्रोतको सदुपयोग गर्दै सम्भाव्य कृषि र पर्यटनमा आधारित घरेलु तथा साना उद्योग व्यवसायको विकास तथा विस्तार गरिनेछ । लघु तथा घरेलु उद्योगहरूको स्थितिमा सुधार गरी निजी क्षेत्रबाट गाउँपालिकाको आर्थिक विकासमा सघाउन स्थानीय कच्चा पदार्थहरूमा आधारित बढी मूल्य अभिवृद्धि हुने उत्पादनशील उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरी विस्तार गरिनेछ । औद्योगिक प्रवर्द्धनका लागि आवश्यक सीप, पूँजी तथा उद्यमशीलताको विकास गरिनेछ । स्थानीय कृषि तथा वन जन्य उपजहरूको संरक्षण गर्न शीत गृहको निर्माण गरिनेछ । यसैगरी गाउँपालिकाद्वारा निजी क्षेत्र मैत्री कर नीति अनुसरण गरी विभिन्न सुविधाहरू प्रदान गरिनेछ । पर्यटनलाई उद्योग व्यवसायको रूपमा निजी क्षेत्रको लगानी तथा अगुवाईमा विस्तार तथा विकास गरिनेछ । यस गाउँपालिका क्षेत्रमा निजी क्षेत्रबाट लघु जलविद्युत आयोजनाहरू निर्माण तथा सञ्चालन गर्ने सम्भावनाहरू पनि रहेका छन् । गाउँपालिकामा उपभोग्य बस्तुहरूको आपूर्तिलाई सहज तुल्याउन एवम् स्थानीय उत्पादनको बजारीकरणमा सघाउन निजी क्षेत्रको लगानीमा वृद्धि गर्नमा सघाउ पुऱ्याइने छ ।

#### सहकारी क्षेत्रको स्रोत परिचालन

नेपालको संविधानद्वारा निर्दिष्ट गरिएको अर्थ, उद्योग र वाणिज्य सम्बन्धी नीति अन्तर्गत सहकारी क्षेत्रलाई प्रवर्द्धन गर्दै राष्ट्रिय विकासमा अत्यधिक परिचालन गर्ने भन्ने स्पष्ट उल्लेख गरिएको छ । डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको आर्थिक, सामाजिक विकासमा सहकारी क्षेत्रबाट उल्लेख्य योगदान पुग्न सञ्चालन सम्भावना देखिन्छ । यस गाउँपालिकामा दर्ता भएका सहकारी संस्थाहरू न्यून रहेका छन् र सञ्चालनमा रहेका सहकारी संस्थाहरूबाट आर्थिक विकासमा सहकारी क्षेत्रबाट खासै योगदान रहेको छैन । गाउँपालिकामा तत्कालिन जिल्ला कृषि विकास कार्यालयमा दर्ता भई सञ्चालनमा रहेका कृषक सहकारी संस्थाहरूबाट समेत गाउँपालिकाको आर्थिक विकास खासै योगदान हुन सकेको छैन । गाउँपालिकामा निर्माणाधिन सडक, केन्द्रिय

प्रसारण लाइनको जडान कार्य, कृषि तथा वन जन्य उपजहरू, उपलब्ध विभिन्न प्रकारका जडिबुटी, पर्यटन व्यवसायका अवसरहरू र उपभोक्ता सहकारी पसलका सम्भावनाहरूलाई विचार गर्दा आगामी दिनहरूमा यस गाउँपालिकामा सहकारी क्षेत्रमा उद्यमशीलताको विकास भई आर्थिक विकासमा उल्लेख्य योगदान पुग्ने अपेक्षा गरिएको छ ।

संघ संस्थाको स्रोत परिचालन

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको आर्थिक तथा सामाजिक विकासमा हाल विभिन्न गैर सरकारी र अन्तर्राष्ट्रिय गैर सरकारी संस्थाहरू क्रियाशील छन् । स्थानीय तहमा कार्य गर्ने स्थानीय तथा अन्तराष्ट्रिय गैर सरकारी संस्थाहरूको कार्यक्रम गाउँपालिकाको वार्षिक कार्यक्रममा उल्लेख हुनुपर्ने हुन्छ । यस अनुसार डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको आर्थिक तथा सामाजिक विकासका लागि विभिन्न गैर सरकारी तथा अन्तराष्ट्रिय गैर सरकारी संस्थाहरूबाट उल्लेख्य खर्च हुने अनुमान सहित कार्यक्रमहरू समाविष्ट गरिएको छ ।

सार्वजनिक क्षेत्रबाट स्रोत परिचालन

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको विद्यमान स्थितिमा निजी तथा सहकारी क्षेत्र कमजोर रहेकोले गाउँपालिकाको आर्थिक तथा सामाजिक विकासका लागि पालिकाले प्राप्त गर्ने सार्वजनिक स्रोतहरूलाई बढी भन्दा बढी परिचालन गर्दै गाउँपालिकाको अगुवाईमा निजी र सहकारी क्षेत्रसँगको प्रवर्द्धनात्मक सहकार्यलाई प्रोत्साहित गरिनु पर्ने छ । गाउँपालिकाको वर्तमान सबै प्रकारका आन्तरिक आय न्यून रहेकोले संघ र प्रदेशबाट हुने वित्तीय हस्तान्तरण माथि बढी निर्भर रहनु पर्ने अवश्यक छ । तथापि आगामी दिनहरूमा अन्तर सरकारी वित्तीय हस्तान्तरण माथिको बढी निर्भरतालाई कम गर्न आन्तरिक राजश्वको अनुपातलाई क्रमिक रूपमा विस्तार गर्दै लाने तर्फ विशेष रूपमा पहल गरिनु पर्ने छ । सार्वजनिक स्रोत अन्तर्गत गाउँपालिकाको बजेट संरचना बाहिर संघ र प्रदेश तहबाट प्रत्यायोजित क्षेत्रगत कार्यक्रमको आधारमा उपलब्ध गराइने रकमहरूलाई पनि आवधिक योजनामा समेटिएको छ । तर, यस प्रकार संघ र प्रदेशद्वारा प्रत्यायोजित कार्यक्रमहरूको प्राथमिकीकरण र बजेट विनियोजनमा पालिकाको कुनै भूमिका नरहने हुँदा गाउँपालिकाको कार्यक्रमहरूसँग दोहोरोपन हुने र गाउँपालिकाको प्राथमिकीकरणमा नपरेका कार्यक्रमहरू प्रत्यायोजित हुन सञ्चालन सम्भावना रहन्छ ।

स्रोत साधनको बाँडफाँड तथा परिचालनका आधारहरू

गाउँपालिकाको समग्र स्रोत परिचालन, व्यवस्थापन एवम् काम कारवाहीमा कार्यकुशलता र प्रभावकारिता अभिवृद्धिको लागि प्राप्त तथा प्रादेशिक सरकार एवम् विकास साझेदारहरूबाट यस गाउँपालिकालाई प्राप्त हुने सबै प्रकारका अनुदान, आन्तरिक आय, राजश्व बाँडफाँडबाट प्राप्त हुने रकम लगायत गाउँपालिकाको सञ्चित कोषमा प्राप्त हुने सबै प्रकारका स्रोत तथा स्थायी स्रोत साधनलाई एकीकृत र समन्वित गरी स्थानीय स्तरबाट नै गरिबी न्यूनीकरण र दिगो विकासको अवधारणालाई संस्थागत गर्ने कार्यमा सहयोग पुऱ्याउन नेपालको संविधान २०७२ को भाग १७ को धारा २१८ ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी गाउँपालिकाले "स्रोत परिचालन तथा व्यवस्थापन कार्यविधि तर्जुमा गरी आवधिक योजनाको लागि परिचालन हुने स्रोतहरूको बाँडफाँड र व्यवस्थापन गर्नुपर्ने प्रस्ताव गरिएको छ ।



गाउँपालिकामा समृद्धि र सुखको आधार निर्माण गर्न सार्वजनिक, निजी र सहकारी क्षेत्रबीचको सहकार्य तथा परिपूरक भूमिका एवम् संघ, प्रदेश र स्थानीय तह बीचको सहकार्यबाट अर्थतन्त्रमा उल्लेखनीय परिपूरकता ल्याउने गरी स्रोत अनुमान गरिएको छ । आवधिक योजनाले निर्धारण गरेका रुपान्तरणका सम्बाहकका क्षेत्रमा आवश्यक स्रोत साधनको बाँडफाँट गरिएको छ । राष्ट्रिय रणनीति बमोजिम पहिचान गरिएका विषय क्षेत्रमा रणनीतिक हस्तक्षेप गरी लगानीको उच्चतम प्रतिफल हासिल हुने अपेक्षा गरिएको छ । निर्माणाधीन राष्ट्रिय स्तरका कार्यक्रम/आयोजना संघबाट प्रदेश र स्थानीय स्तरका कार्यक्रम / आयोजना क्रमशः प्रदेश र स्थानीय तहबाट नै सम्पन्न गर्ने गरी स्रोत आँकलन तथा बाँडफाँट गरिएको छ ।

आवधिक योजनाले लिएको आर्थिक वृद्धिको लक्ष्य हासिल गर्न सार्वजनिक लगानीलाई कृषि तथा वन, औद्योगिक पूर्वाधार निर्माण, प्रोत्साहन र सहजीकरण सहित औद्योगिक उत्पादन, विद्युत उत्पादन, प्रसारण तथा वितरण, पूर्वाधार निर्माण जस्ता लगानीमा केन्द्रित गरिएको छ । निजी क्षेत्रको लगानी, रोजगारी सिर्जना, अर्थतन्त्रको औद्योगीकरण र आधुनिकीकरण, उर्जा उत्पादन, पर्यटन, व्यापार, यातायात र सञ्चार क्षेत्रमा लक्षित हुने अनुमान गरिएको छ । कृषि उत्पादनमूलक क्षेत्र, साना तथा मझौला उद्योग र ग्रामीण तथा सामाजिक विकासमा निजी, सहकारी तथा सामुदायिक क्षेत्र परिचालित हुने विश्वास लिईएको छ । मानवपूँजी निर्माण र सोको उच्चतम उपयोगले उत्पादकत्व अभिवृद्धि, उच्च आयको आधार निर्माण र सुखको अनुभूति हुने अपेक्षा गरिएको छ । साथै, पर्यावरण संरक्षण, सभ्य र न्यायपूर्ण समाज निर्माण तथा सुशासन, लोकतन्त्र र राष्ट्रिय एकतालाई थप सुदृढ बनाउने गरी सार्वजनिक, निजी तथा सहकारी र सामुदायिक क्षेत्रको स्रोत परिचालनको अनुमान र सो को बाँडफाँट गरिएको छ ।

## परिच्छेद ४: आर्थिक क्षेत्र

आर्थिक विकास विना मानव विकास र समृद्धि हाँसिल हुन सक्दैन । यस क्षेत्र अन्तर्गत कृषि तथा पशुपन्छी विकास, पर्यटन, प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापन, उद्योग, व्यापार र व्यवसाय, आपूर्ति, बैंक, वित्तीय संस्था र सहकारी क्षेत्र आदि उपक्षेत्रहरू पर्दछन् जसको व्याख्या तलको उपखण्डहरूमा गरिएको छः

### ४.१ कृषि

#### ४.१.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानका अधिकार सूची, कृषि क्षेत्रको समग्र विकासका लक्ष्यलाई मार्गदर्शनको रूपमा लिइएको छ । उक्त रणनीतिले कृषि विकास रणनीति (सन् २०१५ -२०३५) र दिगो विकास लक्ष्यलाई मार्गदर्शनको रूपमा लिइएको छ । उक्त रणनीतिले कृषि तथा पशुपन्छीजन्य उत्पादनको व्यावसायिकरण, यान्त्रिकरण र विविधिकरण गरी यस क्षेत्रलाई प्रतिस्पर्धी बनाउन जोड दिएको छ । विशेषतः कृषि क्षेत्रको औद्योगीकरणका माध्यमबाट थप रोजगारी सिर्जना गरी आय आर्जन, गरिबी निवारण तथा आयात व्यवस्थापनलाई समेत सम्बोधन गर्न संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको लगानीलाई कृषि क्षेत्रको समग्र विकासमा परिचालन गर्न आवश्यक छ । कृषि भूमिको समुचित उपयोग सुनिश्चित गर्न भूमि वर्गीकरण गरी भू-उपयोग योजना तर्जुमा गर्न अपिहार्य देखिन्छ ।

#### ४.१.२ समस्या तथा चुनौती

##### समस्या

कृषि प्रणाली परम्परागत र निर्वाहमुखी रहेको, उन्नत कृषि प्रविधिको अभाव रहेको, उन्नत मल र बिउको अभाव रहेको, व्यावसायिक तरकारी खेती नभएको, किसानहरूमा जनचेतना र प्राविधिक ज्ञानको कमी रहेको, माझपालन व्यवसायिकरण हुन नसकेको, सिँचाई सम्बन्धी आयोजना नभएको, खाद्य सुरक्षाको कमी हुनु, न्यून उत्पादकत्व र बढ्दो आयातमुखि संस्कृति हुनु, कृषि उपज सामाग्रीहरूको उचित बजारीकरण नहुनु, युवा लक्षित व्यवसायिक कृषि कार्यक्रम सञ्चालन नहुनु, आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

##### चुनौती

कृषि भूमिमा खडेरीको चुनौती रहनु, बैमौसमी खेती गर्न वर्षा र चिसोले उत्पादनमा असर गर्नु, उन्नत मल बीउ र प्रविधि कृषक सम्म सहज रूपमा पुयाई व्यावसायिक तथा जैविक कृषि विकास गर्नु, कृषि क्षेत्रलाई आकर्षक र सम्मानित पेशाको रूपमा विकास गर्नु, बाली विविधिकरण र सङ्गीकरण गर्नु, पकेट क्षेत्र विकास गरी कृषि विकास गर्नु, कृषियोग्य जमिनमा सिँचाईको व्यवस्था गर्नु, बढ्दो आयातमुखि संस्कृतिको न्यूनीकरण गर्नु, भू-उपयोग योजना अनुसार कृषि भूमिको संरक्षण गर्नु, कृषि व्यवसायिकरण र औद्योगिकरण गर्नु, गरीब परिवारलाई खाद्यको व्यवस्था गर्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ४.१.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

गाउँपालिकाको अधिकांश भू-भाग कृषि उत्पादनको हिसाबले उपयुक्त हुनाले कृषि क्षेत्रको उत्पादन तथा उत्पादकत्व बढाउन सकिने, यस क्षेत्रमा कृषि प्रणाली परम्परागत र निर्वाहमुखी रहेको भएतापनि कृषिलाई आधुनिकीकरण गरी वैज्ञानिक खेती प्रणालीको विकास गर्न सकिने, कृषि पकेट क्षेत्रको विकास गरी आर्थिक अवस्थामा सुधार ल्याउन सकिने, मौसमी तथा बेमौसमी तरकारी खेती, नगदेबाली खेती विस्तार गरी कृषकहरूको जीवनस्तरमा सुधार गर्न सकिने, कृषि तथा वन पैदावारमा आधारित कच्चा पदार्थबाट सञ्चालन हुन सक्ने लघु तथा घरेलु उद्योगहरूको स्थापना गर्न सकिने, स्थानीय उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गरी खाद्यान्न आत्मनिर्भर हुन सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

कृषिको विकास र विस्तार गरी अन्य स्थानहरूमा बिक्री गर्न सकिने, कृषिजन्य कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगहरू सञ्चालन मार्फत रोजगारीको अवसर सिर्जना गर्न सकिने, कृषिको लागि सिंचाइका श्रोतहरू उपलब्ध भएको, फलफूल, तरकारी खेतीको विकास र विस्तार गरी कृषिको आय आर्जन बढाउन सकिने, बेमौसमी तरकारी खेती गरी कृषकहरू लाभान्वित हुन सक्ने, युवाहरूलाई व्यवसायिक खेती, उच्च मूल्य उत्पादनमा आकर्षित गरी स्वरोजगार प्रदान गर्न सकिने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

### ४.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### लक्ष्य

निर्वाहमुखी कृषि प्रणालीलाई दिगो एवं व्यवसायिक कृषि कृषिमा रूपान्तर गर्दै आम्दानी वृद्धि गर्ने ।

#### उद्देश्य

- कृषि क्षेत्रमा विविधिकरण, यान्त्रीकरण र आधुनिकीकरण गरी उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्नु ।
- व्यवसायीकरण तर्फ क्षमता विकास गरी कृषि व्यापार बढाउँदै जीवनस्तरमा सुधार गर्नु ।

#### रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
व्यवसायिक कृषिको प्रवर्द्धन गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"><li>• कृषिसँग सम्बन्धि ऐन, नियामावली र कार्यविधि बनाइनेछ ।</li><li>• स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ अनुसार कृषि विकास तथा कृषि उत्पादन व्यवस्थापनको लागि व्यवसायिक खेतीमा सहभागिता बढाउन कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li><li>• नेपाल सरकारको नीति बमोजिम बाली बीमा कार्यक्रमलाई प्रचार प्रसार गरी र प्रभावकारी उपयोग गर्ने वातावरण बनाइनेछ ।</li></ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पानीको स्रोत सञ्चितिका लागि रिचार्ज पोखरी निर्माण तथा परम्परागत कुलो संरक्षणका योजनालाई प्राथमिकता दिइनेछ ।</li> <li>• आधुनिक कृषि औजार तथा उपकरण प्रयोगलाई प्रोत्साहन गर्न अनुदान दिइनेछ ।</li> <li>• कृषि तथ्याङ्क अध्यावधिक गर्ने कार्यक्रम ल्याइनेछ ।</li> <li>• कृषि क्षेत्रमा आत्मनिर्भर बनाउन कृषि नीति, दीर्घकालीन, मध्यकालीन, अल्पकालीन कृषि विकास योजना तयार गरी कार्यान्वयनको व्यवस्था मिलाउँदै लगिनेछ ।</li> <li>• कृषिमा आत्मनिर्भर हुनको लागि प्लाष्टिक घर निर्माण, प्लाष्टिक मल्लिचड, कृषि सामाग्री वितरण, बाली उपचार शिविर कार्यक्रम, माटो परीक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गर्न अनुदान प्रदान गरिनेछ ।</li> <li>• जैविक मल उत्पादन सम्बन्धी ज्ञान र प्रविधि हस्तान्तरण गरी उत्पादनलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।</li> <li>• कृषकहरूलाई व्यवसाय प्रवर्द्धनमा सहयोग पुर्याउन व्यवसायिक अध्ययन अवलोकनको व्यवस्था मिलाइनेछ ।</li> <li>• कृषक, कृषि समुह, कृषि कर्म, प्राविधिक लगायत कृषिसँग सम्बन्धित पक्षहरू क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।</li> <li>• व्यावसायिक रूपमा कृषि गर्ने कृषकहरूलाई सहकारीसँग आवद्ध गरी वित्तीय पहुँच पुर्याइनेछ ।</li> <li>• कृषि सामाग्रीको सञ्चालन र भण्डारणमा सहयोग पुर्याइनेछ ।</li> <li>• खाद्यन्न बालीको उत्पादन वृद्धिका लागि उन्नत बीउ, मल, व्यवस्थापन पक्षहरू प्राविधिक क्षमता अभिवृद्धि गर्न तालिम दिइनेछ ।</li> </ul>
<p>कृषिजन्य उत्पादनलाई मुल्य श्रृंखलामा आवद्ध गर्ने ।</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• उत्पादित बेमौसमी तरकारी, फलफूल तथा अन्य उत्पादनहरू आसपास क्षेत्रका होटल तथा होमस्टेहरूमा बिक्री गर्ने व्यवस्था मिलाई कृषकहरूलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• कृषि मूल्य श्रृंखला सम्बन्धी कृषकहरूलाई तालिम दिइनेछ ।</li> <li>• व्यावसायिक रूपमा खेतीको सम्भावना रहेका जडिबुटीहरूको व्यवसायिक उत्पादन, सञ्चालन र प्रारम्भिक प्रशोधनमा प्रोत्साहन गरिनेछ ।</li> <li>• कृषकहरूलाई कृषि उत्पादनको समुचित मूल्य प्राप्त गराउनका लागि कृषि उत्पादन सञ्चालन केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>कृषि भूमिको दिगो व्यवस्थापन गर्ने ।</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• भू-उपयोग योजना तर्जुमा र कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• सार्वजनिक भूमिको पहिचान र अभिलेखन गरी अतिक्रमणलाई नियन्त्रण गरिनेछ ।</li> </ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सरकारी, पति जग्गाको संरक्षणका लागि उपयुक्त कार्यदल गठन गरिनेछ ।</li> <li>• वस्ती विकासका लागि प्लटिड गर्दा अनिवार्य रूपमा गाउँपालिकासँग अनुमति लिने व्यवस्था गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>स्थानीय विशिष्टिकृत उत्पादनको ब्राण्डिड र बजारीकरण गर्ने ।</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• हावापानी र माटोको विविधता अनुकूलका स्थानीय उच्च मूल्यका प्रतिस्पर्धी उत्पादनहरूको विकास गरी बजारीकरण गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीय उत्पादनको प्रदर्शन र बजारीकरणको लागि हाट बजार प्रणालीलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीयता दर्शाउने विशिष्टिकृत उत्पादनको ब्राण्डिड गरी बजारिकरण गरिनेछ ।</li> <li>• उत्पादनको लेवलिड, ब्राण्डिड र बजारीकरणमा कृषक समूह र सहकारी संस्थाहरूलाई सहयोग पुर्याइनेछ ।</li> <li>• एक गाउँ एक विशिष्टिकृत कृषि उत्पादनमा प्राथमिकता दिइनेछ ।</li> </ul>

४.१.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : कृषि विकास								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	कृषि पशु एम्बुलेन्स सञ्चालन	२५	५	५	५	५	५	स्थानीय तह आफै
२	लोहोरे पराजुली खोला सिचाई लिफ्टिङ	५५००	११००	११००	११००	११००	११००	संघ
३	पालिका स्तरीय हाट बजार	१००	२०	२०	२०	२०	२०	प्रदेश
४	खेतीयोग्य जमिनको माटो परीक्षण	१४	७	७				स्थानीय तह आफै
५	पालिका स्तरीय कृषि तथा पशु अनुसन्धान केन्द्र स्थापना	१०००	४००	४००	२००			संघ
६	कृषि सडक निर्माण	१५००			५००	५००	५००	संघ
७	पालिका स्तरीय बीज वृद्धि कार्यक्रम	२०	४	४	४	४	४	स्थानीय तह आफै
८	कृषि पकेट क्षेत्रको विकास	५००	१००	१००	१००	१००	१००	प्रदेश
९	पोषण सुधार कार्यक्रम (करेसा बारी)	१००	२०	२०	२०	२०	२०	प्रदेश
जम्मा		८७५९	१६५६	१६५६	१९४९	१७४९	१७४९	

४.१.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	बिबिल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	आफ्नो उत्पादन तथा आयले वर्षभरी खान पुग्ने परिवार	प्रतिशत	३०	३५	४०	४५	४८	५०	गापा	४	२
असर	वार्षिक खाद्यान्न उत्पादन	मे.टन	३०००	३१००	३२००	३३००	३४००	३५००	"	४	२
प्रतिफल	वार्षिक वचत खाद्यान्न विक्री	मे.टन	१५०	२००	२५०	३००	३५०	४००	"	४	२
	प्रतिव्यक्ति वार्षिक खाद्यान्न उत्पादन	केजी	२००	२५०	३००	३५०	४००	४५०	"	४	२
	नगदेवाली, मौसमी तथा वेमौसमी वालीको वार्षिक उत्पादन	मे.टन	३०००	३१००	३२००	३३००	३४००	३५००	"	४	२
	व्यवसायिक कृषि नर्सरी	संख्या	१०	१०	१३	१४	१५	१६	"	४	२
	तरकारी वार्षिक उत्पादन	मे.टन	२०००	२१००	२२००	२३००	२४००	२५००	"	४	२
	फलफुल वार्षिक उत्पादन	मे.टन	८००	८५०	९००	९५०	१०००	११००	"	४	२

उन्नत विउ, जैविक मल र विषादी प्रयोग गर्ने, आधुनिक कृषि प्रविधि प्रयोग गर्ने कृषक	प्रतिशत	३०	४०	५०	६०	७०	८०	"	४	२
आधुनिक कृषि औजारहरु प्रयोग गर्ने कृषक	संख्या	१०००	११००	१२००	१३००	१४००	१५००	"	४	२
व्यवसायिक एवं आधुनिक तरिकाको खेतीले ओगटेको भूभाग	हेक्टर	६००	६५०	७००	८००	९००	१०००	"	४	२
कृषि व्यवसायमा सहूलियत कर्जा, कृषि सामानमा अनुदान तथा यान्त्रिकीकरणमा पूँजीगत अनुदानबाट लाभान्वित कृषक	संख्या	२०००	२२००	२४००	२६००	२८००	३०००	"	४	२
सुचारु सामुदायिक खेती तथा करार खेतीले ओगटेको भूमि	हेक्टर	२०	२५	३०	३५	४०	४५	"	४	२
विभिन्न क्षेत्रमा तालिम प्राप्त कृषक	संख्या	८००	९००	१०००	११००	१२००	१३००	"	४	२
व्यवसायिक कृषि फार्म	संख्या	९२	१००	१५०	२००	२५०	३००	"	४	२
व्यवसायिक कृषिबाट प्रदान भएको प्रत्यक्ष रोजगारीता	संख्या	५००	६००	७००	८००	९००	१०००	"	४	२



	प्रधानमन्त्री तथा कृषि आधुनिकीकरण परियोजना बाट लाभान्वित किसान	संख्या	५००	६००	७००	८००	९००	१०००	"	४	२
	सञ्चालनमा रहेको कृषि बजार, हाटबजार तथा कृषि थोकबजार	संख्या	०	०	१	२	२	३	"	४	२
	कृषि उपजहरु विक्रीका लागि नजिकको बजार क्षेत्रमा पुग्न लाग्ने समयावधि	घण्टा	१-२	१	१	०.५	०.५	०.३	"	४	२
	मौसमी, वेमौसमी तरकारी तथा नगदेवालीको विक्री	रु.करोड	५	१०	१२	१५	१८	२०	"	४	२
	संचालनमा रहेको कोल्ड स्टोरेज क्षमता	मे.टन	०	०	१	१	१	२	"	४	२
	कृषि उपज सङ्कलन केन्द्र, बजार प्रवर्द्धन केन्द्र, तथा सामुदायिक कृषि प्रसार सेवा केन्द्र	संख्या	४	४	५	५	६	८	"	४	२
	किसान क्रेडिट कार्डबाट लाभान्वित कृषकहरु	संख्या	०	१०	२०	३०	४०	५०	"	४	२

कृषि वीमा सेवावाट लाभान्वित कृषक	संख्या	१५०	२००	२५०	३००	३५०	४००	"	४	२
कृषि पेशामा संलग्न जनसंख्या	प्रतिशत	७५	७०	६८	६५	६२	६०	"	४	२
व्यवसायिक कृषि उत्पादनमा संलग्न कृषक	संख्या	२००	२२५	२५०	२७५	३००	३२५	"	४	२
कृषि सहकारी संस्था	संख्या	८	८	८	९	९	९	"	४	२
कृषि सहकारीमा आवद्ध कृषक	संख्या	१२००	१५००	१८००	२०००	२२००	२५००	"	४	२
कौशी खेतीमा आवद्ध घरपरिवार	संख्या	०	५	१०	१५	२०	२५	"	४	२
किसान परिचयपत्रवाट लाभान्वित कृषकहरु	संख्या	२२००	२५००	२८००	३०००	३३००	३५००	"	४	२

#### ४.१.७ अपेक्षित उपलब्धी

कृषिमा व्यवसायीकरण तथा यान्त्रिकरण भएको हुनेछ । तरकारी बिउको स्रोत केन्द्रको स्थापना भएको हुनेछ । जैविक विषादी उत्पादन, कार्प र ट्राउट जातको माछापालनको लागि आवश्यक बजेटको व्यवस्था भएको हुनेछ । लोहोरी खोला लिफ्टिङ सिँचाइ, थोपा सिचाई, सिँचाइ पोखरी, आकाशेपानी सङ्कलन कार्यक्रम लागू भएको हुनेछ । उन्नत धान, मकै, कोदो खेती प्रविधिको प्रचार-प्रसारका लागि तालिम भएको हुनेछ । गुणस्तरीय बीउ मागको पूर्ति पालिकाबाट अनुदान समयमा उपलब्ध भएको हुनेछ । खाद्यन्न बाली उत्पादन प्रति कृषकहरू जागरूक भएको हुनेछ । कृषि पकेट क्षेत्रको विकास भएको हुनेछ । स्थानीय कृषि जन्य उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धि भएको हुनेछ । स्थानीय उत्पादनहरूको ब्राण्डिङ भएको हुनेछ । कृषि उत्पादन सङ्कलन केन्द्रको निर्माण भएको हुनेछ । कृषि उपज शितभण्डार निर्माण भएको हुनेछ । कृषि क्षेत्रको कुल गाहस्थ उत्पादनमा वृद्धि भएको हुनेछ । कृषकहरूको वित्तिय र कृषि सामाग्रीमा सहज पहुँच स्थापित भएको हुनेछ । कृषि भूमिको संरक्षण भएको हुनेछ । भू-उपयोग योजना तर्जुमा र कार्यान्वयन भएको हुनेछ । सार्वजनिक भूमिको पहिचान र अभिलेखन गरी अतिक्रमणलाई नियन्त्रण भएको हुनेछ । अर्गानिक खेतीको विकास, प्राङ्गारिक मल र जैविक विषादीको उत्पादन, जलवायु परिवर्तनमैत्री कृषि प्रणालीको विकास भएको हुनेछ । गरीब तथा अति गरीब परिवारहरूलाई सुपथ मूल्यमा खाद्यान्न भएको हुनेछ ।

#### ४.१.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

आयोजनाहरूको कार्यान्वयनमा केन्द्र सरकार, प्रदेश सरकार र स्थानीय निकायको समन्वयात्मक र सक्रिय सहभागिता हुनेछ । ठूला आयोजनाहरूको कार्यान्वयनमा दातृ निकायबाट सहयोग प्राप्त हुनेछ । सार्वजनिक, निजी साझेदारीमा योजनाहरूको कार्यान्वयन हुनेछ । गाउँपालिकाको आन्तरिक स्रोत परिचालन हुनेछ ।

#### ४.२ पशुपन्छी

##### ४.२.१ पृष्ठभूमि

यस पालिकामा पशु उपशाखा, सहकारी/बैंक, कृषि सहकारी, पशु स्वास्थ्य, कृषि विमा, प्राविधिक उपलब्धा भएता पनि उचित व्यवस्थापन भने हुने गरेको छैन । यस गाउँपालिका क्षेत्र भित्र आधुनिक (व्यवसायिक) पशुपालन (फर्म) दर्ता अत्यन्तै कम मात्रामा रहेको पाईन्छ । व्यवसायिक रूपमा पशुपन्छीपालन भएको छैन साथै उन्नत जातका पशुपंक्षी पालन पनि खासै भएको छैन । यस गाउँपालिकामा चरन क्षेत्रको अभावसँगै पूर्ण खोप र औषधि उपचारको व्यवस्थापनको कमी रहेको छ । भौतिक पूर्वाधारहरूम दुग्ध सङ्कलन केन्द्र, पशु वधशाला, चिस्यान केन्द्र, हाटबजार, घुम्ती शिविर, आदि आवश्यक रहेका छन् ।

##### ४.२.२ समस्या तथा चुनौती

###### समस्या

प्राविधिक जनशक्ति र आर्थिक स्थिति कमजोर हुनु, उन्नत जातका पशुपंक्षीहरू नहुनु, उन्नत जातको घाँस खेती नहुनु, कार्यक्रम सञ्चालन गर्नको लागि स्थानीय तहमा बजेटको अभाव हुनु, पशुलाई आहाराको कमी, जनचेतनाको कमी, आधुनिक खोर/गोठ निर्माणको कमी, उत्पादित वस्तुको उचित मूल्य नभएको, घाँसमा संकलन केन्द्र तथा बजार नभएको, भकारो सुधार नभएको, घाँसमा आधारित पशुपालन, दुग्ध संकलन केन्द्र

र बजार नभएको, स्वास्थ्य चलाको कमि, मौरीपालन परम्परागत कम वा नगन्य मात्रामा भएको, पशु स्वास्थ्य प्रत्यक्ष उपचार नभएको, उन्नत र स्वास्थ्य जातको भुराको कमि, कृषकलाई सहूलियत दरमा कृषि कर्जा, परजिबिको सक्रमण, जनचेतनाको कमि, स्वास्थ्य शिविरको आवश्यकता हुनु, हाल सम्म विमा नभएको तथा पशु बीमा सम्बन्धी जनचेतनाको अभाव हुनु, नश्व सुधार प्रविधियुक्त नभएको, भौगोलिक विकटता, कृषि तथा पशु प्राविधिक अपुग हुनु, युवा लक्षित व्यवसायिक कृषि कार्यक्रम सञ्चालन नहुनु, परम्परागत पशुपालन तथा स्थानीय स्तरमा पुश पालनको लागि सामाग्रीहरू उपलब्ध नहुनु आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

### चुनौती

पशुपालनलाई आकर्षक र सम्मानित पेशाको रूपमा विकास गर्नु, पकेट क्षेत्र विकास गरी पशुपालनलाई विकास गर्नु, पशु सम्बद्ध प्राविधिकको उपलब्धता सुनिश्चित गर्नु, पशु सम्बद्ध संस्थागत तथा संरचनागत व्यवस्था गर्नु, स्थानीय सरकार मातहतमा आएको पशु प्रसार सेवालाई व्यवस्थापन र सुदृढीकरण गर्नु, पशु खाद्य व्यवहारमा सुधार गरी स्थानीय उत्पादनको उपभोग प्रवृत्ति बढाउनु, पशुपालनलाई व्यवसायिकरण र औद्योगिकरण गर्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ४.२.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

यस क्षेत्रमा पशुपन्छी पालन परम्परागत र निर्वाहमूखी रहेको भएतापनि यसलाई आधुनिकीकरण गरी वैज्ञानिक प्रणालीको विकास गर्न सकिने, पशुपन्छी पालनमा आधारित लघु तथा घरेलु उद्योगहरूको स्थापना गर्न सकिने, दुग्ध तथा मासुजन्य उत्पादनको बढ्दो मागलाई बजार व्यवस्थापन गर्न सकिने, पानी, विरूवा, हावा, चरन क्षेत्र आदिको राम्रो स्रोत भएकाले मौरीपालनको राम्रो सम्भावना हुनु, स्थानीय उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गरी खाद्यान्न आत्मनिर्भर हुन सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

पशुपन्छीको विकास र विस्तार गरी अन्य स्थानहरूमा बिक्री गर्न सकिने, उन्नत जातका पशुपालन गरी वरिपरिका वस्तीहरूमा समेत विस्तार गर्न सकिने, व्यवसायिक पशुपालन, कुखुरा पालन, माछा पालन मार्फत आय आर्जन बढाउन सकिने, पशुपालनको लागि उपयुक्त हावापानी रहेको, युवाहरूलाई उन्नत जातका पशुपालनमा आकर्षित गरी स्वरोजगार प्रदान गर्न सकिने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

### ४.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### लक्ष्य

व्यवसायिक पशुपालन गरी कृषकलाई आत्मनिर्भर एवं पशुक्षेत्रलाई निर्यातमुखि बनाउँदै समावेशी र दिगो आर्थिक वृद्धि हाँसिल गर्ने ।

#### उद्देश्य

- पशु क्षेत्रको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धि गरी कृषकको आयस्तरमा वृद्धि गराई कुल गाहस्य उत्पादनमा टेवा पुर्‍याउनु ।

- आधुनिक व्यावसायिकरण तथा प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकास गरी पशु क्षेत्रको व्यावसाय सन्तुलन गर्नु ।

### रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
पशुपंक्षीपालनलाई व्यावसायिकरण तथा प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विस्तार गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• स्थानीय तहको पशुपंक्षीपालन सम्बन्धि ऐन, नीति, कानून तथा योजना निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• कृषक समुदाय, सहकारी संस्था एवं कृषकहरुमा प्रतिस्पर्धी क्षमता वृद्धि गर्दै पशुपंक्षीको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्न प्राविधिक सेवा, वित्तीय सेवा लगायत अन्य सेवा उपलब्ध गराइनेछ ।</li> <li>• तुलनात्मक लाभ भएका पशुजन्य उत्पादनहरुको व्यवसायिक पालनका लागि कृषकहरुको क्षमतामा अभिवृद्धि ल्याई आय आर्जनको श्रोतको रूपमा स्थापित गराइनेछ ।</li> <li>• स्थानीय प्रजातिहरुको संरक्षण गर्दै नश्व सुधारको माध्यमबाट स्थानीय पशुहरुमा गुणात्मक सुधार ल्याई उत्पादन र उत्पादकत्वमा वृद्धि ल्याइनेछ ।</li> <li>• व्यवसायिक कुखुरा, बङ्गुर र बाखापालनलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• पशु आहारका लागि उन्नत, गुणस्तरीय एवं पोषणयुक्त घाँसबाली रोपणमा व्यापकता ल्याइनेछ</li> <li>• चरिचरनका लागि उपयुक्त स्थानहरु निर्धारण गरी कृषकहरुको सहभागितामा चरन क्षेत्रलाई व्यवस्थित गरिनेछ ।</li> <li>• पशु वीमालाई प्रभावकारी रूपमा परिचालनका लागि निजी क्षेत्रहरूसंग समन्वय गरिनेछ ।</li> <li>• वेरोजगार युवा वर्गलाई पशुपंक्षी व्यवसायमा आवद्ध गर्न वित्तीय संस्थाहरूसंग सहकार्य गर्दै सहूलियत दरमा वित्तीय सेवा सुविधाको व्यवस्था गरी प्रोत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• आधुनिक प्रविधियुक्त गोठ तथा खोर निर्माण सञ्चालनमा ल्याइनेछ ।</li> <li>• बाखा स्रोत केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।</li> <li>• संकलन केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।</li> <li>• पशु वधशाला एवं फ्रेस हाउस निर्माण कार्यक्रम गरिनेछ ।</li> </ul>

<p>पशुपंक्षीजन्य उत्पादनमा जोड दिई वजार प्रवर्द्धन गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पशुपंक्षीजन्य उत्पादनको वजार प्रवर्द्धन एवं निकासी वृद्धि गर्न वस्तुमा विविधीकरणका लागि प्रोत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• कृषकहरुलाई व्यवसायिक सीप विकास तालिम, प्रसारहरु सञ्चालन गरी क्षमतामा अभिवृद्धि गरिनेछ ।</li> <li>• पशु आहारा व्यवस्थापनका लागि साना उद्योग स्थापना गर्न पहल गरिनेछ ।</li> <li>• पशुपंक्षीजन्य उत्पादनहरुको स्थानीय एवं वाह्य वजार प्रवर्द्धन गर्न सङ्कलन केन्द्र, प्रशोधन केन्द्र, चिस्यान केन्द्र, विक्री केन्द्र, पशु हाटवजार र मेला प्रदर्शनी स्थल व्यवस्था जस्ता पूर्वाधारहरु आवश्यकताका आधारमा उपयुक्त स्थानमा निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• पशुपंक्षीजन्य उत्पादनको वजार प्रवर्द्धनका लागि नेतृत्वदायी भूमिका निर्वाह गर्न पशु सहकारी संस्था एवं अगुवा कृषकहरुको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।</li> <li>• सूचना प्रविधिमा कृषकहरुको पहुँचमा सहजता ल्याई पशुपंक्षी वजार सूचना सम्बन्धी स्थानीय तथा वाह्य वजार बारे जानकारी नियमित रूपमा गराउने संयन्त्र विकास गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>पशुपंक्षी स्वास्थ्य तथा उपचार व्यवस्था विस्तार गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रत्येक वडामा पशु प्राविधिकको व्यवस्था गरी पशुपंक्षी उपचारको व्यवस्था मिलाइ पशुपंक्षीमा लाग्ने रोग, महामारी नियन्त्रण गदै स्वास्थ्यवर्द्धक वस्तु उत्पादनमा जोड दिइनेछ ।</li> <li>• पशुको स्वास्थ्यलाई ध्यानमा राखि प्रत्येक वर्ष शिविर संचालन गरिनेछ ।</li> <li>• पशु उपचारको लागि रोग निदान गर्न मिनि प्रयोगशाला स्थापना गरिनेछ ।</li> <li>• पशुपंक्षीहरुमा लाग्ने सक्ने रोग तथा महामारी नियन्त्रणका लागि आवश्यक पर्ने खोप, औषधी, परजीवि नियन्त्रणको व्यवस्था मिलाउदै पशुपंक्षी चिकित्सा सेवा संचालन गरिनेछ । यसका लागि पशु चिकित्सक सहित आवश्यक जनशक्तिहरु व्यवस्था गर्न स्थानीय वेरोजगार युवाहरुलाई आवद्ध गरिनेछ र युवाहरुलाई तालिम प्रदान गरी क्षमता विकास गरिनेछ ।</li> <li>• मानवबाट पशुपंक्षी र पशुपंक्षीबाट मानव स्वास्थ्यमा पर्न सक्ने असरलाई मध्यनजर राख्दै पशुपंक्षीको व्यवसायिक पालन गर्न एक कार्यविधि बनाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ र नियमित रूपमा नियमन गरिनेछ ।</li> <li>• खुल्ला मासु विक्री वितरण तथा ओसारपसारका लागि एक मापदण्ड बनाई त्यसको नियमन गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>वातावरण तथा हावापानी अनुकूलमैत्री</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पशुपंक्षी र पशुपंक्षीजन्य पदार्थको प्रमाणीकरण, हाटबजार, सङ्कलन केन्द्र, चिस्यान केन्द्र निर्माण गरिनेछ ।</li> </ul>

<p>पशुपक्षी व्यवसायको प्रवर्द्धन गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पशुपक्षीपालनको श्रोत केन्द्र स्थापना गरी सञ्चालनमा ल्याइनेछ ।</li> <li>• मासु र दुधमा आत्मनिर्भरताका लागि कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• गाईभैसी, बाखा, कुखुरा, वज्जुरलाई एकै प्याकेजमा राखी पशुपक्षीको प्याकेज कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• पशुपालक कृषक सम्मान कार्यक्रम, उत्कृष्ट कृषक कार्यक्रम तथा पशु सुत्केरी कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li> </ul>
--	--

४.२.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : पशुपन्छी पालन								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	पशुपंक्षी तथा मत्स्यपालनलाई व्यवसायतर्फ लैजाने	५००	१००	१००	१००	१००	१००	संघ
२	पशुपालन पकेट क्षेत्र तोकी कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	५००	१००	१००	१००	१००	१००	संघ
३	नस्ल सुधार कार्यक्रम	२००	४०	४०	४०	४०	४०	प्रदेश
४	पशु प्रयोगशाला स्थापना	१५०	७५	७५				प्रदेश
५	पशुपंक्षी उपचार, खोप सेवा सञ्चालन	१००	२०	२०	२०	२०	२०	प्रदेश
६	पशु आहारा विकास कार्यक्रम	५०	१०	१०	१०	१०	१०	स्थानीय तह आफै
७	पशु सम्बन्धी कार्यक्रम अनुगमन	२०	४	४	४	४	४	स्थानीय तह आफै
<b>जम्मा</b>		<b>१५२०</b>	<b>३४९</b>	<b>३४९</b>	<b>२७४</b>	<b>२७४</b>	<b>२७४</b>	



४.२.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
	व्यवसायिक पशुपंक्षी पालनमा संलग्न घरधुरी	संख्या	८०-९०	९०	१००	११०	१२०	१३०	गापा	४	२
प्रभाव	व्यवसायिक पशुपालन फर्महरू	संख्या	५४	६०	७०	८०	९०	१००	"	४	२
असर	पशुपंक्षी बीमा सेवावाट लाभान्वित कृषक	संख्या	२	५	१०	१५	२०	२५	"	४	२
प्रतिफल	नक्ष सुधार तथा प्राथमिक उपचारकेन्द्र	संख्या	१	१	२	२	२	२	"	४	२
	पशुपंक्षीपालन सम्बन्धी उपलब्ध प्रविधि (खोप, कृत्रिम प्रजनन, क्यासट्रेसन) उपयोग १ गर्ने कृषक	प्रतिशत	६०	६५	७०	८०	९०	१००	"	४	२
	सुचारु कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	संख्या	१	१	१	२	२	२	"	४	२

	दुध उत्पादन (वार्षिक)	लिटर	५४७५००	६०००००	६५००००	७०००००	७५००००	८०००००	"	४	२
	वार्षिक दुध विक्री	रु.करोड	२.१९	३	४	५	६	७	"	४	२
	खसीवोका, राँगाभैसी, वङ्गुर, सुंगुरको वार्षिक विक्री	रु.करोड							"	४	२
	वार्षिक कुखुराको मासु तथा अण्डा विक्री	रु.करोड	१२.५	१५	१८	२०	२३	२५	"	४	२
	चालु अवस्थाका व्यवसायिक कुखुरापालन फर्महरु	संख्या	१०	१०	१२	१४	१६	१८	"	४	२
	पशुजन्य संक्रामक रोग विरुद्ध खोप लगाएका पशुपंक्षीहरु	संख्या	२१०००	२१०००	२१०००	२१०००	२१०००	२१०००	"	४	२
	पशुजन्य संक्रामक रोगवाट वार्षिक क्षति	रु.लाख	१०	८	६	४	२	१	"	४	२

#### ४.२.७ अपेक्षित उपलब्धी

पशुपालनमा अनुदान तथा उत्पादनमा आधारित प्रोत्साहन कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुनेछ । उन्नत नस्लका पशुपंक्षी वितरण कार्यक्रम र बीमा कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुनेछ । उन्नत जातको भुइँ घाँस र डाले घाँसको व्यावसायिक खेतीका लागि कार्यक्रम भएको हुनेछ । कार्यक्रम सञ्चालन गर्नको लागि आवश्यक पर्ने बजेटको व्यवस्थापन भएको हुनेछ । चरन विकास कार्यक्रम र उन्नत जातको घाँस विकास तथा विस्तार कार्यक्रम भएको हुनेछ । खसी, बोका लगायत दुग्धको उचित मूल्य श्रृङ्खला विकास कार्यक्रम भएको हुनेछ । दुग्ध संकलन केन्द्र स्थापना, हाटबजारको स्थापना, पशुपालन तालिम तथा प्रसार भएको हुनेछ । आधुनिक खोर निर्माण भएको हुनेछ । प्राकृतिक जलाशय संरक्षित क्षेत्र विस्तार भएको हुनेछ । व्यवसायिक माछापालनमा प्रोत्साहन भएको हुनेछ । सहूलियत दरमा कृषि कर्जा र सहजीकरण कार्यक्रम भएको हुनेछ । एक वडा एक कृषि सहकारी अगाडि बढेको हुनेछ । पशु स्वास्थ्य शिविर संचालन, साधारण भेटेरिनरी प्रयोगशाला भएको हुनेछ । विमा अभिकर्ता र विमा सचेतना तथा अनुदान कार्यक्रम भएको हुनेछ । अनुदानमा मौरी घर, प्राविधिक ज्ञान, जनचेतना जगाई मौरीपालन कार्यक्रम भएको हुनेछ ।

#### ४.२.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

आयोजनाहरूको कार्यान्वयनमा केन्द्र सरकार, प्रदेश सरकार र स्थानीय निकायको समन्वयात्मक र सक्रिय सहभागिता हुनेछ । ठूला आयोजनाहरूको कार्यान्वयनमा दातृ निकायबाट सहयोग प्राप्त हुनेछ । सार्वजनिक, निजी साझेदारीमा योजनाहरूको कार्यान्वयन हुनेछ । गाउँपालिकाको आन्तरिक स्रोत परिचालन हुनेछ ।

#### ४.३ वित्तीय तथा सहकारी क्षेत्र

##### ४.३.१ पृष्ठभूमि

वित्तीय तथा सहकारी क्षेत्रलाई अर्थतन्त्रको एक महत्वपूर्ण खम्बाको रूपमा लिइन्छ । संविधानले सार्वजनिक, निजी र सहकारी क्षेत्रको सहभागिता तथा विकास मार्फत राष्ट्रिय अर्थतन्त्रलाई आत्मनिर्भर, स्वतन्त्र तथा उन्नतिशील बनाउँदै समाजवादउन्मुख स्वतन्त्र र समृद्ध अर्थतन्त्रको विकास गर्ने उद्देश्य लिएको छ ।

गाउँपालिकाको आर्थिक तथा सामाजिक विकासमा यहाँका वित्तीय तथा सहकारी संस्थाको भूमिका महत्वपूर्ण रहेको छ । सहकारी संस्थाले स्थानीय स्तरको बचतलाई गाउँ बाहिर जानबाट रोकी स्थानीय क्षेत्रमा विभिन्न आयमूलक कार्यमा लगानी गरिरहेका छन् । सहकारी संस्था प्रति जनताको अपनत्व बढी र प्रशासनिक झन्झट कमी हुने हुँदा वित्तीय क्षेत्रमा यहाँका जनताको पहुँच समेत बढेको छ । सहकारी संस्थाहरूलाई आवश्यक बजेट तथा तालिमको व्यवस्था, इन्टरनेट तथा विद्युतमा आवश्यक बजेट व्यवस्था गरी सेवाग्राहीलाई सेवा प्रवाह गर्नुपर्ने, ऋणको ब्याज दर सस्तो गरि ऋण लगानी गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

दुङ्गेश्वर गाउँपालिका भित्र १ मात्र बैंक संचालनमा रहेको छ र भएका सहकारीहरूको क्रियाशीलता खासै देखिँदैन । कृषि सहकारी संस्था स्थापना गरि कृषि प्रविधि तथा उपकरण, विउ विजन, मल, कृषि औषधी सहज रूपमा उपलब्ध हुन सक्ने सम्भावना रहेको छ । सहकारी मार्फत बचतमा वृद्धि भएको, ऋणको

लगानी तथा व्यवस्थापन भएको अवस्था छ । सहकारी मार्फत रोजगारी अवसर सिर्जना गर्ने प्रचुर सम्भावना रहेको छ ।

### ४.३.२ समस्या तथा चुनौती

#### समस्या

गाउँपालिका क्षेत्र नजिक बैंक नहुनु, १३ वटा मात्रै सहकारी रहेका र बचत संकलन, ऋण लगानीका कार्यक्रम मात्र गर्नु, सहकारी संस्था बचतको पहुँच सहज नभएको, कर्जाको उपलब्धता र पहुँचमा कमी हुनु, ऋण लगानीमा ब्याजदर चर्को हुनु, ऋण लिएर उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी नगरि अर्को ऋण तिर्न ऋण लिने गरेको, अधिकतम सहकारी संस्था बचत तथा ऋण परिचालनमा केन्द्रित हुनु, समुहहरूमा संकलित बचतको उचित परिचालन नहुनु, बचत तथा ऋण सहकारीमा वित्तीय जोखिम उच्च रहनु, सहकारी क्षेत्रको संरचनात्मक र संगठनात्मक व्यवस्था अपर्याप्त एवं अप्रभावकारी रहनु, संस्थागत सुशासनको कमी हुनु, सहकारीको प्रवर्द्धनका लागि आवश्यक पर्ने औपचारिक सहकारी शिक्षा, तालिम तथा व्यवस्थित सहकारी सूचना प्रणालीको उपयुक्त विकास नहुनु, समुदायमा वित्तीय चेतनाको कमी हुनु जस्ता समस्याहरू छन् ।

#### चुनौती

बैंक तथा वित्तीय संस्थामा स्थानीयको पहुँच वढाउन, वित्तीय सेवा तथा सहकारी व्यवस्थापन सम्बन्धी क्षमता विकास गर्न, सहकारी तथा वित्तीय संस्थाको महत्व तथा उपयोगिता सम्बन्धमा जानकारी गराउन, सहकारी तथा वित्तीय संस्थालाई आय आर्जन तथा रोजगारीका अवसरसँग आवद्ध गर्न, सहकारी तथा वित्तीय संस्थाहरूलाई उत्पादन क्षेत्र तर्फ उन्मुख गराउन, सहकारी संस्थाहरूको नियमित नियमन तथा अनुगमन गर्न, अन्तर सहकारी समन्वय गर्न, कर्जामा सहज पहुँच स्थापना गर्न आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ४.३.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

महिला बचत समुह तथा महिला सहकारीहरूको विकास तथा क्षमता अभिवृद्धि गर्न सकिने, अति विपन्न वर्गमा नियमित बचत गर्ने बानीको विकास गर्न प्रोत्साहन गर्न सकिने, ऋण तथा कर्जा सेवा प्रदान गर्न विभिन्न कृषि तथा महिला समुहहरू सक्रिय रहेका, उद्योग, कलकारखाना, बजार केन्द्र, व्यापारिक कारोबारको विस्तार गर्दै बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूको विकास गर्न सकिने, सहकारीको विकास मार्फत ग्रामीण अर्थतन्त्रको उचित विकास गर्न सकिने, अन्य बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूलाई आर्कषण गर्न सकिने, स्थानीय जनताको अग्रसरतामा माइक्रो फाइनेन्स तथा सहकारीहरूको विकास र विस्तार गर्न सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

अवसर

वित्तीय पहुँचको विस्तार हुनु, स-साना बचत परिचालन भई पुँजी निर्माणमा सहयोग पुग्नु, जनतामा सामुदायिक तथा सहयोगी भावनाको विकास हुनु, स्थानीय स्तरमा वित्तीय अन्तरसम्बन्ध कायम हुनु, गाउँपालिकासँगको वित्तीय सहकार्यमा कृषि तथा उद्योग क्षेत्रमा सहूलियत ऋण लगानी हुनु, रोजगारीका अवसरहरू अभिवृद्धि गर्न सकिने, सहकारीहरूलाई एकिकरणका माध्यमबाट थप शसक्त बनाउन, सहकारीलाई गाउँपालिकाले विकासको साझेदारका रूपमा लिनु आदि अवसर हुन् ।

४.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

लक्ष्य

बैंक तथा वित्तीय संस्थामा सम्पूर्ण नागरिकको पहुँचमा वृद्धि गरि उत्पादन, उत्पादकत्व वृद्धि र रोजगारी सिर्जना गर्ने ।

उद्देश्य

- प्रतिस्पर्धात्मक तथा तुलनात्मक लाभका क्षेत्रहरूमा वित्त परिचालन गर्नु ।
- वित्तीय संस्थाहरूमा सबैको सहज पहुँच स्थापना गरी बचत तथा लगानी अभिवृद्धि गर्नु ।
- बैंक तथा वित्तीय एवं सहकारी मार्फत विपन्न तथा लक्षित वर्गलाई आर्थिक तथा सामाजिक क्षेत्रमा परिचालन गरी ती वर्गको क्षमता विकास गर्नु ।

रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
बचत तथा ऋण सहकारी संस्थालाई विकास गरी उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी गर्न अभिप्रेरित गर्ने	<ul style="list-style-type: none"><li>• क्षेत्रगत लगानीका आधार र प्राथमिकता सहितको लगानी नीति तर्जुमा गरिनेछ</li><li>• सहकारी र स्थानीय उत्पादन समूहलाई कृषि तथा गैर कृषि उपजको बहु-उत्पादन, प्रशोधन, भण्डारण तथा बजारीकरण, कृषि प्रसार, पूर्वाधार विकास तथा स्थानीय स्रोत परिचालनको माध्यमको रूपमा विकास गरिनेछ ।</li><li>• नगदेबाली, फलफुल, तरकारी लगायत छिटो नगद तथा पुँजी निर्माण हुने क्षेत्रहरूमा लगानी परिचालन गर्न वित्तीय क्षेत्रलाई प्रोत्साहित गर्दै स्थानीय स्तरमा रोजगारी तथा आयआर्जनका अवसरहरू श्रृजना गरिनेछ ।</li><li>• विप्रेषणलाई नगदेबाली, छिटो नगद तथा पुँजी निर्माण हुने क्षेत्रहरूमा लगानी गर्न नीतिगत व्यवस्था गरिनेछ ।</li><li>• गाउँपालिकाको प्रशासकीय भवन आसपास बैंक स्थापना गर्न पहल गरिनेछ ।</li></ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• प्रत्येक वडामा सहकारीहरू स्थापना गरी लघु वित्त बैंकको रूपमा काम गर्ने वातावरण मिलाइनेछ ।</li> <li>• टोल-टोलमा आर्थिक वचत तथा ऋण लगानीका कार्यक्रमहरू संचालन गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>बैंक तथा वित्तीय एवं सहकारीको गुणस्तर, क्षमता र विश्वसनियता अभिवृद्धि गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सहकारी सञ्चालन र व्यवस्थापन सम्बन्धी आवश्यक नीतिगत र कानुनी व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• छरिएर रहेका उत्पादन समूहलाई सहकारीमा आबद्ध गरी संस्थागत रूपमा क्रियाशिल हुन प्रोत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• सहकारीमा कार्यरत जनशक्तिलाई क्षमता विकास तालिम र सहकारी शिक्षा विस्तारका कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• सहकारी क्षेत्रको विकासमा अन्तरसरकार समन्वय र सहकार्य अभिवृद्धि गरिनेछ ।</li> <li>• वित्तीय पहुँच विस्तारमा वित्तीय संस्थालाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• वित्तीय क्षेत्रको संस्थागत संस्कृति, क्षमता विकास र संस्थागत सुशासन प्रवर्द्धन गरिनेछ ।</li> <li>• वित्तीय संस्थामा पारदर्शिता प्रवर्द्धन गरिनेछ ।</li> <li>• वित्तीय क्षेत्रको बचत, लगानी उत्पादनको अनुगमन संयन्त्रको विकास गरिनेछ ।</li> <li>• सूचना प्रविधिको उपयोग गरी सहकारी सूचना प्रणालीलाई प्रभावकारी बनाइनेछ ।</li> </ul>
<p>वित्तीय संस्थाहरूको माध्यमबाट विपन्न तथा गरिब वर्गलाई सहयोग उपलब्ध गराउने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• लक्षित वर्ग तथा विपन्न वर्गको उत्थानको लागि वित्तीय क्षेत्रलाई सक्रिय सहभागी गराइनेछ ।</li> <li>• विपन्न वर्गलाई सहकारीमा सङ्गठित गरी व्यावसायिकता तर्फ उन्मुख गर्न वित्तीय एवम् प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराइनेछ ।</li> <li>• महिला, दलित तथा अतिविपन्न वर्गको आर्थिक उत्थानमा सहयोग पुऱ्याउन व्यवसायको प्रकृति र आवश्यकताका आधारमा सहूलियतपूर्ण कर्जा वा अनुदान व्यवस्था गरिनेछ ।</li> </ul>

४.३.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : वित्तीय तथा सहकारी क्षेत्र								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	सहकारी अनुदान कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	५००	१००	१००	१००	१००	१००	संघ
२	सहकारी क्षमता विकास वृद्धि गर्ने	५००	१००	१००	१००	१००	१००	संघ
३	एक घर एक रोजगारी अभियान सञ्चालन गर्ने	२००	४०	४०	४०	४०	४०	प्रदेश
जम्मा		१०००	२००	२००	२००	२००	२००	

४.३.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	विविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	सुचारु बैंक तथा वित्तीय संस्था	संख्या							गापा	४	२

असर	वैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूमा सङ्कलित निक्षेप	रु.करोड							"	४	२
प्रतिफल	आर्थिक रूपमा सक्रिय जनसंख्या (१५— ६४) को वैंक खाता	संख्या							"	४	२
	वैंक तथा वित्तीय संस्थाहरूबाट प्रवाह भएको कूल कर्जा	रु.करोड							"	४	२
	प्राथमिकता क्षेत्रहरूमा वाणिज्य वैंकबाट भएको कूल कर्जा लगानी (कृषि, उर्जा एवं साना मझौला उद्योग)	प्रतिशत							"	४	२
	सहूलियतपूर्ण क्षेत्रमा भएको वैंकको कर्जा प्रवाह	प्रतिशत							"	४	२
	वैंक तथा वित्तीय संस्थाहरू वाट उपलब्ध सेवा तथा कारोबारको प्रकार (१.बचत र लगानी २.रेमिट ३.मुद्रा सटही ४. व्यवसायिक परामर्श)	संख्या							"	४	२
	वचत तथा ऋण समेत को कूल सहकारी संस्था	संख्या							"	४	२
	महिलाद्वारा सञ्चालित सहकारी संस्था	संख्या							"	४	२
	कृषि क्षेत्रका कूल सहकारी संस्था	संख्या							"	४	२



	सहकारी संस्थामा आवद्ध सदस्यहरु	संख्या								"	४	२
	सहकारी संस्थाको ऋण कर्जाबाट उद्योग, व्यापार व्यवसाय सञ्चालन गर्नेहरु	संख्या								"	४	२
	सहकारी संस्थाबाट भएको कूल कर्जा लगानी	रु.करोड								"	४	२
	सहकारी संस्थामा सङ्कलित कुल निक्षेप	रु.करोड								"	४	२

### ४.३.७ अपेक्षित उपलब्धी

गाउँपालिकाको प्रशासकीय भवन नजिकै बैंकको व्यवस्था भएको हुनेछ । बहुउद्देश्य सहकारी स्थापना गरी प्रत्येक वडामा एकमात्र सहकारीले आर्थिक उत्पादनका, क्रियाकलापहरू सञ्चालन कार्यक्रमहरू गरेको हुनेछ । कृषि सहकारी संस्था खोली कृषि सामाग्रीको सहज पहुँच स्थापना भएको हुनेछ । सबै वडाको समान पहुँच पुग्ने स्थानमा सहकारी स्थापना भएको हुनेछ । ऋणलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा पहिचान सहित लगानी वृद्धि गरि रोजगारी सिर्जना भएको हुनेछ । तालिम प्राप्त जनशक्तिका संख्यामा वृद्धि भएको हुनेछ । वित्तीय पहुँच सहज भएको हुने, सहकारी सूचना प्रणालीको स्थापना भएको हुनेछ । सहकारी क्षेत्रको नियमन प्रभावकारी भएको हुनेछ ।

### ४.३.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

आयोजनाहरूको कार्यान्वयनमा केन्द्र सरकार, प्रदेश सरकार र स्थानीय निकायको समन्वयात्मक र सक्रिय सहभागिता हुनेछ । ठूला आयोजनाहरूको कार्यान्वयनमा दातृ निकायबाट सहयोग प्राप्त हुनेछ । सार्वजनिक, निजी साझेदारीमा योजनाहरूको कार्यान्वयन हुनेछ । गाउँपालिकाको आन्तरिक स्रोत परिचालन हुनेछ ।

### ४.४ पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा

#### ४.४.१ पृष्ठभूमि

पर्यटन क्षेत्र अर्थतन्त्रको विकासका लागि उच्च सम्भावना बोकेको क्षेत्र हो । अद्वितीय प्राकृतिक एवम् साँस्कृतिक सम्पदा र विविधताको कारण यस क्षेत्रमा तुलनात्मक लाभ रहेको छ । खासगरी, हिमाली प्राकृतिक सुन्दरता, महत्त्वपूर्ण धार्मिक पर्यटकीय गन्तव्य तथा मौलिक साँस्कृतिक तथा पुरातात्विक सम्पदा पर्यटन क्षेत्रमा प्रचुर सम्भावना बोकेका क्षेत्रहरू हुन् । यी स्थल र सम्पदाको संरक्षण, प्रवर्द्धन र विविधिकरण गर्दै पर्यटकीयस्थलको रूपमा विकास गरी राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको प्रमुख आधारको रूपमा यस क्षेत्रलाई विकसित गर्ने नीति नेपालको संविधानले अङ्गिकार गरेको छ । पर्यटन प्रवर्द्धनको माध्यमबाट रोजगारीका अवसर वृद्धि, गरिबी निवारण र जनताको जीवनस्तरमा सुधार ल्याई आर्थिक समृद्धिको लक्ष्य हासिल गर्न यस क्षेत्रको महत्त्वपूर्ण योगदान रहने भएकोले पर्यटन अर्थतन्त्रको प्रमुख सम्बाहक पनि हो ।

#### ४.४.२ समस्या र चुनौती

##### समस्या

पर्यटकीय क्षेत्रमा गर्नुपर्ने नीतिगत कुराको ज्ञान नभएको, आन्तरिक तथा बाहिरी पर्यटकहरू आउँदा उनीहरूलाई गर्नुपर्ने स्वागत सत्कारको ज्ञानको कमी हुनु, सम्भावित रमणीय ठाउँ, भूगोल र अमूल्य वस्तुको पहिचान गरी संरक्षण गर्न नसक्नु, पर्यटकीय क्षेत्रमा लगानी गर्ने तथा ध्यान पुग्न नसक्नु, पालिकामा पर्यटकहरूका लागि आवश्यक पर्ने ठाउँ वस्तुको पहिचान गर्न नसक्नु, पर्यटन प्रवर्द्धन तथा प्रचार प्रसारको कमी हुनु, पर्यटकीय क्षेत्रहरूको विप्लव गुरुयोजना तथा डिपिआर तयार नहुनु, पर्यटन क्षेत्रको विकासमा

उद्यमशिलतालाई जोड्न नसकिनु, पर्यटकीय स्थलहरूमा यातायात सुविधाको अभाव हुनु, पर्यटन पूर्वाधारको कमी हुनु, पर्यटकीय उपजको विविधिकरण, पर्यटन क्षेत्रको अपेक्षित रूपमा विकास र विस्तार हुनु नसक्नु, पर्यटकीय पूर्वाधारका कार्यक्रमलाई विशेष प्राथमिकता नदिनु, पर्यटन सम्बन्धी स्थानीय नीतिगत तथा कानूनी व्यवस्थाको कमी हुनु, पर्यटन सूचना केन्द्रको अभाव हुनु आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

### चुनौती

स्थानीय संस्कृतिलाई पर्यटन विकाससँग आवद्ध गर्नु, पर्यटकीय उपजहरूको विविधिकरण गर्नु र गन्तव्यहरूको विकास गर्नु, पर्यटनमा निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षित गर्नु, पर्यटकीय पूर्वाधारको विकास गर्न, पर्यटकहरू यस क्षेत्रमा आउँदा बस्ने, खाने, हेर्ने र लाने वस्तुहरूको अव्यवस्थित वातावरण साथ सुरक्षाको चुनौती हुनु, पर्यटकीय पूर्वाधार विकासमा निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षित गर्नु, पर्यटकीय सेवा सुविधाको गुणस्तर वृद्धि गर्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ४.४.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

डुङ्गेश्वर गाउँपालिका प्राकृतिक हिसाबले प्रचुर सम्भना भएको हुँदा यहाँ पर्यटकीय हिसाबले सबै क्षेत्रमा सरोकार राख्ने आन्तरिक एवं बाह्य पर्यटकहरू यस पालिकाको विभिन्न भुगोलहरूमा अवतरण गराई यहाँ आय आर्जनको बाटो खोल्न सकिने सम्भावित क्षेत्र रहेको, होम स्टे, ग्रामीण पर्यटनको सम्भावना हुनु, पर्यटन बजारको सम्भावना रहेको, पदमार्ग निर्माण लगायत पर्यटन पूर्वाधारहरू विकास गर्ने सकिने, पर्यटकीय क्षेत्रहरूको प्रचार प्रसार गरी पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न सकिने, पर्यटकीय तथा धार्मिक स्थलहरूको फोहरमैला व्यवस्थापनको लागि सरकारी, गैरसरकारी संघ संस्थाहरूसँगको सहकार्य गर्न सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

धार्मिक पर्यटक, कृषि पर्यटक अन्य अवलोकन गर्न सकिने सम्भावित क्षेत्रहरू हुनु, स्थानीय कला संस्कृति, रीतिरिवाजको प्रचार प्रसार गरी पर्यटक आवागमन बढाउन सकिने, धार्मिक, साँस्कृतिक, प्राकृतिक सम्पदाहरूको उपयोग गरी पर्यटकीय गतिविधि बढाउन सकिने, कृषि पर्यटनको सम्भाव्यता अध्ययन गर्न सकिने, पर्यटन विकासमा निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षित गर्न सकिने, पर्यटन गुरुर्योजनाले निर्दिष्ट गरे बमोजिम पर्यटन पूर्वाधारहरू विकास गर्ने सकिने, पर्यटन क्षेत्रमा सहयोग आदान प्रदान गर्न आन्तरिक तथा बाह्य देशका स्थानीय सरकारसँग भगिनी सम्बन्ध स्थापनाका लागि पहल गर्न सकिने, पर्यटकको लागि सम्बद्ध संघ संस्थाहरूसँग समन्वय गरी आवश्यक सुरक्षाको व्यवस्था गर्न सकिने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

#### ४.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

##### लक्ष्य

डुङ्गेश्वर गाउँपालिका भित्र रहेको पवित्र धार्मिक पर्यटकीय साथै रमणीय स्थलहरूमा भौतिक पूर्वाधार संरचना निर्माण गर्दै प्रचार-प्रसार तथा प्रवर्द्धनद्वारा आर्थिक समृद्धि र सवलिकरण गर्ने ।

##### उद्देश्य

- गाउँपालिका भित्र रहेका महत्वपूर्ण क्षेत्रहरू जस्तै कृषि, धार्मिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक रमणीय कुराहरूको दृश्य अवलोकन, भ्रमण गर्न आन्तरिक तथा बाह्य पर्यटक संख्यामा वृद्धि गरी रोजगारी श्रृजना गरी आय स्रोत बढाउनु ।

##### रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
पर्यटकीय क्षेत्र विकास, निर्माण गरि पर्यटक सङ्ख्या, बसाई अवधि र खर्च गराईमा वृद्धि गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"><li>सम्भावित पर्यटकीय स्थलहरूको पहिचान गरी त्यस्ता ठाउँहरूको डि.पि.आर, गुरु योजना निर्माण गरी पर्यटकहरू ल्याउने वातावरण, श्रृजना गर्न कानूनी व्यवस्था गरिनेछ ।</li><li>गाउँपालिकामा रहेका पर्यटकीय क्षेत्रहरूमा आवश्यक भौतिक पूर्वाधारहरूको विकास र विस्तार गरिनेछ ।</li><li>पर्यटक सङ्ख्या, बसाई अवधि र खर्च गराईमा आय आर्जनमा वृद्धि गराइनेछ ।</li><li>पर्यटकहरूका लागि आवश्यक पर्ने खान, बस्नको लागि सामुदायिक होमस्टे, निजी होमस्टे, होटल दर्ता प्रक्रियामा जोड दिइनेछ तथा यसको विकास र विस्तार गरिनेछ ।</li><li>होमस्टे निर्माण (बईरी, जडी, कल्सेढुङन, सिलाडी) गरिनेछ ।</li><li>पर्यटकको लागि सम्बद्ध संघ सस्थाहरूसँग समन्वयमा पर्यटन सम्बन्धी गोष्ठी, सेमिनार, तालिमको आयोजना गरी पर्यटन सम्बन्धी ज्ञान समुदायलाई जनचेतना दिइनेछ ।</li><li>गाउँपालिकामा रहेका पर्यटकीय क्षेत्रहरूलाई पर्यटकीय सर्किटबाट जोडिनेछ ।</li><li>पर्यटन विकासमा निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षित गर्न प्रोत्साहन मूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li><li>पर्यटकहरूका लागि आकर्षक गन्तव्यको रूपमा विकास गर्न पर्यटकीय तथा धार्मिक स्थलहरूको फोहरमैला व्यवस्थापन गर्न सम्बन्धित संघ संस्थाहरूसँग सहकार्य गरिनेछ ।</li></ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पर्यटन क्षेत्रमा सहयोग आदान प्रदान गर्न आन्तरिक तथा बाह्य देशका स्थानीय सरकारसँग भगिनी सम्बन्ध स्थापनाका लागि पहल गरिनेछ ।</li> <li>• डुङ्गेश्वर गाउँपालिका वडा नं. ३ को वली लोटे खोला झरनाको संरक्षण र प्रवर्द्धन कार्य गरी पर्यटकिय स्थलको रूपमा विकास गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>मौलिक कला तथा साँस्कृतिक पहिचानलाई संरक्षण गर्दै पर्यटनसँग आवद्ध गर्ने ।</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• मौलिक कला तथा साँस्कृतिक पहिचानलाई संरक्षण गर्दै पर्यटनसँग आवद्ध गरिनेछ ।</li> <li>• कोटाफेरा, कुईयाताल, मालिका मन्दिर, डुङ्गेश्वर (डुङ्गेल) मन्दिर, शिव मन्दिर, नारायण स्थान बन्डालि थान आदिको निर्माण तथा मर्मत संभार गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीय विशिष्ट पहिचान झल्किने खालका उत्पादनहरूको प्रवर्द्धन गर्दै आय आर्जनका लागि उपयुक्त स्थानहरूमा कोशेली घरको स्थापना गरिनेछ ।</li> <li>• लोक भाषा, संस्कृति, कला, धार्मिक साँस्कृतिक स्थल आदिको संरक्षण र प्रवर्द्धन गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीय बाटो एवम् पर्यटकीय पदमार्ग, विश्राम स्थल, होटल तथा होमस्टे साँस्कृतिक, धार्मिक स्थल आदिको पूर्ण सरसफाइ गरिनेछ ।</li> </ul>

४.४.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	पर्यटकीय क्षेत्रको विकास र सम्वर्द्धन	१५००	३००	३००	३००	३००	३००	संघ
२	पालिकास्तरीय होमस्टे निर्माण	२००	८०	८०	४०			संघ/स्थानीय
जम्मा		१७००	३८०	३८०	३४०	३००	३००	

४.४.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	धार्मिक पर्यटन सञ्चालन स्थान	संख्या	५	६	७	८	९	१०	गापा	४	२
असर	सुविधा सम्पन्न पर्यटकीय गन्तव्य स्थल (यातायात, संचार, सुरक्षा, होटेल आदि)	संख्या	०	०	०	१	१	१	"	४	२

प्रतिफल	स्तरोन्नति गरिएका पर्यटकीय सम्पदाहरू	संख्या	०	०	१	१	१	१	"	४	२
	व्यवस्थित, सुविधायुक्त, आकर्षक, सुरक्षित, मनोरम पर्यटकीय गन्तव्य	संख्या	०	१	१	२	२	३	"	४	२
	पुरातात्विक तथा ऐतिहासिक, साँस्कृतिक पर्यटकीय स्थानहरू	संख्या	२	२	३	३	४	४	"	४	२
	उपलब्ध पर्यटकीय सेवा र सुविधाको प्रकार (१.पर्यटकीय क्षेत्र २.सूचना केन्द्र ३.गाइड ४.सुरक्षा ५.होमस्टे ६.मुद्रा सटही ७.होटेल रेष्टुरेण्ट ८.यातायात ९.सपिड, १०.एजेण्ट ४आदि)	संख्या	०	२	२	३	३	४	"	४	२
	सञ्चालित तथा व्यवस्थित पदमार्गको लम्बाइ (कूल)	कि.मि.	१	२	३	४	५	६	"	४	२
	व्यवस्थित होमस्टे तथा पर्यटकीय गाउँ	संख्या	२	२	३	३	४	४	"	४	२
	पालिका बाहिरका प्रसिद्ध पर्यटकीय गन्तव्यसंग जोडिएका पर्यटकीय स्थानहरू	संख्या	३	३	४	४	५	५	"	४	२
	व्यवस्थित वनभोज, उद्यम, पार्क	संख्या	०	१	१	२	३	४	"	४	२

तालिम प्राप्त टुर गाइड	संख्या	०	२	४	६	८	१०	"	४	२
तालिम प्राप्त कुक, वेटर	संख्या	०	४	८	१२	१६	२०	"	४	२
पर्यटनमा आधारित उद्योग व्यवसायहरु	संख्या	२	२	३	३	४	५	"	४	२
सालभरी भ्रमण गर्ने आन्तरिक पर्यटक	संख्या	२५०	३००	३५०	४००	४५०	५००	"	४	२
सालभरी भ्रमण गर्ने बाह्य पर्यटक	संख्या	५०	७५	१००	१२५	१५०	२००	"	४	२
भ्रमण गर्ने पर्यटकहरुको औषत बसाई	दिन	२	२	२	३	३	३	"	४	२
पर्यटकको औषतमा दैनिक खर्च प्रति व्यक्ति	रु.हजार	२५००	२५००	२५००	३०००	३०००	३५००	"	४	२
पर्यटनवाट राजश्व सङ्कलन	रु.लाख	०	२	२	३	३	४	"	४	२



#### ४.४.७ अपेक्षित उपलब्धी

पर्यटकीय स्थलहरूको व्यवस्थापन र संरक्षण कार्यक्रमहरू सञ्चालन भएको हुनेछ । होमस्टे स्थापना भएको हुनेछ । पर्यटकीय क्षेत्रहरूको बारेमा रेडियो, पत्रपत्रिकाहरूमा विज्ञापनका कार्यक्रमहरू सञ्चालन भएको हुनेछ । कोटाफेर, नारायणथान, कुइयाताल संरक्षण कार्यक्रम, मालिका मन्दिर पर्यटनको सञ्चालन भएको हुनेछ । पर्यटकको लागि सम्बद्ध होटल, होमस्टे, यातायात, स्वास्थ्य, सञ्चार, सुरक्षा आदिको राम्रो प्रवन्ध भएको हुनेछ । पालिका भित्र पर्ने सबै वडालाई समेट्ने खालका पर्यटकीय क्षेत्रका पहिचान गरी बृहत गुरुयोजना तयार भएको हुनेछ । स्थानीय स्तरको पर्यटन सूचना केन्द्रको स्थापन गरी पर्यटन सूचना बोर्ड सञ्चालन हुनेछ । पर्यटन आवगमनमा वृद्धि भएको हुनेछ । पर्यटन क्षेत्रमा सहयोग आदान प्रदान गर्न आन्तरिक तथा बाह्य देशका स्थानीय सरकारसँग भगिनी सम्बन्ध स्थापना हुनेछ । पर्यटकहरूको होल्डेज बढाउन स्थानीय धार्मिक, सांस्कृतिक, जातीय, ऐतिहासिक, मेला, उत्सव र पर्व मनाउन प्याकेज कार्यक्रम सञ्चालन हुनेछ । पर्यटकीय तथा धार्मिक क्षेत्रहरूमा फोहरमैला व्यवस्थापनका लागि सरकारी, गैरसरकारी संघ संस्थाहरूसँग सहकार्य भएको हुनेछ । स्थानीय युवा युवतीहरूले आतिथ्य व्यवस्थापन, होटल व्यवस्थापन, सुरक्षा जस्ता विषयमा तालिम प्राप्त गरेका हुने छन् । पर्यटन क्षेत्रमा लगानीहरू आकर्षित भएको हुनेछ ।

#### ४.४.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

संघ र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने वित्तिय हस्तान्तरण लगायत अन्य बजेटहरू नियमित रूपमा प्राप्त हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृ निकायहरूको पर्यटन पूर्वाधारमा नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकारबिच पर्यटन विकास र पर्यटन पूर्वाधार निर्माणमा आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्नेछ ।

#### ४.५ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय तथा आपूर्ति

##### ४.५.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले अर्थतन्त्रको विकासका लागि उद्योगधन्दा र स्रोत- साधनको संरक्षण र प्रवर्द्धन गरी श्रम, सीप र कच्चा पदार्थमा आधारित स्वदेशी लगानीलाई प्राथमिकता दिने र राष्ट्रिय हित अनुकूल आयात व्यवस्थापन र निर्यात प्रवर्द्धक क्षेत्रमा वैदेशिक पुँजी तथा प्रविधिको लगानीलाई आकर्षित गर्दै औद्योगिक पूर्वाधार विकासमा प्रोत्साहन र परिचालन गर्ने नीति लिइएको छ । उद्योग, व्यापार र व्यवसाय विकासका लागि स्थानीय श्रम, सीप र कच्चा पदार्थमा आधारित साना उद्योगको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नुपर्ने हुन्छ । यसैगरी, उद्योगमा नयाँ प्रविधि प्रयोग गरी उत्पादन लागत कम गर्दै उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि र रोजगारिका अवसर सिर्जना गर्नुपर्ने छ ।

होटल व्यवसाय, बहुउद्देशीय फर्म, एग्रीकल्चर फर्म, कृषि तथा पशुपालन फर्म, फ्रेस हाउस, वर्कशप, कन्सट्रक्सन तथा निर्माण सेवा, राईस मिल, क्याफे, फुड प्रडक्ट, एग्रो फर्म, टुर्स एण्ड ट्राभल्स, बुटिक आदि दर्ता भएका छन् । यस गाउँपालिकामा रहेका व्यापार र व्यवसाय दर्ता ज्यादै न्यून रहेको छ । किराना पसल, सप्लायर्स, कम्प्युनिकेशन, रेमिट्यान्स, कोल्ड स्टोर, भाडा पसल, फेन्सी, हार्डवेयर, मदिरा पसल, मिष्ठान

भण्डार, एगो सेन्टर, काष्ठ सप्लायर्स, कपडा पसल, आदि वाणिज्य कार्यलयमा दर्ता गरी सञ्चालनमा छन् भने केही व्यापार व्यवसाय दर्ता नगरी सञ्चालनमा रहेका छन् । उद्योग, व्यापार र व्यवसायहरू न्यून मात्रामा दर्ता भएको हुनाले गाउँपालिकाको राजस्व कम मात्रामा सङ्कलन भईरहेको छ । तसर्थ पालिकाको आन्तरिक राजस्व सङ्कलनमा वृद्धिको लागि उद्योग, व्यापार र व्यवसाय दर्ता अभियान आयोजना गरी व्यवसायीहरूलाई राजस्वको दायरामा ल्याउन पहल गर्न अत्यन्त जरुरी देखिन्छ ।

#### ४.५.२ समस्या र चुनौती

##### समस्या

स्थानीय साना उद्योगहरू स्थापना नहुनु, दैनिक उपभोगीय वस्तुहरूको व्यापार व्यवसाय (खुद्रा पसल) मात्र हुनु, लगानी गर्न सहज वातावरण निर्माण गरी लगानी कर्ताहरू भित्र्याउन नसक्नु, लगानी कर्ताहरूलाई शान्ति सुरक्षाको उचित वातावरण श्रृजना गर्न नसक्नु, उद्योग संचालन गर्दा कानूनी अध्ययन, नीति, विधि सहज तरिकाले गर्न झन्जटिलो हुनु, उद्योग संचालन गर्न आवश्यक पर्ने कच्चा पदार्थ उत्पादन गर्न कृषकलाई उचित, तालिम, ज्ञानका कुरा दिलाई उत्पादनमा विकास गर्न नसक्नु, उद्योग मार्फत उत्पादित वस्तुलाई बजारीकरण गर्दै व्यापार गर्नको लागि ढुवानीका साधन चलन सक्ने बाटोको अवस्था कमजोर भएकाले समयमा पुर्याई विक्री गर्न नसकिने विद्यमान अवस्था रहेको, धेरै उद्योगहरू दर्ता/ नीतिगत दायरामा नआउनु, गाउँपालिकामा उद्योग र उद्यमशिलताको कमी हुनु, औद्योगिक पूर्वाधारको कमी हुनु, औद्योगिक ग्राम स्थापना नहुनु, व्यावसायिक दक्षताको अभाव हुनु, स्तरीय सडक यातायात, पूर्वाधार तथा बजारको व्यवस्था नहुनु, साना उद्यमी र व्यवसायीहरूको संरक्षण नहुनु, ठूला उद्योगहरू स्थापनाका लागि बाहिरी लगानी आउन नसक्नु, वित्तीय पहुँचको कमी हुनु आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

##### चुनौती

आवश्यक उद्योग संचालन गर्न आवश्यक कच्चा पदार्थ संकलन गरी ल्याउन चुनौती हुनु, उद्योग संचालन गर्नको लागि औद्योगिक क्षेत्रको पहिचान गरी छुट्याउनु, बाहिरी खाद्य सामान आयात बढ्नु र निर्यात घट्नु, विश्व आर्थिक मन्दिले लगानी गर्न नसक्नु, उद्यमशिलता विकास गर्नु, स्थानीय उत्पादनको बजारीकरण गर्नु, यथोचित तथ्याङ्कको अभाव हुनु, कृषि, पशु विकास र जडिबुटीको व्यावसायिक उत्पादन गर्नु, सडक, विद्युत आदि भौतिक पूर्वाधारको पहुँच वृद्धि गर्नु, बाह्य लगानी वातावरणको निर्माण गर्नु, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमताको पहिचान र विकास गर्नु, युवा जनशक्तिलाई उद्यमशिलता तर्फ आकर्षित गराउनु, व्यापार व्यवसायको आकार सानो हुनु, साना उद्यमी र व्यवसायीहरूको संरक्षण गर्नु, दुर्लभ र महत्वपूर्ण जडिबुटीहरूको अव्यवस्थित सङ्कलन र प्रशोधन बिना निकासी हुनु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ४.५.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

डुङ्गेश्वर गाँपालिका भित्र विभिन्न किसिमका उद्योग खोल्न सकिने सम्भावना रहेको, उद्योग, उर्जा, पर्यटन आदि क्षेत्रमा बाह्य लगानीको सम्भावना रहनु, उद्यमशिलतालाई प्रोत्साहन वा बढावा दिन सकिने, उद्योग ग्राम स्थापना गर्न सकिने, स्थानीय स्तरबाट हुने निर्यातमा आधारित लघु घरेलु तथा साना उद्योग स्थापना र सञ्चालन गर्न सकिने, सानो स्केलमा हुने उत्पादनको एकीकृत बजार प्रवर्द्धन गर्न सकिने, एक स्थानीय तह एक वाणिज्य बैंकको नीति रहनु, वैदेशिक रोजगारबाट फर्किएका सीपयुक्त युवाको विप्रेषण आय, सीप र उद्यमशिलताको प्रयोग गर्न सकिने सम्भावना रहनु आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

स्थानीय कला संस्कृति, रीतिरिवाजको प्रचार प्रसार गरी पर्यटक आवागमन बढाउन सकिने, एक गाउँपालिका एक औद्योगिक ग्रामको केन्द्रिय नीति रहनु, लघु तथा घरेलु उद्योग दर्ता र नियमनको अधिकार स्थानीय तहमा रहनु, लघु तथा घरेलु उद्योग मार्फत स्थानीय रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने, साना व्यवसाय र उद्यमीहरूलाई सहज नवीकरण र कर छुटको व्यवस्था गरी करको दायरामा ल्याई राजश्व सङ्कलनमा वृद्धि गर्न सकिने, विद्युतको राष्ट्रिय प्रसारण सबै स्थानीय तहमा पुर्याउने राष्ट्रिय नीति रहनु र गाउँपालिका प्राथमिकतामा पर्नु आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

### ४.५.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### लक्ष्य

आर्थिक समृद्धिको लागि उद्यम/व्यवसाय स्थापना तथा विस्तारद्वारा आन्तरिक राजश्वमा उद्योग व्यवसायको योगदान बढाउने ।

#### उद्देश्य

- उद्यमीहरूको व्यवसाय स्थापना गरि रोजगारका साथै आयस्तरमा सुधार गर्नु ।
- स्थानीय साधन स्रोत सीपको उपयोग गर्दै उद्योग व्यवसायको उत्पादन वृद्धि गरि आन्तरिक राजश्वमा उद्योग क्षेत्रको योगदान बढाउनु ।
- लगानीमैत्री वातावरणको सिर्जना गरी बजार व्यवस्थापन गर्नु ।

#### रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
लगानीमैत्री वातावरण तयार गर्न प्रविधि तथा औद्योगिक पूर्वाधार विकास गर्ने	<ul style="list-style-type: none"><li>• गाउँपालिका भित्र लघु र घरेलु उद्योग व्यवसाय स्थापनालाई प्रोत्साहन गर्न नीतिगत एवम् कानूनी व्यवस्था गरिनेछ ।</li></ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• कृषि, पर्यटन, खानी, जलस्रोत, नगदेवाली क्षेत्रसँग आवद्ध गर्ने गरी कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।</li> <li>• उद्योग व्यवसाय सम्बद्ध भौतिक पूर्वाधार निर्माण तथा विस्तार गर्न नीजि क्षेत्रसँग समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानिय स्तरमा स्थापना भएका उद्यम व्यवसायलाई प्रविधि हस्तान्तरण गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानिय स्तरको कच्चा पदार्थ सदुपयोग गरि विभिन्न उद्योग जस्तै : दालमोठ उद्योग, चाउमिन उद्योग, वास हस्तकला सामग्री निर्माण/उद्योग, ब्लक निर्माण/उद्योग स्थापना तथा विस्तार गर्न उद्यमशिलता, सिपमुलक तालिम र प्रविधि हस्तान्तरण, बजारीकरण जस्ता कार्य गरिनेछ ।</li> <li>• उद्यमशिलता र सिपमुलक तालिम प्रदान गरि सिपयुक्त जनशक्ति निर्माण गरि लघु, घरेलु, साना उद्योगको स्थापना गरिनेछ ।</li> <li>• उद्यम व्यवसाय संचालनका लागि साझा सुविधा केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।</li> <li>• उद्यमीहरूको उत्पादन व्यवस्थापन तथा बजारीकरणका लागि औद्योगिक ग्राम निर्माण गरिनेछ ।</li> </ul> <p>उद्यमशिलताको माध्यमबाट लघु, घरेलु, साना र मझौला उद्योगको स्थापना</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• स्लेट खानि उत्खनन् गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>तुलनात्मक क्षेत्रको आधारमा उद्योग व्यवसायको विकास गरी आयात व्यवस्थापनमा जोड दिने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित अलैंची, आलु, जडिबुटी, मसला, आदिलाई स्थानीय तहमा नै प्रशोधन, लेबलिङ, ब्राण्डिङ तथा प्याकेजिङ गरी बिक्री वितरण गर्न प्रोत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• तुलनात्मक लाभ भएका उद्यम स्थापनामा प्राथमिकता दिइ अनुदानको व्यवस्थापन गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीय स्तरमा लगानी वातावरण निर्माण गर्नका साथै सार्वजनिक निजी साझेदारीलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीय स्तरबाट हुने निर्यातमा आधारित लघु घरेलु तथा साना उद्योग स्थापना र सञ्चालनमा ध्यान दिइने छ ।</li> <li>• गैर आवासिय नेपालीको ज्ञान, सीप, पूँजी र प्रविधिलाई स्थानीय उद्योग, व्यापार व्यवसाय विकासमा उपयोग गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>उद्योग व्यवसायको विकास विस्तारका लागि क्षमता विकास, वित्तीय पहुँच र</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• वैदेशिक रोजगारबाट फर्किएका युवाहरूलाई उद्योग व्यवसाय सञ्चालन गर्न वित्तीय पहुँच लगायत अन्य सहूलियत प्रदान गरिनेछ ।</li> </ul>

<p>प्रवर्द्धनात्मक अबलम्बन गर्ने व्यापार लागत कम गर्ने</p>	<p>उपाय</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• महिला उद्यमीहरूद्वारा सञ्चालित उद्यमलाई प्राथमिकता र प्रोत्साहन दिइने छ ।</li> <li>• सहूलियत सहितको वित्तीय पहुँचमा सुनिश्चितता गरिनेछ ।</li> <li>• व्यापार व्यवसायको तथ्याङ्क सङ्कलन गरी वार्षिक रूपमा अध्यावधिक गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीय उत्पादनलाई आन्तरिक बजारसम्म पहुँच बढाउन नियमित हाट बजारको व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• मूल्यलाई व्यवस्थित गर्न मूल्य सूची राख्ने तथा नियमित अनुगमन र नियमन गरिनेछ ।</li> <li>• अत्यावश्यक बस्तुहरूको निर्वाध आपूर्तिको सुनिश्चितता गर्दै कृतिम अभाव, कालो बजारी जस्ता अनियमितता नियन्त्रण गरिनेछ ।</li> <li>• खाद्य सुरक्षा र पोषणको प्रत्याभूति गराउन सहकारी तथा निजी क्षेत्र मार्फत स्थानीय उत्पादनलाई बढावा दिँदै नियमित आपूर्तिको व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• पोषण सुरक्षाका लागि खाद्य व्यवहारमा परिवर्तन गरी स्थानीय पोषण युक्त खाद्य पदार्थको उपयोगलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• सबै खालका व्यापार व्यवसायलाई करको दायरामा समेटिने छ ।</li> </ul>
--	--

४.५.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : उद्योग, व्यापर, व्यवसाय तथा आपूर्ति								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	पालिका स्तरीय औद्योगिक क्षेत्र विकास	६००	१२०	१२०	१२०	१२०	१२०	प्रदेश
२	साना तथा लघु उद्योगहरूलाई स्तरोन्नति गर्ने र उत्पादन क्षेत्रको विकास गर्ने	१००	२०	२०	२०	२०	२०	प्रदेश/स्थानीय
<b>जम्मा</b>		<b>७००</b>	<b>१४०</b>	<b>१४०</b>	<b>१४०</b>	<b>१४०</b>	<b>१४०</b>	

४.५.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	औपचारिक/अनौपचारिक क्षेत्रका चालु लघु, घरेलु तथा साना उद्योग (रु.१ करोड सम्मको)	संख्या	११२	१२०	१३०	१४०	१५०	१६०	गापा	४	२

असर	औपचारिक/अनौपचारिक क्षेत्रका चालु मझौला उद्योग (रु.१५ करोड सम्मको)	संख्या	-							"	४	२
प्रतिफल	कानून अनुसार सम्बन्धित उद्योग व्यवसाय	संख्या	३००	३२५	३५०	३७५	४००	४२५		"	४	२
	सुचारु व्यापार व्यवसाय	संख्या	२९०	३००	३२०	३४०	३६०	३८०		"	४	२
	स्थानीय सीप शैली, प्रविधिमा आधारित उद्योग व्यवसाय	संख्या	३	७	१२	१५	१८	२०		"	४	२
	पालिकामा दर्ता र नियमित नवीकरण भई संचालित उद्योग व्यवसायहरु	संख्या	४००	४१५	४३०	४४५	४६०	४७५		"	४	२
	स्थानीय हस्तकलामा आधारित उद्योग व्यवसाय	संख्या	२	२	३	३	४	५		"	४	२
	निकासीजन्य कच्चा पदार्थको उपलब्धता	मे.टन	-	१	२	३	४	५		"	४	२
	स्थानीय स्तरमा उपलब्ध जडिवुटीमा आधारित उद्योग व्यवसाय	संख्या	-	१	२	३	४	५		"	४	२
	उद्यम श्रृजना, व्यवसायिक विकास सम्बन्धी तालिम प्राप्त उद्यमीहरु	संख्या	५००	५२०	५४०	५६०	५८०	६००		"	४	२

सीपमूलक व्यवसायिक तालिम आर्जन गर्ने व्यक्तिहरु	संख्या	४५०	४७५	५००	५२५	५५०	५२०	"	४	२
महिलाद्वारा सञ्चालित उद्योग व्यवसाय	संख्या	३०	४०	५०	६०	७०	८०	"	४	२
सुचारु औद्योगिक ग्राम	संख्या	-	०	१	१	१	२	"	४	२
रोजगारीमा गैरकृषि योगदान	प्रतिशत	०	१	२	३	४	५	"	४	२
बौद्धिक सम्पत्ति संरक्षण अन्तर्गत आधिकारीक निकायमा दर्ता भई ब्राण्डिङ गरिएका जडीवुटी, हस्तकला तथा अन्य उत्पादनहरु	संख्या	१	१	२	३	४	५	"	४	२
तरकारी, फलफुल, खाद्यान्न लगायत अत्यावश्यक उत्पादनहरुको नियमित आपूर्ति तथा विक्री वितरणका लागि संचालनमा रहेका वजार केन्द्रहरु	संख्या	२	२	३	३	४	४	"	४	२
सहकारी संस्था मार्फत संचालित सुपथ मूल्यका पसलहरु	संख्या	३	३	४	४	५	५	"	४	२
मूल्यसूची सहित संचालित पसल व्यवसाय	संख्या	२०	२२	२४	२६	२८	३०	"	४	२



सार्वजनिक, निजी एवं सहकारीको साझेदारीमा संचालित उद्योग व्यवसायहरू	संख्या	-	०	०	१	१	२	"	४	२
पालिका क्षेत्रभिन्न संचालित उद्योग, व्यापार व्यवसायहरूमा भएको कूल लगानी	रु.करोड	-	२	४	६	८	१०	"	४	२
नियमित बजार अनुगमन तथा नियमन वाट दण्डित पसल व्यवसायहरू	संख्या	-						"	४	२

#### ४.५.७ अपेक्षित उपलब्धी

स्थानीय कच्चा पदार्थहरू उत्पादनका आधारमा प्रशोधन गर्ने उद्योगहरू सञ्चालन भएको हुनेछ । उद्योग संचालन गर्न चाहाने लगानी कर्तालाई प्रोत्साहित गरी लगानी गर्ने खालका वातावरण श्रृजना भएको हुनेछ । उद्योग संचालन गर्दा चाहिने कानुनी कुराहरूको झन्जटिला खालका नभई सरल खालको नीति निर्माण गर्नुपर्ने उद्योगी, व्यावसायी, लगानी वालालाई शान्ति सुरक्षाका व्यवस्था भएको हुनेछ । उद्योगमा उत्पादित सामग्रीहरूलाई बजारीकरण गर्नको लागि आयत निर्यातमा सहज वातावरण श्रृजना भएको हुनेछ । उद्योग संचालन गर्दा आवश्यक पर्ने विद्युतको व्यवस्थापन मिलाउन सहज वातावरण भएको हुनेछ । थप लघु तथा घरेलु उद्योग स्थापना भएको हुनेछ । थप रोजगारी प्राप्त गरेका हुने छन् । स्थानीय युवा र उद्यमीहरूले उद्यम विकास तालिम लिएको हुने छन् । महिला उद्यम विकास भएको हुने छन् । बजारको नियमित अनुगमन भएको हुनेछ । बाह्य तथा आन्तरिक लगानीको वातावरण सिर्जना भएको हुनेछ । सडक पूर्वाधारहरूको विकास भई बजारसम्मको सहज पहुँच स्थापित भएको हुनेछ । उद्योग, व्यापार, व्यवसाय र आपूर्ति क्षेत्रमा लगानीहरू आकर्षित भएको हुनेछ । स्थानीय स्तरबाट हुने निर्यातमा आधारित लघु घरेलु उद्योग तथा साना उद्योग स्थापना र सञ्चालन भएको हुनेछ । सानो स्केलमा हुने उत्पादनको एकीकृत बजार प्रवर्द्धन भएको हुनेछ । साना व्यवसाय र उद्यमीहरूलाई सहज नवीकरण र कर छुटको व्यवस्था भएको हुनेछ ।

#### ४.५.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

औद्योगिक ग्रामको व्यवस्था भई पूर्वाधार विकास हुनुपर्ने, औद्योगिक एवम् व्यापार नीति र कानूनहरू तर्जुमा भएको हुनुपर्ने, आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिकहरूको स्थानीय स्तरमा नै व्यवस्था हुनुपर्ने, औद्योगिक र व्यापार मैत्री कर प्रणाली हुनुपर्ने, उद्योगहरूको लागि कच्चा पदार्थ स्थानीय स्तरमा नै उपलब्ध हुनुपर्ने, स्थानीय उद्यमी व्यवसायीहरूलाई लगानीको लागि सुलभ दरमा ऋण उपलब्ध हुनुपर्ने ।

#### ४.६ श्रम तथा रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा

##### ४.६.१ पृष्ठभूमि

रोजगारी र श्रमलाई नेपालको संविधानको धारा ३३ र ३४ मा मौलिक हक मा समाहित गरिएको छ । यहि हक लाई कार्यन्वयन गर्न रोजगारी हक सम्बन्धित ऐन २०७५ रोजगारीको हक सम्बन्धित नियमावली २०७५, प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम २०७५ तथा युवा रोजगारीका लागि रुपनान्तरण पहल कार्यविधि २०७६ तर्जुमा गरी स्थानीय तहमा रोजगार सेवा केन्द्र स्थापना मार्फत बेरोजगार व्यक्तिको पहिचान गर्ने सूचिकरण गर्ने र सूचिकृत व्यक्तिलाई रोजगारी प्रदान गर्ने गरिन्छ । गरिबी निवारण र आर्थिक विकासमा उल्लेख्य प्रगति गर्न सकिने तथ्यलाई मध्य नजर गरी श्रम बजारको आवश्यकता अनुरूप सीपमुलक श्रम शक्तिको विकास गर्नु आजको आवश्यकता हो ।

सबै नागरिकले स्वदेश वा वैदेशिक रोजगारीको छनौट गर्न पाउने अधिकारको पनि संविधानमा सुनिश्चित गरिएको छ । स्वदेशमा सीमित रोजगारी अवसर, युवा जनशक्तिको बढ्दो आकार, परम्परागत जीवन

प्रणालीमा युवाहरूको घट्दो रुचि लगायतका कारणले नेपाली युवाहरू वैदेशिक रोजगारीमा जाने क्रम बढ्दो छ । जसले अल्पकालीन रूपमा बेरोजगारीको समस्या न्यूनीकरण गर्न मद्दत पुग्नुका साथै प्राप्त विप्रेषणले मुलुकको अर्थतन्त्रलाई चलायमान बनाउन महत्वपूर्ण योगदान गरिरहेको छ । विप्रेषण क्षेत्रको प्रभावकारी व्यवस्थापनका लागि विगतका योजनाहरूले समेट्न नसकेको कुरा यथार्थ हो । हाल यस डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा वैदेशिक रोजगारीलाई सुरक्षित, व्यवस्थित एवम् उपलब्धीमूलक बनाउन र वैदेशिक रोजगारबाट प्राप्त ज्ञान, सीप, पूँजी तथा अनुभवलाई उत्पादनमूलक क्षेत्रमा परिचालनका लागि प्रोत्साहन गर्न सुरक्षित वैदेशिक रोजगारीको सवाललाई प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नु महत्वपूर्ण कार्य हुनेछ ।

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा सबैजसो व्यक्तिहरू कृषि तथा पशुपालनमा आवद्ध रहेका छन् भने पर्यटक तथा धार्मिक क्षेत्रमा न्यूनतम सहभागिता रहेको छ । सडक, यातायात क्षेत्रतर्फ पालिकाले विशेष जोड दिएको कारण यस क्षेत्रमा पनि रोजगारीको अवसर रहेको छ । शिक्षा, स्वास्थ्यमा रोजगारीको विद्यमान अवस्था सवल रहेको छ । केहि न्यून मात्रामा सहकारी र वित्तीय संस्थाहरू रहेका छन् । उद्योग तथा मनोरञ्जन क्षेत्रबाट कम मात्र रोजगारी उपलब्ध रहेको छ । वैदेशिक रोजगारीको खोजिमा युवा जनशक्ति रहेको छ ।

#### ४.६.२ समस्या र चुनौती

##### समस्या

आर्थिक स्थिति कमजोर रहेको, रोजगारका अवसरहरू नहुनु, सीपमूलक तालिमको अभाव रहेको, बेरोजगार युवाहरूको सङ्ख्यामा वृद्धि भएको, रोजगार प्रवर्द्धन गर्न कठिनाई हुनु, फराकिलो क्षेत्र र न्यून बजारको कारण सबै सडक सुदृढमा समस्या हुँदा रोजगारमा समस्या हुनु, रोजगार सम्बन्धी जनचेतनामा कमि तथा ठुलो औद्योगिक क्षेत्र नभएको, परम्परागत तथा ठुलो रोजगारी र उत्पादन नहुने क्षेत्रहरू भएको हुँदा दिर्घकालीन रोजगारीका लागि विदेशिनुपर्ने बाध्यता हुनु, प्राप्त सीप र पूँजिको न्यून परिचालन हुनु, बाहिरी लगानी आकर्षित हुन नसक्दा गाउँपालिका क्षेत्रमा न्यून आर्थिक गतिविधि हुनु, स्थानीय मानिसहरू श्रमको लागि अन्य शहर तथा वैदेशिक रोजगारीमा गएको, सरकारी, सहकारी, निजी तथा सामुदायिक क्षेत्रबीच समन्वय नहुनु, मर्यादित श्रम सहित रोजगार सुनिश्चित नहुनु, सामाजिक सुरक्षा योजनालाई सर्वब्यापी बनाउन नसक्नु, सामाजिक सुरक्षा वितरण प्रणाली प्रभावकारी नहुनु, सामाजिक सुरक्षा योजना तर्जुमा, लगानीको आँकलन, श्रोत माथिको दबाव अनुमान गर्न आवश्यक पर्ने सूचना तथा तथ्याङ्कको कमी हुनु, अल्पसङ्ख्यक तथा पिछडिएको समुदायहरूको सामाजिक सुरक्षामा कम पहुँच हुनु आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

##### चुनौती

रोजगार क्षेत्रमा आधुनिक प्रविधिको प्रयोगमा चुनौती रहेको, दक्ष जनशक्तिको अभाव हुनु, घट्दो जनशक्ति र विश्वमहामारीलाई न्यूनीकरण गर्न, श्रम शक्तिको माग र आपूर्ति बीचको सन्तुलन नहुनु, बाह्य स्रोतलाई आकर्षित गरी आर्थिक गतिविधि बढाउनु, बढ्दो बसाइँसराइ र वैदेशिक रोजगारीमा जाने प्रवृत्तिले स्थानीय स्तरमा जनशक्तिको कमी, पारिवारिक र सामाजिक समस्या र परनिर्भरता बढिरहेको, पालिकामा बढिरहेको

विप्रेषण आयको उत्पादनमूलक क्षेत्रमा उपयोग हुन नसक्दा उपभोग बढ्दो हुनु, आर्थिक रूपमा सक्रिय जनसङ्ख्यालाई स्थानीय स्तरमा नै रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना गर्नु, अन्तराष्ट्रिय बजारसँग प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने दक्ष जनशक्तिको विकास गरी वैदेशिक रोजगारमा पठाउन नसक्नु, वैदेशिक रोजगारको क्षेत्रमा ठगी लगायतका घटनाहरू बढ्नु, श्रम शक्तिको माग र आपूर्ति बीचको सन्तुलन मिलाउनु, गन्तव्य मुलुकहरूसँग द्विपक्षीय श्रम सम्झौता र त्यसको कार्यान्वयन गर्नु, वैदेशिक रोजगारको दिगो विकल्प दिनु नसक्नु, पारिवारिक तथा सामाजिक पुनः एकीकरणका सवालहरू सम्बोधन नहुनु, तालिम प्राप्त जनशक्तिको निम्ति सही कामको उपलब्धता गराउनु, आर्थिक रूपमा सक्रिय जनसङ्ख्यालाई स्थानीय स्तरमा नै रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना गर्नु, रोजगारीको अवसर सम्बन्धी सूचनामा रोजगारी चाहने मानिसको पहुँच स्थापित गर्नु, योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा प्रणालीमा स्थानीयको पहुँच स्थापित गराउनु, सामाजिक सुरक्षा संरक्षण सम्बन्धी योजनालाई वित्तीय रूपमा दिगो बनाउनु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

#### ४.६.३ सम्भावना र अवसर

##### सम्भावना

स्थानीय लघु घरेलु तथा साना उद्योगहरू स्थापना गरी यथेष्ट रोजगार सिर्जना गर्न सकिने, वैदेशिक रोजगारबाट फर्किएका सीपयुक्त युवालाई स्थानीय श्रम तथा रोजगारीको सम्भावना हुनु, वैदेशिक रोजगारलाई सुरक्षित, व्यवस्थित, मर्यादित, उपलब्धीमुलक एवम् शोषण रहित बनाउन सुरक्षित आप्रवासन परियोजना ( सामी परियोजना) सञ्चालन गर्न सकिने, स्थानीय उत्पादनले बजार प्राप्त गरी कृषकहरूले उत्पादनको उचित मूल्य पाउन सकिने, अन्तराष्ट्रिय श्रम बजारको पहिचान गर्नु, विप्रेषणको उत्पादनमुलक क्षेत्रमा लगानी गरी आय आर्जन बढाउन सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

##### अवसर

युवा र आर्थिक रूपले सक्रिय जनसङ्ख्याको बाहुल्यता रहेको हुनाले यसको परिचालन मार्फत गाउँपालिकाले स्थानीय विकासका कार्यलाई तिब्रतर रूपमा अगाडी बढाउन सकिने, विदेशमा आर्जित विप्रेषण र सिकेको सीप आफ्नो थातथलोमा प्रयोग गर्न सकेमा आर्थिक विकासमा योगदान पुग्नुका साथै उत्पादन एवम् रोजगारको अवसर समेत विस्तार हुने, सीपयुक्त जनशक्तिको परिचालनद्वारा समृद्धि हासिल गर्न सकिने, विदेशबाट फर्किएका मानिसहरूलाई परिचालित गरी नविनतम उत्पादन प्रक्रियाको थालनी गर्न सकिने, स्थानीय उत्पादनमा आधारित उद्योगहरूको स्थापना गरी रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने, स्थानीय उत्पादनलाई ब्राण्डिङ गरी बढी मूल्य प्राप्त गर्न सकिने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

#### ४.६.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

##### लक्ष्य

उत्पादनशील क्षेत्रमा रोजगारी अभिवृद्धि गरी आर्थिक स्तरमा वृद्धि गर्ने ।

##### उद्देश्य

- डुङ्गेश्वर गाँउपालिका भित्र उत्पादनशील र मर्यादित रोजगारीका अवसर सृजना गर्नु ।

- वैदेशिक रोजगारबाट आर्थिक लाभ वृद्धि हुनका साथै वैदेशिक रोजगारबाट उत्पन्न नकारात्मक प्रभावहरू पनि न्यूनिकरण गर्नु ।
- सबै नागरिकलाई अनिवार्य र सर्वव्यापी सामाजिक सुरक्षा प्रणालीमा आवद्ध गर्नु ।

### रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
स्थानीय तह देखि रोजगार कार्यक्रमलाई विस्तार गरी न्यूनतम रोजगारीको प्रत्याभूति गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• विद्यमान श्रम तथा रोजगार सम्बन्धी कानूनहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयन र सामाजिक सम्बादको माध्यमबाट असल औद्योगिक एवम् श्रम सम्बन्धको विकास गरिनेछ ।</li> <li>• बाल श्रमलाई न्यूनिकरण गरिनेछ ।</li> <li>• राष्ट्रिय रोजगार नीतिका आधारमा पालिकाकले रोजगारीको हक सम्बन्धी प्रावधान कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीय तहमा स्वरोजगार तथा रोजगार सिर्जना हुने खालका कार्यक्रमहरू प्राथमिकताका साथ सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• कृषि तथा पशुपालनका क्षेत्रहरूमा युवामुखि कार्यक्रम ल्याई वैदेशिक रोजगारीको मात्रामा न्यूनिकरण गरिनेछ ।</li> <li>• साना, मझौला उद्योग धन्दा निजी तथा पालिकाको लगानीमा खोली रोजगारीको संभाव्य अवसरहरू खोजिनेछ ।</li> <li>• आवश्यकताका आधारमा तालिम र सीप विकासद्वारा श्रमिकको दक्षता अभिवृद्धि गरिनेछ ।</li> <li>• तीन तहका सरकारबीच रोजगारी सिर्जना र श्रम व्यवस्थापनमा प्रभावकारी समन्वय गरिनेछ ।</li> <li>• रोजगारी सिर्जना गर्न एवम् विभिन्न निकायसँग समन्वय तथा रोजगारी सम्बन्धी कार्यको नियमन गर्न एक रोजगार समिति गठन गरिनेछ ।</li> <li>• लघु, घरेलु तथा साना उद्योग, पर्यटन तथा कृषिमा लगानी विस्तार गरी रोजगारीका अवसरमा वृद्धि गरिनेछ ।</li> <li>• स्वदेशमा बस्ने तथा वैदेशिक रोजगारमा जाने युवालाई विभिन्न शिपमुलक तालिम (होटल मेनेजमेन्ट, डकर्मी, सिकर्मी, मर्मत आदि)को व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• विभिन्न शिपमुलक तालिम संचालन शिपमुलक तालिमको तह अनुसार तालिमका प्रमाणपत्र प्रदान गरिनेछ ।</li> <li>• सहूलियत दरमा ऋण उपलब्ध गराइनेछ ।</li> <li>• वैदेशिक रोजगारमा जाने व्यक्तिहरूलाई श्रम स्वीकृत गराइनेछ ।</li> </ul>

<p>वैदेशिक रोजगारका चरणहरूलाई सुरक्षित, शोषणमुक्त, मर्यादित र प्रतिफलदायक बनाउने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• विप्रेषणलाई पूर्वाधार विकास जस्ता उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी गर्न आवश्यक नीति र विश्वाशिलो संयन्त्र बनाईने छ ।</li> <li>• वैदेशिक रोजगारी जाने नागरिकहरूलाई डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाबाट विमा र सुरक्षित लगानीका लागि आवश्यक पहल गरिनेछ ।</li> <li>• वैदेशिक रोजगारमा जानेका निम्ति पालिकाबाट श्रम क्षेत्र निर्धारण गरी उपयुक्त पूर्व तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• वैदेशिक रोजगारमा जाने व्यक्तिहरूको यात्रालाई सुरक्षित, मर्यादित र उपलब्धीमूलक बनाउन सुरक्षित वैदेशिक रोजगार सम्बन्धी व्यापक सूचना प्रवाह, सीप तालिम प्रदान तथा आवश्यक कानुनी सहायता प्रदानका लागि सम्बन्धित सरोकारवालाहरूसँग समन्वय तथा सहकार्य गरिनेछ ।</li> <li>• वैदेशिक रोजगारीलाई सुरक्षित र लाभप्रद बनाउन पालिकामा नियमित अनुगमनको व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• वैदेशिक रोजगारबाट फर्किएर आएका व्यक्तिहरूको ज्ञान, सीप, पूँजीलाई व्यवस्थापन तथा संस्थागत विकास गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा योजनालाई औपचारिक क्षेत्रका साथसाथै अनौपचारिक क्षेत्रमा समेत विस्तार गरी सर्वव्यापी बनाउने ।</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• एकीकृत सामाजिक सुरक्षा योजना र योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यन्वयनका लागि नीतिगत, कानुनी तथा अन्तर निकाय समन्वयात्मक सुधार गरिनेछ ।</li> <li>• सबै नागरिकलाई अनिवार्य र सर्वव्यापी सामाजिक सुरक्षा प्रणालीमा आवद्ध गरिनेछ ।</li> <li>• सामाजिक सुरक्षा संरक्षण मार्फत नागरिकको आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय र अन्य जोखिम कम गरिनेछ ।</li> </ul>

४.६.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : श्रम तथा रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	स्वदेश तथा विदेशमा जाने युवाहरुलाई विभिन्न खाले सिपमूलक तालिम सञ्चालन गर्ने	५००	१००	१००	१००	१००	१००	संघ
२	युवाहरुलाई बिना धितो ऋण प्रदान गर्ने व्यवस्था मिलाउने	५००	१००	१००	१००	१००	१००	संघ
जम्मा		१०००	२००	२००	२००	२००	२००	

४.६.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	रोजगार सूचना प्रणालीवाट लाभान्वितहरु	संख्या	२०५९	२१००	२१५०	२२००	२२५०	२३००	गापा	४	२

असर	उत्पादन (कृषि एवं उद्योग) एवं पूर्वाधार निर्माण क्षेत्रमा रोजगारीता श्रृजना	संख्या								"	४	२
प्रतिफल	सिटिइभिटी वाट प्राविधिक, सीपमूलक, व्यवसायिक तालिम लिएका दक्षजनशक्ति	संख्या	३	५	८	८	९	९		"	४	२
	उत्पादकत्व अभिवृद्धिकालागि परम्परागत तरिका र औजार, उपकरणको आधुनिकी करण भएका पेशागत क्षेत्रहरु	संख्या								"	४	२
	रोजगारीताका आधारमा पालिकाले प्रदान गर्ने सेवा सुविधावाट लाभान्वित उद्योग व्यवसायहरुको संख्या	संख्या	०							"	४	२
	वालश्रम एवं न्यून ज्यालादर जस्ता श्रम शोषणवाट प्रभावितहरु	संख्या								"	४	२
	वैदेशिक रोजगारीमा जाने युवाहरु	संख्या	०	०	०	०	०	०	०	"	४	२
	सम्बन्धित क्षेत्रको सीपमूलक तालिम लिई वैदेशिक रोजगारीमा जाने	संख्या								"	४	२
	वैदेशिक रोजगारीका लागि तालिम प्रदान गर्ने संस्थाहरु	संख्या								"	४	२



विप्रेषणलाई आयमूलक क्षेत्रमा परिचालन गर्ने घरपरिवार संख्या (कूल वैदेशिक रोजगारी भएका घरधुरीको)	प्रतिशत									"	४	२
वैदेशिक रोजगारीताबाट फर्की स्वदेशमा उद्योग, व्यवसाय गर्ने	संख्या									"	४	२
वैदेशिक रोजगारीताबाट आर्जन पूँजी, सीप, प्रविधि तथा अनुभवलाई उत्पादन मूलक क्षेत्रमा सदुपयोग गर्नेको	संख्या									"	४	२
विप्रेषण वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमबाट लाभान्वित जनसंख्या (वैदेशिक रोजगारीमा जानेको)	प्रतिशत									"	४	२
विप्रेषण वापत प्राप्त वार्षिक रकम	रु.करोड									"	४	२

#### ४.६.७ अपेक्षित उपलब्धी

आर्थिक व्यवस्था मिलाई सीपमूलक तालिम सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुनेछ । स्थानीय उत्पादनमा आधारित रहेर विभिन्न उद्योगहरू सञ्चालन गरी बेरोजगारी संख्यामा न्यूनीकरण भएको हुनेछ । आधुनिक प्रविधिको माध्यमबाट पशु तथा कृषि उत्पादनमा जोड दिएको हुनेछ । क्षेत्रगत तथा भौगोलिक वातावरण अनुसारका होमस्टे र पर्यटकिय स्थल भएको हुनेछ । वित्तीय संघ संस्थालाई प्रोत्साहन गरि स्वरोजगार तर्फ उन्मुख भएको हुनेछ । ठूला तथा मझौला उद्योग धन्दा खोल्न व्यावसायी कर्तालाई प्रोत्साहन भएको हुनेछ । आधुनिकता प्रविधि र युवा जनशक्तिमुखि कार्यक्रम गरी वैदेशिक रोजगारीको खोजिका लागि जाने व्यक्तिहरूको न्यूनिकरण भएको हुनेछ । आर्थिक रूपमा सकृय जनसङ्ख्यालाई पूर्ण रोजगारीको सिर्जना हुनेछ । आर्थिक/वित्तीय साक्षरता कक्षा सञ्चालन हुनेछ । वैदेशिक रोजगारमा गएका व्यक्ति तथा तिनका परिवारका लागि मनोसामाजिक परामर्श सेवा सञ्चालन भएको हुनेछ । विप्रेषणको उत्पादनमूलक (उद्यमशीलता) उपयोगको लागि कार्यक्रम सञ्चालन हुनेछ । श्रमिकहरूको श्रम, मर्यादा, सम्मान र जीवनस्तर बढेको हुनेछ । श्रम र कामदार प्रति असल सम्बन्ध स्थापना हुनेछ । वैदेशिक रोजगारी व्यवस्थित र मर्यादित भएको हुनेछ । विप्रेषण उत्पादन क्षेत्रमा लगानी भई श्रमिकको जीवनस्तरमा स्तरोन्नति भएको हुनेछ । मर्यादित श्रम सहितको रोजगार सुनिश्चित हुनेछ । गाउँपालिकामा सामाजिक सुरक्षाको व्यवस्था पूर्ण रूपमा प्राप्त हुनेछ । सामाजिक सुरक्षा योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन भएको हुनेछ ।

#### ४.६.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

आवश्यक दक्ष जनशक्ति र प्राविधिकहरूको सहज आपूर्ति हुनुपर्ने, गाउँपालिका भित्रै रोजगारीको अवसरहरू सिर्जना हुनुपर्ने, गाउँपालिकामा सुरक्षित र सहज लगानीको वातावरण हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृनिकायहरूको नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकारबिच श्रम, रोजगारी सिर्जना र नागरिकको सामाजिक सुरक्षामा आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्ने, बाल श्रम प्रयोग निरुत्साहित हुनुपर्नेछ ।

## परिच्छेद ५: सामाजिक क्षेत्र

### ५.१ स्वास्थ्य तथा पोषण

#### ५.१.१ पृष्ठभूमि

संविधानको एकल तथा साझा अधिकार सूची अनुसार संघ, प्रदेश र स्थानीय तहलाई स्वास्थ्य सेवाको जिम्मेवारी दिँदै स्वास्थ्य नीति, मापदण्ड, गुणस्तर, अनुमगन, परम्परागत उपचार सेवा र सरुवा रोग नियन्त्रण लगायतको कार्य संघको अधिकार भित्र राखिएको छ । यसको प्रभावकारी कार्यान्वयनको लागि अन्तर मन्त्रालय समन्वय तथा सहकार्य अपरिहार्य रहेको छ । यस परिप्रेक्षमा नेपालले विभिन्न समयमा गरेको अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिवद्धता, नेपाल सरकारका विद्यमान नीति एवम् स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रका प्रमुख समस्या, चुनौती तथा अवसरलाई समेत आधार बनाउँदै दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्ने राष्ट्रिय कार्यसूची रहेको छ । नागरिकलाई स्वस्थ बनाउन आधुनिक चिकित्सा, आयुर्वेदिक, प्राकृतिक, होमियोपेथिक चिकित्सा क्षेत्र, स्वास्थ्य सुशासन र अनुसन्धानमा लगानी बढाउन आवश्यक देखिएको छ । स्वास्थ्य क्षेत्रलाई प्रभाव पार्न अर्को महत्वपूर्ण सुचक खाद्य सुरक्षा हो । आफ्नो उत्पादनले बाह्र महिना खाद्यन्न पुग्ने परिवार सङ्ख्या र बाह्र महिना भन्दा कम समयको लागि खाद्यन्न पुग्ने घरपरिवार सङ्ख्याले पनि व्यक्तिको स्वस्थगत अवस्थालाई निर्धारित गर्दछ ।

सुरक्षित मातृत्वको लागि आवश्यक खोप सेवा, गर्भावस्थाको जाँच र सुरक्षित प्रसूति जस्ता स्वास्थ्य सेवा लिने महिलाहरू न्यून रहेको छ भने गाउँपालिका भित्रका स्वास्थ्य केन्द्रबाट विभिन्न किसिमका खोप लिने बालबालिका सङ्ख्या सन्तोषजनक रहेको देखिन्छ । मातृशिशु सुरक्षाको अवस्था हेर्दा जीवित नवजात शिशु सङ्ख्याको दरमा वृद्धि भईरहेको छ । पहाडी क्षेत्र र सडकको कमजोर अवस्थाले गर्दा स्वास्थ्य सेवामा स्थानीयवासीहरूको पहुँच न्यून रहेको छ । अधिकांश घरपरिवारलाई नजिकैको स्वास्थ्य केन्द्रमा पुग्न आधा घण्टादेखि एक घण्टा लाग्ने देखिन्छ । गाउँपालिकास्थित स्वास्थ्य चौकीहरूमा दक्ष जनशक्ति, स्वास्थ्य उपकरण, ल्याब सेवा र पूर्वाधारहरूको अभाव रहेको छ ।

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा सबै वडाहरूमा स्वास्थ्य चौकी सञ्चालन भएको छ । सबै वडाहरूमा स्वास्थ्य सम्बन्धी भौतिक पूर्वाधारहरू रहेका छन् । हाल सबै स्वास्थ्य चौकीहरूमा निःशुल्क औषधिहरू वितरण भएको, स्वास्थ्य सेवा सञ्चालनमा रहेको, एम्बुलेन्स सेवा सञ्चालन भएको छ । साथै गाउँघर क्लिनिक, बर्थिङ सेन्टरबाट लाभान्वित गर्भवतीहरूलाई सेवा सञ्चालन गरिएको, आयुर्वेदिक सेवा सञ्चालनमा रहेको, स्वास्थ्य संस्थाभन्दा टाढा रहेका वस्तीमा घुम्ती शिविरद्वारा सेवा सञ्चालन भएको छ । सबै वडाहरूमा हजार दिनका आमाहरू रहेका र स्वास्थ्य संस्थाहरू पोषण मैत्री रहेका छन् ।

#### ५.१.२ समस्या र चुनौती

##### समस्या

दैनिक सेवा सञ्चालन मापदण्ड अनुसार भवन तथा स्वास्थ्यकर्मीको दरबन्दी नभएको, भौतिक पूर्वाधार मापदण्ड अनुसार नभएको र सेवा प्रवाहमा कठिनाई भएको, निःशुल्क औषधि वितरण बजेटको कमी तथा आपूर्तिमा समस्या भएको, सेवा अनुसार दक्ष जनशक्ति नभएको, स्वास्थ्य संस्थामा सबै वडाहरू सहजै पहुँच नभएको, लाभान्वित गर्भवतीहरूलाई प्रसूति अवस्थामा २४ घण्टै खाना, बस्न व्यवस्थापन नभएको, आयुर्वेदिक

सेवा स्थानीय सबैलाई पहुँचमा नभएको, सबै स्वास्थ्य संस्थामा ल्याब, भिडियो एक्सरे, स्वास्थ्य जाँच सेवा नभएको, पहुँचभन्दा टाढा रहेका बस्तीहरूमा CHU नभएको, सम्पूर्ण हजार दिनका आमाहरू बहुक्षेत्रिय पोषण कार्यक्रमले नसमेटेको, सबै स्वास्थ्य संस्था पोषण मैत्री नभएको, कुपोषित बालबालिकाहरूलाई सेवा पहुँच नभएको आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

### चुनौती

आधारभूत स्वास्थ्य सेवालार्ई सबैको पहुँच भित्र ल्याउनु, सबै सुत्केरी सेवालार्ई संस्थागत दायरामा ल्याउनु, निशुल्क, स्वास्थ्य संस्थामा आधारभूत तथा अत्यावश्यक औषधि सर्वयाम उपलब्ध गराउनु, स्वास्थ्य संस्थाहरूमा आधारभूत सुविधा युक्त (औजार/उपकरण, दक्ष जनशक्ति र पूर्वाधार) पुर्याउनु, स्वास्थ्य बीमालार्ई सबै नागरिकको दायरामा पुर्याउनु, आयुर्वेद तथा स्थानीय उपचार प्रणालीलार्ई स्वास्थ्य संस्थाको दायरामा ल्याई व्यवस्थित र गुणस्तरीय बनाउनु, खाद्य सेचतना तथा खाद्य व्यवहार सुधारलार्ई स्वास्थ्य प्रणालीको अङ्गको रूपमा विकास गर्नु । स्वास्थ्य सेवा बारे जनचेतना अभिवृद्धि गर्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ५.१.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

स्वास्थ्य सेवाको गुणस्तर सुधार गर्न सकिने, स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम मार्फत स्वास्थ्य सेवाको पहुँचमा वृद्धि हुने, स्थानीय तहको स्वास्थ्य सेवालार्ई थप व्यवस्थित तथा प्रभावकारी बनाउन सकिने, बालबालिकाको लागि पोषण कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

आधारभूत स्वास्थ्य स्थानीय सरकारको अधिकारमा रहनु, १५ शैया सम्मको अस्पताल सबै स्थानीय तहमा खोल्ने सरकारी नीति रहनु, अधिकांश वडामा स्वास्थ्य संस्था र खोप केन्द्र उपलब्ध हुनु, राष्ट्रिय स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम सञ्चालनमा रहनु, स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिकाको प्राथमिकता र जनचासोको विषय रहनु, स्वास्थ्य सम्बन्धी काम गर्ने विभिन्न गैर सरकारी संस्थाको उपस्थिति हुनु, ग्रामीण स्वास्थ्य स्वयंसेविका र आमा समूहको क्रियाशीलता हुनु आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

### ५.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### लक्ष्य

डुङ्गेश्वर बासी सम्पूर्ण नागरिकहरूलार्ई सहज रूपमा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्ने ।

#### उद्देश्य

- आधारभूत तथा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्रवाह गर्नु ।
- जेष्ठ नागरिक, अंशक्त/अपाङ्गता भएका नागरिकलार्ई घरदैलो स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्नु ।

रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
<ul style="list-style-type: none"> <li>• स्वास्थ्य सेवाको गुणस्तर सुनिश्चित गर्ने</li> <li>•</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• स्वास्थ्य संस्थाहरूको सेवाको स्तर र मापदण्ड निर्धारण गरिनेछ ।</li> <li>• स्वास्थ्य संस्थाजन्य फोहोर व्यवस्थापनका लागि आवश्यक कानुनी मापदण्ड निर्माण गरी व्यवस्थापित गरिनेछ ।</li> <li>• विशेषज्ञता स्वास्थ्य सेवा संचालनमा ल्याई घुम्ती सेवा विस्तार गरिनेछ ।</li> <li>• स्वास्थ्यमा गरिने लगानीलाई जवाफदेही र पारदर्शी बनाइनेछ ।</li> <li>• विशेषज्ञता स्वास्थ्य सेवा प्रदान गरिनेछ ।</li> <li>• स्वास्थ्य वित्त सुशासन सुदृढ गरिनेछ ।</li> <li>• निःशुल्क रूपमा औषधी तथा औजार उपकरणहरू उपलब्ध गराइनेछ ।</li> <li>• गुणस्तरिय आधारभुत स्वास्थ्य सेवा निःशुल्क प्रदान गरिनेछ ।</li> <li>•</li> <li>• बाल, मातृ तथा शिशु स्वास्थ्य सम्बन्धी खोप कार्यक्रम प्रभावकारी बनाई लक्षित समूहलाई शत प्रतिशत पूर्ण खोपको दायरामा ल्याइनेछ ।</li> <li>• स्वास्थ्य संस्थाहरूमा परिवार नियोजन तथा मातृ स्वास्थ्य आदि सेवा सुदृढ गरिनेछ ।</li> <li>• महिलासँग सम्बन्धित रोगहरू पाठेघर जन्य समस्या, पाठेघरको मुखको क्यान्सर स्तन क्यान्सर, रक्त अल्पता आदि रोकथाम तथा नियन्त्रणका लागि विशेष स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• स्वास्थ्य विमा कार्यक्रममा सबै नागरिकलाई आबद्ध गराइनेछ ।</li> <li>• स्वास्थ्य सेवाको गुणस्तर सुधार गर्न आवश्यक पूर्वाधारको व्यवस्थापन गर्दै नतिजामा आधारित अनुगमन, मूल्याङ्कन, प्रोत्साहन प्रणाली लागु गरिनेछ ।</li> <li>• आधारभुत स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्न दक्ष स्वास्थ्यकर्मी उत्पादन गरि सेवा प्रवाह गरिनेछ ।</li> <li>• सामुदायिक महिला स्वास्थ्य स्वयम् सेविकाहरूलाई क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।</li> <li>• स्वास्थ्य क्लिनिक लगायत निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदायक संस्थाहरूको प्रभावकारी अनुगमन र नियमन गरिनेछ ।</li> <li>•</li> </ul>

<p>स्वास्थ्य संस्था र सेवाहरूको विस्तार गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• जनताको आधारभूत स्वास्थ्य सेवालाई गुणस्तरीय र प्रभावकारी बनाउन गाउँपालिकाभिन्नका स्वास्थ्य सेवालाई थप प्रभावकारी बनाइनेछ ।</li> <li>• बालबालिकालाई "पूर्ण खोप सुनिश्चितता" गराउने कार्यक्रमलाई तीव्रता दिइनेछ ।</li> <li>• विपन्न र वञ्चितमा परेका समुदायको स्वास्थ्य सेवा प्राप्तमा देखिएका अवरोधहरू हटाई स्वास्थ्य सेवाको पहुँचमा ल्याउन विशेष व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• स्वास्थ्य संस्थामा आधारभूत औषधी, उपकरण र चिकित्सक सेवा उपलब्ध गराइने छ ।</li> <li>• स्वास्थ्य तथा पोषण क्षेत्रमा कार्यरत संस्था र निकायबीच समन्वय गरिनेछ ।</li> <li>• आपतकालिन तथा आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाको लागि उपचार केन्द्र, दक्ष स्वास्थ्य कर्मी तथा संयन्त्र बनाइनेछ ।</li> <li>• गाउँपालिका स्तरिय अस्पताल निर्माण तथा संचालनमा ल्याइनेछ ।</li> <li>• स्वास्थ्य सेवाका तथाङ्कलाई डिजिटलाइज गरिनेछ ।</li> <li>• स्वास्थ्य संस्थालाई प्रविधिमैत्री बनाइनेछ ।</li> <li>• (१,२, र ६ वडा) एम्बुलेन्स सेवा विस्तार गरिनेछ ।</li> <li>• आयुर्वेद चिकित्सालय सेवा विस्तार गरिनेछ ।</li> <li>• ज्येष्ठ नागरिक, अशक्त/अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूलाई घरदैलो स्वास्थ्य सेवा संचालनमा ल्याइनेछ ।</li> </ul>
<p>स्वास्थ्य प्रवर्द्धन र स्वास्थ्य सम्बन्धि जनचेतना विस्तार गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• स्वास्थ्य सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रमहरूलाई थप प्रभावकारी बनाइनेछ ।</li> <li>• स्वास्थ्य कार्यक्रमको सूचना, विद्यालय, शिक्षा, समुदाय स्तरमा आपतकालिन तथा आवासिय स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रमलाई संचालन गरिनेछ ।</li> <li>• समुदाय तहसम्म स्वास्थ्य र पोषण सम्बन्धी चेतना अभिवृद्धिको कार्यक्रम पुयाईनेछ ।</li> <li>• विभिन्न खालका सरुवा रोगको प्रकोप सम्बन्धी चेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।</li> <li>• आमा समूह र समुदायमा आधारित संघ संस्था, क्लब तथा गैर सरकारी संस्था समेतको सहकार्यमा खाद्य व्यवहार सुधार, पोषण तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।</li> </ul>

	<ul style="list-style-type: none"><li>• महिला स्वयंसेविकाहरूको क्षमता विकास गरी समुदाय केन्द्रित जनचेतना अभिवृद्धिका साथै स्वास्थ्य सेवा विस्तारमा परिचालन गरिनेछ ।</li><li>• गाउँपालिकामा अधिक रहेका सर्ने र नसर्ने) ब्लड प्रेसर, मधुमेह, मानसिक रोग, आदि (रोगको पहिचान गरी रोगहरूको कारण र प्रारम्भिक रोकथामका बारेमा व्यापक जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।</li><li>• व्यायाम, योग जस्ता शारीरिक सुगठन तथा मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धी विषयलाई विद्यालय र समुदाय केन्द्रित बनाई अभियानको रूपमा शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।</li></ul>
--	---

५.१.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : आधारभूत स्वास्थ्य तथा पोषक								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	एम्बुलेन्स सेवा सञ्चालन (वडा १, २ र ६)	२५	५	५	५	५	५	स्थानीय तह आफै
२	जेष्ठ नागरिक अपाङ्गता घरदैलो कार्यक्रम	२०	४	४	४	४	४	स्थानीय तह आफै
३	ल्याब सेवा, भिडियो एक्सरे सेवा	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश/स्थानीय
४	आयुर्वेदिक सेवा	२५	५	५	५	५	५	स्थानीय तह आफै
५	हजार दिनका आमाहरूलाई पोषण तथा सरसफाई कार्यक्रम	३०	६	६	६	६	६	स्थानीय तह आफै
६	आधारभूत स्वास्थ्य सेवालार्ई गुणस्तरीय सेवा प्रवाह	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश
७	गाउँ अस्पताल निर्माण तथा सञ्चालन गर्ने	२०००	७००	७००	६००			संघ
८	लाभान्वित गर्भवतीहरूलाई प्रसूति अवस्था मा २४ घण्टानै बस्ने व्यवस्थापन गर्ने	१०	२	२	२	२	२	स्थानीय तह आफै



९	सेवाबाट टाढा रहेका बस्तीहरूमा CHU विस्तार	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश/स्थानीय
१०	निशुल्क औषधि खरिद कार्यक्रम	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश/स्थानीय
११	स्वास्थ्य संस्था प्रविधिमैत्री बनाउने	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश/स्थानीय
१२	स्वास्थ्य संस्थालाई मापदण्ड अनुसार भवन निर्माण	२०००			४००	६००	६००	संघ
१३	स्वास्थ्य संस्थाहरूमा औजार उपकरण खरिद	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश/स्थानीय
१४	दक्ष स्वास्थ्यकर्मी उत्पादन कार्यक्रम	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश/स्थानीय
१५	अन्य कार्यक्रमहरूमा साझेदारी कार्यक्रम	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश/स्थानीय
१६	अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यक्रम	१०	२	२	२	२	२	स्थानीय तह आफै
<b>जम्मा</b>		<b>४५२०</b>	<b>६०४</b>	<b>६०४</b>	<b>११०४</b>	<b>९०४</b>	<b>९०४</b>	

५.१.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	विरामी पर्दा सर्वप्रथम स्वास्थ्य चौकी/ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/ अस्पताल जाने जनसंख्या	प्रतिशत	५९	६५	७०	७५	८०	९०	गापा	२	३
असर	नजिकको स्वास्थ्य संस्थामा (स्वास्थ्य चौकी/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/ अस्पताल) पुग्न लाग्ने औषत समय	घण्टा	३०	२५	२०	१५	१०	५	"	२	३
प्रतिफल	गाउँघर क्लिनिकको संख्या	संख्या	१२	१२	१२	१३	१३	१४	"	२	३
	सञ्चालनमा रहेको पालिका स्तरीय अस्पताल (वा जिल्ला अस्पताल) मा उपलब्ध शैया संख्या	संख्या	०	५	१०	१०	१५	१५	"	२	३
	घुम्ती लगायत स्वास्थ्य शिविर पटक	संख्या	२	५	५	१०	१०	१०	"	२	३
	सबै प्रकारका खोप लिएका बालबालिका	प्रतिशत	५६	६०	६५	७०	७५	८०	"	२	३

आधारभूत स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध भएका वडाहरु	संख्या	६	६	६	६	६	६	६	"	२	३
२५०० ग्रामभन्दा कम जन्मतौल भएका शिशु	संख्या	१०	८	६	४	२	०	०	"	२	३
कुपोषणका कारण ५ वर्ष मुनीका बाल बालिकाहरुको पुङ्कोपन र उचाई अनुसार को कम तौल भएकाहरु (२०७५/७६ अनुसार संघ २७%)	संख्या	५	५	४	३	२	०	०	"	२	३
स्वास्थ्य संस्थामा प्रसुति गराउने गर्भवती महिला	संख्या	१०४	११०	११५	१२०	१२५	१३०	१३०	"	२	३
प्रसुति सेवा उपलब्ध भएका स्वास्थ्य संस्थाहरु	संख्या	६	७	७	८	८	९	९	"	२	३
मातृमृत्यु दर (प्रतिलाख जीवित जन्ममा)	संख्या	०	०	०	०	०	०	०	"	२	३
झाडापखालाको सङ्क्रमण दर (प्रति हजारमा)	संख्या	७३.९	८०	८५	९०	९५	१००	१००	"	२	३
स्वाप्रश्वासको सङ्क्रमण दर प्रति हजारमा	संख्या	१९३.७	१५०	१२५	१००	५०	१०	१०	"	२	३
स्वास्थ्य संस्थामा कार्यरत स्वास्थ्यकर्मी	संख्या	३२	३३	३५	३५	३८	३८	३८	"	२	३

जनसंख्या र दक्ष स्वास्थ्यकर्मीको अनुपात (जनसंख्या : दक्षस्वास्थ्यकर्मी)	अनुपात	१:३९५	१:३४८	१:३४८	१:२९८	१:२४८	१:२४८	"	२	३
भिटाभिन ए प्राप्त गर्ने बालबालिका	प्रतिशत	९७.६	९८	९८	९९	९९	१००	"	२	३
नवजात शिशु मृत्युदर (प्रतिहजार जीवित जन्ममा)	संख्या	०	०	०	०	०	०	"	२	३
शिशु मृत्युदर (प्रतिहजार जीवित जन्ममा)	संख्या	०	०	०	०	०	०	"	२	३
५ वर्ष मुनीको बाल मृत्युदर (प्रतिहजार जीवित जन्ममा)	संख्या	०	०	०	०	०	०	"	२	३
कूल प्रजनन दर (प्रति महिला शिशु जन्म)	दर	५.२	५.३	५.४	५.५	५.६	५.७	"	२	३
परिवार नियोजनका साधनको प्रयोग दर	प्रतिशत	२०	२२	२४	२८	३२	३६	"	२	३
स्वास्थ्य बीमामा आवद्ध जनसंख्या	प्रतिशत	१८	५१	३०	४५	४५	५०	"	२	३
स्वास्थ्य सूचना, शिक्षा र सञ्चार सचेतना कार्यक्रममा सहभागि	संख्या	१७८४	२०००	४०००	६०००	८०००	१००००	"	२	३

क्यान्सर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुटु, क्षयरोग, एड्स, कुष्ठरोगको निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षणवाट लाभान्वित	संख्या	३४९	३००	२५०	२२५	२००	१५०	"	२	३
आधारभूत सुविधा (खानेपानी, शौचालय, वर्धिङ्ग वार्ड र परामर्श केन्द्र आदि) उपलब्ध स्वास्थ्य संस्था	संख्या	६	६	७	८	९	१०	"	२	३
क्रियाशील महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका	संख्या	५७	५७	५७	५८	५९	६०	"	२	३
महामारी, भाइरसको सङ्क्रमण, आपतकालीन उपचारको अभाववाट मृत्यु	संख्या	०	१	१	१	१	१	"	२	३
महामारी, भाइरसको सङ्क्रमण, आपतकालीन उपचारका लागि उपकरण एवं जनशक्ति सहितको क्वारेण्टीन, आइसोलेशन कक्ष तथा आश्रय स्थल	संख्या	०	१	१	१	१	१	"	२	३
नागरिक आरोग्य कार्यक्रम सञ्चालन	संख्या	१	२	२	२	२	२	"	२	३
योग, ध्यान तथा वैकल्पिक प्राकृतिक चिकित्सा (आयुर्वेदिक, होमियोप्याथिक, युनानी, अक्लुपञ्चर, आम्ची) उपचार पद्धति सञ्चालन गर्ने संस्था	संख्या	०	१	१	१	१	१	"	२	३

	सामुदायिक संस्थाको सहभागितामा सञ्चालित आरोग्य केन्द्र, योगा केन्द्र तथा व्यायामशाला	संख्या	१	१	१	१	१	१	”	२	३
--	--	--------	---	---	---	---	---	---	---	---	---

## ५.१.७ अपेक्षित उपलब्धी

नेपाल सरकारको मापदण्ड अनुसार स्वास्थ्य चौकी भवन निर्माण भएको हुनेछ । दरबन्दी सिर्जना तथा विशेषज्ञ सेवा सञ्चालनमा आएको हुनेछ । निःशुल्क औषधि वितरण गर्नका लागि पर्याप्त बजेट तथा आपूर्ति व्यवस्थापन भएको हुनेछ । स्वास्थ्य सेवा अनुसार दक्ष जनशक्ति उत्पादन गर्ने बजेट व्यवस्थापन र सहयोगी संस्थासँग सहकार्य भएको हुनेछ । वडा नम्बर १, २ र ६ मा एम्बुलेन्स सेवा सञ्चालनमा आएको हुनेछ । लाभान्वित गर्भवतीहरूलाई प्रसूति अवस्थामा २४ घण्टै खाना, बस्नको व्यवस्थापन भएको हुनेछ । आयुर्वेदिक सेवा सबैको पहुँचमा पुऱ्याउने तथा स्थानीय जडीबुटी सङ्कलन तथा प्रशोधन केन्द्र स्थापना भएको हुनेछ । सबै स्वास्थ्य संस्थामा ल्याब, भिडियो एक्सरे तथा अन्य स्वास्थ्य जाँच सेवा विस्तार भएको हुनेछ । स्वास्थ्य संस्था भन्दा टाढा रहेका बस्तीमा CHU विस्तार भएको हुनेछ । सम्पूर्ण हजार दिनका आमाहरूलाई बहुक्षेत्रिय कार्यक्रममा समेटिएको हुनेछ । सबै स्वास्थ्य संस्था पोषण मैत्री भएको हुनेछ । OTC केन्द्र स्थापना तथा पोषण सम्बन्धीका सामग्री तथा खाद्य उपलब्ध भएको हुनेछ । गाउँपालिका स्तरीय अस्पतालबाट स्वास्थ्य सेवा प्रदान भएको हुनेछ ।

## ५.१.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

गाउँपालिकामा स्वास्थ्य बीमाको कार्यक्रम पूर्ण रूपमा लागू भएको हुनेछ । स्थानीय स्वास्थ्य संस्थाहरूमा स्थानीयवासीको सहज पहुँच स्थापित भएको हुनेछ । स्थानीय स्वास्थ्य संस्थाहरूको स्तरोन्नती भई स्वास्थ्य उपकरण र आवश्यक चिकित्सकको व्यवस्था भएको हुनेछ । गाउँपालिका भित्रका गरीब, अति गरीब घरधुरी र समुदायहरूको स्थानीय सरकारबाट खाद्य सुरक्षाको व्यवस्था भएको हुनेछ । स्थानीय संघ संस्था र दातृनिकायहरूको नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनेछ । गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकारबिच स्थानीयवासीको स्वास्थ्य सेवा र पोषणमा आवश्यक समन्वय र सहकार्य भएको हुनेछ ।

## ५.२ शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवर्द्धन

### ५.२.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानले शिक्षा सम्बन्धी हकलाई मौलिक हकका रूपमा प्रत्याभूत गरेको छ । संविधानले आधारभूत तहसम्मको शिक्षामा पहुँच, आधारभूत तहसम्मको अनिवार्य र निशुल्क शिक्षा तथा माध्यमिक तहसम्मको निशुल्क शिक्षा पाउने हक प्रत्याभूत गरेको छ । अपाङ्गता भएका र आर्थिक रूपले विपन्न नागरिकलाई कानून बमोजिम निशुल्क उच्च शिक्षा पाउने, प्रत्येक नेपाली समुदायलाई कानून बमोजिम आफ्नो मातृभाषामा शिक्षा पाउने र त्यसका लागि विद्यालय तथा शैक्षिक संस्था खोल्ने र सञ्चालन गर्ने हक प्रत्याभूत गरेको छ । साथै, शिक्षालाई वैज्ञानिक, प्राविधिक, व्यवसायिक, सीपमूलक तथा रोजगारमूलक बनाउँदै शिक्षामा, राज्यको लगानी अभिवृद्धि गर्दै निजी क्षेत्रको लगानीलाई नियमन र व्यवस्थापन गरी सेवामूलक बनाउने नीति अवलम्बन गरेको छ । कुनै पनि राष्ट्रको समृद्धि उक्त देशले अपनाएको विज्ञान प्रविधि तथा नवप्रवर्द्धन सम्बन्धी नीति, सो को समग्रतामा कार्यान्वयन, त्यसका लागि गरिएको राजनैतिक प्रतिवद्धता, अनुसन्धान तथा विकासमा गरिएको राज्यको लगानी र सो बाट प्राप्त सामाजिक आर्थिक प्रतिफलको आधारमा मापन गर्ने गरिएको तथ्य विकसित मुलुकको अनुभवले देखाएको छ ।

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा पञ्चवर्षीय शिक्षा योजना बनेको छ तथा शिक्षा, ऐन, नियमावली तथा कार्यविधि बनेको छ । कक्षा १ देखि ८ को आफ्नै स्थानीय पाठ्यक्रम रहेको छ । गाउँ शिक्षा समिति, वडा शिक्षा समिति गठन तथा परिचालन भएको छ । योजना तथा बजेट निर्माणमा स्थानीय तह स्वायत्त हुनु, शिक्षा व्यवस्थापनमा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को दफा ११ (ज) मा यथेष्ट व्यवस्था हुनु, गुणस्तरीय शिक्षाका लागि सबै अभिभावकहरूको उच्च चाहना रहनु, प्रारम्भिक बालविकास कक्षादेखि माध्यमिक तहसम्मको शिक्षाको अधिकार स्थानीय तहलाई हुनुले गाउँपालिकाको शिक्षा क्षेत्र विकास गर्न सकिन्छ ।

## ५.२.२ समस्या र चुनौती

### समस्या

सबै विद्यालय भवनहरू पक्की नभएको, ५०% बालबालिका बीचमै कक्षा छाड्ने प्रवृत्ति रहेको, जनशक्ति र भौतिक पूर्वाधारको अभाव, सबै विद्यालयमा आइ.सि.टि. स्थापना नहुनु, शैक्षिक गुणस्तर न्यून रहेको, स्टाफ नर्सको व्यवस्था पूर्ण रूपमा नभएको, छात्रावासको व्यवस्था नभएको, नमूना माध्यमिक विद्यालय नरहेको, विद्यार्थी संख्याको आधारमा खानेपानी, शौचालय, खेलमैदान पर्याप्त नरहेको, सबै विद्यालयमा विद्यालय घेराबारा नभएको, शैक्षिक तालिम र आइ.सि.टि. सामग्री बाँडफाँड नभएको, विद्यालयका भौतिक पूर्वाधार अपाङ्ग मैत्री नहुनु, लक्षित समूहका बालबालिकाको विशेष शिक्षामा पहुँचको कमी हुनु, विद्यालयमा शैक्षिक सामग्रीको कमी तथा दरबन्दी पूर्ण रूपले पूर्ति नभएको, विज्ञान र प्रविधिका विकासका निम्ति नीतिगत कानुनी तथा संस्थागत पूर्वाधारको कमी हुनु, विज्ञान र प्रविधिका विकासमा निजी क्षेत्रसँगको सहकार्य प्रभावकारी हुन सक्नु आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

### चुनौती

सामुदायिक विद्यालयहरूका लागि आवश्यकता अनुसार शिक्षक दरबन्दी व्यवस्थापन गर्नु, आर्थिक, सामाजिक, भाषिक लगायतका सांस्कृतिक विविधता सम्बोधन गर्नु, आधारभूत तथा माध्यमिक शिक्षामा बाल सहभागिता तथा पहुँचको सुनिश्चितता गर्नु, अनिवार्य र निःशुल्क शिक्षाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नु, आवश्यकता र मागको आधारमा विद्यालय नक्साङ्कन, पुनर्स्थापना, समायोजन र पुनर्वितरण गर्नु, दिवा खाजा कार्यक्रमलाई स्थानीय उत्पादनसँग जोड्नु, बालबालिकाहरूको सिकाइको निम्ति अभिभावकहरूलाई सक्रिय बनाउनु, जोखिममा परेका अति विपन्न तथा सडक बालबालिकाहरूका लागि आश्रय स्थल, बालगृह तथा गुणस्तरीय आपतकालीन सेवाको विकास गर्नु, बालबालिकाको क्षेत्रमा फरक फरक किसिमले फरक फरक समूहद्वारा कार्यक्रम सञ्चालन, भइरहेकोमा सबै कार्यक्रमका लागि न्यूनतम मापदण्डसहित दिगो र प्रभावकारी संयन्त्रको विकास गर्नु, शैक्षिक सुधारका लागि आवश्यक लगानीमा वृद्धि गर्नु, सामुदायिक विद्यालयहरूको सिकाइमा आधुनिक सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको अधिकतम प्रयोग गर्नु, विद्यालयलाई शान्ति क्षेत्रको रूपमा विकास गर्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।



### ५.२.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

गाउँ शिक्षा ऐनको लागि आवश्यक, नियमावली, कार्यविधि निर्माण गर्न सकिने, गुणस्तरीय शिक्षाको लागि अभिभावक अनुशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षिक सुधार सम्बन्धी अन्तरक्रिया कार्यक्रम, विद्युतीय हाजिरी व्यवस्थापन, ICT व्यवस्थापन लगायतका कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने, सामुदायिक विद्यालयको गुणस्तर वृद्धिका लागि अंग्रेजी माध्यममा पठनपाठन गराउन सकिने, कृषि तथा भेटिरेनरी, सूचना प्रविधि र ईञ्जिनियरिङ लगायत प्राविधिक शिक्षालय स्थापना गर्न सकिने, स्थानीय सरकारले नियमित अनुगमनबाट विद्यालय शिक्षालाई समय सापेक्ष बनाउन सकिने, शैक्षिक जनशक्ति उत्पादन गरी स्थानीय जनशक्तिको मागलाई पूर्ति गर्न सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

शैक्षिक वातावरण, पूर्वाधार र सामाग्रीहरूको व्यवस्था गरी साक्षरता वृद्धि गर्न सकिने, परम्परागत तथा आधुनिक ज्ञान तथा प्रविधिको स्तरोन्नति एवम् आधुनिकीकरण गर्न सकिने, विज्ञान तथा प्रविधिको विकास एवम् अधिकतम प्रयोग गर्न सकिने, आधारभूत तहमा अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा र माध्यमिक तहमा निःशुल्क शिक्षाको लागि संवैधानिक, कानुनी र नीतिगत व्यवस्था हुनु, शिक्षाको विकासमा विभिन्न साझेदार संस्थाको लगानी र सहभागिता बढ्दै जानु, तिनै तहको सरकारबाट शिक्षा क्षेत्रमा लगानी र सहकार्य हुनु शिक्षाप्रतिको जन अभिरुचि बढ्दै जानु, विज्ञान प्रविधिको विकास, नवप्रवर्तनको उपयोग गरी उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्न सकिने, अनुसन्धान तथा विकासमा योग्य जनशक्ति परिचालन गर्न सकिने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

### ५.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### लक्ष्य

सबै बालबालिकाहरूलाई पहुँचयोग्य, गुणस्तरीय, व्यवहारिक र प्रविधिमैत्री विद्यालय शिक्षा प्रदान गर्ने ।

#### उद्देश्य

- विद्यालय शिक्षालाई समतामूलक, समावेशी, सान्दर्भिक, निशुल्क, व्यावसायिक र गुणस्तरीय बनाउनु
- विद्यालयको शैक्षिक, भौतिक र आर्थिक सिमा सुधार गर्दै विद्यालयको विश्वास, सञ्चालन र व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउनु ।

#### रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
आधारभूत सुविधा सहितको शैक्षिक पूर्वाधारको विकास गर्ने	<ul style="list-style-type: none"><li>• अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षाका लागि आवश्यक कानून, कार्यक्रम तथा बजेट व्यवस्थापन र कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li><li>• सम्बन्धित सरोकारवाला निकाय, साझेदार संघ संस्था र तीन तहका सरकार विश्व समन्वय, सहकार्य गरिनेछ ।</li></ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• विद्यालय शैक्षिक विकासका लागि व्यवस्थापन समितिको क्षमता विकास गरी शैक्षिक गुणस्तर वृद्धि गरिनेछ । दरबन्दी अनुसार विषयगत शिक्षकहरूको पदपूर्ती गरिनेछ ।</li> <li>• हरेक विद्यालयमा नयाँ बच्चे संरचनालाई सुरक्षित, बालमैत्री र अपाङ्गतामैत्री बनाइनेछ ।</li> <li>• विद्यालय शिक्षालाई सूचना प्रविधिसँग आवद्ध गरी विद्यालय शिक्षालाई प्रविधीमैत्री बनाइनेछ ।</li> <li>• खेलकुद मैदान, विज्ञान प्रयोगशाला, कम्प्युटर ल्याब, पुस्तकालय, पठन पाठन शैक्षिक सामाग्री, महिला र अपाङ्गतामैत्री संरचना आदि जस्ता शैक्षिक पूर्वाधारको विकास गरिनेछ ।</li> <li>• शिक्षाको गुणस्तर सुधार गर्न प्रत्येक विद्यालयमा अभिभावक अनुशिक्षण कार्यक्रम, शैक्षिक सुधार सम्बन्धी अन्तरक्रियात्मक कार्यक्रम, ई-हाजिरी, ICT व्यवस्थापन लगायतका कार्यक्रम सञ्चालन गर्दै जाने छ ।</li> <li>• सामुदायिक विद्यालयहरूको गुणस्तर वृद्धिका लागि अंग्रेजी माध्यममा पठनपाठन गराइनेछ ।</li> <li>• विद्यालय नक्साङ्कन, पूनर्वितरण, दरबन्दी मिलान र समायोजन गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>शिक्षामा समतामूलक पहुँच स्थापित गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• विद्यालय उमेरका सबै बालबालिकालाई विद्यालय शिक्षामा आवद्ध गर्न आमा समुह, नागरीक समान उन्मुख संघसंस्था, सामुदायिक संस्था, गैर सरकारी संस्था परिचालन गरिनेछ ।</li> <li>• अभिभावकमा शैक्षिक चेतना विस्तार कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।</li> <li>• बालिका शिक्षालाई प्रोत्साहित गर्न महिलामैत्री शौचालय, स्थानीरी प्याडको उपलब्धता र व्यवस्थापनको समुचित व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• विपन्न दलित तथा पिछडिएका वर्ग तथा समुदायका बालबालिकाहरूलाई विद्यालयमा आकर्षण, टिकाउ र सिकाइमा सहयोग पुग्ने गरी पोशाक, दिवा खाजा, छात्रावृत्ती, शैक्षिक सामाग्री लगायतका विशेष उत्प्रेरणात्मक कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।</li> <li>• बाल विकास केन्द्रलाई औपचारिक शिक्षा प्रणालीमा आवद्ध गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>शिक्षण सिकाई दर बढाउने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• शिक्षक क्षमता विकास तालिम अभिभावक शिक्षा तथा सरोकारवालासँगको समन्वयात्मक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li> </ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• शैक्षिक सामग्रीको उपलब्धता र प्रयोग बढाइनेछ ।</li> <li>• शैक्षिक उपलब्धी सुधारका लागि अतिरिक्त कक्षा, विद्यार्थी सहयोग कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• शिक्षण सिकाइको अभिवृद्धि गर्न शिक्षक उपस्थिती, शिक्षण शैली, सिकाइ परीक्षण, सिक्ने र सिकाउने वातावरण जस्ता पक्षहरूको नियमित अनुगमन तथा सुपरीवेक्षण गरिनेछ ।</li> <li>• शिक्षाको स्तर उन्नतीको लागि अंग्रेजी भाषालाई प्राथमिकतामा राखेर अध्यापन गराइनेछ ।</li> </ul>
<p>प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षाको विकास र विस्तार गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सामुदायिक माध्यमिक विद्यालयमा क्रमस प्राविधिक धार सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• विद्यालयमा आधारभूत व्यावसायिक तालिम तथा कक्षा सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• नागरिक तथा नैतिक मानव मूल्यमा आधारित शिक्षा तथा नवपर्वतनशील शिक्षामा जोड दिइनेछ ।</li> <li>• विद्यालय व्यवस्थापन समिति र PTA को क्षमता विकास गरिनेछ ।</li> <li>•</li> <li>• विद्यालय शिक्षामा जिवनोपयोगी व्यवहारिक ज्ञान सिकाउने शैक्षिक कार्यक्रमहरू आवद्ध गरिनेछ ।</li> <li>• विद्यालय शिक्षा पुरा नगरेका, किशोर किशोरीहरूलाई विद्यालय केन्द्रित व्यावसायिक शिक्षाका कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।</li> <li>• डिजिटल साक्षरताको नीति अवलम्बन गरिनेछ ।</li> <li>• प्राविधिक शिक्षा सञ्चालन भएका विद्यालयको व्यवस्थापन र सुदृढीकरणमा जोड दिइनेछ ।</li> </ul>

५.२.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : शिक्षा, विज्ञान प्रविधि								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	प्रारम्भिक बालविकास शिक्षण	५००	१००	१००	१००	१००	१००	संघ
२	आधारभूत शिक्षा	१०००	२००	२००	२००	२००	२००	संघ
३	माध्यमिक शिक्षा	७००	१४०	१४०	१४०	१४०	१४०	संघ
४	प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा सञ्चालन तालिम	२००	४०	४०	४०	४०	४०	प्रदेश
५	पाठ्यक्रम र पाठ्य सामग्री	३२	६	६	६	७	७	स्थानीय तह आफै
६	शिक्षक व्यवस्थापन तथा तालिम	२१	४	४	४	४	५	स्थानीय तह आफै
७	विद्यालय व्यवस्थापन	९४	१९	१९	१९	१९	१८	प्रदेश
८	शिक्षामा सूचना प्रविधि	१००	२०	२०	२०	२०	२०	प्रदेश
९	संस्थागत क्षमता विकास	८०	१६	१६	१६	१६	१६	प्रदेश
१०	अनौपचारिक शिक्षा र सिकाई कार्यक्रम	२०	४	४	४	४	४	स्थानीय तह आफै
११	आपत्कालीन शिक्षा कार्यक्रम	१००	२०	२०	२०	२०	२०	प्रदेश
१२	अनुगमन, मूल्याङ्कन, समन्वय र सहजीकरण कार्यक्रम	५९	१२	१२	१२	१२	११	प्रदेश/स्थानीय
जम्मा		२९०६	५८१	५८१	५८१	५८२	५८१	

५.२.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८०/८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	१५ मिनेटको दुरीमा आधारभूत तहको विद्यालयमा पहुँच हुने घरधुरी	प्रतिशत							गापा	२	४
असर	विद्यालय बाहिर ५—१५वर्ष उमेर समूहका बालबालिका	प्रतिशत							"	२	४
प्रतिफल	छात्रवृत्ती पाउने विद्यार्थी	संख्या							"	२	४
	दिवा खाजा खुवाउनेविद्यालय	संख्या							"	२	४
	नियमित अध्ययन गर्ने अवसर नमिलेका विद्यार्थीका लागि माध्यामिक तह सम्मको खुल्ला शिक्षा वा अनौपचारिक दिने विद्यालय	संख्या							"	२	४

आधारभूत तह (कक्षा ८) सम्मको खूद भर्नादर	प्रतिशत								"	२	४
आधारभूत तह (कक्षा ८) सम्मको उत्तिर्ण दर	प्रतिशत								"	२	४
माध्यमिक तह (९-१२) को खूद भर्नादर	प्रतिशत								"	२	४
कक्षा १२ को निरन्तरता दर	प्रतिशत								"	२	४
कक्षा ८ सिकाइ उपलब्धी दर	प्रतिशत								"	२	४
कक्षा ८ को निरन्तरता दर	प्रतिशत								"	२	४
बालमैत्री सिकाइ विधि अवलम्बन गर्ने विद्यालय	प्रतिशत								"	२	४
विषयगत तालिम प्राप्त शिक्षक	प्रतिशत								"	२	४
शिक्षक विद्यार्थी अनुपात (आधारभूत र माध्यमिक) (शिक्षक : विद्यार्थी)	संख्या								"	२	४

महिला र पुरुष शिक्षकको अनुपात (महिला : पुरुष)	अनुपात								"	२	४
प्राविधिक शिक्षामा अध्ययनरत विद्यार्थी	संख्या								"	२	४
सिटिइभिटिवाट सम्बद्धनमा सञ्चालित प्राविधिक विद्यालय	संख्या								"	२	४
सामुदायिक विद्यालयमा प्राविधिक धार अध्यायपन गराउने विद्यालय	संख्या								"	२	४
वालमैत्री आधारभूत पूर्वाधार र सुविधा ( भवन, चर्पी, खानेपानी, खेलकुद मैदान, घेरावार, फर्निचर) उपलब्ध विद्यालय	संख्या								"	२	४
वालवालिकामैत्री, अपाङ्गता मैत्री र भूकम्प प्रतिरोधात्मक संरचना भएको विद्यालय	संख्या								"	२	४
आइसिटि सेवा उपलब्ध विद्यालय	संख्या								"	२	४
कम्प्युटर प्रयोगशाला भएका विद्यालय									"	२	४

	व्यवस्थित विज्ञान प्रयोगशाला भएका विद्यालय	संख्या								"	२	४
	सेनीटरी प्याड सहित नर्स सेवा उपलब्ध विद्यालय	संख्या								"	२	४
	उच्च शिक्षामा अध्ययनरत विद्यार्थी	संख्या								"	२	४
	वालक्लव क्रियाशील भएका विद्यालय	संख्या								"	२	४
	आधारभूत तहमा स्थानीय मातृभाषामा पठनपाठन गर्ने विद्यालय	संख्या								"	२	४
	राष्ट्रपति शैक्षिक सुधार कार्यक्रमबाट लाभान्वित विद्यालय	संख्या								"	२	४
	जनसंख्या वनौट र भौगोलिक अवस्थाको आधारमा नक्साङ्कन गरी समायोजन तथा एकीकरण विद्यालय	संख्या								"	२	४
	पालिका स्तरीय विज्ञान मेला, प्रदर्शनी एवं श्रृजनात्मक प्रतियोगिता	संख्या								"	२	४



युवा वैज्ञानिकहरूसंग साक्षात्कार कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने विद्यालय	संख्या								"	२	४
परम्परागत ज्ञान, सीप, प्रविधिलाई स्तरोन्नति गर्दै भएको व्यवसायीकरण	संख्या								"	२	४
विज्ञान र प्रविधिको क्षेत्रमा अध्ययन, अनुसन्धानका लागि पालिकाबाट सहयोग प्राप्त युवा शोधकर्ताहरू	संख्या								"	२	४
विद्यालय स्तरमा विज्ञान र प्रविधि सम्बन्धित विविध क्रियाकलापहरू संचालन गरी पालिकाबाट पुरस्कृत उत्कृष्ट विद्यालय	संख्या								"	२	४

### ५.२.७ अपेक्षित उपलब्धी

प्रारम्भिक बालविकास शिक्षा बालमैत्री, पहुँच योग्य र गुणस्तरीय भएको हुनेछ । माध्यमिक शिक्षा समतामूलक, पहुँचयोग्य, सान्दर्भिक, प्रविधिमैत्री, गुणस्तरीय र निःशुल्क भएको हुनेछ । विद्यार्थीहरूको आवश्यकताका आधारमा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षामा पहुँच अभिवृद्धि गरी स्थानीय तहमा प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा तथा सीप विकासका अवसर विकास भएको हुनेछ । गुणस्तरीय शिक्षाका लागि योग्य, क्षमतावान, उत्प्रेरित, समर्पित, प्रतिबद्ध शिक्षकको व्यवस्था गर्नुका साथै शिक्षकहरूलाई आवश्यकताका आधारमा पेशागत सहयोग तथा विकासका लागि प्रभावकारी संयन्त्र र तालिमको व्यवस्था भएको हुनेछ । अनौपचारिक तथा निरन्तर शिक्षाका क्षेत्रमा पर्याप्त लगानी गरी गाउँपालिकालाई पूर्ण साक्षर घोषणा भएको हुनेछ । अपाङ्गता भएका, गरिब तथा विपन्न परिवारका नागरिकहरूका लागि आयआर्जन र सीपमूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरी बालबालिकाको लागि विद्यालय तहको शिक्षा सुनिश्चित भएको हुनेछ । सबै विद्यालयको शिक्षण सिकाई क्रियाकलाप तथा शैक्षिक कार्यक्रमहरूलाई सूचना प्रविधिमैत्री भएको हुनेछ । शिक्षा क्षेत्रका कार्यक्रमहरूको कार्यान्वयन तथा प्रभावकारिताका लागि आवश्यक संस्थागत संरचना र क्षमता विकास भएको हुनेछ । बालबालिकाहरूको गुणस्तरीय शिक्षाका लागि आम अभिभावक तथा सरोकारवाला निकायहरूको सक्रियता र सहभागिता वृद्धि भएको हुनेछ । विद्यालय अनुगमन सुपरिवेक्षण तथा पृष्ठपोषणमा नियमितता एवं प्रभावकारितामा वृद्धि भएको हुनेछ ।

### ५.२.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

स्थानीय शैक्षिक संस्थाहरूमा आवश्यक जनशक्तिहरूको पदपूर्ति हुनुपर्ने, बहुप्राविधिक शिक्षालयको स्थापना हुनुपर्ने, स्थानीय शैक्षिक संस्थाहरूको भौतिक पूर्वाधारको स्तरोन्नति हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृनिकायहरूको नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकार बीच गाउँपालिकाको शैक्षिक विकासमा आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्ने, गाउँपालिकाको शिक्षामा लगानी वृद्धि गर्नुपर्नेछ ।

### ५.३ खानेपानी तथा सरसफाइ

#### ५.३.१ पृष्ठभूमि

खानेपानी तथा सरसफाइ मानव जीवनयापनको अत्यावश्यक आधार हो । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनले स्थानीय स्तरको खानेपानीलाई स्थानीय तहको अधिकारमा राखेको छ । खानेपानी तथा सरसफाइ सेवालार्ई नेपालको संविधानले मौलिक हकको रूपमा व्यवस्था गरेको छ । साथै, अन्तर्राष्ट्रिय रूपमा समेत दिगो विकास लक्ष्यले खानेपानी तथा सरसफाइ सम्बन्धी स्पष्ट लक्ष्यहरू निर्धारण गरेको छ । यसबाट बाल मृत्युदर कम गर्न तथा सरदर आयु वृद्धि गर्न सहयोग पुगेको, नागरिकले समग्र स्वास्थ्य स्थितिमा सुधार भई उत्पादनशील समयमा वृद्धि भएको तथा सामाजिक रहनसहन र बालबालिकाको विद्यालय उपस्थिति दरमा अनुकूल सुधार गर्न योगदान पुगेको छ ।

यस गाउँपालिकामा कुवा, इनार, खोला, नदी, ढुङ्गेधाराबाट पानी प्रयोग भएको अवस्था छ । पाइपलाइन मार्फत निजी तथा सार्वजनिक धारा ५० प्रतिशत मात्र पहुँच पुगेको छ । खानेपानीको मुहान नभएको बस्ती रहेका छन् । खुला दिशा मुक्त गाउँपालिका घोषणा भएको, फोहोर मैला व्यवस्थापन सार्वजनिक स्थान तथा बजारमा सङ्कलन तथा व्यवस्थापन भएको, खानेपानी तथा फोहोर मैला व्यवस्थापनको दिगोपनको लागि सीमित कार्य भएको, गैर सरकारी संस्थासँग साझेदारी भएको अवस्था छ । यद्यपी फोहोर मैला व्यवस्थापन ढल निकास व्यवस्थापन राम्रो नभएको र खानेपानी संस्थान नभएको अवस्था छ ।

### ५.३.२ समस्या र चुनौती

#### समस्या

कुवा, इनार, ढुङ्गेधाराबाट खानेपानी असुरक्षित रूपमा उपयोग भइरहेको, खानेपानीको पाइपलाइन जडान गर्न पर्याप्त बजेट तथा स्रोत साधन नभएको, पानीका मुहान नभएको वस्तीहरूमा खानेपानी सेवा उपलब्ध नभएको, खुला दिशामुक्त कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिन कठिन भएको, सबै स्थानहरूमा फोहोर मैला व्यवस्थापन गर्न नसकिएको, सबै गैर सरकारी संस्थासँग समन्वय नभएको, आवश्यक स्थानमा ढल तथा फोहोर मैला व्यवस्थापनका लागि ल्यान्डफिल्ड साइट नभएको आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

#### चुनौती

"एक घर एक धारा र एक घर एक चर्पी" नीतिको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नु, स्वच्छ पानीको वितरण गर्नु, खानेपानीका मुहानहरूको संरक्षण गर्नु, खानेपानी प्रणालीको दीगो व्यवस्थापन गर्नु, सरसफाइको अभ्यास बढाउनु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ५.३.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

"एक घर एक धारा र एक घर एक चर्पी" नीतिको प्रभावकारी कार्यान्वयन भई सबै घरधुरीमा खानेपानीको पहुँच स्थापित हुन सकिने, खानेपानी सुविधा नपुगेका स्थानहरूमा खानेपानी योजना सञ्चालन गर्न सकिने, स्वच्छ पानीको वितरण हुने, खानेपानीका मुहानहरूको संरक्षण गर्न सकिने, खानेपानी प्रणालीको दीगो व्यवस्थापन हुने, सरसफाइको अभ्यास बढ्न सक्ने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

गाउँपालिकामा प्रशस्त पानीका मुहान र खोलानालाहरू हुनु, अधिकांश परिवारमा खानेपानीको पहुँच पुग्नु, खानेपानी सुविधा नपुगेका स्थानहरूमा खानेपानी योजना सञ्चालन गर्न प्रदेश सरकार र केन्द्र सरकारसँग समन्वय गर्न सकिने, खानेपानीमा विभिन्न सरकारी, निजी तथा गैससहरूको सहकार्य हुनु, स्वच्छ खानेपानी तथा सरसफाइको कारण जनस्वास्थ्य सुधारमा सहयोग पुग्ने, स्वच्छ, सफा, हराभरा गाउँपालिका स्थापित हुन सक्ने, पानीको स्रोतहरूको संरक्षण गरी प्राकृतिक स्रोतको सदुपयोग गर्न मद्दत पुग्ने, आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

।

### ५.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### लक्ष्य

सम्पूर्ण जनतालाई सफा र स्वच्छ खानेपानीको पहुँचमा पुर्याउने तथा स्वच्छ वातावरण निर्माण गरी स्वस्थ र सफा गाउँपालिका बनाउने ।

#### उद्देश्य

- स्वच्छ खानेपानी र सरसफाइद्वारा ङुङ्गेधरवासीको जीवनस्तरमा सुधार ल्याउनु ।
- सम्पूर्ण घरधुरीमा स्वच्छ खानेपानी पहुँच सहज बनाउनु ।
- गाउँपालिका क्षेत्रभित्र नियमित सरसफाइको व्यवस्था गर्नु ।

#### रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
एक घर एक धाराको अवधारणा अनुसार स्वच्छ खानेपानी उपलब्ध गराउने र पानीको गुणस्तर परिक्षणलाई व्यापक बनाउने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>• खानेपानी तथा सरसफाइ गुरु योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• खानेपानी र सरसफाइको क्षेत्रमा व्यापक स्रोत साधनको प्रयोग र परिचालन गरिनेछ ।</li> <li>• खानेपानीको आयोजनाहरूको व्यापक विकास तथा विस्तार गरिनेछ ।</li> <li>• पालिका स्तरिय WASH योजना बनाई कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• पूर्ण सरसफाई टोल, बडा र पालिका घोषणा गर्न सबैलाई समेटेर लगिनेछ ।</li> <li>• खानेपानीको नयाँ स्रोत वा मुहान खोजी गरी खानेपानी सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।</li> <li>• स्वच्छ खानेपानी वितरणका लागि मुहान सुधारका साथै पानी वितरण पूर्व प्रशोधन गरिनेछ ।</li> <li>• एक घर एक धाराको व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• खानेपानी प्रणालीको दिगो व्यवस्थापनको लागि प्रणालीगत रूपमा व्यवस्थापन समिति गठन गरी नियमित मर्मत सम्भारको लागि जिम्मेवार बनाइनेछ ।</li> <li>• खानेपानी तथा सरसफाइ सम्बन्धी काम गर्ने साझेदार संघ संस्था, विज्ञ परामर्शदाता र अन्तर सरकारसँग सहयोग लिइनेछ ।</li> </ul>
चर्पीको व्यवस्था तथा सरसफाइको अभ्यास बढाउने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सार्वजनिक शौचालयहरूलाई स्थानीय संघ संस्था तथा समुदायबाट सञ्चालन तथा व्यवस्थापन गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ ।</li> <li>• प्रमुख वस्ती र बजार केन्द्रहरूमा सार्वजनिक शौचालयको व्यवस्था गरी समुदायलाई सञ्चालनको जिम्मेवारी दिइनेछ ।</li> <li>• अति विपन्न परिवारलाई चर्पी बनाउन अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।</li> </ul>

	<ul style="list-style-type: none"><li>• पूर्ण सरसफाइ युक्त गाउँपालिका घोषणा गर्न सरसफाइ अभियान, चेतना अभिवृद्धि, फोहोर विसर्जन, बास्केट तथा कन्टेनर र व्यवस्थित कम्पोष्टिड आदिको व्यवस्था गरिनेछ ।</li><li>• प्रत्येक वडाहरूमा समूह बनाई सरसफाई सम्बन्धी जिम्मेवारी प्रदान गरिनेछ ।</li><li>• फोहोर मैलाको उचित व्यवस्थापन तथा वर्गिकरण गरिनेछ ।</li><li>• फोहोर व्यवस्थापनको लागि डम्पिङ साइट खोजी गरिनेछ ।</li><li>• फोहोरलाई उचित व्यवस्थापन गरी मोहरमा परिणत गरिनेछ ।</li><li>• जलवायु उत्थानशिल विकासमा जोड दिइनेछ ।</li><li>• स्थानीय जलवायु अनुकूलन (LAPA) योजना बनाई काम गरिनेछ ।</li></ul>
--	---

५.३.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : खानेपानी तथा सरसफाई								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	एक घर एक धाराको कार्यक्रम	१०००	२००	२००	२००	२००	२००	संघ
२	पूर्ण सरसफाई उन्मुख गाउँपालिका घोषणा कार्यक्रम	१००	२०	२०	२०	२०	२०	प्रदेश
३	सरसफाई सम्बन्धी बानी व्यवहार सुधार कार्यक्रम	२०	४	४	४	४	४	स्थानीय तह आफै
४	ढल निकास बजार सरसफाई	२००	४०	४०	४०	४०	४०	प्रदेश
५	मुहान संरक्षण तथा सम्वर्द्धन	२००	४०	४०	४०	४०	४०	प्रदेश
६	पानीको गुणस्तर परीक्षण गर्ने	२०	४	४	४	४	४	स्थानीय तह आफै
७	तालतलैया तथा नदी नियन्त्रण	२००	४०	४०	४०	४०	४०	प्रदेश
८	फोहर मैला व्यवस्थापन गर्ने	१००	२०	२०	२०	२०	२०	प्रदेश
९	खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धी क्षमता विकास तथा जनशक्तिको विस्तार	१००	२०	२०	२०	२०	२०	प्रदेश
१०	खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धी नीति नियम ऐन कार्यविधि निर्माण गर्ने	१०	२	२	२	२	२	स्थानीय तह आफै

११	मुहान दर्ता गर्ने कार्यक्रम सञ्चालन	२०	४	४	४	४	४	स्थानीय तह आफै
१२	सार्वजनिक शौचालयको निर्माण	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश/स्थानीय
जम्मा		२०२०	४०४	४०४	४०४	४०४	४०४	

५.३.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	सुरक्षित खानेपानीमा पहुँच भएको जनसंख्या	प्रतिशत	१०	२०	३०	४०	५०	७०	गापा	७	६
असर	निजी पाइपलाइन धारा जडान भएका घरधुरी	प्रतिशत	५०	६०	७०	८०	९०	९५	"	७	६
प्रतिफल	कुवा, मुल, ढुङ्गेधाराको पानी उपभोग गर्ने घरधुरी	प्रतिशत	५०	४०	३०	२०	१०	५	"	७	६
	नदी, खोला, कुलोको पानी उपभोग गर्ने घरधुरी	प्रतिशत	१	१	१	१	१	१	"	७	६
	खानेपानीका लागि नजिकको धारा, कुवा वा पानीको श्रोतमा पुग्न लाग्ने औषत समयावधि	घण्टा	०.३०	०.२५	०.२०	०.१५	०.१०	०.१०	"	७	६

सक्रिय खानेपानी र सरसफाइ उपभोक्ता समिति	संख्या	१३	२०	३०	४०	६०	९०	”	७	६
सरसफाइ सेवा उपलब्ध घरधुरी (निजी क्षेत्र तथा पालिकावाट सेवा सञ्चालन)	प्रतिशत	३००	४००	५००	१०००	१५००	२५००	”	७	६
खुल्ला दिसामुक्त घोषणा गरिएका वडा	संख्या	६	६	६	६	६	६	”	७	६
शौचालय नभएका तथा खुल्ला क्षेत्रमा शौच गर्ने घरधुरी	प्रतिशत	५०	३०	२०	१०	५	०	”	७	६
स्वच्छ (प्यान भएको) शौचालय भएका घरधुरी	प्रतिशत	१५००	२०००	२५००	२७००	२८००	३०००	”	७	६
खाल्डे शौचालय भएको घरधुरी	संख्या	१८००	१३००	८००	६००	५००	४००	”	७	६
सार्वजनिक शौचालयहरू	संख्या	३	४	५	६	७	८	”	७	६
फोहोरको वर्गीकरण गरी विसर्जन गर्ने परिवार	प्रतिशत	८००	१०००	१२००	१४००	१८००	२०००	”	७	६
घर,आँगन, शौचालय वाट निष्कृत फोहोर लाई व्यवस्थित गर्ने घरपरिवार	प्रतिशत	२००	४००	७००	१०००	१२००	१५००	”	७	६



### ५.३.७ अपेक्षित उपलब्धी

मुहान संरक्षण सरसफाई तथा सुरक्षित पानी उपयोग गरेको हुनेछ । खानेपानीको पाइपलाइन जडान गर्न बजेट तथा स्रोत साधनको व्यवस्थापन भएको हुनेछ । पानीका मुहान नभएको बस्तीहरूमा वैकल्पिक स्रोत प्रयोग गरी खानेपानी उपलब्ध भएको हुनेछ । सरसफाई सम्बन्धी सचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुनेछ । फोहोर मैला व्यवस्थापनका निमित्त स्रोत तथा साधन र बजेटको व्यवस्थापन भएको हुनेछ । रणनीति नीति कार्यविधि बनाई व्यापक रूपमा फोहोर व्यवस्थापन कार्यान्वयन भएको हुनेछ । खानेपानी तथा फोहोर महिला व्यवस्थापनका लागि गैरसरकारी संस्थासँग साझेदारी बढेको हुनेछ । स्वास्थ्य मापदण्ड सहितको एक घर एक धारा स्वच्छ पिउने पानीको कार्यक्रम भएको हुनेछ । पानीको मुहानको संरक्षण विशेष योजना तयार गरी स्वच्छ खानेपानी वितरण भएको हुनेछ । उत्पादित फोहोरलाई वर्गीकरण गरी डम्पिङ साइट निर्माण भएको हुनेछ । ढल निकासको दिगो व्यवस्थापन भएको हुनेछ । सबै घरमा व्यवस्थित चर्पी हुनेछ ।

### ५.३.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

सम्भाव्यता अध्ययनको आधारमा नयाँ खानेपानी आयोजना निर्माण भएको हुनेछ । प्रत्येक घरधुरीमा धाराको पानी वितरण भएको हुनेछ । आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिकहरूको व्यवस्था भएको हुनेछ । स्थानीय संघ संस्था र दातृनिकायहरूको नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्नेछ ।

### ५.४ महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

#### ५.४.१ पृष्ठभूमि

सबै लिङ्ग, वर्ग र समूहको सहभागिता र अपनत्व बोध सहितको समावेशीताले राज्य प्रणालीलाई सुदृढ गर्नुका साथै समृद्धिको आकांक्षा परिपूर्ति गर्न ठूलो मद्दत गर्दछ । संविधानले वर्गीय, जातीय, क्षेत्रीय, भाषिक, धार्मिक, लैङ्गिक विभेद र सबै प्रकारका जातीय छुवाछुतको अन्त्य गरी आर्थिक समानता, समृद्धि र सामाजिक न्याय सुनिश्चित गर्न समानुपातिक समावेशी र सहभागितामूलक सिद्धान्तका आधारमा समतामूलक समाजको निर्माण गर्ने सङ्कल्प गरेको छ ।

यस आवधिक योजनाले महिला, बालबालिका तथा लक्षित समूहलाई प्राथमिकताका साथ सम्बोधन गर्ने गरी कार्ययोजना प्रस्ताव गरेको छ । पिछडिएका समुदायलाई विकासको मूल प्रवाहमा ल्याउनु नै यस आवधिक योजनाले परिलक्षित गरेको छ । यस गाउँपालिकामा बाल उद्यान पार्क र ज्येष्ठ नागरिक चिन्तन चौतारीको सम्भावना रहेको छ । महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग सीपमूलक तालिम प्रदान गरिएको छ ।

यस गाउँपालिकामा लक्षित वर्गका लागि कार्यक्रम सञ्चालन हुने गरेको छ । अपाङ्गता परिचयपत्र वितरण कार्यविधि बनेको र कार्यविधि अनुसार वितरण भएको छ । जेष्ठ नागरिक परिचयपत्र वितरणको लागि कार्यविधि निर्माण गरी वितरण भएको, लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण नीति बनेको, लैङ्गिक हिंसामा परेका व्यक्तिलाई राहत वितरण भएको छ । महिला, बालबालिका, अपाङ्गता, जेष्ठ नागरिकलाई

सचेतनामूलक कार्यक्रम भएको साथै महिला सहकारी भवन निर्माण तथा सीपमूलक कार्यक्रम सञ्चालन भएको तर प्रभावकारी ढङ्गले हुन सकेको छैन । लक्षित समूहको समिति, सञ्जाल, क्लब गठन भएका छन् ।

#### ५.४.२ समस्या र चुनौती

##### समस्या

लक्षित वर्गका लागि कार्यक्रमहरू हुँदा पनि प्रतिफल नदेखिएको र वितरणमुखी मात्र भएको, क्षमता अनुसारको आयआर्जनमूलक कार्यक्रम गर्नमा समस्या रहेको, जेष्ठ नागरिक दिवा सेवा केन्द्र नभएको, सचेतनामूलक कार्यक्रमहरू पर्याप्त नभएको, लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरणको नीति कार्यान्वयनमा समस्या रहेको, व्यक्तिलाई राहत वितरण गर्न पर्याप्त मात्रामा बजेट उपलब्ध नभएको, टोल वस्तीहरूमा पर्याप्त मात्रामा सचेतनामूलक कार्यक्रम गर्नमा समस्या रहेको, सबै वडामा महिला सहकारीको व्यवस्थापन नभएको, लक्षित वर्गको सक्रिय सहभागितामा समस्या रहेको आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

##### चुनौती

स्थानीय तहमा समानता र सामाजिक समावेशीकरणको दृष्टिकोणलाई मूलप्रवाहिकरण गर्न ज्ञान, दक्षता र क्षमता भएका जनशक्तिको उचित व्यवस्थापन गर्नु, अन्तर निकाय र समन्वय र सहकार्यलाई प्रभावकारी बनाउनु, लक्षित वर्गको शिक्षा र स्वास्थ्य जस्ता क्षेत्रमा पहुँच स्थापित गर्नु, महिला तथा लक्षित वर्ग समुदायको क्षमता विकास गरी उत्पादनशील क्षेत्रमा परिचालन गर्नु, महिला तथा लक्षित वर्गको अर्थपूर्ण सहभागिता र निर्णयमा पहुँच स्थापित गर्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

#### ५.४.३ सम्भावना र अवसर

##### सम्भावना

महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्गहरू समेत गाउँपालिकाको प्राथमिकतामा रहँदै आएको, विकासमा लक्षित वर्ग र समुदायलाई परिचालित गर्ने सम्भावना रहेको, स्थानीय सरकारमा लक्षित वर्गको सम्मानजनक उपस्थित तथा उनीहरूको सहभागिता हुनु आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

##### अवसर

संविधानका मौलिक हकमा समावेशीकरणलाई प्राथमिकता अनुसार विभिन्न हक सुरक्षित हुनु, दलित तथा सीमान्तकृत समुदाय लक्षित विशेष कार्यक्रम सञ्चालनमा आउनु, गाउँपालिकाको निर्णय प्रक्रियामा महिला, दलित तथा अल्पसङ्ख्यकको प्रतिनिधित्वले गर्दा सम्बन्धित वर्ग र समुदायको मुद्दा समेटिँदै जानु, स्थानीय जनजाति समुदायको घरायसी निर्णय प्रक्रियामा महिलाको भूमिका प्रभावकारी हुनु, समावेशी र समानतामूलक समाज निर्माण गर्न सकिने, लक्षित वर्गको सामाजिक र आर्थिक उत्थान गर्न सकिने, विकास निर्माणमा महिला तथा लक्षित वर्गहरूको समावेशी सहभागिता सुनिश्चित गर्ने सकिने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

#### ५.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

##### लक्ष्य

लक्षित वर्गहरूलाई अधिकारको प्रत्याभूति हुने गरी गुणस्तरिय जीवन र अर्थपूर्ण सहभागिताको सुनिश्चित गर्ने

##### उद्देश्य

- जातिय तथा लैङ्गिक विभेदको अन्त्य गर्दै समतामूलक समाजको निर्माण गर्नु ।
- महिला, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक र अपाङ्गमैत्री वातावरण सृजना गर्नु ।
- लैङ्गिक मूलप्रवाहिकरण र सामाजिक समावेशिकरणका लागि आवश्यक पर्ने औजार, विधि तथा तरिकाको प्रयोगलाई सुनिश्चित गर्नु ।

##### रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
जातिय तथा लैङ्गिक विभेदको अन्त्य गर्दै समतामूलक समाजको निर्माण गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• महिला, दलित, जनजाति, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको सशक्तिकरण र सामाजिक समावेशिकरण नीति तर्जुमा गरिनेछ ।</li> <li>• तथ्याङ्क/सूचना/अभिलेखको थालनी गरिनेछ ।</li> <li>• महिला, बालबालिका र लक्षित वर्गको अधिकारसँग सम्बन्धी चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• समानता र सामाजिक समावेशिकरण सूचकहरू तयार गरि अनुगमन र मुल्याङ्कन प्रभावकारी बनाईनेछ ।</li> <li>• एकल महिला, बालबालिकालाई आर्यआजन तथा आत्मनिर्भर हुने तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• महिला समुह, आमा समुह, महिला सञ्जाल, बालकल्याण अधिकारी, बाल क्लव गठन, किशोरी समूह गठन, महिला सञ्जाल, महिला सहकारीको व्यवस्था तथा परिचालन गरिनेछ ।</li> <li>• महिला, बालबालिकामा आवश्यकता अनुसारको लगानी गरिनेछ ।</li> <li>• प्रत्येक वडाहरूमा साना उद्योग सञ्चालन गरी आयआर्जनमूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li> </ul>
महिलाहरूको सशक्तिकरण र समावेशिकरणमा जोड दिने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• लैङ्गिक मूल प्रवाहिकरण र सामाजिक समावेशिकरणका लागि आवश्यक कार्यविधि बनाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।</li> <li>• लैङ्गिक समता प्राप्तिको लागि महिला पुरुषको सक्रिय भूमिका रहने व्यवस्था गरिनेछ ।</li> </ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• एकल, विधवा तथा विपन्न महिलारहरूको जीवनस्तर उकास्न आयमूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• महिलाहरूको राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक सशक्तिकरणमा प्रभावकारी सहभागिता बढाउँदै लगिनेछ ।</li> <li>• लैङ्गिक हिंसा विरुद्धको सचेतनामुलक कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।</li> <li>• महिला हिंसा, यौन हिंसा/शोषण तथा ज्यादतिमा परेका महिलाहरूलाई संरक्षण दिई यस्ता घटना अन्त्यका लागि स्थानीय तह शसक्त रूपमा लगिनेछ ।</li> <li>• बैंक खाता छोरीको जीवन भरको सुरक्षा कार्यक्रम अन्तर्गत यस कार्यक्रमलाई थप प्रभावकारी बनाइ पूर्ण रूपमा कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>लक्षित वर्ग, र सिमान्तकृत समुदायको सशक्तिकरण र विकास गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• दलित, जनजाति, विपन्न र सिमान्तकृत समुदायको आर्थिक, सामाजिक र राजनीतिक सशक्तिकरणका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• सामाजिक विभेद, जातीय छुवाछुत अन्त्यका लागि गाउँपालिका, नागरिक समाज र सरोकारवाला निकायहरूसँग सहकार्य गरिनेछ ।</li> <li>• सिमान्तकृत समुह र अल्पसंख्यकहरूका लागि निर्णय तहमा पहुँच बढाउनको लागि ऐन कानून, जवाफदेहीता वित्तिय श्रोत परिचालन गरिनेछ ।</li> <li>• लक्षित वर्गको समान अवसर, समान पहुँच, समृद्धिको लागि सिपमुलक तालिम तथा क्षमता विकासका कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• लक्षित वर्गहरूको समुन्नतीको लागि कार्यक्रमहरू ल्याउँदा वितरणमुखी नभएर क्षमता विकासका कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको पहुँच विकासमा अपाङ्गता मैत्री संरचना निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• जनजाति, सिमान्तकृत समुह, अल्पसंख्यकहरूको निर्णय तहमा मुल प्रवाहिकरण गराउन वित्तिय स्रोत परिचालन गरिनेछ ।</li> <li>• ज्येष्ठ नागरिकहरूको सम्मान तथा संरक्षणका लागि संरक्षण केन्द्र तथा चिन्तन चौतारी निर्माण गरिनेछ ।</li> </ul>

<p>बालबालिका, किशोर किशोरीको श्रृजनशीलताको विकास गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धी कार्यक्रमसँग आवद्ध गरी मातृ स्वास्थ्य, गर्भ संरक्षण बाल तथा मातृ पोषण जस्ता बाल बचाउका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• वालमैत्री पालिका घोषणा गरी बालबालिका सम्बन्धी ऐन निर्माण तथा कार्यन्वयन गरिनेछ ।</li> </ul>
--	--

५.४.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : लक्षित वर्ग तथा सामाजिक समावेशीकरण								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफैं, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	लैङ्गिक हिंसा न्यूनीकरण सचेतना कार्यक्रम	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश/स्थानीय
२	महिलाहरूलाई प्रविधिमैत्री पहुँच कार्यक्रम	१००	२०	२०	२०	२०	२०	प्रदेश
३	जेष्ठ नागरिक दिवा सेवा केन्द्र	९०	१८	१८	१८	१८	१८	प्रदेश
४	महिलाहरूलाई क्षमता विकास कार्यक्रम	३०	६	६	६	६	६	स्थानीय तह आफैं
५	महिला, बालबालिका, जेष्ठ नागरिक, अपाङ्ग मैत्री भवन संरचना निर्माण	१००	२०	२०	२०	२०	२०	प्रदेश
६	बैंक खाता जीवनभरिको सुरक्षा कार्यक्रम	१५०	३०	३०	३०	३०	३०	प्रदेश
७	बालविवाह न्यूनीकरण आत्मसुरक्षा कार्यक्रम	१५	३	३	३	३	३	स्थानीय तह आफैं

८	अपाङ्गता परिचयपत्र तथा जेष्ठ नागरिक घुम्टी शिविर	१०	२	२	२	२	२	स्थानीय तह आफै
९	महिला सहकारी भवन निर्माण	३०	१५	१५				स्थानीय तह आफै
१०	योग तथा ध्यान केन्द्र सञ्चालन	१५	३	३	३	३	३	स्थानीय तह आफै
११	लक्षित वर्गलाई सहायता दिई उद्योग सञ्चालन (साबुन, टपरी)	३०	६	६	६	६	६	स्थानीय तह आफै
१२	किशोर किशोरी समूह गठन, क्षमता विकास	२०	४	४	४	४	४	स्थानीय तह आफै
१३	बाल क्लब गठन तथा कार्यक्रम	२०	४	४	४	४	४	स्थानीय तह आफै
१४	अन्तरपुस्ता सिप हस्तान्तरण	२५	५	५	५	५	५	स्थानीय तह आफै
१५	बाल उद्धार कोष तथा लैङ्गिक हिंसा उद्धार कोष	३०	६	६	६	६	६	स्थानीय तह आफै
<b>जम्मा</b>		<b>७१५</b>	<b>१५२</b>	<b>१५२</b>	<b>१३७</b>	<b>१३७</b>	<b>१३७</b>	

५.४.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	महिलाको औषत आयु	वर्ष	७५.५	८०	८०	८०	८०	८१	गापा	२	३
असर	लक्षित वर्गका लागि बजेट विनियोजन ( महिला वालवालिका, पिछडिएका, विपन्न वर्ग)	रू लाख	२२	२३	२४	२५	२६	२७	"	२	३
प्रतिफल	रोजगारी, पेशा, व्यवसायमा महिलाको उपस्थिति	संख्या	२५००	२६००	२७००	२८००	२९००	३०००	"	२	३
	राष्ट्रपति महिला उत्थान कार्यक्रमवाट लाभान्वित महिला	संख्या	०	१०	१५	२०	२५	३०	"	२	३
	स्थानीय संस्थावाट सञ्चालित ज्येष्ठ नागरिक हेरचाह केन्द्र, दिवा सेवा केन्द्र वा क्लववाट लाभान्वित ज्येष्ठ नागरिक	संख्या	०	०	१	०	०	१	"	२	३
	सामाजिक सुरक्षावाट लाभान्वित जनसंख्या	प्रतिशत							"	२	३



अन्य क्षेत्रहरूमा वसाइ सराई गर्ने घरपरिवार	संख्या	१८	१८	१५	१५	१२	१२	"	२	३
घरव्यवहार तथा कारोबार सम्बन्धी निर्णयमा महिला सहभागी हुने परिवार	प्रतिशत	३५००	३५५०	३६००	३६५०	३७००	३७५०	"	२	३
सम्पत्ति माथिको स्वामित्व भएका महिला	प्रतिशत	२५००	२५२५	२५५०	२५७५	२६००	२६५०	"	२	३
व्यवसायिक सीपमूलक तालिम प्राप्त महिला	संख्या	१५०	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	"	२	३
महिला उद्यमशीलता, क्षमता तथा सीप विकास कार्यक्रमका लागि बजेट व्यवस्था	रु. लाख	५	६	८	१०	१२	१५	"	२	३
कृषि, पशुपंक्षी, स्वास्थ्य, इन्जिनियरिङ लगायत क्षेत्रमा महिला प्राविधिक	संख्या	३०	३५	४०	४५	५०	५५	"	२	३
महिला सहकारी संस्था	संख्या	४	४	५	५	६	६	"	२	३
महिला सहकारी संस्थामा आवद्ध सदस्य	संख्या							"	२	३
महिला सञ्जाल तथा आमा समूहहरू	संख्या	१२	१३	१४	१५	१६	१७	"	२	३

अपाङ्गत भएकाहरुको क्षमता अभिवृद्धि, सीप विकास र रोजगारी एवं शिक्षा, स्वास्थ्यमा रकम विनियोजन	रु. लाख	१.२	१.५	१.५	१.५	२	२	"	२	३
निःशुल्क शिक्षावाट लाभान्वित अपाङ्गता भएका बालबालिकाहरु	संख्या	०	०	०	०	०	०	"	२	३
व्यवसायिक सीप तथा क्षमता विकास भएका अपाङ्गता	संख्या	६	६	६	६	६	६	"	२	३
सुरक्षित तथा सम्मानजनक जीवन यापन गर्ने ज्येष्ठ नागरिक	संख्या	१९५	२००	२२५	२५०	२७५	३००	"	२	३
असहाय, अशक्त, वेवारिसे ज्येष्ठ नागरिकको संख्या	संख्या	०	०	०	०	०	०	"	२	३
संचालनमा रहेको ज्येष्ठ नागरिक हेरचाह तथा दिवा सेवा केन्द्र	संख्या	०	०	१	१	१	१	"	२	३
संचालनमा रहेका ज्येष्ठ नागरिक क्लव	संख्या	६	६	७	७	७	८	"	२	३
परिचय पत्र प्राप्त ज्येष्ठ नागरिक	संख्या	२६१	सबै	सबै	सबै	सबै	सबै	"	२	३
लैङ्गिक हिंसा निवारण कोषमा जम्मा भएको रकम	रु. लाख	०	०	१	२	४	५	"	२	३

वहुविवाह दर	प्रतिशत	०	०	०	०	०	०	०	०	२	३
एकल महिला सुरक्षा कोषमा जम्मा भएको रकम	रु. लाख	२	२	२	२	२	२	२	२	२	३
हिसापीडित महिलाको मनोसामाजिक परामर्श, उद्धार, राहत र कानुनी उपचारका लागि पुनर्स्थापना केन्द्र	संख्या	०	१	१	१	१	१	१	१	२	३
बाल विवाह (कूल जनसंख्याको)	प्रतिशत	६०	५०	४०	२५	१०	०	०	०	२	३
बालबालिका विरुद्ध हुने हिंसा, दुर्व्यवहार, वेचबिखन, घरेलु हिंसा आदि घटना	संख्या	०	०	०	०	०	०	०	०	२	३
असहाय, बेसहारा तथा आश्रयहीन बालबालिका	संख्या	०	०	०	०	०	०	०	०	२	३
बाल प्रतिनिधित्व भएका सार्वजनिक संस्था तथा समिति	संख्या	२	५	५	७	९	१०	१०	१०	२	३
क्रियाशील बालक्वल, बालसञ्जालहरू	संख्या	६	७	८	१५	२५	२८	२८	२८	२	३
अन्तरपाटी महिला सञ्जाल	संख्या	०	१	२	३	४	५	५	५	२	३

### ५.४.७ अपेक्षित उपलब्धी

प्रत्येक वडाहरूमा साना उद्योग सञ्चालन गर्ने जस्तै साबुन, टपरी, सरफ, मुडा, आदि, उत्पादित सामानको बजारीकरणको व्यवस्थापन भएको हुनेछ । आयआर्जनमूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्नका लागि आवश्यक बजेट व्यवस्थापन भएको हुनेछ । चेतनामूलक कार्यक्रमहरू सञ्चालन भएको हुनेछ । जे.सी. नीति कार्यान्वयन गर्न रणनीति निर्माण भएको हुनेछ । जे.सी. अडिट अनिवार्य भएको हुनेछ । सबै सरोकारवालालाई जिम्मेवारी र जवाफदेही बनाई सरोकारवालसँग समन्वय भएको हुनेछ । महिला सहकारीको स्तर वृद्धि गर्न तालिम तथा अनुगमनमा जोड दिएको हुनेछ । महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग प्रभावकारी कार्यान्वय गरी तालिमको व्यवस्थापन भएको हुनेछ । समानता र सामाजिक समावेशीकरण सम्बन्धी नीति, रणनीति तथा योजना तथा कार्यक्रम तयार भई कार्यान्वयनमा आउने छ । सामाजिक विभेद र लैङ्गिक हिंसा अन्त्य सम्बन्धी कानून निर्माण भई कार्यान्वयनमा आउने छ । जोखिम अवस्थाका बालबालिका, अपाङ्गता तथा ज्येष्ठ नागरिकहरूको उचित संरक्षण हुनेछ । सामाजिक सुरक्षाका सेवाग्राहीहरूको एकीकृत अभिलेख स्थापित भएको हुनेछ । लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण नीति तर्जुमा भएको हुनेछ । वृद्धवृद्धाको ज्ञान, सीप र अनुभवलाई स्थानीय तहको विकासमा उपयोग भएको हुनेछ । बाल विवाह, बहु विवाह तथा लैङ्गिक विभेद सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुनेछ । महिला, दलित, जनजाति, विपन्न वर्ग र सिमान्तकृत समुदायको आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक सशक्तिकरण र सहभागितामा सीपमूलक तालिम तथा क्षमता वृद्धि कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुनेछ ।

### ५.४.८ अनुमानित तथा जोखिम पक्ष

गाउँपालिकाको लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण नीति तर्जुमा भएको हुनुपर्ने, गाउँपालिकाको सेवा प्रवाह समावेशी र लक्षित वर्ग मैत्री हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृ निकायहरूको महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्गलाई नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, गाउँपालिकाका सार्वजनिक स्थानहरूमा अपाङ्गमैत्री पूर्वाधार विकास भएको हुनुपर्ने, गाउँपालिकाले महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्गको लागि पर्याप्त बजेटको व्यवस्था गरेको हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकार बीच महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्गको लागि आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्नेछ ।

### ५.५ युवा तथा खेलकुद

#### ५.५.१ पृष्ठभूमि

राष्ट्रिय विकासमा युवा सहभागिता अभिवृद्धि गर्दै राजनीतिक, सामाजिक, साँस्कृतिक र आर्थिक अधिकारहरूको पूर्ण उपयोग गर्ने वातावरण तयार गरी युवाको सर्वाङ्गीण विकास, सशक्तिकरण र युवा उद्यमशीलताका लागि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी लगायतका क्षेत्रमा विशेष अवसर प्रदान गर्ने संवैधानिक व्यवस्था रहेको छ । उद्यमशील युवा मुलुकको विकासका संवाहक हुन् । खेलकुद शारीरिक तथा मानसिक विकासको महत्वपूर्ण माध्यम समेत हो । त्यसैले युवा तथा खेलकुदको विकास बिना गाउँपालिकामा विकास निर्माण र नविनतम कार्यहरू सम्भव हुँदैन ।

गाउँपालिकाभिन्न रहेका सबै वडाहरूमा युवा क्लबहरूको गठन गरिएको छ । यस्ता क्लबहरू खेलकुद तथा सामाजिक गतिविधिहरूमा संलग्न रहेका छन् । गाउँपालिकामा स्थानीय विद्यालयमा भएका खेल मैदान र गाउँपालिकामा रहेका खुल्ला चौरहरू नै खेलकुदका मुख्य पूर्वाधारहरू हुन् । यी खेलमैदानहरूको स्तरोन्नति गरी पूर्वाधार निर्माण गर्न जरुरी छ ।

### ५.५.२ समस्या र चुनौती

#### समस्या

युवा शक्तिलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा परिचालन गर्न नसक्नु, युवामा दक्षता र क्षमताको कमीका साथै उनीहरूलाई उद्यमशील, रोजगारीमूलक र स्वरोजगार बनाउन नसक्नु, युवाहरूको क्रमागत विदेश पलायन हुनु, खेलकुदको विकासका लागि पूर्वाधारको अभाव हुनु, क्लब तथा खेलकुदसँग सम्बन्धित संस्थाको आयस्रोतमा कमी हुनु, खेलकुद प्रशिक्षण तथा व्यावसायिक खेलकुदको कमी हुनु, राष्ट्रिय मापदण्ड अनुसारको खेलमैदान नहुनु, कराते, उसु, बास्केटबल लगायत इन्डोर खेलहरू नहुनु आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

#### चुनौती

युवा क्षमताको विकास गर्नु, युवा प्रतिभा पलायन रोक्नु, युवामा सकारात्मक सोचको निर्माण नहुनु, स्थानीय स्तरमा सिर्जना गर्न सकिने रोजगारीका सम्भावनाहरूमा युवाहरूको आकर्षण गराउनु, खेलकुद पूर्वाधारको निर्माण गर्नु, खेलकुद प्रतियोगिताहरू नियमित रूपमा आयोजना गर्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ५.५.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

खेलकुदको विकास गरी युवा क्षमताको विकास गर्न सकिने, स्थानीय स्तरमा खेलकुदको नियमित कार्यक्रम गरी स्थानीय खेल प्रतिभाहरूको पहिचान र विकास गर्न सकिने, युवा लक्षित आय आर्जन कार्यक्रम सञ्चालन गरी युवाहरूलाई रोजगारीमा आवद्ध गराउन सकिने, स्थानीय बेरोजगार युवाहरूलाई उद्यमशील रोजगारीको सुनिश्चितता गर्न सकिने, स्थानीय स्तरमा खेलकुदलाई विकास र विस्तार गर्न सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

खेलकुद एकेडेमीको निर्माण गरी स्थानीय स्तरमा नै राष्ट्रिय खेलाडी उत्पादन गर्न सकिने, खेलकुद पूर्वाधार विकास गर्न स्थानहरू उपलब्ध हुन सकिने, स्थानीय खेल प्रतिभाहरूको माध्यमबाट गाउँपालिकाको पहिचानमा थप योगदान हुने, स्थानीय युवायुवातीहरूलाई स्वस्थ र स्फूर्त गराउन सकिने, दक्ष तथा तालिम प्राप्त युवाहरूलाई गाउँपालिकाले परिचालित गर्न सकिने, युवा विकासका लागि संवैधानिक व्यवस्था हुनु, रोजगार र स्वरोजगारका अवसर अभिवृद्धिका लागि सरकारको उच्च प्राथमिकता रहनु, युवा संलग्न स्थानीय संरचना/संयन्त्र रहनु, खेलकुद क्षेत्रको एकीकृत विकास रणनीतिक योजना निर्माण गर्ने गाउँपालिकाको नीति तथा कार्यक्रम रहेको, पालिका स्तरीय खेलकुद विकास समिति गठन गरी खेलकुद गतिविधि अगाडी बढाउन सकिने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

५.५.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

लक्ष्य

युवा केन्द्रित शिप विकास रोजगारमुलक र युवा परिचालन गर्नुका साथै खेलाडीहरूलाई प्रोत्साहन गर्ने ।

उद्देश्य

- युवा शक्तिलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा परिचालन गर्नु ।
- स्वास्थ्य युवा एवं दरिलो जनशक्ती निर्माण गर्नु ।

रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
युवाहरूको क्षमता विकास गरी रोजगारीको अभिवृद्धि गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• स्थानीय बेरोजगार युवाहरूलाई उद्यमशील रोजगारीको लागि युवा उद्यमी कार्यक्रम सञ्चालन गर्न युवा उद्यमी कोष स्थापना गरिनेछ ।</li> <li>• विकास निर्माण कार्यहरूमा युवाहरूको सहभागिता सुनिश्चितता गरिनेछ ।</li> <li>• युवाहरूको क्षमता प्रतिभाको सम्मान र युवा उद्यम कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।</li> <li>• युवाहरूलाई उद्यम व्यवसायका लागि सहूलियतपूर्ण कर्जा उपलब्ध गराउन वित्तीय संस्थाहरूसँग सहजिकरण गरिनेछ ।</li> <li>• युवाहरूलाई दुर्व्यवसनीबाट रोकी उत्पादनशील कार्यमा संलग्न गराउन प्रोत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• सामाजिक विकासका कामहरूमा युवाहरूको सहभागिता गराइनेछ ।</li> <li>• प्रत्येक वडामा युवा क्लब गठन गरी उनीहरूलाई सामाजिक परिवर्तन र विकाससँग जोडिनेछ ।</li> <li>• एक स्थानीय तह एक नमुना युवा उद्यम कार्यक्रम संचालनमा ल्याइनेछ ।</li> <li>• युवाहरूको क्षमता र आवश्यकता पहिचान गरि व्यावसायिक तालिमहरू संचालन गरिनेछ ।</li> </ul>
खेलाडीहरूको पहिचान तथा समता विकास र खेलकुद पूर्वाधारको विकास गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पालिका स्वरिय युवा निति तथा खेलकुद विकास सम्बन्धि योजना तयार गरिनेछ ।</li> <li>• पालिका स्तरिय खेला मैदान तथा रंगशाला निमाण गरिनेछ ।</li> <li>• पालिका भित्रका खेलाडीहरूलाई आवश्यक तालिम प्रशिक्षण संचालन गरिनेछ ।</li> <li>• खेलकुद सम्बन्धी कार्यक्रम ६/६ महिनामा संचालन गरिनेछ ।</li> <li>• भौगोलिक बनावट अनुसार प्रत्येक वडामा खेलमैदान जग्गाको खोजी खेल मैदान निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• राष्ट्रिय मापदण्ड बमोजिम फुटबल एवं इन्डोर खेलमैदान खोजी खेल मैदान निर्माण गरिनेछ ।</li> </ul>

	<ul style="list-style-type: none"><li>• विद्यालय स्तर देखि नै खेलकुद विकासका लागि हरेक विद्यालयमा खेल मैदानको व्यवस्था गर्न सहयोग गरिनेछ ।</li><li>• अन्तर विद्यालय खेलकुद प्रतियोगिता आयोजना गरिनेछ ।</li><li>• वडा स्तरिय, पालिका स्तरिय तथा जिल्ला स्तरियमा खेलकुद प्रतियोगिताहरु सञ्चालन गरिनेछ ।</li></ul>
--	---

५.५.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : युवा तथा खेलकुद								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	पालिका तथा वडास्तरीय युवा क्लब गठन	१०	२	२	२	२	२	स्थानीय तह आफै
२	युवा नीति निर्माण	५	१	१	१	१	१	स्थानीय तह आफै
३	प्रतिभा पहिचान तथा सम्मान	५	१	१	१	१	१	स्थानीय तह आफै
४	युवा उद्यम कार्यक्रम	१००	२०	२०	२०	२०	२०	प्रदेश
५	पालिका स्तरीय खेलकुद मैदान निर्माण	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश
६	खेलाडी प्रशिक्षण कार्यक्रम	१५	३	३	३	३	३	स्थानीय तह आफै
७	खेलकुद सामग्री व्यवस्थापन	१५	३	३	३	३	३	स्थानीय तह आफै
८	खेलकुद कार्यक्रम सञ्चालन	६०	१२	१२	१२	१२	१२	स्थानीय तह आफै
<b>जम्मा</b>		<b>२६०</b>	<b>५२</b>	<b>५२</b>	<b>५२</b>	<b>५२</b>	<b>५२</b>	



५.५.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	शिक्षित युवा बेरोजगारी (एइइ वा सो भन्दा माथिको शिक्षा आर्जन)	संख्या							गापा	२	३
असर	व्यवसायिक सीप विकास तालिम तथा प्राविधिक शिक्षा हासिल गरेको युवा	संख्या							"	२	३
प्रतिफल	व्यवसायिक सीप विकास तालिम लिए पछि स्व/रोजगारी मा आवद्धता (तालिम प्राप्त गर्ने कूल संख्याका)	संख्या							"	२	३
	प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत युवा रोजगार सेवा केन्द्रवाट लाभान्वित युवा	संख्या	२०५९	२१००	२१२५	२१५०	२१७५	२२००	"	२	३
	युवा स्वरोजगार कोष अन्तर्गतको कर्जावाट लाभान्वित युवा	संख्या	०	०	१०	२०	३०	५०	"	२	३

	स्थानीय तहको संरचनामा युवाहरुको संलग्नता	प्रतिशत	७५	८०	८०	८५	९०	९५	"	२	३
	क्रियाशील युवा क्लवहरु	संख्या	२	३	४	५	६	६	"	२	३
	व्यवसायिक युवा खेलाडी	संख्या	१	२	५	८	१०	१५	"	२	३
	खेल अभ्यास प्रशिक्षण केन्द्र (कवर्डहल)	संख्या	०	१	१	१	२	२	"	२	३
	खेलकुद मैदानहरु	संख्या	३	३	३	४	४	५	"	२	३
	पालिका स्तरीय खेलकुद प्रतियोगिता	संख्या	१	१	१	१	१	१	"	२	३
	राष्ट्रिय अन्तर्राष्ट्रिय खेलमा प्रतिनिधित्व गर्ने खेलाडीहरु	संख्या	१	२	३	४	५	६	"	२	३

### ५.५.७ अपेक्षित उपलब्धी

पायक पर्ने स्थानमा राष्ट्रिय मापदण्ड अनुसार खेलमैदान निर्माण थालनी भएको हुनेछ । प्रत्येक वडामा खेलमैदान निर्माण वा स्तरोन्नति भएको हुनेछ । युवाहरूलाई कृषि, पशुपालन तथा घरेलु उद्योगतर्फ आकर्षित गर्न आवश्यक नीति निर्माण गरी अनुदान समेत प्रदान गरिएको हुनेछ । राष्ट्रिय तथा अन्तराष्ट्रिय स्तरको खेलकुदमा पदक जित्ने स्थानीय खेलाडीहरूको उचित सम्मान तथा प्रोत्साहनको व्यवस्था भएको हुनेछ । प्रत्येक वडामा खेलकुद प्रशिक्षण भएको हुनेछ । खेलकुद क्षेत्रको एकीकृत विकास रणनीतिक योजना निर्माण गरी कार्यान्वयन भएको हुनेछ । सबै माध्यमिक विद्यालयमा खेलकुद शिक्षक र खेलकुदका सामग्रीहरूको व्यवस्था भएको हुनेछ । वार्षिक रूपमा अन्तर विद्यालय खेलकुद प्रतियोगिताहरू आयोजना भएको हुनेछ । युवाहरूले उच्चमशिलता तालिम प्राप्त गरेका हुने छन् ।

### ५.५.८ अनुमानित तथा जोखिम पक्ष

गाउँपालिकाको युवा तथा खेलकुद सम्बन्धी नीति तर्जुमा भएको हुनुपर्ने, आवश्यक खेल पूर्वाधारहरू निर्माण भएको हुनुपर्ने, गाउँपालिकाले युवा तथा खेलकुदको विकासमा नियमित बजेट विनियोजन गरेको हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृ निकायहरूको युवा तथा खेलकुदको विकासमा नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकारबिच युवा तथा खेलकुद विकासमा आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्नेछ ।

### ५.६ भाषा, कला, साहित्य, संस्कृति तथा सम्पदा संरक्षण

#### ५.६.१ पृष्ठभूमि

कला, भाषा, धर्म, संस्कृति, ऐतिहासिक सम्पदा नेपालको मौलिक राष्ट्रिय पहिचान हुन् । संविधानमा नेपाललाई बहुजातीय, बहुभाषिक, बहुधार्मिक र बहुसांस्कृतिक विशेषतायुक्त राष्ट्रका रूपमा परिभाषित गरेको छ । नेपालमा बोलिने सबै मातृभाषालाई राष्ट्र भाषाको रूपमा अबलम्बन गर्दै आफ्नो भाषा, लिपि, संस्कृति, सांस्कृतिक सभ्यता र सम्पदाको सम्बर्धन र संरक्षण गर्ने हक प्रदान गरेको छ । यसैगरी ऐतिहासिक, पुरातात्विक तथा सांस्कृतिक सम्पदाको संरक्षण, सम्बर्धन र विकासका लागि अध्ययन अनुसन्धान, उत्खनन तथा प्रचारप्रसार गर्ने, राष्ट्रिय सम्पदा, कला, साहित्य र सङ्गितको विकासमा जोड दिने नीति अवलम्बन गरेको छ । यस गाउँपालिकामा भाषा, कलाको पहिचान भएको, चाडपर्व मेलाहरू आयोजना हुने गरेको, कला, साहित्य तथा संस्कृति सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन हुने गरेको छ ।

#### ५.६.२ समस्या र चुनौती

##### समस्या

कला, भाषा सम्बन्धी विद्यालय स्तरमा अध्ययन अध्यापन हुन नसकेको तथा पत्रिकामा प्रकाशन नभएको, संस्कृति संग्रहालय नभएको र बजेट तथा कार्यविधि निर्माण नभएको, कला, भाषा, साहित्य, संस्कृति सम्बन्धी अभिलेख नभएको प्रदर्शनी गर्न मेलाको आयोजना नभएको, लोपोन्मुख संस्कृतिको उत्थानमुलक कार्य नभएको, अव्यवस्थित समाधिस्थलहरू रहेको, साहित्य, सम्पदा, कला, भाषा र संस्कृति संरक्षणको प्रयास खासै नहुनु र लोप भएर जान सक्ने, खोज तथा अनुसन्धान नहुनु, मौलिक संस्कृतिलाई जगेर्ना गर्दै पुस्तान्तरण गर्न नसक्नु,

राष्ट्रिय पहिचान र गौरवका रूपमा भाषा, संस्कृति, सम्पदा तथा साहित्यको विकास गर्न नसक्नु, स्वरोजगार, आयआर्जन र स्थानीय विकासको स्रोतको रूपमा यसलाई प्रयोग गर्न नसक्नु, आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

### चुनौती

विभिन्न मातृभाषा र लिपिको अभाव तथा मानकीकरण गर्नु, लोपोन्मुख भाषा, कला साहित्य, संस्कृतिको तथा सम्पदा संरक्षण गर्नु; वैदेशिक एवं आयातित संस्कृति, भेषभुषा प्रति युवाहरूको बढ्दो आकर्षणलाई निरुत्साहित गर्नु, स्थानीय भाषा, संस्कृति, चाडपर्वहरू लोपोन्मुख र पुस्ता हस्तान्तरण गर्नु, भाषा, कला साहित्य, संस्कृति तथा सम्पदा र आर्थिक सामाजिक विकासको अन्तरसम्बन्ध स्थापित गरी विकास निर्देशित गर्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ५.६.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

सांस्कृतिक बाजाहरू प्रचलनमा रहेको, विविध समुदायहरूको मानवशास्त्रीय अध्ययनका लागि शैक्षिक पर्यटनको गन्तव्यस्थल बनाउन सकिने, विविध सांस्कृतिक सम्पदाहरू रहेकोले सांस्कृतिक सङ्ग्रहालय तथा सांस्कृतिक केन्द्रहरूको रूपमा विकास गर्ने पहल भएको, गाउँपालिकालाई मौलिक संस्कृति र सभ्यताको केन्द्रको रूपमा विकास गरी सांस्कृतिक पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न सकिने, गाउँपालिका क्षेत्रका सर्जक तथा कलाकारको उत्थान र वृत्ति विकास गर्न सकिने, गाउँपालिका क्षेत्रमा रहेका विभिन्न धार्मिक तथा सांस्कृतिक स्थलहरूको विकास गर्न सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

भाषा, कला, साहित्य, संस्कृति तथा सम्पदाको संरक्षण र प्रवर्द्धनका लागि संवैधानिक निर्देशन रहनु, अद्वितीय मौलिक संस्कृतिको प्राचुर्यता रहनु, भाषा, कला एवम् संस्कृतिको पर्यटन लगायतका क्षेत्रसँग आबद्धता गरी आय र रोजगारी वृद्धिको सम्भावना रहनु, पर्याप्त सांस्कृतिक विविधता तथा कला र सम्पदाको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्दै सांस्कृतिक पहिचान कायम राख्नु, गाउँपालिकाको सबै वडामा भाषा, कला, साहित्य, संस्कृति तथा सम्पदाको संरक्षण र प्रवर्द्धनको प्रचार प्रसार गरी विस्तार गर्नु, आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

### ५.६.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### लक्ष्य

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा भएका कलात्मक एवम् सांस्कृतिक पक्षहरूको संरक्षण र संवर्द्धन गरि आर्थिक विकास गर्ने ।

#### उद्देश्य

- पालिका भित्रका भाषा, संस्कृति, कला र साहित्यको संरक्षण एवम् संवर्द्धन गर्नु ।
- बहुभाषिक, बहुसंस्कृतिक, बहुजातीय बसोवासी भएकाले सम्पूर्ण क्षेत्रलाई संरक्षण एवम् प्रवर्द्धन गर्नु

रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
भाषा, लिपि, संस्कृति, कला तथा धार्मिक सम्पदाको संरक्षण र संवर्द्धन गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• भाषा, कला, साहित्य र संस्कृतिको विकास र संरक्षण सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड बनाइनेछ ।</li> <li>• धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक सम्पदाको दिगो विकास एवम् व्यवस्थापनका लागि गुरुयोजना तयार गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीय भाषा, साहित्य एवम् सम्पदा संरक्षण र संवर्द्धनका लागि संघीय र प्रादेशिक तथा संघ संस्थासँग समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।</li> <li>• परम्परागत संस्कृति संरक्षणका लागि जनसमुदायलाई परिचालन गरिनेछ ।</li> <li>• कला, संस्कृति संरक्षणका लागि संग्राहलय निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• सबै जात जातिको सांस्कृतिक पहिचान झल्काउने मुख्य पूजाआजा, धर्म, धार्मिक शक्तिपीठ, धाम तथा मठमन्दिरको संरक्षण, संवर्द्धन गर्दै धार्मिक पर्यटन स्थलको रूपमा विकास गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीय सम्पदा, संस्कृतिलाई विद्यालयको पाठ्यक्रममा समावेश गरी पठनपाठनको व्यवस्था मिलाइनेछ ।</li> <li>• गाउँपालिका भित्र रहेका कला, भाषा, साहित्य र संस्कृतिको पहिचान गरिनेछ ।</li> <li>• गाउँपालिका भित्र रहेका कला, भाषा, साहित्य र संस्कृतिको प्रचारप्रसार र संरक्षण गरिनेछ ।</li> <li>• सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक सम्पदाहरूको मर्मत सम्भार र जिर्णोद्धार गरिनेछ ।</li> </ul>

५.६.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : कला, भाषा, साहित्य संस्कृति								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	भाषा, कला, संस्कृति र साहित्य सम्बन्धी नीति तथा कार्य योजना तयार गर्ने	१०	२	२	२	२	२	स्थानीय तह आफै
२	स्थानीय कला, भाषा, संस्कृति र साहित्य पहिचान	१०	२	२	२	२	२	स्थानीय तह आफै
३	स्थानीय कला, भाषा, संस्कृति र साहित्य प्रचारप्रसार कार्यक्रम	५	१	१	१	१	१	स्थानीय तह आफै
४	स्थानीय कला, भाषा, संस्कृति र साहित्य संरक्षण र जीर्णोद्धार गर्ने	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश/स्थानीय
५	मेला, पर्व, जात्रा, देउडा जस्ता कार्यक्रमको संरक्षण गर्ने	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश/स्थानीय
६	स्थानीय कला, भाषा, संस्कृति र साहित्य सम्बन्धी तालिम कार्यक्रम	२०	४	४	४	४	४	स्थानीय तह आफै
<b>जम्मा</b>		<b>१४५</b>	<b>२९</b>	<b>२९</b>	<b>२९</b>	<b>२९</b>	<b>२९</b>	

५.६.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	बिबिल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	स्थानीय कला, भाषा र साहित्यलाई पेशाको रूपमा ग्रहण गर्ने	संख्या	०	५	१०	१५	२०	२५	गापा	२	११
असर	कला, संस्कृति, भाषा र साहित्यमा जिल्ला, प्रदेश र राष्ट्रको प्रतिनिधित्व गर्ने स्रष्टा	संख्या	५	१०	२०	३०	४०	५०	"	२	११
प्रतिफल	संरक्षित कला, संस्कृति र सम्पदाका प्रकार	संख्या							"	२	११
	संरक्षण गर्नुपर्ने स्थानीय संस्कृति तथा चाँडपर्व	संख्या							"	२	११
	स्थानीय लोपोन्मुख भाषाहरु	संख्या	२	२	२	२	२	२	"	२	११
	वोलीचालीका स्थानीय भाषाहरु	संख्या	२	२	२	२	२	२	"	२	११

स्थानीय संस्कृति, कला, सम्पदा र साहित्य सम्बन्धी भएका अध्ययन तथा अनुसन्धानहरु	संख्या	०	२	३	४	५	५	”	२	११
स्थानीय भाषा, कला, संस्कृति, सम्पदा, साहित्यमा आधारित नियमित प्रकाशन	संख्या	०	१	१	१	१	१	”	२	११
स्थानीय भाषा, कला, संस्कृति इलिकने सामुदायिक सांस्कृतिक केन्द्र (संग्रहालय)	संख्या	१	१	१	१	१	१	”	२	११



#### ५.६.७ अपेक्षित उपलब्धी

पर्याप्त मात्रामा बजेट व्यवस्थापन भई भाषा संरक्षण तथा कला, संस्कृति संरक्षण भएको हुनेछ । कला, भाषा, संस्कृति र साहित्य सम्बन्धी कार्यविधि तयार भएको हुनेछ । कला, भाषा, साहित्य, संस्कृति सम्बन्धी अभिलेख व्यवस्थित भएको हुनेछ । संस्कृति सम्बन्धी प्रतियोगितात्मक कार्यक्रमहरू सञ्चालन, चाडपर्व अनुसार सञ्चालन तथा वार्षिक रूपमा मेला आयोजना भएको हुनेछ । सम्भावित मातृभाषामा कक्षा सञ्चालनको सम्भाव्यता अध्ययन भएको हुने, संग्रहालय निर्माण गरी भाषा, संस्कृति र संस्कारहरूको उत्थान भएको हुने, लोपोन्मुख भाषा संस्कृतिको संरक्षण भएको हुने, पुरातात्विक सम्पदाको संरक्षण भएको हुने, धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक सम्पदाको दिगो विकास एवम् व्यवस्थापनका लागि गुरुयोजना तयार भएको हुने, मूर्त तथा अमूर्त सांस्कृतिक सम्पदाको संवर्द्धन भएको हुनेछ ।

#### ५.६.८ अनुमानित तथा जोखिम पक्ष

गाउँपालिकाको युवा तथा खेलकुद सम्बन्धी नीति तर्जुमा भएको हुनुपर्ने, आवश्यक खेल पूर्वाधारहरू निर्माण भएको हुनुपर्ने, गाउँपालिकाले युवा तथा खेलकुदको विकासमा नियमित बजेट विनियोजन गरेको हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृ निकायहरूको युवा तथा खेलकुदको विकासमा नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकारबिच युवा तथा खेलकुद विकासमा आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्नेछ ।

## परिच्छेद ६ : पूर्वाधार क्षेत्र

६.१ वस्ती, आवास भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

६.१.१ पृष्ठभूमि

आवास मानव जीवनको आधारभूत आवश्यकता हो । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनले प्राप्त तथा प्रदेश कानूनको अधीनमा रहि सुरक्षित वस्ती विकास र भवन निर्माण सम्बन्धी नीति, योजना तथा कार्यक्रम तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन, नियमन र मूल्याङ्कन गर्ने तथा सरकारी भवन, विद्यालय, सामुदायिक भवन, सभागृह र अन्य सार्वजनिक भवन तथा संरचनाको निर्माण, मर्मत सम्भार, सञ्चालन र व्यवस्थापनको जिम्मा स्थानीय सरकारलाई दिएको छ ।

बजार क्षेत्रहरूमा केही निर्माण संरचनाहरू पक्की भएता पनि अधिकांश क्षेत्रमा कच्ची संरचना नै रहेको छ । तीव्र शहरीकरण नहुँदा अब निर्माण गरिने सार्वजनिक निर्माण तथा शहरीकरणलाई व्यवस्थित गर्न सहज भने हुने देखिन्छ । भवनहरू पनि अधिकांश परम्परागत माटोले जोडिएका भवनहरू छन् । गाउँपालिका क्षेत्रमा शहरी सेवा सुविधाहरूको वितरणको अवस्था विश्लेषण गर्दा हालको शहरी पूर्वाधार अपर्याप्त रहेको देखिन्छ । नयाँ सडकको निर्माण बढेको भएता पनि धेरै जसो सडकको अवस्था सुदृढीकरण गर्नुपर्ने देखिन्छ । खानेपानी, विद्युत तथा सञ्चारको अवस्था सन्तोषजनक रहेको छ । अन्य पूर्वाधार जस्तै ढल निर्माण, बसपार्क तथा हाट बजार व्यवस्थापन, फोहोर व्यवस्थापनका साथै गाउँपालिकाको संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्ने तर्फ पनि तत्काल ध्यान केन्द्रित हुन आवश्यक छ ।

६.१.२ समस्या र चुनौती

समस्या

हाल कुनै वडाहरूमा कार्यक्रम सञ्चालनको लागि सभा हल नभएको (वडा नम्बर १, २ र ६), योजनावद्ध वस्ती विकास गर्न नसकिएको, भवन संहिता पूर्ण रूपले लागु हुन नसकेको, ग्रामीणयुक्त छरिएर रहेको वस्ती भएकोले पूर्वाधार सेवा विस्तार गर्न कठिन हुनु, भौगोलिक बनावटको कारण सडक सञ्चालनको कमी, जनशक्ति, उपकरण र उपयुक्त स्वास्थ्य केन्द्र नभएकोले उपचारमा कठिनाइ हुनु, पालिका स्तरीय खेलकुद निर्माणमा कठिनाइ फलस्वरूप खेल क्षेत्र विकासमा कठिनाइ हुनु, वडा स्तरीय खेलमैदान नभएको, बाल उद्यान, वृद्धश्रम, अपाङ्गमैत्री सार्वजनिक पुस्तकालय जस्ता भौतिक संरचना नहुनु, कतिपय विद्यालय भवन पुरानो र जीर्ण भएको, खाद्यपदार्थ संरक्षण गर्ने चिस्यान केन्द्र नभएको, जडिवुटी, घरेलु उद्योग स्थापना नभएको आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

चुनौती

योजना तथा निर्माण मापदण्ड कार्यान्वयन गरी सुरक्षित वस्ती विकास गर्नु, जोखिमयुक्त वस्तीहरू सुरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण गर्नु, नयाँ घरहरू निर्माण गर्दा मौलिकता लोप हुँदै गएको, व्यवस्थित आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माणमा जग्गा प्राप्त गर्न, छरिएर रहेका वस्तीहरूमा सेवा सुविधा विस्तार गर्न आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ६.१.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

व्यवस्थित वस्ती विकास गरी शहरीकरणलाई व्यवस्थित गर्न सकिने, तीव्र शहरीकरण भई नसकेको हुँदा पूर्वाधार विकासलाई सहज हुने, सुरक्षित स्थानहरू पहिचान गरी सुरक्षित वस्ती तथा आवास निर्माण गर्न सकिने, भवन संहिता र निर्माण मापदण्डको पूर्ण कार्यान्वयन गर्ने सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

आवास तथा सार्वजनिक निर्माणमा स्थानीय सामाग्रीहरू प्रयोग गर्न सकिने, भूकम्प प्रतिरोधी घर निर्माण गर्न सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरी व्यवस्थित र भूकम्प प्रतिरोधात्मक भवन निर्माण र वस्ती विकास गर्न सकिने, असुरक्षित र जोखिमयुक्त वस्तीहरूलाई स्थानान्तरण गरी एकीकृत वस्ती विकास गर्न सकिने, स्थानीय निर्माण व्यवसायी तथा कामदारहरूलाई दक्ष कालिगढको तालिम सञ्चालन गरी क्षमता अभिवृद्धि गर्ने, भवन तथा संरचनाहरूको अभिलेखिकरण र नक्सा पास गरी आन्तरीक आय वृद्धि गर्न सकिने, नयाँ घरहरू निर्माण गर्दा स्थानीय मौलिकता कायम राख्न सकिने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

### ६.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### लक्ष्य

सुरक्षित आवास तथा वस्ती विकास गरी बसोवासलाई सहज बनाउने ।

#### उद्देश्य

- सबै वर्ग, क्षेत्र र तहका मानिसहरूको आवासमा पहुँच सुनिश्चित गर्नु ।
- गुणस्तरीय, व्यवस्थित, सुरक्षित र किफायती आवास तथा भवन निर्माण गर्नु ।

#### रणनीति तथा कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
आवास, वस्ती विकास र भवन सम्बन्धी आवश्यक नीतिगत व्यवस्था गर्ने	<ul style="list-style-type: none"><li>• आवास, वस्ती विकासका निमित्त आवश्यक ऐन नियमावली र कार्यविधि निर्माण गरिनेछ ।</li><li>• जोखिमयुक्त वस्तीहरूको पहिचान तथा नक्साङ्कन गरिनेछ ।</li><li>• पालिका क्षेत्र निर्माण हुने सम्पूर्ण घरहरूको निर्माण कार्यलाई भूकम्प प्रतिरोधी बनाई नक्सा पास कार्यलाई अनिवार्य बनाइनेछ ।</li><li>• भूकम्प प्रतिरोधी घर निर्माणका लागि सचेतना कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।</li><li>• भू-उपयोग नीति अनुसार प्रदेश सरकार र नीजि क्षेत्र समेतको सहकार्यमा आवास तथा वस्ती विकास सम्बन्धी कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।</li></ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• भवन निर्माण कार्यलाई व्यवस्थित गर्न सडकको मापदण्ड पूर्ण रूपले लागू गरिनेछ ।</li> <li>• न्यून आय हुने वर्गका लागि सुलभ आवासको व्यवस्था गर्न नीजि क्षेत्रसँग सहकार्य गरिनेछ ।</li> </ul>
सुरक्षित आवास तथा भवनहरू निर्माण गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• एकीकृत सार्वजनिक संस्था तथा वस्तीको अवधारणा सुरुवात गरिनेछ ।</li> <li>• निर्माण भएका ऐन, नियमावली बमोजिम आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• आयोजना स्थानीय तहबाट र ठूलो बजेट चाहिने आयोजना संघ र प्रदेशबाट कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• वडा स्तरमा बहुउद्देश्य सभा हल तथा कवर्ड हल निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• एक वडा एक जिल्ला स्तरीय रङ्गशाला निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• एक वडा एक कृषि सङ्कलन तथा बिक्री वितरण केन्द्र निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• सामुदायिक भवनहरू निर्माणमा जोड दिइनेछ ।</li> <li>• सरकारी तथा सार्वजनिक भवनहरू बाल, महिला तथा अपाङ्गमैत्री बनाइनेछ ।</li> <li>• सुरक्षित र व्यवस्थित वस्ती विकासको लागि योग्य र अयोग्य भूमिको पहिचान गरिनेछ ।</li> <li>• जोखिममा रहेको वस्तीहरूको सुरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण गरिनेछ ।</li> <li>• सार्वजनिक जग्गा र नदि किनार लगायतका क्षेत्र अतिक्रमण गरी गरिने वस्ती विकास लगायतका कार्यक्रमहरूलाई निरुत्साहित गरिनेछ ।</li> </ul>

६.१.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : आवास, वस्ती विकास तथा सार्वजनिक निर्माण								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	डुङ्गेश्वर भित्र भूमिहीन समुदायलाई सङ्कलन गरी एकीकृत बस्ती निर्माण	५००	१००	१००	१००	१००	१००	संघ
२	हरेक वडामा सार्वजनिक सभा हल निर्माण	२५०	५०	५०	५०	५०	५०	संघ/प्रदेश
३	एक वडा एक रङ्गशाला निर्माण	५०००	१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	संघ
जम्मा		५७५०	११५०	११५०	११५०	११५०	११५०	

६.१.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	एकीकृत भौतिक सेवा सुविधा उपलब्ध वजार क्षेत्र	संख्या	५	५	५	५	५	५	गापा	३	९

असर	सुविधा सम्पन्न उद्यान सहितको खुल्ला पार्क क्षेत्र	संख्या	०	१	२	३	५	६	"	३	९
प्रतिफल	व्यवस्थित वसपार्क तथा वस स्टेशन	संख्या	०	०	१	१	१	१	"	३	९
	बजार क्षेत्रमा वसोवास गर्ने जनसंख्या	प्रतिशत	२०	२५	३०	३५	४०	५०	"	३	९
	सुविधा सम्पन्न (खानेपानी, शौचालय, विजुली, सञ्चार) सामुदायिक भवन (महिला, ज्येष्ठ नागरिक भवन) तथा सभाहल	संख्या	७	७	८	८	९	१०	"	३	९
	जोखिमयुक्त वस्तीहरू	संख्या	५	५	५	५	५	५	"	३	९
	जोखिम क्षेत्रबाट स्थानान्तर गरिएका वस्तीहरू	संख्या	०	०	०	०	०	०	"	३	९
	सुरक्षित तथा प्रवर्द्धन गरिएका आवास क्षेत्र तथा वस्ती (निजी क्षेत्रको समेत)	संख्या	०	०	०	०	०	०	"	३	९
	जनता आवास कार्यक्रमबाट लाभान्वित घरपरिवार	संख्या	१०५	११०	११५	१२०	१२५	१३०	"	३	९
	भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका सार्वजनिक भवन तथा संरचना	संख्या	१५	१५	२५	३०	४०	५०	"	३	९

	भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण सम्बन्धी दक्ष जनशक्ति	संख्या	१०	१०	२०	३०	४०	५०	"	३	९
	भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि र मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका निजी आवास तथा संरचनाहरू	प्रतिशत	२०	२०	३०	३०	४०	५०	"	३	९
	आफ्नै स्वामित्वको घरमा बसोबास गर्ने परिवार	प्रतिशत	९५	९६	९७	९८	९९	९९	"	३	९
	महिलामैत्री, बालमैत्री, अपाङ्गतामैत्री सार्वजनिक संरचना	संख्या	१५	१५	१६	१७	१८	१९	"	३	९

### ६.१.७ अपेक्षित उपलब्धी

वडाहरूमा आर्थिक व्यवस्था मिलाई सभा हल निर्माण भएको हुनेछ । भौतिक संरचना निर्माणका लागि तिन वटै सरकार मार्फत बजेट योजना बनाई माग गरी कार्यन्वयन भएको हुनेछ । फोहोर मैला उचित व्यवस्थापन सम्बन्धी दिर्घकालीन कार्यक्रम संचालन भएको हुनेछ । भएका भौतिक, सांस्कृतिक तथा प्राकृतिक सम्पदाको संरक्षण, संवर्द्धन र उपयोगमा जोड दिएको हुनेछ । सुरक्षित र सुविधा सम्पन्न शहरी पुर्वाधारयुक्त आवास र वस्तीहरू विकास हुने छन् । आवास, वस्ती विकास र भवन सम्बन्धी आवश्यक नीति तथा मापदण्डहरू तर्जुमा भएको हुनेछ । भवन संहिता र निर्माण मापदण्डको पूर्ण कार्यान्वयन हुनेछ । जोखिमयुक्त वस्तीहरूको पहिचान तथा नक्साङ्कन हुनेछ । निर्माण कार्यलाई भूकम्प प्रतिरोधी बनाई नक्सा पास कार्यलाई अनिवार्य हुनेछ । भू-उपयोग नीति अनुसार प्रदेश सरकार र नीजि क्षेत्र समेतको सहकार्यमा आवास तथा वस्ती विकास सम्बन्धी कार्यक्रमहरू सञ्चालन हुनेछ । सुरक्षित भवन निर्माणको लागि प्राविधिक जनशक्ति, कालिगढ र सेवाम्राहीलाई तालिम तथा सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन हुनेछ । तालिम प्राप्त कालिगढबाट मात्र घर बनाउन पाउने व्यवस्था लागू हुनेछ । सुरक्षित र व्यवस्थित वस्ती विकासको लागि योग्य र अयोग्य भूमिको पहिचान हुनेछ । भवन निर्माण कार्यलाई व्यवस्थित गर्न सडकको मापदण्ड पूर्ण रूपले लागू हुनेछ । न्यून आय हुने वर्गका लागि सुलभ आवासको व्यवस्था गर्न नीजि क्षेत्रसँग सहकार्य हुनेछ । सार्वजनिक जग्गा र नदि किनार लगायत क्षेत्र अतिक्रमण गरी गरिने वस्ती विकास लगायतका कार्यक्रमहरूलाई निरुत्साहित हुनेछ । निजी, सामुदायिक तथा सरकारी भवनहरू निर्माण गर्दा वातावरणमैत्री, किफायती र परम्परागत निर्माण प्रविधि एवम् वास्तुकलाको समेत जगेर्ना हुने गरी निर्माण हुनेछ, गाउँपालिका भित्रका खाली जग्गाहरू पहिचान गरी हरियाली पार्क विकास हुनेछ ।

### ६.१.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

संघ र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने वित्तिय हस्तान्तरण लगायत अन्य बजेटहरू नियमित रूपमा प्राप्त हुनुपर्ने, गाउँपालिकाबाट नक्सापास लगायत अन्य विकास निर्माणसँग सम्बन्धित कार्यविधिहरू तर्जुमा भएको हुनुपर्ने, निर्माण मापदण्ड तथा भवन संहिता पूर्ण रूपमा लागू भएको हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृनिकायहरूको नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, गाउँपालिकामा आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिकहरूको पदपूर्ति हुनुपर्ने, स्थानीय मजदुर र मिस्त्रीहरू सुरक्षित निर्माण सम्बन्धी तालिम प्राप्त हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकारबिच योजनावद्ध वस्ती विकास तथा सार्वजनिक विकास निर्माणमा आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्ने, योजनावद्ध वस्ती विकास र सार्वजनिक विकास निर्माणको लागी गाउँपालिकाबाट अध्ययन अनुसन्धान र पर्याप्त बजेटको व्यवस्था हुनुपर्नेछ ।

### ६.२ सडक पूर्वाधार तथा यातायात

#### ६.२.१ पृष्ठभूमि

स्थानीय तहहरूको सामाजिक, आर्थिक र भौतिक विकासमा सडक पूर्वाधार तथा यातायातको महत्वपूर्ण भूमिका हुने गर्दछ । सडक र यातायातको विकाससँगै स्थानीय उत्पादनहरूले बजारसम्मको सहज पहुँच पाउँछन् भने वरिपरिका अन्य बजार केन्द्र, शहर र पालिकाहरूसँग समेत सामाजिक आर्थिक अन्तरसम्बन्ध



स्थापित हुन्छ । त्यसैले सडक र यातायात जस्ता भौतिक पूर्वाधारहरूलाई स्थानीय विकास प्रणालीबाट अलग्याएर हेर्न सकिँदैन । विकास प्रणालीलाई वेवास्था गरेर बनाईने पूर्वाधारको उपयोगिता रहँदैन भने गुणस्तरीय सडक र यातायात प्रणाली बिना स्थानीय विकास र जनविजन पनि सहज र सबल हुँदैन । सडक तथा यातायात प्रणालीमा गरिने लगानीले आर्थिक विकासलाई समेत सहयोग पुर्याईरहेको हुन्छ । यस गाउँपालिकामा सम्पूर्ण वडा कार्यालयहरूसम्म सडक सञ्जालले जोडिएको छ ।

### ६.२.२ समस्या र चुनौती

#### समस्या

धुलाम्मे र हिलाम्मेको कारण बाह्र महिना सडक सुचारूमा कठिनाई हुनु, भाडादर, निर्माण सामग्रीको मूल्य, उपभोग्य वस्तुको मूल्य उच्च हुनु, विरामीको समयमा नै उपचार हुन नसकी मृत्यु सम्म हुने गरेको, बढी वर्षाको कारण तत्काल बाटो अवरुद्ध हुने गरेको, बजार तथा वस्ती क्षेत्र संरक्षण सम्बन्धी ग्याविड वालको कमजोर कार्यक्रमले विपतको संभावना उच्च रहेको, अपेक्षित रूपमा सडक स्तरोन्नति नहुनु, सडक सञ्जालको गुणस्तरको कारण ग्रामीण भेगहरूमा आर्थिक गतिविधिहरूको कम हुनु, सडक निर्माणसँग नाली तथा ढल निर्माण नहुनु, अध्ययन ईञ्जिनियरिङ डिजाईन बिना सडकहरूको ट्रायाक खोल्नु, सडक अधिकार क्षेत्र अनुसार सडक लगत कट्टा गर्नु आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

#### चुनौती

सडक निर्माणको लागि लगानीको जुटाउनु, सडक निर्माणको लागि भौगोलिक कठिनाईले गर्दा सडक निर्माणमा कठिनाई हुनु, पहाडी भू-भाग भएकोले सडक निर्माणमा अत्यधिक लगानी आवश्यक पर्ने, गाउँपालिकाको न्यून आन्तरिक आय भएको हुँदा सडक पूर्वाधारमा लगानी बढाउनु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ६.२.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

डिजाईन अनुसार गुणस्तरीय सडक निर्माण गर्न सकिने, स्थानीय बजार र वस्तीहरूलाई सडक सञ्जालसँग जोड्न सकिने, नयाँ सडक निर्माण कार्यलाई निरुत्साहित गरी सडक स्तरोन्नतिलाई प्राथमिकता दिन सकिने, सडक निर्माण कार्यलाई व्यवस्थित गर्न सडक अधिकार क्षेत्रभित्र पर्ने जग्गाहरूको लगत कट्टा गर्न सकिने, सडक निर्माण र विस्तार गर्न स्थानीय सडक सम्बन्धी कानून निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्न सकिने, सडक निर्माण गर्दा वातावरणलाई न्यून क्षति गरेर काम गर्न सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

सडक सञ्जालको विस्तार तथा स्तरोन्नति गरी पर्यटन तथा आर्थिक गतिविधि बढाउन सकिने, पूर्वाधारमा लगानी केन्द्रित गरी स्तरीय सडकहरू बनाउन सकिने, विभिन्न संघ संस्थाहरूले स्थानीय पुल, पुलेसाहरू र झोलुङ्गे पुल निर्माणमा सहयोग पुर्याउनु आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

६.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

लक्ष्य

सडक मापदण्ड २०७० बमोजिम पालिकाभिन्न र अन्तरपालिका सडक सञ्जाललाई सञ्चालनमा ल्याउने र जनताको पहुँचमा विकास गर्ने ।

उद्देश्य

- गाउँपालिकाको वस्तीहरूमा बाह्रै महिना चल्ने सडक यातायातको पहुँच बढाई आवतजावतमा सहज बनाउनु ।
- सडक स्तरोन्नति, पुल पुलेसा निर्माण गरी दैनिक उपभोग्य वस्तु र निर्माण सामग्रीको उपभोग र उपयोग सहज गर्नु ।

रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
सडक तथा यातायातको पहुँच सुधार गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>• मुख्य सडक कालोपत्र गरिनेछ भने सहायक सडकहरू ग्राभेल गरिनेछ ।</li> <li>• सडक, पुल तथा यातायातको योजना निर्माण गर्दा आर्थिक, सामाजिक, भौगोलिक, वातावरणीय स्थितिलाई मध्यनजर गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• राष्ट्रिय सडक मापदण्ड नबाझिने गरी सडक निर्माण कार्य कार्यान्वयन गरी सम्पूर्ण पालिकाभिन्न र अन्तरपालिका सडक सञ्जाल स्तरोन्नति र विस्तार गरिनेछ ।</li> <li>• दिगो, वातावरण मैत्री सडक सञ्जाल विस्तार तथा स्तरोन्नतिलाई प्राथमिकीकरण गरिनेछ ।</li> <li>• पालिकाको सडक गुरुयोजना निर्माण गर्दा सम्पूर्ण सरोकारवालासँग समन्वय गरी गुरुयोजना निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• सडक निर्माण गर्दा सडक गुरुयोजनालाई आधार मानी सडक निर्माण कार्य कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• सडक निर्माण कार्यलाई व्यवस्थित गर्न सडक अधिकार क्षेत्रभिन्न पर्ने जग्गाहरूको लगत कट्टा गर्ने व्यवस्था मिलाईनेछ ।</li> <li>• निर्माणाधिन पुल पूर्ण गरी थप आवश्यकतानुरूप सडक पुलको विकास गरिनेछ ।</li> </ul>
सडक तथा यातायात प्रणालीलाई व्यवस्थित गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सडक तथा यातायात सम्बन्धी नीति, कानून र मापदण्ड तयार गरिनेछ ।</li> <li>• दिगो तथा वातावरण मैत्री सवारी साधनको प्रयोगका लागि नीतिगत व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• सार्वजनिक यातायात सञ्चालनमा स्थानीय सहकारी र नीति क्षेत्रसँग सहकार्य गरिनेछ ।</li> </ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सडक सुरक्षा सम्बन्धी जनचेतनाको विकास गरिनेछ ।</li> <li>• सडकलाई व्यवस्थित गरी एम्बुलेन्स सेवालाई व्यवस्थित गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>मौजुदा सडकहरूको स्तरोन्नति नियमित र मर्मत सम्भार गरी सर्वयाम सुचारु गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• गाउँपालिकाभित्रका सम्पूर्ण सडकहरू बाह्रै महिना सञ्चालनमा आउन सक्ने गरी स्तरोन्नति गरिनेछ ।</li> <li>• सञ्चालित सडकहरू स्तरोन्नति र नियमित मर्मत सम्भारको व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• सडक मर्मत सम्भार कोष खडा गरी स्थानीय सडक यातायात शुल्क र सडक बोर्डबाट प्राप्त रकम समेत यसमा जम्मा गरिनेछ ।</li> <li>• सडकको दायौं वायाँ वृक्षारोपण, फलफूल आदि वायो ईन्जिनियरिङ प्लाण्ट लगाई स्थानीय समुदायको आयआर्जनसँग आवद्ध गराइनेछ ।</li> </ul>

६.२.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : सडक, यातायात, तथा पुलपुलेसा								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	डुङ्गेश्वर हत्नेटा वाले कुल्सेदुङ्गा जडी लाकुरी सेर्माकोट हुँदै चुप्रा सडक	२५०००	५०००	५०००	५०००	५०००	५०००	संघ
२	पालिकादेखि हरेक वडा केन्द्रसम्म सडक कालोपत्रे	१००००	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००	संघ
३	कुइया देखि लाकुरीसम्म केवलकार निर्माण	१५०००	३०००	३०००	३०००	३०००	३०००	संघ
४	मालिका मन्दिर वालेदेखि केवलकार निर्माण (वडा नम्बर ३)	२०००	४००	४००	४००	४००	४००	संघ
५	गुराँसे देखि डाँडा पराजुल हुँदै लाकुरे रोप वये निर्माण	१५०००	३०००	३०००	३०००	३०००	३०००	संघ
जम्मा		६७०००	१३४००	१३४००	१३४००	१३४००	१३४००	

६.२.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	३० मिनेटको दुरीमा यातायात पहुँच भएकोघरपरिवार	प्रतिशत	८५	८५	९०	९०	९५	९५	गापा	५	९
असर	कालोपत्रे सडकको लम्बाइ	किमि	१४	१५	२०	३०	४०	५०	"	५	९
प्रतिफल	ग्राभेल सडकको लम्बाइ	किमि	६	१५	२०	३५	४५	५०	"	५	९
	धुले सडक लम्बाइ	किमि	५०	५०	६०	६०	६५	६५	"	५	९
	आसिसिढलान भएका सडकको लम्बाइ	किमि	२	२.५	२.५	३	३	३.५	"	५	९
	सहायक नदीमा झोलुङ्गे पुल	संख्या	१४	१४	१५	१८	२०	२५	"	५	९
	शहरी सडकको मापदण्ड अनुसार निर्मित कूल सडकको लम्बाइ	किमि	२५	२५	२६	२७	२८	३०	"	५	९

सडक फर्निचर, ट्राफिक चिन्ह सहितको व्यवस्थित सडकको लम्बाइ	किमि	८	१०	१५	२०	२५	३०	”	३	९
खोला, नदी कोरिडरमा निर्मित सडक लम्बाइ	किमि	२०	२१	२२	२५	३०	३५	”	३	९
पालिका केन्द्रवाट वडा कार्यालय सम्म जोडिएको सडक	संख्या	१८	१८	१८	१८	१८	१८	”	३	९
सडक सञ्जालवाट नजोडिएका वस्तीहरु	संख्या	०	०	०	०	०	०	”	३	९
नजिकको पिच भएको पक्की सडकमा पुग्न लाग्ने औषत समयावधि	मिनेट	१.५	१.५	१.५	१	१	०.५	”	३	९
वार्षिक सडक दुर्घटनाको संख्या	संख्या	१/२	१/२	१/२	१/२	१/२	१/२	”	३	९
सडक नालीको सडक लम्बाइ	किमि	१४	१५	३०	५०	७०	९०	”	३	९
सडक छेउ निर्मित यूटिलिटी कोरिडरको लम्बाइ	किमि	२०	२५	२५	३०	३०	३५	”	३	९
नियमित मर्मत संभार भएको सडकको लम्बाइ	किमि	७०	७५	८०	८५	९०	१००	”	३	९

	वायो इन्जिनियरिङ प्रविधि र सडक छेउ वृक्षारोपण	किमि	२५	३०	४५	६०	७५	९०	”	३	९
	जिल्ला, प्रदेश तथा राष्ट्रिय स्तरको सडक सञ्जाल	संख्या	२	२	२	२	२	२	”	३	९
	अन्तरपालिका सडक सञ्जाल संख्या	संख्या	४	४	४	४	४	४	”	३	९

### ६.२.७ अपेक्षित उपलब्धी

सार्वजनिक सवारी साधनको भाडादर निर्धारण गरी प्रभाववारी लागू भएको हुनेछ । सडक तथा यातायात सम्बन्धी नीति, कानून र मापदण्ड तयार हुनेछ । सडक अधिकार क्षेत्रभित्र पर्ने जग्गाहरूको लगत कट्टा भएको हुनेछ । गाउँ यातायात गुरुयोजना अनुसार सम्पूर्ण सडकहरूको अधिकार क्षेत्र निर्धारण गरी दीर्घकालीन रूपमा वस्तीहरूको विकास र सडक निर्माण हुनेछ । सबै वडा केन्द्र, मुख्य वस्तीहरूसम्म सडकको पहुँच सर्वयाम भएको हुनेछ । गाउँपालिका भित्र स्थानीयवासीहरूको सहज आवगमन हुनेछ । प्राथमिकताको आधारमा सडकहरूको स्तरोन्नति हुनेछ । सडक, यातायात पूर्वाधार निर्माण गर्दा स्थानीय साधन, श्रोत र सीपको अत्यधिक उपयोग हुनेछ । वस्तीबाट बढीमा एक घण्टाको दुरीमा आवत जावतको सुविधा पुग्ने गरी थप झोलुङ्गे पुलहरूको निर्माण भएको हुनेछ । स्थानीय सडकहरूको नियमित मर्मत सम्भार भएको हुनेछ ।

### ६.२.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

संघ र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने वित्तीय हस्तान्तरण लगायत अन्य बजेटहरू नियमित रूपमा प्राप्त हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृनिकायहरूको नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, गाउँपालिकामा आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिकहरूको पदपूर्ति हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकारबिच सडक तथा पुल निर्माणमा आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्ने, मापदण्डयुक्त सडक, पुल र बसपार्कहरू निर्माणको लागि गाउँपालिकाबाट अध्ययन अनुसन्धान र पर्याप्त बजेटको व्यवस्था हुनुपर्नेछ ।

### ६.३ सिंचाई

#### ६.३.१ पृष्ठभूमि

स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ अनुसार स्थानीय साना सतह तथा भूमिगत सिंचाई प्रणालीको सञ्चालन तथा मर्मत सम्भार, सेवा शुल्क निर्धारण र सञ्चालन सम्बन्धी व्यवस्थापन गर्न सकिन्छ । तसर्थ भूमिमा बाह्रै महिना सिंचाई सुविधा पुयाई कृषिको उत्पादकत्व बढाउन सिंचाईको दिगो व्यवस्था गर्न आवश्यक छ । गाउँपालिकामा कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व बढाउन परम्परागत सिंचाई प्रणालीको मर्मत सम्भार र नयाँ प्रविधिमा आधारित सिंचाई प्रणालीको माध्यमबाट सिंचित कृषि क्षेत्रको विस्तार गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ । सिंचाई पूर्वाधार निर्माणमा रणनीतिक महत्वका ठूला सिंचाई संघबाट, मझौला सिंचाई प्रदेशबाट र साना सिंचाई स्थानीय तहबाट लगानी परिचालन गर्ने व्यवस्था मिलाउन आवश्यक छ । सिंचाई प्रणालीको निर्माण पछिको मर्मत सम्भार, व्यवस्थापन एवम् सञ्चालनमा उपभोक्ता समुदायको सक्रिय सहभागिता थप सुदृढ गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ । सिंचाईको थप पूर्वाधार विकास र सम्पन्न सिंचाई प्रणालीको सुदृढीकरण गरी व्यवस्थित बनाउन लगानी वृद्धि गर्न आवश्यक छ ।



### ६.३.२ समस्या र चुनौती

#### समस्या

खेतीयोग्य जमिनको नजिक वा माथिल्लो भागमा पानीका स्रोतहरू नहुनु, सिंचाई र निकासको अवस्था नहुनु, आकाशे वर्षाको भरमा खेती गरिएको, पहाडी भू-भाग भएकोले लिफ्टिङ्ग सिंचाई गर्न महंगो पर्नु, जलस्रोत धनी भएको ठाउँ भएता पनि उचित सदुपयोग गर्न नसकेको, भौगोलिक विकटता भएको ठाउँहरू रहेको, वर्षायाममा बाढी, पहिरो आदि प्रकोपले गर्दा खोलामा पानी बढ्ने, बाढि आउने र भूक्षय हुने, परम्परागत सिंचाई कुलोहरूको आवश्यक मर्मत सम्भार हुन नसक्नु, सिंचाई क्षेत्रमा न्यून बजेट विनियोजन हुनु आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

#### चुनौती

नयाँ प्रविधिमा आधारित सिंचाई आयोजना विस्तार गर्नु, परम्परागत कुलोहरूको नियमित मर्मत सम्भार गर्नु, सिंचाई आयोजना तोकिएको समय र लागतमा सम्पन्न नहुनु, सिंचाई पूर्वाधार विकासका लागि लगानीको प्राथमिकता निर्धारण गर्नु, पानीजन्य प्रकोप नियन्त्रण गर्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ६.३.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

विद्यमान नदी, खोलाबाट सिंचाई सुविधा उपलब्ध गर्न सकिने, सिंचाई मार्फत स्थानीय कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व बढाउन सकिने, यातायातको विस्तारसँगै सिंचाई पूर्वाधार विकास गर्न सहज हुनु, परम्परागत कुलोहरूको आवश्यक मर्मत सम्भार गरि सिंचाई सुविधा बढाउन सकिने, कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व बढाई व्यवसायिकरणका लागि पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध गराउन सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

सिंचाईको लागि पर्याप्त खोलानाला उपलब्ध हुनु, सिंचाई विकास र व्यवस्थापनमा कृषक उपभोक्ताको पहुँच र सहभागिता बढ्दै जानु, स्थानीय कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व बढाउन सकिने, कृषिमा बाह्य ज्ञान सीपको उपयोग तथा बाह्य लगानी भित्र्याउन सकिने, कृषि विधिधिकरणद्वारा रोजगारी सिर्जना गर्न सकिने, युवा पुस्तालाई कृषिमा आकर्षित गर्न सकिने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

### ६.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### लक्ष्य

सिंचाई युक्त जमिनमा १००% दिगो, भरपर्दो सिंचाईको पहुँच पुऱ्याई कृषि क्षेत्रको प्रवर्द्धन गर्ने ।

#### उद्देश्य

- सिंचाईको पहुँच पुऱ्याई कृषि उत्पादन तथा उत्पादकत्व बढाउनु ।
- उपयुक्त प्रविधि मार्फत कृषियोग्य भूमिमा सिंचाई सेवा विस्तार गरी उपभोग्य वस्तु तथा आयआर्जनमा सुधार ल्याउनु ।

रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
परम्परागत तथा नयाँ सिंचाई प्रणालीको विकास गरी कृषियोग्य भूमिमा सिंचाई सुविधा विस्तार गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सिंचाईको दीर्घकालीन गुरुयोजना/रणनीतिक योजना निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• मझौला तथा साना सिंचाई निर्माण गर्न पालिकाबाट अथवा साना सिंचाई आयोजना कार्यक्रम गर्न संघ संस्थासँग समन्वय गरी निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• आधुनिक सिंचाईको माध्यम प्रयोगमा ल्याइनेछ ।</li> <li>• लोहोरे, बाथला, नारायणथान लिफ्टिङ सिंचाई तथा खानेपानी आयोजना निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• प्रदेश, संघीय सिंचाई विभाग तथा साना सिंचाई निर्माण गर्न संघ संस्थासँग आवश्यक छलफल गरी सिंचाई योजना निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• ठूला सिंचाई, साना सिंचाई, थोपा सिंचाई र प्लाष्टिक पोखरी निर्माण तथा सुधारका योजनालाई प्राथमिकता दिइनेछ ।</li> <li>• खेती योग्य जमिनको पहिचान गरी स्थानीय स्तरका पानीका श्रोतका आधारमा सिंचाई सुविधा उपलब्ध गराइनेछ ।</li> <li>• प्रत्येक वडाका टोलहरूमा साना तथा ठूला सिंचाई आयोजना विभाजन गरी कुलो निर्माणमा सहयोग पुर्याइनेछ ।</li> <li>• स्थानीय नदी तथा खोलाहरूबाट सम्भाव्यताका आधारमा सतह सिंचाई संरचनाहरू क्रमशः निर्माण गर्दै सिंचाई सुविधा बढाउँदै लगिनेछ ।</li> </ul>
स्थानीय वासीहरूसँग साझेदारी गरी सिंचाईको विकास गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सिंचाई आयोजना निर्माणमा स्थानीय श्रोत, साधन र सीप प्रयोगलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।</li> <li>• सिंचाई आयोजना निर्माण र व्यवस्थापनमा स्थानीय उपभोक्ता समितिको क्षमता विकास गरी सक्रिय बनाइनेछ ।</li> <li>• सिंचाई प्रणालीलाई एजेन्सी म्यानेज्ड इरिगेशन सिस्टमबाट किसानद्वारा व्यवस्थापन गर्ने प्रणाली (फारमर्स म्यानेज्ड इरिगेशन सिस्टम) मा क्रमिक रूपमा हस्तान्तरण गरिनेछ ।</li> </ul>

६.३.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : सिंचाइ								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	लोहोरे वात्थला नारायणथान लिफिटड सिंचाई आयोजना	४५००	९००	९००	९००	९००	९००	संघ
२	लोहोरी लिफिटड लाकुरी वेलपाटा	४०००	८००	८००	८००	८००	८००	संघ
३	पराजुली खोला दिउरा खेत लिफिटड सिंचाई	२५००	५००	५००	५००	५००	५००	संघ
४	हन्नेटा खोला लिफिटड खाली काँडा हन्नेटा सिंचाई	४०००	८००	८००	८००	८००	८००	संघ
५	मटेला सिमाखेत देखि नुवाखेत (वडा नम्बर ५) सम्म सिंचाई	२५००	५००	५००	५००	५००	५००	संघ
जम्मा		१७५००	३५००	३५००	३५००	३५००	३५००	

६.३.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिपिल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	खेतीयोग्य जमिन मध्ये सिंचित भूमि	हेक्टर	३००	३२०	३५०	३८०	४००	४२०	गापा	४	२
असर	वर्षाको आकाशे पानीमा निर्भर सिंचाइ भूमि	हेक्टर	५००	५२५	५५०	६००	६५०	७००	"	४	२
प्रतिफल	खोला तथा मुहानहरु वाट सिंचित भूमि	हेक्टर	१००	१२०	१४०	१६०	१८०	२००	"	४	२
	वर्षभरी नियमित सिंचित क्षेत्र	हेक्टर	३००	३२०	३३०	३४०	३५०	३६०	"	४	२
	सिंचाइका लागि निर्मित नहरको कूल लम्बाइ	किमि	४	६	८	१०	१२	१५	"	४	२
	नहर सिंचाइवाट लाभान्वित भूमि	हेक्टर	५०	५०	५०	६०	६०	६०	"	४	२
	स्तरोन्नति तथा मर्मत संभार भएका पानी कुलो	संख्या	४/५	५	७	९	११	१२	"	४	२

	लिफ्ट प्रणालीवाट लाभान्वित भूमि	हेक्टर	२०	२५	३०	३५	४०	४५	"	४	२
	सिंचाइका लागि प्रयोगमा आएको आकासेपानी संकलन तथा प्लाष्टिक पोखरी	संख्या	२	२	३	३	४	४	"	४	२
	प्रयोगमा आएका सिंचाइ प्रविधि (सतह, पोखरी, ड्रिप, स्पिडक्लर)	संख्या	३०/०/ १००						"	४	२

### ६.३.७ अपेक्षित उपलब्धी

रिचार्ज पोखरीका कार्यक्रमहरू सञ्चालन भएको हुनेछ । लोहोरे पराजुली खोलाबाट लिफिटडको कार्यक्रमहरू सञ्चालन भएको हुनेछ । वैकल्पिक सिंचाइका कार्यक्रमहरू लागू भएको हुनेछ । आकाश पानीको संरक्षण सम्बन्धी कार्यक्रम भएको हुनेछ । कुवा, प्लास्टिक पोखरी) निर्माण भई सिंचाईमा उपयोग भएको हुनेछ । सिंचाई गुरुयोजना निर्माण हुनेछ । सिंचाई प्रणालीलाई किसानद्वारा व्यवस्थापन गर्ने प्रणालीमा क्रमिक रूपमा हस्तान्तरण हुनेछ । नयाँ प्रविधिमा आधारित सिंचाई आयोजना निर्माण भएको हुनेछ । सिंचाई प्रणालीमा संलग्न जनशक्ति तथा किसानहरूको क्षमता अभिवृद्धि हुनेछ ।

### ६.३.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

आयोजनाहरूको कार्यान्वयनमा केन्द्र सरकार, प्रदेश सरकार र स्थानीय निकायको समन्वयात्मक र सकृय सहभागिता हुनेछ । ठूला आयोजनाहरूको कार्यान्वयनमा दातृ निकायबाट सहयोग प्राप्त हुनेछ । सार्वजनिक, निजी साझेदारीमा योजनाहरूको कार्यान्वयन हुनेछ । गाउँपालिकाको आन्तरिक स्रोत परिचालन हुनेछ ।

### ६.४ विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा

#### ६.४.१ पृष्ठभूमि

संविधानले साना जल विद्युत र वैकल्पिक उर्जा स्थानीय सरकारको अधिकार सूचीमा राखेको छ । आम नागरिकको जीवनलाई सरल र सहज बनाउन र आर्थिक तथा सामाजिक विकास गर्न विद्युत तथा उर्जाको महत्वपूर्ण स्थान छ । गाउँपालिकाको पूर्वाधार विकास र उद्यम विस्तारमा विद्युत तथा उर्जाको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । वायु ऊर्जा, सौर्य ऊर्जा, लघु जलविद्युत् तथा राष्ट्रिय ग्रिड प्रणाली आपूर्तिद्वारा उद्योग व्यापार तथा व्यवसाय प्रवर्द्धन हुनुका साथै दैनिक जनजीवनलाई पनि सहज बनाउन सकिन्छ । ऊर्जाको सहज उपलब्धता र प्रयोगले पेट्रोलियम पदार्थको प्रयोग न्यूनीकरण र वातावरणीय योगदानको साथै आयात प्रतिस्थापन गर्नमा मद्दत पुग्दछ । विद्युत नपुगेका ठाउँमा विद्युतीकरण गर्नु, काठे पोल भएका स्थानमा फलामे पोलको व्यवस्था, नाङ्गो तारलाई प्लाष्टिकको तारमा परिणत गर्नुपर्ने देखिन्छ । पालिका क्षेत्रभित्र रहेका बस्तीहरूमा ८०% विद्युतीकरण भएको छ र पर्याप्त मात्रामा सडक बत्तीहरू छैनन् ।

#### ६.४.२ समस्या र चुनौती

##### समस्या

सबै घरहरूमा केन्द्रिय प्रसारण लाइनको पहुँच नपुगेको, भरपर्दो र गुणस्तरीय विद्युत सेवा उपलब्ध नहुनु, वैकल्पिक ऊर्जाको सम्भावना भए पनि प्रयोग न्यून रहनु, वैकल्पिक ऊर्जा योगदानको स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण हुन नसक्नु, सडक बत्तीहरूको अभाव हुनु, सडकका बिचमा विद्युतका पोलहरू अव्यवस्थित तरिकाले रहनु, आर्थिक अभावका कारण विद्युतीकरण हुन नसकेको तथा सडक बत्तीको व्यवस्था गर्न नसकिएको आदि यस क्षेत्रका समस्याहरू हुन् ।

## चुनौती

निर्माणाधिन आयोजनाहरू समयमा सम्पन्न गर्न समन्वयकारी भूमिका निर्वाह गर्नु, सार्वजनिक निजी साझेदारीको मान्यताको आधारमा निजी क्षेत्रमा उपलब्ध साधनस्रोत तथा प्रविधिलाई आकर्षित गर्दै आयोजनाहरू बनाएर दिगो अर्थतन्त्रको आधारशीला तयार गर्नु, इन्धन प्रयोगको ढाँचामा परिवर्तन गर्दै एलपी ग्याँस र पेट्रोलियम पदार्थलाई विद्युतले प्रतिस्थापन गर्न, बत्ती बालनको निर्माण गरिएका पुराना वितरण प्रणाली (वितरण लाइन तथा विद्युत् मिटर) लाई खाना पकाउन आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ६.४.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

प्रशस्त खोलानालाहरू रहेकोले लघु जलविद्युत उत्पादन गर्न सकिने, छिमेकी पालिकाबाट विद्युत नपुगेका स्थानमा विद्युत विस्तार गर्न सकिने, गाउँपालिकामा वैकल्पिक ऊर्जाको सम्भावना समेत प्रसस्त रहेको, सिंचाइमा विद्युतको प्रयोग गरी कृषि उत्पादन बढाउन सकिने, विद्युत उत्पादनको लागि जलश्रोतको उपलब्धता आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

जलविद्युत भौतिक पूर्वाधार निर्माणलाई संघ तथा प्रदेश सरकार दुबैले प्राथमिकतामा राख्नु, जलविद्युत उत्पादनमा लगानीमैत्री र प्रतिस्पर्धाको वातावरण सिर्जना गरी विदेशी तथा निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षित गर्न, प्राविधिक र वित्तीय साझेदारीमा सौर्य ऊर्जा उत्पादन गर्न, सौर्य ऊर्जाको क्षेत्रलाई विस्तार गरी विभिन्न क्रियाकलाप सञ्चालन गर्न, कृषि तथा पशुपंक्षी पालनमा संलग्न कृषक, फर्म, व्यवसायिक समुह, कृषि सहकारी आदिको सहकार्यमा ठूलो क्षमताको बायोग्यास प्लान्ट निर्माण गर्न, नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारको विद्युतीय चुलो प्रयोगलाई प्रोत्साहन गर्दै लैजाने नीति रहनु जस्ता अवसरहरू छन् ।

### ६.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### लक्ष्य

राष्ट्रिय विद्युत सञ्जालबाट विद्युत पुऱ्याउन नसकिने क्षेत्र/बस्तीमा वैकल्पिक ऊर्जा सोलारबाट विद्युत पुऱ्याई १०० प्रतिशत घरधुरीमा विद्युतको पहुँच पुऱ्याउने ।

#### उद्देश्य

- नेपाल विद्युत प्राधिकरण र वैकल्पिक ऊर्जा केन्द्रसँग समन्वय गरी विद्युतको पहुँच बढाउनु ।
- गाउँपालिकाको जलस्रोतको संरक्षण र उपयोग गरी लघु/ घरेलु उद्योगहरूमा उर्जाको पहुँच स्थापित गराउनु ।

रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
गाउँपालिकाका सबै वडाहरूमा विद्युत, उर्जालाई भरपर्दो र सुलभ बनाउने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>विद्युत वितरण लाईन बढाउन गाउँपालिका, वडा कार्यालय, प्रदेश र नीजि क्षेत्रहरूसँग सहकार्य गरिनेछ ।</li> <li>विद्युत पहुँच नपुगेका बस्तीको यकिन गरी नेपाल विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरी विद्युत पहुँच पुऱ्याइनेछ ।</li> <li>वैकल्पिक उर्जालाई प्रवर्द्धन गर्न प्रदेश सरकार र नीजि क्षेत्र र संघ संस्थाहरूसँग सहकार्य गरिनेछ ।</li> <li>लोहोरे र पराजुली खोलामा हाइड्रोपावर निर्माणमा पहल गरिनेछ ।</li> <li>सडक बत्ती र सोलार प्यानल प्रयोग गरी उचित व्यवस्थापन गरिनेछ ।</li> <li>प्राप्त र प्रादेशिक सरकार तथा नीजि क्षेत्रको समन्वय र सहकार्यमा लघु जलविद्युत उत्पादनको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।</li> <li>सञ्चालित लघु जलविद्युत आयोजनाहरूलाई पूर्ण क्षमतामा सञ्चालन गरिनेछ</li> <li>दाउराको विकल्पको रूपमा विद्युतको प्रयोगलाई बढाउन प्रोत्साहन गरिनेछ ।</li> </ul>
उर्जाको बृहत प्रयोगमा जोड दिने	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्थानीय नागरिकहरूको जङ्गल माथिको दवाव (दाउरा ) घटाउन विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जाको प्रयोगलाई जोड दिइने छ ।</li> <li>प्रदेश र सङ्घीय सरकारसँग सहकार्य गरी यातायात, कृषि तथा उद्योगको आधुनिकीकरणमा विद्युतको उपयोग गर्ने नीति अवलम्बन गरिनेछ ।</li> <li>आधारभूत स्वास्थ्य, गरिबी निवारण जस्ता उद्देश्यसँग गाँसिएका खानेपानी, लिफ्ट सिंचाई, लघु/घरेलु उद्योग लगायतको क्षेत्रमा हुने बिजुलीमा सहूलियत प्रदान गर्न व्यवस्था गरिनेछ ।</li> </ul>



६.४.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : विद्युत तथा वैकल्पिक ऊर्जा								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	हन्नेटा खोला हाइड्रो २ मेगावाट	५०००	१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	संघ
२	लोहोरे खोला हाइड्रो ५ मेगावाट	१२५००	२५००	२५००	२५००	२५००	२५००	संघ
जम्मा		१७५००	३५००	३५००	३५००	३५००	३५००	

६.४.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	विविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	केन्द्रीय विद्युत लाइन प्रसारणवाट लाभान्वित घरधुरी	प्रतिशत	१००	१००	१००	१००	१००	१००	गापा	५	७
असर	विद्युत सेवामा पहुँच प्राप्त घरधुरी	संख्या							"	५	७

प्रतिफल	सोलार प्रणालीमा आवद्ध घरघुरी	संख्या	२५०	२४५	२४०	२३५	२३०	२२५	"	३	७
	खाना पकाउन एलपि ग्याँस प्रयोग गर्ने घरघुरी	प्रतिशत	२०	२५	३०	३५	४०	५०	"	३	७
	सुधारिएको वा धुँवा रहित चुल्हो जडान भएका घरघुरी	प्रतिशत	२०	२५	३०	३५	४५	५०	"	३	७
	खाना पकाउन एलपि ग्याँसको सट्टामा विद्युतीय ऊर्जा (इन्डक्सन) प्रयोग गर्ने घरघुरी	प्रतिशत	२०	२५	३०	३५	४५	५०	"	३	७
	वैकल्पिक उर्जा प्रयोग गर्ने घरघुरी	प्रतिशत	५	६	७	८	९	१०	"	३	७
	प्रतिव्यक्ति प्रतिवर्ष विद्युत उपभोग	किलोवाट घण्टा							"	३	७
	सडकको किनारा तथा सार्वजनिक स्थानमा जडित सडक बत्ती	संख्या	०	१०	२०	३०	४०	५०	"	३	७
	स्थानीय स्तरमा विद्युत उत्पादन	कि.वा	२.१५	५	५	५	५	५	"	३	७
	स्थानीय स्तरमा जल विद्युत र लघु जल विद्युतको उत्पादन गर्ने संस्था	संख्या	१	१	१	१	१	१	"	३	७

#### ६.४.७ अपेक्षित उपलब्धी

सम्पूर्ण पालिकाभिन्न रहेका तर विद्युत पहुँच नपुगेका घर धुरीलाई विद्युत पहुँच पुगेको हुनेछ । आर्थिक व्यवस्था गरी मुख्य बजारहरूमा सडक बत्ती जडान भएको हुनेछ । प्रत्येक सामाजिक संस्थाहरूमा विद्युत जडान कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिएको हुनेछ । विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा सम्बन्धी नीतिहरू तर्जुमा भएको हुनेछ । स्थानीय स्तरमा उत्पादित विद्युत राष्ट्रिय प्रसारण लाईनमा आवद्ध भएको हुनेछ । गाउँपालिका भित्रका सम्पूर्ण वडा, टोल र वस्तीहरूमा विद्युतको पहुँच स्थापित भएको हुनेछ । दाउराको प्रयोग घटाउन विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जाको प्रयोगमा वृद्धि भएको हुनेछ । नवीकरणीय तथा वैकल्पिक उर्जा उत्पादनमा सहयोग बढेको हुनेछ । विद्युतको नियमित आपूर्तिसँगै गाउँपालिका भित्र उद्योगहरूको वृद्धि भई नयाँ रोजगारहरूको सिर्जना भएको हुनेछ । गाउँपालिकाले विद्युत तथा उर्जाबाट थप राजश्व प्राप्त गरेको हुनेछ । ईन्धनको रूपमा विद्युतको प्रयोगको गर्ने घरपरिवारको सङ्ख्या बढेको हुनेछ ।

#### ६.४.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

गाउँपालिकामा विद्युत र वैकल्पिक उर्जाको प्रयोग सम्बन्धी नीतिहरू तर्जुमा भएको हुनुपर्ने, स्तरीय विद्युत प्रसारण लाईनको व्यवस्था भएको हुनुपर्ने, कृषि विद्युतीकरणको पूर्वाधार निर्माण भएको हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकारबिच जलश्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जाको विकासमा आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्ने, गाउँपालिकाले वैकल्पिक उर्जाको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गर्नुपर्ने, आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिकहरूको पदपूर्ति हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृ निकायहरूको नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्नेछ ।

#### ६.५ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

##### ६.५.१ पृष्ठभूमि

सूचना, सञ्चार तथा प्रविधिमा भएको विकासले गर्दा आधुनिक विश्व नै एक ठाँउमा रूपान्तरण भएको छ । दिगो विकासका बृहत्तर लक्ष्य हासिल गर्न अवलम्बन गरिएका रणनीतिहरूको केन्द्रमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधि रहँदै आएको छ । सूचना तथा सञ्चार मानव जीवनको अभिन्न अङ्गको रूपमा स्थापित भएको छ । संविधानले समेत सूचना सम्बन्धी हकलाई मौलिक हकको रूपमा व्यवस्थित गरेको छ । यसको प्रयोग मार्फत प्राप्त हुने अन्य लाभका अतिरिक्त यो प्रविधिको प्रयोगबाट गाउँपालिकामा सुशासनको प्रत्याभूत गर्नुका साथै पारदर्शी एवम् प्रभावकारी सार्वजनिक व्यवस्थापनको लागि यथेष्ट पूर्वाधार निर्माण गर्न सकिन्छ । सूचना प्रविधि र सूचना प्रविधिमा आधारित विभिन्न सेवाहरू लगायत अन्य उद्योग एवम् सेवाजन्य व्यवसायको वृद्धिद्वारा गाउँपालिकाको मात्र नभएर बृहत्तर राष्ट्रिय लक्ष्यहरू हाँसिल गर्नमा समेत सहायक हुने देखिन्छ ।

##### ६.५.२ समस्या र चुनौती

समस्या

भौगोलिक विकटताका कारण सम्पूर्ण ठाउँमा नेटवर्कमा पहुँच नपुगेको, फ्री वाइफाइको व्यवस्था नभएको, स्थानीय एफएम नभएको, सरकारी कार्यालयहरूमा आइ.सि.टि., इन्टरनेट जडान भएता पनि पटक पटक अवरोध भइरहने गरेको, सबै सामाजिक संस्थामा इन्टरनेटको पहुँच नभएकोले प्रभावकारी कार्यक्रम संचालन

गर्न नसकिएको, जडान भएका सामाग्रीहरूमा पटक पटक मर्मत संभार गर्दा बढी लागत भइरहने, आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिक ज्ञानको अभाव हुनु, आवश्यक कानुन र नीतिगत व्यवस्थाको अभाव हुनु, नीति अनुरूप संस्थागत हुन नसक्नु, महंगो पर्ने भएकोले सबैको पहुँच हुन नसक्ने, आवश्यक बजेट नहुनु आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

#### चुनौती

मोबाईल टावरहरू विस्तार गर्नु, ईन्टरनेट र वाईफाईको गुणस्तर र पहुँच बढाउनु, आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिक ज्ञान बढाउनु, नीति अनुरूप संस्थागत हुनु, प्रयोगसँगै साईबर सुरक्षाको चुनौती हुनु, बौद्धिक सम्पतिको संरक्षण तथा सुरक्षा संवेदनशिलता रहनु, आवश्यक कानुन र नीतिगत व्यवस्था गर्नु, सामाजिक सञ्जालको बढ्दो प्रयोगबाट आउने चुनौती र विकृतिहरू नियन्त्रण गर्नु, सूचना तथा सञ्चार प्रविधिका क्षेत्रमा विभिन्न परियोजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयनमा चुनौती आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

#### ६.५.३ सम्भावना र अवसर

##### सम्भावना

सञ्चार क्षेत्रको प्रवर्द्धन र विकासका लागि ठूला सञ्चार गृहसँग समन्वय र सहकार्य गर्न सकिने, सूचना प्रविधिको प्रयोगले पालिकाको सेवा प्रवाहलाई सरल, चुस्त गर्न सकिने, प्रेस गृह, मेडिया सेन्टर, टेलि सूचना केन्द्र, अनलाईन मेडिया हाउस छिटो र सहज रूपमा सूचना जनमानसमा पुर्याउन सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

##### अवसर

नेपालको संविधानले प्रदान गरेको सूचना, सञ्चार, प्रकाशन र प्रसारण सम्बन्धी हकहरूको सुनिश्चितता हुने, गाउँपालिकाका सबै वडा, टोल र वस्तीहरूसम्म ल्याण्डलाईन, मोबाईल सेवा र ईन्टरनेट सेवाको पहुँच स्थापित हुने, गाउँपालिकाबाट प्रवाह हुने सेवाहरू सरल, सहज र पारदर्शी हुने, गाउँपालिकाका काम कारवाही र भुक्तानी प्रणाली पारदर्शी हुने, समय र पैसाको बचत हुने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

#### ६.५.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

##### लक्ष्य

सूचना तथा संचार प्रविधिको विकास गरी आधुनिक प्रविधिको विकास गर्ने

##### उद्देश्य

- भरपर्दो सूचना तथा सञ्चार सेवा र सुविधा विस्तार गरी प्रविधिमैत्री वातावरण निर्माण गर्नु ।
- मोबाईल र टेलिफोन सेवाको पहुँच सबै नागरिकमा सुनिश्चित गर्नु ।

रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
<p>सबै प्रकारका सञ्चार सुविधाको सम्पूर्ण वडा, बजार केन्द्र र वस्तीहरुसम्म विस्तार गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सबैको पहुँच पुग्ने गरी मोबाईल, इन्टरनेट र वाईफाईको लागि टावर तथा अन्य पूर्वाधारको निर्माण गर्न पहल गरिनेछ ।</li> <li>• गाउँपालिका तथा सबै शाखा र वडा कार्यालयहरुसम्म विद्युतीय सूचना पूर्वाधारको व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• डिजिटल पालिका (पेपरले सार्वजनिक सेवा) अवधारणा पूर्ण रूपमा पूरा गरिनेछ ।</li> <li>• सञ्चार क्षेत्रको प्रवर्द्धन र विकासका लागि ठूला सञ्चार गृहसँग समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।</li> <li>• गाउँपालिकामा सामुदायिक एफ. एम. रेडियो, अनलाईन मिडिया हाउस स्थापना तथा सञ्चालन गर्न प्रोत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• गाउँपालिकाको विद्युतीय शासन क्षमता विकास गर्न व्यवसायिक योजना बनाई कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• प्रत्येक वडामा युवा वर्ग पहिचाहन गरी आधारभुत कम्प्युटर तालिम दिइनेछ ।</li> <li>• सडक बत्ती र सिसी क्यामेरा जडान गरिनेछ ।</li> <li>• फ्री इन्टरनेट सार्वजनिक ठाउँमा व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• सूचना प्रविधि विभाग नेपाल टेलिकम र सुरक्षा निकायसँग समन्वय गरिनेछ ।</li> </ul>

६.५.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : सूचना तथा सञ्चार प्रविधि								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफैं, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	पालिकाभरि फ्री वाइफाई कार्यक्रम	५००	१००	१००	१००	१००	१००	संघ/प्रदेश
२	पालिकाभरि निरुलक फोन सेवा	१०००	२००	२००	२००	२००	२००	संघ/प्रदेश
३	सार्वजनिक स्थलमा सिसी क्यामेरा जडान	५००	१००	१००	१००	१००	१००	संघ/प्रदेश
४	डिजिटल मैत्री पालिका बनाउने	१००	२०	२०	२०	२०	२०	संघ/प्रदेश
५	पठनपाठन डिजिटल माध्यमबाट सुरु गर्ने	१५००	३००	३००	३००	३००	३००	संघ/प्रदेश
६	सार्वजनिक निकायलाई पेपरलेस बनाउने	१०००	२००	२००	२००	२००	२००	संघ/प्रदेश
७	सोलारलाई वैकल्पिक ऊर्जाको रूपमा स्थापित गर्ने	१००००	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००	संघ
जम्मा		१४६००	२९२०	२९२०	२९२०	२९२०	२९२०	

६.५.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	मोबाइल फोन प्रयोगकर्ता	प्रतिशत							गापा	२३	९
असर	ल्याण्डलाइन टेलिफोन वितरण	संख्या							"	२३	९
प्रतिफल	इण्टरनेट सेवा उपलब्ध हुन नसकेका क्षेत्र (घरधुरी)	प्रतिशत							"	२३	९
	स्थानीय केवल नेटवर्क तथा इण्टरनेट सेवा प्रदायक संस्थाहरु	संख्या							"	२३	९
	निःशुल्क इन्टरनेट सेवा वाइफाई उपलब्ध भएका क्षेत्रहरु	संख्या							"	२३	९
	विद्युतीय प्रणालीमा आधारित पालिकाका सेवाहरु (अनलाइन सेवा)	संख्या							"	२३	९

	विद्यालय लगायत सार्वजनिक भवन तथा कार्यालयहरुमा सुचारु इन्टरनेट सेवा	संख्या								"	३	९
	सार्वजनिक स्थल तथा कार्यालयहरुमा जडित सि.सि.क्यामेरा	संख्या								"	३	९



#### ६.५.७ अपेक्षित उपलब्धी

आर्थिक व्यवस्था गरी फ्री वाइफाइको व्यवस्था भएको हुनेछ । टेलिकमसँग समन्वय गरी नेटवर्कको पहुँच पुग्ने व्यवस्था भएको हुनेछ । आर्थिक व्यवस्था मिलाई स्थानीय एफएम सञ्चालन भएको हुनेछ पालिकाले संचालन गरेका कार्यक्रमहरूलाई कम्तीमा प्रत्येक ६ महिनामा सार्वजनिक संचार माध्यमबाट सार्वजनिक गरेको हुनेछ । गाउँपालिकाको विद्युत्तिय शासन क्षमता अभिवृद्धि भई नागरिकहरूले सरल र सहज रूपमा सेवा र सुविधाहरू प्राप्त गरेका हुने छन् । गाउँपालिकाका सबै कार्यालयहरूमा वेभसाइट, ईमेल, फेसबुक, ट्वीटर, भाइबर जस्ता सामाजिक सञ्जालका माध्यमबाट नागरिकको गुनासो प्राप्ति तथा सुनवाई हुने व्यवस्था भएको हुनेछ । सञ्चार क्षेत्रको प्रवर्द्धन र विकासका लागि ठूला सञ्चार गृहसँग समन्वय र सहकार्य भएको हुनेछ । गाउँपालिकाको सम्पूर्ण क्षेत्रमा सूचना प्रविधि पूर्वाधारहरूको निर्माण तथा विकास भएको हुनेछ । सामुदायिक सूचना केन्द्रको स्थापना भएको हुनेछ । आम सञ्चार माध्यम व्यावसायिक, मर्यादित र जिम्मेवार भएको हुनेछ । अनलाईन सेवाहरू व्यवस्थित र विश्वासिलो भएको हुनेछ ।

#### ६.५.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

संघ र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने वित्तिय हस्तान्तरण लगायत अन्य बजेटहरू नियमित रूपमा प्राप्त हुनुपर्ने, गाउँपालिकामा आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिकहरूको पदपूर्ति हुनुपर्ने, गाउँपालिकामा सूचना तथा सञ्चारको लागि आवश्यक पूर्वाधारको व्यवस्था हुनुपर्ने, गाउँपालिकाबाट प्रवाह हुने सेवा र दैनिक कार्यसम्पादन सूचना प्रविधिमा आधारित हुनुपर्ने, सूचना तथा सञ्चार र प्रविधि क्षेत्रमा स्थानीय संघ संस्था र दातृनिकायहरूको नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, गाउँपालिकाको सूचना तथा सञ्चार नीति तर्जुमा भएको हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकार बीच सूचना, सञ्चार र प्रविधिको क्षेत्रमा आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्नेछ ।

## परिच्छेद ७: वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन

### ७.१ वन तथा जैविक विविधता

#### ७.१.१ पृष्ठभूमि

वन क्षेत्र एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक सम्पदा हो । वन, वनस्पति, वन्यजन्तु, जैविक विविधता समेट्ने यो क्षेत्र प्रत्येक रूपमा पर्यापर्यटन, जलविद्युत, कृषि, पशुपालन, स्वच्छ पर्यावरण र वन तथा जडिबुटीमा आधारित पर्यटनको विस्तार समृद्धिका आधार हुन् । स्वच्छ पर्यावरण, हरियाली, जैविक विविधता, प्राकृतिक रमणीयता, समुन्नत जलाधार, प्राकृतिक स्रोत व्यवस्थापनमा महिला, आदिवासी तथा स्थानीय समुदायको सहभागिता एवम् पहुँच र लाभको निष्पक्ष र न्यायोचित वितरण सुखी नेपालीका महत्वपूर्ण सूचक हुन् । नेपालमा उपलब्ध वानस्पतिक स्रोत तथा जडिबुटीको अध्ययन, अनुसन्धान, अभिलेखीकरण तथा दर्ता र गुण पहिचान गर्दै मुलुकभित्र मूल्य अभिवृद्धि गरी तुलनात्मक लाभ लिन सकिने प्रचुर सम्भावना रहेको छ । वन तथा जल सम्पदा जैविक विविधताको भण्डार मात्र होईनन्, यी सम्पदाहरू मानव, जीवजन्तु लगायत समग्र पर्यावरणीय सन्तुलनको आधार हुन् । यी सम्पदाहरू कृषि, उर्जा, जल तथा उद्योग धन्दाको लागि कच्चा पदार्थको स्रोत, बहुसङ्ख्याक जनसङ्ख्याको जीविकाको आधार र पर्यटकीय हिसाबले मनोरञ्जनको माध्यम पनि हुन् । यिनै विविध कारणले गर्दा नेपालको संविधानमा वातावरणीय सन्तुलन र स्वच्छताको लागि वन क्षेत्र र जैविक विविधताको संरक्षण गर्न राज्यले प्राथमिकता दिनु पर्ने प्रावधान गरेको छ । वन र जैविक विविधतालाई सन्तुलन राख्नको लागि प्राप्त सरकाले वातावरण संरक्षण ऐन, २०७६ र वातावरण संरक्षण नियमावली, २०७७ तयार गरी हरेक स्थानीय तहलाई आफैले वातावरण तर्जुमा योजना निर्माण गर्न पाउने प्रावधान तय गरेको छ । यसले स्थानीय तहको वन व्यवस्थापन, जलाधार संरक्षण तथा जैविक विविधता संरक्षणमा ठूलो टेवा पुग्ने छ ।

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा व्यवस्थित सामुदायिक वन रहेको, जडीबुटीहरूको उपलब्धता रहेको, विविध लोपन्मुख जनावरहरू रहेको छ । सबै वन क्षेत्रमा आगलागीको संभावना बढी रहेको छ । नर्सरी विरूवा उत्पादन तथा वितरण नभएको अवस्था रहेको छ । वृक्षारोपण तथा चराचुरूङ्गीको अभिलेख तथा प्रोफाइल निर्माण भएको छैन । वन्य जनावर (बाँदर)बाट बालीनालीमा क्षति पुगेको छ र हिसांत्मक जनावरबाट मानवीय क्षतिको पनि अवस्था रहेको छ ।

#### ७.१.२ समस्या र चुनौती

##### समस्या

वनजङ्गलमा घेराबारा नरहेको, वन हेरालुको व्यवस्था नभएको, अग्नि नियन्त्रण उपकरणको अभाव रहेको, वन क्षेत्र सिमाङ्कनमा विवाद हुनु, भिरालो भू-भाग हुनु र वन संरक्षण प्रति जनचेतनाको कमी, प्राविधिक ज्ञानको कमी तथा आर्थिक समस्या हुनु, नर्सरी विरूवा उत्पादन गर्न प्राविधिक ज्ञान तथा पूर्वाधारको अभाव हुनु, वन संरक्षण तथा जैविक विविधता संबर्द्धन कार्यविधिको अभाव हुनु, वन्यजन्तु र जनावर संख्यात्मक वृद्धि हुनु, वस्ती नजिकै वन जंगल भई आहाराको समस्या हुनु, वनमा रहेका जडिबुटीहरूको संरक्षण हुन नसकेको, उपलब्ध जडीबुटीको उचित प्रसोधन र बजार व्यवस्थापन नभएको, वनको दिगो व्यवस्थापन हुन नसकेको, वन पैदावार, भू-क्षय, आगलागी जस्ता प्राकृतिक प्रकोप रहेको, वन फडानीको कारण पानीका

स्रोत र मुहानहरूको संरक्षण नभएको, डढेलो र वन जथाभावी फडानी नियन्त्रण नभएको आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

### चुनौती

विकास र वातावरण बीच सन्तुलन कायम गर्नु, वन तथा वातावरण संरक्षणलाई आर्थिक क्रियाकपालसँग आवद्ध गर्नु, डढेलो नियन्त्रण र जथाभावी वन फडानी नियन्त्रण गर्नु, वन पैदावार र वन्यजन्तुहरूको संरक्षण गर्नु, दाउरा, घर निर्माण र फर्निचरको लागि वन फडानी रोक्नु, वन, वातावरण तथा जैविक विविधता सम्बन्धी जनचेतनामा वृद्धि गर्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ७.१.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

विद्यमान प्राकृतिक स्रोतहरूको समुचित प्रयोग गरी आय आर्जन बढाउन सकिने, जैविक विविधता संरक्षण गरी पर्या पर्यटनको विकास हुने, वातावरणीय सरसफाइ तथा हरियाली प्रवर्द्धन हुने, सामुदायिक वनहरूमा जङ्गल पार्कको अवधारणा लागू गरी आय श्रोत वृद्धि गर्न सकिने, वन संरक्षणको लागि सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूलाई थप जिम्मेवार बनाउन सकिने, सामुदायिक वन उपभोक्ता समिति र वन उपभोक्ताहरूलाई वन संरक्षण सम्बन्धी अभिमुखीकरण तालिम सञ्चालन गर्न सकिने, समुदायको संलग्नतामा वृद्धि भई वातावरण प्रति जनतालाई उत्तरदायी बनाउने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

वनको दिगो व्यवस्थापन भई स्थानीयवासीहरूको जीवनस्तरमा सकारात्मक प्रभाव पर्ने, भू-स्खलन नियन्त्रण तथा वन पैदावार, वन्यजन्तु र जैविक विविधताको संरक्षण हुने, भू-क्षय, पहिरो, आदिको प्रकोप न्यूनिकरण हुने, पानीका स्रोत र मुहानहरूको संरक्षण हुने, वनमा रहेका जडिबुटीहरूको संरक्षण हुने, डढेलो र वन जथाभावी फडानी नियन्त्रण हुने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

### ७.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### लक्ष्य

वन वातावरण तथा जैविक विविधताको संरक्षण गर्ने ।

#### उद्देश्य

- वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन मार्फत वन पैदावारको उत्पादनमा वृद्धि तथा वन, वन्यजन्तु र जैविक विविधताको संरक्षण गर्नु ।

रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
<p>वन, जैविक विविधताको संरक्षण एवम् विकास गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• वन संरक्षण तथा प्रवर्द्धनका लागि कानून निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• एक घर एक बिरुवा रोपन कार्यक्रमलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• वन क्षेत्रको खाली जमिन र बुट्यान क्षेत्रमा वृक्षरोपण गरी वनको क्षेत्रफल संरक्षण गरिनेछ ।</li> <li>• वन्य जन्तु नियन्त्रण सम्बन्धी साथै वनक्षेत्र व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यनीति तयार गरी गोष्ठी सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• विभिन्न तह र संघसंस्थासँग समन्वय गरी सचेतनामूलक कार्यक्रम - गोष्ठी, सेमिनार मार्फत जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।</li> <li>• अमिनको व्यवस्थापन गरी वन क्षेत्रको सिमाङ्कन गरिनेछ ।</li> <li>• वन, जैविक विविधताको संरक्षणका निमित्त आवश्यक दक्ष जनशक्ति व्यवस्थापन गरिनेछ ।</li> <li>• प्रभावित क्षेत्रका सरोकारवाला सबै पक्षहरूसँग समन्वय गरी बजेट व्यवस्थापन गरिनेछ ।</li> <li>• सरोकारवाला पक्षहरूसँग समन्वय गरी आवश्यक कार्यविधि तयार वन्य जन्तु नियन्त्रण र जडीबुटी प्रसोधन एवं बजार व्यवस्थापन गरिनेछ ।</li> <li>• वातावरणीय अनुकूल विकास निर्माणका योजना तथा काम गरिनेछ ।</li> <li>• वातावरण संरक्षणका लागि सचेतना तथा संवर्द्धनका लागि अभियान कार्यक्रम गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>वन जङ्गल, जडिबुटी तथा वातावरण विकास एवम् संरक्षणलाई आय र रोजगारीसँग आवद्ध गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सामुदायिक वनमा जन सहभागिता र स्वामित्व वृद्धि गरी प्रभावकारी व्यवस्थापन र उपयोगबाट पशुपालन, काठ तथा काष्ठ जन्य औद्योगिक उत्पादन आदिमा उपभोक्ताहरूलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• कवुलियती वनको विकास गरी अति विपन्न परिवारको आय आर्जनको आधारको रूपमा विकास गरिनेछ ।</li> <li>• निजी जग्गामा बढी आयमूलक काठ, जडिबुटी, डाले घाँस तथा फलफूलको बिरुवा लगाई आय आर्जनमा संलग्न हुन किसानहरूलाई प्रोत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीय काष्ठजन्य उत्पादनलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।</li> </ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सामुदायिक वनहरुमा जङ्गल पार्कको अवधारणा लागू गरी स्थानीय आय स्रोत वृद्धि गरिनेछ ।</li> <li>• वन, वातावरण, जैविक विविधता आदि प्राकृतिक विविधता र सुन्दरतालाई पर्यटन प्रवर्द्धनसँग आवद्ध गरी स्थानीय आय र रोजगारीमा वृद्धि गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>वातावरण विनास, चोरी शिकारी, नियन्त्रण गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• वातावरण र विकास बीच सन्तुलन कायम राखी पूर्वाधार निर्माण कार्यक्रममा हुने वातावरणीय क्षतिलाई कम गर्ने उपयहरूलाई अवलम्बन गरिनेछ ।</li> <li>• वन पैदावार तथा वन्यजन्तु चोरी निकासी जस्ता गैरकानुनी र वातावरण विनास गर्ने डढेलो, चरिचरण जस्ता कार्यमाथि नियन्त्रणको लागि कार्य योजना बनाई लागू गरिनेछ ।</li> </ul>

७.१.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : वन तथा जैविक विविधता								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)					पाँचौ वर्ष	
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष		
१	खुला ठाउँमा वृक्षारोपण कार्यक्रम	५	१	१	१	१	१	स्थानीय तह आफै
२	निश्चित जङ्गलमा घेराबार कार्यक्रम	१०	२	२	२	२	२	स्थानीय तह आफै
३	वन्यजन्तु संरक्षण कार्यक्रम	६	१	१	१	१	२	स्थानीय तह आफै
<b>जम्मा</b>		<b>२१</b>	<b>४</b>	<b>४</b>	<b>४</b>	<b>४</b>	<b>५</b>	

७.१.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	जैविक संरक्षणका लागि मिचाहाप्रजाति नियन्त्रण, वृक्षारोपण, रिचार्ज पोखरी, अग्नी रेखा, झाडी सफाई कार्यहरूको प्रकार	प्रकार संख्या							गापा	७	१५

असर	जैविक विविधता संरक्षण सम्बन्धी जनचेतनामूलक अभिमुखी कार्यक्रमहरू संचालन	संख्या								"	७	१५
प्रतिफल	सामुदायिक वनले ओगटेको क्षेत्र	हेक्टर								"	७	१५
	धार्मिक, निजी, कवुलियती वनले ढाकेको क्षेत्र	हेक्टर								"	७	१५
	वन्यजन्तुवाट अन्नवालीमा पुगेको वार्षिक क्षति	रु.लाख								"	७	१५
	वृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र	हेक्टर								"	७	१५
	संरक्षित चरन क्षेत्र	संख्या								"	७	१५
	वन जङ्गलको कूल क्षेत्रफल (कूल भूमिको)	प्रतिशत								"	७	१५
	जडीवुटीमा आधारित उद्योग र रोगजारी	संख्या								"	७	१५
	गैरकाष्ठ वन पैदावारको व्यवसायिक खेती क्षेत्र	हेक्टर								"	७	१५

	वातावरणीय अध्ययन प्रतिवेदनका आधारमा निर्माणजन्य तथा नदीजन्य पदार्थको उत्खनन	घनमिटर								”	७	१५
	प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण र वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कन गरी सञ्चालित उद्योग व्यवसाय	संख्या								”	७	१५



### ७.१.७ अपेक्षित उपलब्धी

अग्नि नियन्त्रण उपकरणको व्यवस्था भएको हुनेछ । अग्निरेखा निर्माण, वन संरक्षणको लागि वन हेरालुको व्यवस्था र घेराबाराको निर्माण भएको हुनेछ । वन संरक्षण तथा जैविक विविधता संवर्द्धन सम्बन्धी जनचेतना बढेको हुनेछ तथा वन क्षेत्रमा अग्निरेखा निर्धारण भएको हुनेछ । विभिन्न संघ, संस्था तथा स्थानीय, प्रदेश र संघीय सरकारसँग समन्वय मार्फत बिरुवा उत्पादन बढेको हुनेछ । वन संरक्षण तथा जैविक विविधता संवर्द्धन कार्यविधि तयार गरी आवश्यक परामर्श लिएको हुनेछ । वन्य जनावर नियन्त्रण कार्यविधि बनेको हुनेछ र वनमा तुलनात्मक लाभ हुने र उच्च मुल्यका जडीबुटी तथा फलफूल खेती गरिएको हुनेछ । जडीबुटी प्रशोधन केन्द्र खोली बजार व्यवस्थापन भएको हुनेछ । एक घर एक बिरुवा रोपन कार्यक्रमलाई अभियानका रूपमा सञ्चालन भएको हुनेछ । सामुदायिक वनहरूमा जङ्गल पार्कको अवधारणा लागू गरी स्थानीय आय स्रोत वृद्धि भएको हुनेछ । सामुदायिक वन उपभोक्ता समिति र वन उपभोक्ताहरूले वन संरक्षण सम्बन्धी तालिम प्राप्त गरेको हुनेछ । वन विनास नियन्त्रण हुनेछ । इन्धनको रूपमा दाउरा प्रयोग गर्नेको अनुपात घटेको हुनेछ । वन पैदावार र वन्यजन्तुको संरक्षण भएको हुनेछ । वनको वैज्ञानिक व्यवस्थापन भएको हुनेछ । पहिरो र भू-क्षयमा कमी आएको हुनेछ । आधुनिक धुवाँरहित चुलोको प्रयोग बढेको हुनेछ । विकास गर्दा वातावरणमैत्री विकासलाई प्राथमिकता दिएको हुनेछ । वातावरण परिक्षण मूल्याङ्कन गरेर मात्र विकास कार्यको स्वीकृत हुनेछ । जैविक विविधताको संरक्षण प्रभाकारी भएको हुनेछ ।

### ७.१.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

संघ र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने वित्तिय हस्तान्तरण लगायत अन्य बजेटहरू नियमित रूपमा प्राप्त हुनुपर्ने, आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिकहरूको पदपूर्ति हुनुपर्ने, गाउँपालिकाको वन तथा जैविक विविधता सम्बन्धी नीति तर्जुमा हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृनिकायहरूको वन तथा जैविक विविधताको क्षेत्रमा नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकार बीच वन तथा जैविक विविधता संरक्षणमा आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्ने, गाउँपालिकाले वन तथा जैविक विविधता संरक्षण सम्बन्धी योजना तथा कार्यक्रमको लागी नियमित बजेटको व्यवस्था गरेको हुनुपर्नेछ ।

## ७.२ भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

### ७.२.१ पृष्ठभूमि

यो गाउँपालिका पहाडी भूगोल भएको कारण यहाँ पहिरो र भू-क्षयको समस्या रहेको छ । भू-क्षयको प्रत्यक्ष सम्बन्ध जलाधारसँग जोडिएको छ । दिगो प्राकृतिक श्रोत व्यवस्थापन र स्थानीय जनताको जिविकोपार्जनको लागि जलाधार व्यवस्थापन एउटा यस्तो पद्धति हो जसले सबै विषयहरू जस्तै वन, कृषि, चरन आदिलाई समाहित गरेको हुन्छ । यस पद्धतिले जलाधार क्षेत्रको दुबै माथिल्लो तटिय र तल्लो तटिय क्षेत्रमा रहेका बहुसरोकारवालाहरूको बीचमा अन्तरक्रिया र सहयोग गराउँदछ । स्थानीय जनताहरूको जीविकोपार्जनमा सुधार ल्याउन, जलाधार क्षेत्रको माथि र तल दुबै क्षेत्रको पर्यावरण र अवस्थालाईसँगै लैजान र जलाधारका

स्रोतहरूको दिगो व्यवस्थापन गर्न विभिन्न नीति निर्माता, अनुभवी व्यक्तिहरू र समुदायको बीचमा नियमित बहस, अन्तरक्रिया र छलफल गर्ने पद्धतिको विकास गर्नु अपरिहार्य छ ।

डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाले आफ्नो क्षेत्रभित्र भू-संरक्षण, जलाधार व्यवस्थापन, पहिरो तथा भू-क्षय नियन्त्रणलाई स्थानीय सरकारको मुख्य जिम्मेवारीको रूपमा लिई विपद् व्यवस्थापन कोषको गठन गर्ने नीति लिएको छ । पहिरो र भू-क्षय पहिरो यहाँका प्रमुख विपद्हरू भएतापनि यस्ता विपद्हरूबाट विगतका वर्षहरूमा गाउँपालिकामा ठूलो क्षति भएको छैन । गाउँपालिकाले पहिरो तथा भू-क्षय नियन्त्रणको लागि सडक लगायत विकास निर्माण गर्दा वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कनलाई अनिवार्य गरिनु पर्दछ । साथै पहिरो तथा भू-क्षय नियन्त्रणको लागि स्थानीय परम्परागत प्रविधिको प्रयोगलाई समेत जोड दिनुपर्दछ । हाल यस डुङ्गेश्वर गाउँपालिकामा लोहोरे खोलामा पर्यटनको सम्भावना रहेको, कुइया तालमा पर्यटनको सम्भावना रहेको छ भने कोटाफोर कोट जिर्ण अवस्थामा रहेको छ ।

### ७.२.२ समस्या र चुनौती

#### समस्या

नदी तटबन्धन नभएको, रिचार्ज पोखरीहरूको अभाव रहेको, पानीका मूलहरूको संरक्षण नभएको, व्यवस्थित नालाको अभाव रहेको, पहाडी भू-भाग भएकोले भौगोलिक समस्याका कारण भू-क्षय र पहिरोको जोखिम हुनु, पहिरो तथा भू-क्षय नियन्त्रणको लागि गाउँपालिकासँग पर्याप्त बजेट (आर्थिक कठिनाई) प्रविधि र यन्त्र उपकरण नभएको, आवश्यक प्राविधिक तथा दक्ष जनशक्तिको अभाव हुनु, पहिरो तथा भू-क्षय सम्बन्धी जनचेतनाको अभाव हुनु र स्थानीय तहको ध्यान कम हुनु, अव्यवस्थित बसोबास र भौगोलिक बनावटको समस्या हुनु, पहिचान नगरी जथाभावी सडक निर्माणको कारण बाढी पहिरोको समस्या भएको, कमजोर सडक पूर्वाधारको कारण पहिरो र भू-क्षयबाट हुने मानवीय जोखिम न्यूनीकरण गर्न कठिन हुने आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

#### चुनौती

विपद्मा परेका घरपरिवार तथा समूहलाई तत्काल राहतको व्यवस्था गर्नु, वर्षातको समयमा हुने पहिरो तथा भू-क्षयलाई नियन्त्रण गर्न पर्याप्त बजेट, प्रविधि र यन्त्र उपकरणको व्यवस्था गर्नु, जलवायु परिवर्तनको कारण विपद् व्यवस्थापनलाई समय अनुकूल परिमार्जित र व्यवस्थित गर्न नसक्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ७.२.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

वन र कृषि दुबै क्षेत्रको संरक्षण गर्दै आयआर्जनमा जोड दिन सकिने, जलाधार क्षेत्रमा विभिन्न जलचरहरू पाइने, जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको उच्चतम प्रयोग गरी कृषि, उद्योग, पर्यटन आदिको विकास गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्न सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

अवसर

जोखिम क्षेत्र पहिचान गरी वस्ती विकासलाई सुरक्षित र व्यवस्थित गर्न सकिने, भू-क्षय नियन्त्रण गरी प्राकृतिक स्रोतको संरक्षण गर्न सकिने, दिगो विकासको बाटोमा पालिकालाई डोर्याउन सकिने, सबै प्रकारका विपद्को सामना गर्न आधुनिक प्रविधि संरचना, मापदण्ड र आवश्यक दक्ष जनशक्तिको विकास गर्न सकिने, पहिरो र भू-क्षय नियन्त्रणको लागि अन्तर सरकार र दातृ निकायहरूसँग समन्वय र सहकार्य गर्न सकिने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

७.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

लक्ष्य

भू-क्षय र बाढि, पहिरो नियन्त्रण गरी वातावरण अनुकूलित विकास र दिगो विकास गर्ने ।

उद्देश्य

- बाढी, पहिरो तथा प्राकृतिक प्रकोपको जोखिम न्यूनिकरण गर्नु ।
- जलवायु उत्थानशिल विकास निर्माण गर्नु ।

रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
पहिरो तथा भू-क्षय रोकथाम तथा नियन्त्रण गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"><li>• भू-उपयोग नीति लागु गरी पहिरो तथा भू-क्षयका सम्भावित जोखिमयुक्त स्थानहरूको पहिचान र नक्साङ्कन गरी रोकथाम तथा नियन्त्रण गरिनेछ ।</li><li>• स्थानीय सरोकारवालाहरूसँग समन्वय गरी नाङ्गा डाँडा, सडक किनार, नदी किनारमा वृक्षारोपण गरिनेछ ।</li><li>• जोखिमयुक्त स्थानमा दीर्घकालिन योजना गरी तटबन्धन गरिनेछ ।</li><li>• भू-पहिचान गरेर मात्र सडक निर्माण गरिनेछ ।</li><li>• पहिरो तथा भू-क्षय नियन्त्रणको लागि स्थानीय प्रविधिको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।</li><li>• जोखिमयुक्त स्थानहरूको पहिचान गरी स्थायी तटबन्ध निर्माण र ग्यावियन वाल निर्माण गरिनेछ ।</li><li>• प्रभावित तथा जोखिमयुक्त स्थानबाट सुरक्षित स्थानमा वस्ती स्थानान्तरण गरिनेछ ।</li><li>• आवश्यक यन्त्र उपकरणहरू खरिद गरिनेछ ।</li><li>• सचेतना कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।</li><li>• विकास निर्माण गर्दा IEE तथा EIA गर्ने र विकास गरिनेछ ।</li><li>• फलफुल खेती प्रोत्साहनका काम गरिनेछ ।</li></ul>

<p>पूर्व सूचना प्रणालीको व्यवस्था गर्ने ।</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• जोखिमयुक्त स्थानहरूमा विपद् पूर्व सूचना प्रणालीको व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीय सञ्चार माध्यम र सामाजिक सञ्जालबाट जोखिमको पूर्व सूचना प्रचार प्रसार गरी मानवीय र भौतिक क्षति न्यूनीकरण गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>एकीकृत जलाधार व्यवस्थापन योजना तर्जुमा, जलाधार क्षेत्रको संरक्षण विकास र व्यवस्थापन गर्ने ।</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• जलाधार विकास मार्फत स्थलिय तथा जलिय जैविक विविधता संरक्षणको लागि एकीकृत जलाधार व्यवस्थापनको योजना तर्जुमा गरिनेछ ।</li> <li>• पानीको मुहान संरक्षण, मुहान आसपास जङ्गल फडानी रोकथाम र मुहान वरिपरि रुख बिरुवा लगाउने कार्यलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।</li> <li>• ताल तलैयाको संरक्षण, रिचार्ज पोखरीको निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• जलस्रोत क्षेत्रको अध्ययन, अनुसन्धान, तथ्याङ्क सङ्कलन, विश्लेषण, अभिलेखीकरण, नियमन तथा संरक्षणको लागि पालिका मातहतमा आवश्यकता अनुरूप शाखाको व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• जलाधार क्षेत्रको पहिचान तथा संरक्षण र उपयोग गरिनेछ ।</li> <li>• साझेदार र सरोकारवाला संघ संस्था र अन्तर सरकारसँग सहयोग सहकार्य गरिनेछ ।</li> </ul>

७.२.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : भू संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	लोहोरे, पराजुली, मटेला खोला तटबन्धन कार्यक्रम	५०	१०	१०	१०	१०	१०	प्रदेश
२	डुङ्गेश्वर बजार पहिरो र नदीको जोखिम भएकोले तारजाली सुरक्षा वाल निर्माण	२००	४०	४०	४०	४०	४०	संघ/प्रदेश
३	जोखिम क्षेत्रमा वृक्षारोपण कार्यक्रम	५	१	१	१	१	१	स्थानीय तह आफै
४	मुतेखोला देखि टिमीले तटबन्धन कार्यक्रम	३००	६०	६०	६०	६०	६०	संघ/प्रदेश
जम्मा		५५५	१११	१११	१११	१११	१११	

७.२.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८१ /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	संरक्षित पानी मुहान क्षेत्र	संख्या							गापा	७	१३
असर	भूक्षय नियन्त्रणका लागि प्रयोगमा ल्याइएको वायोइन्जिनियरिड (घाँसपात, झार तथा वनस्पति रोपण) गरिएका क्षेत्रहरु	संख्या							"	७	१३
प्रतिफल	संरक्षित गल्छी तथा पहिरोहरु	संख्या							"	७	१३
	पहिरो नियन्त्रणका लागि निर्मित रिटेनिडवालहरु	संख्या							"	७	१३
	भूक्षय नियन्त्रणका लागि वृक्षारोपण गरिएका उजाड डाँडा पाखाहरु	संख्या							"	७	१३

जलउत्पन्न प्रकोप, नदी कटानवाट प्रभावित भएका वस्तीहरू	संख्या								"	७	१३
संरक्षित तालतलैया, पोखरी र सिमसार क्षेत्र	संख्या								"	७	१३
खोला नदीमा निर्माण गरिएको तटवन्धको संख्या र कूल लम्वाई	संख्या /किमि								"	७	१३
खोला तथा नदीको दुवै किनारामा गरिएको वृक्षारोपणले ओगटेको भूमि	हेक्टर								"	७	१३
सडक किनारामा गरिएको वृक्षारोपणले ओगटेको भूमि	किमि								"	७	१३
संरक्षित जलाधार क्षेत्रहरू	संख्या								"	७	१३

### ७.२.७ अपेक्षित उपलब्धी

उचित ठाउँमा नदी तटबन्धन भएको हुनेछ । आवश्यकता अनुसार रिचार्ज पोखरीहरू निर्माण भएको हुनेछ । सडक नालाहरू व्यवस्थित भएको हुनेछ । पानीका मुहानहरूको उचित संरक्षण भएको हुनेछ । जनचेतना जगाई स्थानीय तहको संयोजनमा वृक्षारोपण भएको हुनेछ । स्थानीय तथा विभिन्न संघसंस्थासँगै समन्वय गरी कार्य भू तथा जलाधार संरक्षण भएको हुनेछ । आवश्यक श्रोत जुटाई बाटो निर्माण तथा वातावरण संरक्षणमा जोड दिएको हुनेछ । प्राविधिक तथा दक्ष जनशक्ति उत्पादन गरी भू तथा जलाधार संरक्षण प्रभावकारी ढङ्गले भएको हुनेछ । सुरक्षित स्थानमा एकीकृत वस्तीको अवधारणा सुरुवात भएको हुनेछ । आवश्यक कार्यविधि बनाई भू तथा जलाधार क्षेत्र पहिचान गरी व्यवस्थापन भएको हुनेछ । दिर्घकालीन योजना बनाई भू पहिचान गरी सडक निर्माण कार्य अघि बढेको हुनेछ । आर्थिक तथा प्राविधिक श्रोत जुटाई नदीको संभावित जोखिम आवश्यक ठाउँमा तटबन्धन वायो ईन्जिनियरिङ भएको हुनेछ । पहिरो र भू-क्षयका सम्भावित स्थानहरूको पहिचान र नक्साङ्कन भई रोकथाम गरिएको हुनेछ । पिडितहरूले उचित क्षतिपूर्ति प्राप्त गरेका हुने छन् ।

### ७.२.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

संघ र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने वित्तिय हस्तान्तरण लगायत अन्य बजेटहरू नियमित रूपमा प्राप्त हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृ निकायहरूको गाउँपालिकाको भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापनको क्षेत्रमा नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, गाउँपालिकाको भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन सम्बन्धी नीति तर्जुमा भएको हुनुपर्ने । स्थानीय खोलानाला तथा नदिहरूमा तटबन्धको निर्माण भएको हुनुपर्ने, स्थानीय खोलानाला तथा नदिहरूको दोहन बन्द हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकारबिच भू-संरक्षण क्षेत्रमा आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्नेछ ।

### ७.३ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

#### ७.३.१ पृष्ठभूमि

मानवीय क्रियाकलाप र प्राकृतिक वातावरण बिचको अन्तरक्रिया र अन्तरसम्बन्धलाई सन्तुलित गर्ने कार्य नै वातावरण व्यवस्थापन हो । नेपालको संविधानले हरेक नागरिकले स्वच्छ तथा स्वस्थ वातावरणमा बाँच्न पाउने मौलिक हकको व्यवस्था गरेको छ । फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्ने कानुनी दायित्व र अधिकार स्थानीय सरकारलाई तोकेको छ । फोहोरमैला व्यवस्थापन ऐन, २०६८) संशोधन २०७४ को परिच्छेद २ को दफा ३ मा व्यवस्था भए बमोजिम फोहोरमैलाको सङ्कलन, अन्तिम विसर्जन तथा प्रशोधनको लागि आवश्यक पर्ने पूर्वाधार तथा संरचनाको निर्माण तथा सञ्चालन गर्ने जिम्मेवारी स्थानीय तहको हुनेछ लेखिएको छ । यसैगरी दफा ११ प्रारम्भिक चरणमा सङ्कलन भएको फोहोरमैला व्यवस्थित गर्न कुनै स्थानलाई स्थानान्तरण केन्द्रको रूपमा तोक्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ भने दफा १२ मा फोहोरलाई स्थायी विसर्जन गर्नको लागि वातावरण सम्बन्धी प्रचलित कानुनको अधिनमा रही फोहोरमैला व्यवस्थापन स्थल तोक्न सक्ने छ भनि उल्लेख गरेको छ । त्यसैले फोहोरमैला व्यवस्थापनको प्रबन्ध मिलाउने जिम्मेवारी स्थानीय तहको हुनेमा दुईमत छैन तसर्थ कानुनी आधारमा टेकेर स्थानीय सरकारले फोहोरको व्यवस्थापन गर्न निर्देशिका



बनाई त्यसको माध्यमबाट स्थानीय स्तरमा नै विविध योजना र कार्यक्रमहरू बनाई त्यसको प्रभावकारी कार्यान्वयन मार्फत नगरिकलाई सुसूचित गर्ने जिम्मेवारी स्थानीय निकायको हो ।

यस गाउँपालिकामा घरभित्रको वायु प्रदुषण न्यूनीकरणको आंशिक मात्रामा मात्र प्रयास भएको छ । हरित पार्क तथा एक वडा एक उद्यान निर्माण भएको छैन । ढुङ्गा तथा बालुवाको व्यवस्थित उत्खनन नभएको अवस्था देखिन्छ । खुल्ला दिशामुक्त क्षेत्र घोषणा भएको तर कार्यान्वयन नभएको अवस्था छ । वातावरण संरक्षण कार्ययोजना बनेको छैन । ल्याण्डफिल साइटको पहिचान र व्यवस्थापन भएको छैन । घरबाट निस्कने फोहोरको आंशिक व्यवस्थापन भएको देखिन्छ । सार्वजनिक स्थलका शौचालय एवं डस्टबिनको निर्माण आंशिक मात्रामा रहेका छन् । ल्याण्डफिल साइटको जग्गा उपलब्ध भएको छ । कुनै कुनै ठाउँमा फोहोर मैला समिति रहेको छ ।

### ७.३.२ समस्या र चुनौती

#### समस्या

वातावरण संरक्षण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी स्थानीय तहमा आवश्यक कानुनी व्यवस्था तथा कार्यविधि नभएको, साथै स्थानीय तह र विभिन्न संघसंस्थासँग समन्वयको अभाव हुनु, वातावरण संरक्षण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापनको जनचेतनाको अभाव हुनु र स्थानीय तहको प्राथमिकतामा नपर्नु, उचित फोहोरमैला व्यवस्थापनको लागि स्यानिटरी ल्याण्डफिल साइटको पूर्वाधार नभएको, बजार क्षेत्रमा फोहोरको मात्रा बढ्दै गरेको, प्लाष्टिक झोलाहरूको प्रयोगमा वृद्धि हुनु, गाउँपालिकाबाट फोहोर सङ्कलनको उचित व्यवस्थाको कमी हुनु, वातावरण संरक्षणमा अत्यन्त न्यून बजेटको व्यवस्था हुनु, सार्वजनिक स्थलमा डस्टबिन नरहेको, सार्वजनिक शौचालयहरू नभएको, आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

#### चुनौती

वस्ती विस्तारसँगै फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्न, फोहोरको श्रोतमै कुहिने र नकुहिने अनि पुनः प्रयोगमा ल्याउन सकिने गरि वर्गिकरण गरि उचित व्यवस्थापन गर्ने, प्लाष्टिक जन्य फोहोरको नियन्त्रण र व्यवस्थापन गर्न, फोहोरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी जनचेतना वृद्धि गर्ने, प्राकृतिक वातावरण र मानवीय वातावरण विच सन्तुलन बनाई राख्न आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ७.३.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

प्रदेशमा उद्योग, वन तथा वातावरण मन्त्रालयको गठन हुनु र यसले वातावरण संरक्षणमा तदारुकता देखाउनु, फोहोरलाई ऊर्जा रूपमा प्रयोग गर्न सक्ने प्रविधिको विकास हुनु, वातावरण संरक्षणको क्षेत्रमा दक्ष जनशक्ति उत्पादन हुन सक्ने, वातावरण संरक्षणमा गैरसरकारी संस्थाहरूको परिचालन गर्न सकिने, तीव्र शहरीकरण भई नसकेकोले शहरलाई व्यवस्थित गर्दै वातावरण संरक्षण गर्न सकिने, फोहोरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि भई फोहोरलाई स्रोत मै व्यवस्थापन गर्न सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

## अवसर

वातावरण, फोहोर व्यवस्थापन र प्रदूषण नियन्त्रण क्षेत्रमा स्थानीय सरकार, विकास साझेदार तथा अन्य सरकारी/ गैरसरकारी संस्थाहरू, उपभोक्ता समितिहरू र नागरिकको चासो बढ्दै जानु, प्रदेश तथा सङ्घीय सरकारको फोहोर व्यवस्थापनको नीति, रणनीति र निर्देशिकाहरू निर्माण हुनु, वातावरण संरक्षण सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरी स्थानीयवासीहरूलाई परिचालन गर्न सकिने, वातावरण संरक्षणमा पर्याप्त बजेटको व्यवस्था गर्न सकिने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

## ७.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

### लक्ष्य

वातावरणीय संरक्षण तथा फोहोरको दिगो व्यवस्थापन गरी स्वस्थ, स्वच्छ र सफा वातावरणको प्रत्याभूति दिने ।

### उद्देश्य

- हराभरा वातावरण निर्माण गर्नु र वातावरणमैत्री स्थानीय साशन गर्नु ।
- पूर्ण सरसफाई उत्मुख गाउँपालिका घोषणा गर्नु ।

### रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
वातावरण स्वच्छ हरियाली बनाउने	<ul style="list-style-type: none"><li>• प्रदूषणका कारक तत्वहरूको पहिचान गरी त्यस्ता कारक तत्वहरूलाई हटाउन/कम प्रयोग गर्ने/न्यूनिकरण गर्ने नीति ल्याईने छ ।</li><li>• आफ्नो वरपरको वातावरणीय सरसफाइ नियमित गर्ने ।</li><li>• प्लाष्टिक निषेधित अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।</li><li>• सार्वजनिक शौचालयहरूलाई स्थानीय संघ संस्था तथा समुदायबाटै सञ्चालन तथा व्यवस्थापन गरिनेछ ।</li><li>• सार्वजनिक ठाउँमा शौचालय तथा डस्टबिनको निर्माण गरिनेछ ।</li><li>• एक घर एक धाराको व्यवस्था गरिनेछ ।</li><li>• सुधारिएको चुलो, सोर्य उर्जा, वैकल्पिक उर्जामा विस्तार, उत्पादन, उपयोगिता बढाइनेछ ।</li><li>• प्रत्येक वडाहरूमा हरित पार्क उद्यान निर्माण गरिनेछ ।</li><li>• अव्यवस्थित ढुङ्गा तथा वालुवा उत्खनन सम्बन्धी कार्यविधि बनाइनेछ ।</li></ul>
वातावरण व्यवस्थापन सम्बन्धी जनचेतना जगाउने	<ul style="list-style-type: none"><li>• फोहोर व्यवस्थापनका लागि बजार व्यवस्थापन, ढल निकास, डम्पीङ्ग साइटको व्यवस्थापन गरिनेछ ।</li><li>• घरको फोहरलाई व्यवस्थापन गर्न तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।</li></ul>

<p>र फोहोरमैला व्यवस्थापन तथा सुरक्षित रूपमा विसर्जन गर्ने</p>	<ul style="list-style-type: none"><li>• कुहिने र नकुहिने गरी छुट्टाछुट्टै सङ्कलन गरी कुहिने फोहरलाई कम्पोष्ट मल बनाउन प्रयोग गरिनेछ ।</li><li>• गाउँपालिका भित्रका प्रत्येक वडा र टोलहरुबाट फोहोरमैला नियमित सङ्कलन गर्ने व्यवस्था गरिनेछ ।</li><li>• फोहोरमैला व्यवस्थापन तथा सरसफाइ प्रवर्द्धन गर्न जनचेतना अभिवृद्धि गरी जनसहभागितामा कार्यक्रमलाई प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।</li></ul>
--	---

७.३.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : वातावरण तथा फोहोर यवस्थापन								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	ल्यान्डफिल्ड साइटको व्यवस्था गर्ने	२	०.४	०.४	०.४	०.४	०.४	स्थानीय तह आफै
२	चोकचोकमा डस्टबिनको प्रबन्ध मिलाउने	१	०.२	०.२	०.२	०.२	०.२	स्थानीय तह आफै
३	सुरक्षित पानीको व्यवस्थापन गर्ने	५	१	१	१	१	१	स्थानीय तह आफै
४	शौचालयहरू व्यवस्थापन गर्ने	५	१	१	१	१	१	स्थानीय तह आफै
५	धुवा रहित चुलो वितरण कार्यक्रम	१००	२०	२०	२०	२०	२०	प्रदेश
<b>जम्मा</b>		<b>११३</b>	<b>२२.६</b>	<b>२२.६</b>	<b>२२.६</b>	<b>२२.६</b>	<b>२२.६</b>	

७.३.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	पालिकाले प्रयोगमा ल्याएको फोहोरमैला व्यवस्थापन प्रणालीहरू जलाउने, गाड्ने, खोल्सामा फाल्ने, ल्याण्डफिल साइटमा विसर्जन)	संख्या							गापा	७	१५
असर	निष्काशित फोहोरमैलाको औषतमा वार्षिक परिमाण	मे.टन							"	७	१५
प्रतिफल	श्रोतमै फोहोर न्यूनीकरण, वर्गीकरण (जैविक र अजैविक) गरी व्यवस्थापन गर्ने घरधुरी	प्रतिशत							"	७	१५
	फोहोर संकलन एवं पृथकीकरणका लागि फरकफरक रंगका डष्टविनहरू राखिएका सार्वजनिक स्थलहरू	संख्या							"	७	१५
	फोहोरमैला न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी चेतनामूलक कार्यक्रम संचालत	संख्या							"	७	१५
	कम्पोष्ट—विन तथा गावैज—पिट प्रयोग गर्ने परिवार	प्रतिशत							"	७	१५

फोहोरलाई व्यवस्थित ढंगवाट विसर्जन हुने स्थानहरु (ल्याण्डफिल साइट)	संख्या								"	७	१५
ढल निकास व्यवस्था भएको वजार क्षेत्र	संख्या								"	७	१५
ढल निकास प्रणालीवाट लाभान्वित हुन नसकेका घरधुरीहरु	प्रतिशत								"	७	१५
परम्परागत उर्जा (दाउरा) प्रयोग गर्ने घरधुरी	प्रतिशत								"	७	१५
घरभित्रको धुवाँवाट मुक्त घरधुरी (सुधारिएको चुल्हो समेत)	प्रतिशत								"	७	१५
मनोरञ्जनस्थल, पार्क र हरित क्षेत्र	संख्या								"	७	१५

### ७.३.७ अपेक्षित उपलब्धी

ल्याण्डफिल्ड साइट निर्माण तथा सार्वजनिक शौचालयहरू निर्माण भएको हुनेछ । सबै सार्वजनिक स्थलमा डस्टबिनको व्यवस्था भएको हुनेछ । नागरिकहरूमा फोहर व्यवस्थापन र ढल निकास सम्बन्धी जनचेतना फैलाई आर्थिक श्रोतको खोजी गरी व्यवस्थापन भएको हुनेछ । स्थानीय तहको आवश्यक सम्पूर्ण फोहर व्यवस्थापन र ढल निकास सम्बन्धी योजना बनाई कार्य भएको हुनेछ । कार्यविधि तथा कानुनी व्याख्या गरी व्यवस्थापन भएको हुनेछ । जनचेतना जगाई एक घर एक धाराको व्यवस्था भएको हुनेछ । समन्वय गरी दिर्घकालिन योजना बनाई कार्यान्वयन भएको हुनेछ । उचित भूगोलको व्यवस्थापन गरी फोहोरमैलाको व्यवस्थापन भई वैकल्पिक उर्जाको प्रयोग प्रयोग बढेको हुनेछ । घरको फोहरलाई व्यवस्थापन गर्न तालिमको व्यवस्था हुनेछ । कुहिने र नकुहिने फोहर छुट्टाछुट्टै सङ्कलन गरी कुहिने फोहरलाई कम्पोष्ट मल बनाउन प्रयोग हुनेछ । प्लाष्टिक झोला निषेध गरी स्थानीय सामाग्रीबाट उत्पादित वातावरण मैत्री हरित झोला उपयोगमा आउनेछ ।

### ७.३.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

संघ र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने वित्तिय हस्तान्तरण लगायत अन्य बजेटहरू नियमित रूपमा प्राप्त हुनुपर्ने, वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापनमा आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिकहरूको पदपूर्ति हुनुपर्ने, फोहोरमैला व्यवस्थापनको लागि आवश्यक पर्ने यन्त्र उपकरणहरूको व्यवस्था भएको हुनुपर्ने, स्थाई स्यानिटरी ल्याण्डफिल साइटको पूर्वाधार निर्माण भएको हुनुपर्ने, वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापनमा स्थानीय संघ संस्था र दातृनिकायहरूको नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकारविच वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापनमा आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्ने, फोहोरमैला व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यविधि तर्जुमा भएको हुनुपर्नेछ ।

### ७.४ विपद् जोखिम न्यूनिकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशिलता

#### ७.४.१ पृष्ठभूमि

नेपाल विपद्को अत्यधिक जोखिममा रहेको देश हो । यहाँ प्रत्येक वर्ष बाढी, पहिरो, चट्याङ, आगलागी, सडक दुर्घटना र महामारी जस्ता प्राकृतिक तथा गैरप्राकृतिक प्रकोपहरूका कारण जनधनको ठूलो क्षति तथा नोकसानी हुने गरेको छ । मुलुक विषम भू-बनावट, कमजोर भौगर्भिक अवस्था, मौसमी विषमता तथा जलवायु परिवर्तनका कारण भूकम्प, बाढी, पहिरो तथा भू-स्खलन, डुबान, चट्याङ, खडेरी, हिमपात, असिना, हिमपहिरो, हिमताल विष्फोटन, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, हुरी बतास, वन डढेलो लगायतका प्राकृतिक प्रकोपहरूबाट प्रभावित छ । जलवायु परिवर्तनले पारेको असरलाई कम गरी जिविकोपार्जन, वातावरण र पारिस्थितिक प्रणालीलाई साविक प्राकृतिक अवस्थामा वा सो भन्दा सवल अवस्थामा लैजान गरिने कार्यलाई उत्थानशिलता भनिन्छ । (स्थानीय अनुकूलन कार्ययोजना खाका, २०७६) गाउँपालिकाको विपद्हरूमा पहिरो, भू-क्षय, बाढी, हावाहुरी, चट्याङ, आगलागी, आदि रहेका छन् । तयसैगरी जलवायु परिवर्तनको जल्दो बल्दो समस्या र यसले पार्ने असर पनि गाउँपालिका भित्र विद्यमान छन् । गाउँपालिकाले विपद् व्यवस्थापनलाई गाउँपालिका स्तरीय र वडा स्तरीय विपद् समिति गठन गरेको छ । त्यसैगरी विपद् व्यवस्थापन योजनाले जलवायु अनुकूलन र

प्रकोप जोखिम न्यूनीकरण, जोखिम सम्बेदनशील भू-उपयोग योजना तयार गर्ने र कार्यान्वयन गर्ने, एकीकृत जलाधार व्यवस्थापन र कार्यान्वयन र जलस्रोत संरक्षणको आवश्यकतामा जोड दिएको छ । गाउँपालिकाले विपद् न्यूनीकरणको लागि सडक लगायत विकास निर्माण गर्दा वातावरणीय प्रभाव मूल्याङ्कनलाई अनिवार्य गरेको छ । वन जङ्गलको संरक्षणको लागि सामुदायिक वन उपभोक्ता मार्फत सचेतनामुलक कार्यक्रम गरेको छ । साथै गाउँपालिकामा विपद् व्यवस्थापन समिति रहेको छ ।

#### ७.४.२ समस्या र चुनौती

##### समस्या

विपद् व्यवस्थापन तथा न्यूनीकरण सम्बन्धी कार्यविधि नभएको, विपद् व्यवस्थापन तथा न्यूनीकरणको लागि यन्त्र उपकरणको अभाव हुनु, विपद् तथा महामारी सम्बन्धी सचेतनाको अभाव हुनु साथै स्थानीय तहमा प्राविधिक ज्ञानको अभाव हुनु, स्थानीय तहको उक्त क्षेत्रमा ध्यान नपुगेको, भौगोलिक, आर्थिक तथा प्राविधिक कठिनाई रहेको र विकल्पको खोजी तथा अवधारणा नबनाएको, आपतकालिन प्रतिकार्य सञ्चालन र राहत सामाग्रीको व्यवस्था नभएको, रक्त संचार केन्द्रको व्यवस्था नभएको, दमकलको व्यवस्था नभएको, आपतकालिन खुल्ला क्षेत्रको व्यवस्था नभएको, जोखिमयुक्त स्थानबाट वस्ती स्थानान्तरण नभएको, जलवायु परिवर्तनबाट अन्नबालीमा पुगेको क्षतिको तथ्याङ्क अद्यावधिक नभएको, बाली विमा नभएको आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

##### चुनौती

भू-क्षय र पहिरोजन्य प्रकोप व्यवस्थापन गर्नु, झाडा पखाला लगायत स्वास्थ्यजन्य माहामारी रोक्नु, जोखिमयुक्त बसोबास क्षेत्र पहिचान गरी सुरक्षित स्थानमा वस्ती स्थानान्तरण गर्नु, प्रकोप तथा महामारी बारे जनचेतना वृद्धि गर्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

#### ७.४.३ सम्भावना र अवसर

##### सम्भावना

गाउँपालिका स्तरीय तथा वडा स्तरीय विपद् प्रतिकार्य योजना निर्माण गरी गाउँपालिका स्तरीय र वडा स्तरीय विपद् समितिलाई सक्रिय बनाउन सकिने, जोखिम बारेमा स्थानीयवासीलाई सचेत गराई समयमा जोखिम व्यवस्थापन गर्ने सकिने, भर्खरै मात्र शहरीकरण प्रारम्भ भएकोले सुरक्षित आवासको विकास गरी शहरीकरणलाई व्यवस्थित गर्न सकिने, गाउँपालिकामा संक्रमणजन्य रोगहरुको प्रकोपबाट बच्न नागरिकहरु अभ्यस्त हुँदै गएकोले सचेतना वृद्धि हुँदै गएको आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

##### अवसर

विपद् जोखिम न्यूनीकरण राष्ट्रिय नीति र रणनीतिक कार्ययोजना कार्यान्वयनमा रहनु, गाउँ विपद् व्यवस्थापन समिति गठन भएको, नेपाल रेडक्रस सोसाईटी, नेपाल प्रहरी, शसस्त्र प्रहरी बल नेपालसँग समन्वय गरी विपद् पूर्व तयारी र उद्धार सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था गर्न सकिने, स्थानीय सरकारको अधिकार क्षेत्रमा पर्नु र



प्राथमिकताको विषय बन्नु, विपद् व्यवस्थापन कार्यमा सङ्घीय एवम् प्रदेश सरकारको सहयोग रहनु आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

७.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

लक्ष्य

उत्थानशिल विकास गर्दै विपद् जोखिम न्यूनिकरण गर्ने ।

उद्देश्य

- विपद् जोखिम विश्लेषण गर्नु ।
- प्रतिकार्य योजना बनाई विपद् न्यूनिकरणमा सहयोग पुर्याउनु ।

रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी जनचेतना वृद्धि गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>• मौसम पूर्व अनुमान प्रणाली र तथ्याङ्क सङ्कलन पद्धतिलाई सङ्घीय र प्रदेश सरकारसँग समन्वय र सहकार्य गरी स्वचालित विपद् सूचना प्रणाली जडान गरिनेछ ।</li> <li>• जलवायु परिवर्तनको असर न्यूनिकरणको लागि स्थायी कोषको व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• जलवायु परिवर्तनबाट फैलिन सक्ने रोगव्याधी र सो नियन्त्रणको लागि सम्बन्धित सरोकारवालाहरूको अभिमुखिकरण एवम् क्षमता विकास गरिनेछ ।</li> <li>• वातावरण अनुकूलन हुने खेती विउ प्रविधिको प्रयोग गरिनेछ</li> </ul>
प्राकृतिक तथा गैर प्राकृतिक विपद्को प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• विपद् तथा महामारी व्यवस्थापन सम्बन्धी स्थानीय, नीति, कानून र योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• विपद् तथा महामारी पूर्व तयारी, प्रतिकार्य योजना तथा पूर्व सूचना प्रणाली प्रभावकारी बनाइ पूर्वतयारी सुदृढीकरण गरिनेछ ।</li> <li>• विपद् व्यवस्थापनमा संलग्न विभिन्न संघ संस्थाहरूसँग प्रभावकारी समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।</li> <li>• विपद्को बेला उद्धार कार्यका लागि युवा स्वयंसेवी, सामाजिक संघ संस्थाहरू, सुरक्षा निकाय आदिलाई तयारी अवस्थामा राखिनेछ ।</li> <li>• राहत तथा उद्धारका सामाग्रीको व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>• विपद् कोषको व्यवस्थालाई सक्षम र पर्याप्त गरिनेछ ।</li> <li>• विपद् व्यवस्थापन समितिलाई सक्रिय बनाइनेछ ।</li> <li>• समुदायमा आधारित विपद् व्यवस्थापन प्रणाली अवलम्बन गरिनेछ ।</li> </ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• आगलागी स्वास्थ्यजन्य प्रकोप, खोला, नदीनाला नियन्त्रण, भू-क्षय, पहिरो नियन्त्रण आदि कार्यलाई प्रभावकारी बनाइनेछ ।</li> <li>• आपतकालित प्रतिकार्य संचालन केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।</li> </ul>
विपद् बाट हुने भौतिक र मानवीय क्षति न्यूनिकरण गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• जोखिमयुक्त क्षेत्र पहिचान गरी विपद् जोखिम नक्साङ्कन गरिनेछ ।</li> <li>• विपद् जोखिम अध्ययन गरी विपद् प्रतिरोधी संरचनाहरूको निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• आवश्यक कार्यविधी बनाई सुरक्षित स्थानमा एकीकृत वस्ती बसाइनेछ ।</li> <li>• भवन आचार संहितालाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्दै लगिनेछ ।</li> <li>• विपद् बाट बच्ने बारेमा सचेतना कार्यक्रमलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।</li> <li>• पूर्व सूचना प्रणालीको विकास र विस्तार गरिनेछ ।</li> <li>• सम्पत्तिको विमा गर्ने व्यवस्था गरिनेछ ।</li> <li>•</li> </ul>

७.४.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : विपद जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफैं, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	आपत्कालीन पूर्व सूचना पाउने मौसमी उपकरण व्यवस्थापन	२०	४	४	४	४	४	स्थानीय तह आफैं
२	खुला क्षेत्रहरूको व्यवस्था गर्ने	११	३	२	२	२	२	स्थानीय तह आफैं
३	भूकम्प प्रतिरोधात्मक आवासको व्यवस्था गर्ने	१००००	२०००	२०००	२०००	२०००	२०००	संघ
४	रिचार्ज पोखरी, पानीको मुहानको संरक्षण गर्ने	१०	२	२	२	२	२	स्थानीय तह आफैं
५	आगलागि न्यूनीकरण गर्न दमकल व्यवस्था गर्ने	२०	४	४	४	४	४	स्थानीय तह आफैं
६	हरेक वडामा एउटा हेलीप्याड निर्माण गर्ने	१००	२०	२०	२०	२०	२०	संघ/प्रदेश
<b>जम्मा</b>		<b>१०१६१</b>	<b>२०३३</b>	<b>२०३२</b>	<b>२०३२</b>	<b>२०३२</b>	<b>२०३२</b>	

७.४.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	बिबिल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	विपदको समयमा आश्रय लिन सक्ने संरक्षित खुल्ला स्थान	संख्या							गापा	६	११
असर	आपतकालीन उद्धार गर्न तालिम प्राप्त स्वयंसेवक	संख्या							"	६	११
प्रतिफल	विपद व्यवस्थापन स्थानीय कोषमा भएको रकम	रु. लाख							"	६	११
	विपद व्यवस्थापनमा क्रियाशील संघ/ संस्था	संख्या							"	६	११
	विपद पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य समिति गठन भएका वडाहरु	संख्या							"	६	११
	विपद प्रतिकार्यका लागि आपतकालीन नमूना अभ्यास	संख्या							"	६	११
	प्राकृतिक, गैरप्राकृतिक विपदव्यवस्थापन सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रमहरु संचालन	संख्या							"	६	११

विपद व्यवस्थापनका लागि परिचालन गरिने कर्मचारी तथा स्वयंसेवकहरूका लागि क्षमता विकास कार्यक्रम	संख्या								"	६	११
आगो निभाउने उपकरण (इष्टिडगिसर) भएका घरधुरी	संख्या								"	६	११
आपतकालीन उद्धारका लागि एम्बुलेन्स तथा वरुणयन्त्रको व्यवस्था	संख्या								"	६	११
विपदका सम्भावित कारक र न्यूनीकरणका उपाय विषयमा भएका अध्ययन अनुसन्धान	संख्या								"	६	११
जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरणका उपायहरू (वनफाडनी, डढेलो, वाढी पहिरो नियन्त्रण) सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन	संख्या								"	६	११
जमिनमुनी पानी रिचार्ज हुने उपायहरू (आकाशेपानी संकलन, कुवा, पोखरी, इनार निर्माण) सम्बन्धी कार्यान्वयन भएका कार्यक्रमहरू	संख्या								"	६	११

### ७.४.७ अपेक्षित उपलब्धी

विपद व्यवस्थापनका निमित्त आवश्यक उपकरण तथा औजारहरूको व्यवस्था भएको हुनेछ । विपद व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था भएको हुनेछ । विपद आइपर्दा आकस्मिक आवासको व्यवस्था भएको हुनेछ । एकीकृत वस्ती निर्माण थालनी भई आवश्यक व्यवस्था भएको हुनेछ । जनचेतना जगाई प्राविधिक मार्फत उचित भूगोलको व्यवस्थापन भएको हुनेछ र पिडितहरूलाई परिचय पत्र वितरण भएको हुनेछ । क्षतिग्रस्त स्थलको स्थानीय तहबाट अनुगमन गरी तथ्याङ्क अद्यावधिक भएको हुनेछ । विपद् तथा महामारी सम्बन्धी नीति, कानून र योजना तर्जुमा भएको हुनेछ । कार्यविधि अनुसार कार्यक्रम सञ्चालन भएको हुनेछ । विपद् जोखिम नक्साङ्कन भएको हुनेछ । भवन निर्माण संहिता पूर्ण रूपमा लागू भएको हुनेछ । भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माणको शुरुवात भएको हुनेछ । पहिरो र भू-क्षयहरू नियन्त्रण भएका हुने छन् । जलवायु परिवर्तन बारे अभिमुखिकरण तथा क्षमता विकास भएको हुनेछ । विपद् तथा महामारी प्रतिरोधी संरचनाहरू निर्माण भएको हुनेछ । जलवायु परिवर्तन र विपद् जोखिम न्यूनिकरणको लागि सरोकारवाला संस्थाहरू बीच प्रभावकारी समन्वय भएको हुनेछ ।

### ७.४.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

संघ र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने वित्तीय हस्तान्तरण लगायत अन्य बजेटहरू नियमित रूपमा प्राप्त हुनुपर्ने, गाउँपालिकामा विपद् जोखिम न्यूनिकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकुलनको लागि आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिकहरूको पदपूर्ति हुनुपर्ने, विपद् कोषको गठन भएको हुनुपर्नेछ । स्थानीय खोलानाला र नदिहरूमा तटबन्ध र पूर्व सूचना प्रणालीको पूर्वाधार जडान हुनुपर्नेछ । गाउँपालिका भित्र विपद् व्यवस्थापन केन्द्रको पूर्वाधार निर्माण भएको हुनुपर्ने, विपद् व्यवस्थापनको लागि आवश्यक यन्त्र उपकरणको व्यवस्था भएको हुनुपर्ने, विपद् जोखिम न्यूनिकरण र व्यवस्थापनमा स्थानीय संघ संस्था र दातृ निकायहरूको नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्नेछ । गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकारबिच विपद् जोखिम न्यूनिकरण, व्यवस्थापन र जलवायु परिवर्तन अनुकुलनमा आवश्यक समन्वय र सहकार्य हुनुपर्नेछ । गाउँपालिकाको विपद् जोखिम न्यूनिकरण, व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकुलन सम्बन्धी कार्यविधि तर्जुमा भएको हुनुपर्नेछ ।

## परिच्छेद ८ : संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

८.१ सुशासन ऐन, कानून र जवाफदेहिता

८.१.१ पृष्ठभूमि

संविधानले सार्वजनिक प्रशासनमा सुशासनको प्रत्याभूति गर्ने, मानव अधिकारको संरक्षण र संवर्द्धन गर्दै विधिको शासन कायम राख्ने, राष्ट्रिय सुरक्षा प्रणालीको विकास गरी शान्ति सुरक्षाको व्यवस्था गर्ने, भ्रष्टाचार र अनियमितता नियन्त्रणका लागि प्रभावकारी उपाय अवलम्बन गर्ने नीति लिएको छ ।

स्थानीय तह नागरिकका निकटका सरकार हुन् । राज्यका तर्फबाट स्थानीय स्तरमा गरिने सेवा प्रवाह स्थानीय तहको प्रमुख जिम्मेवारी हो । स्थानीय तहमा सुशासन स्थापना भएमा मात्र नागरिकले परिवर्तन र लोकतन्त्रको अनुभूति गर्ने अवसर प्राप्त गर्न सक्दछन् । यसका निमित्त स्थानीय तहहरू सक्षम, पारदर्शी, भ्रष्टाचार मुक्त, उत्तरदायी र सभागितामूलक हुन आवश्यक छ ।

संस्थागत सुशासन कायम भई चुस्त तथा दुरुस्त आर्थिक प्रशासन, पारदर्शी, गुणस्तरीय, छिटोछरितो सेवा प्रवाह, सामाजिक सुरक्षाको प्रत्याभूति, स्थानीय निकायहरू तथा अन्य विकास सरोकारवाला संस्थाहरूको क्षमता अभिवृद्धि, कार्यक्रमहरूको तर्जुमा, कार्यान्वयन सूचनामूलक, सहभागितामूलक हुनुको साथै स्थानीय तहमा आवाधिक योजना अनुसार विकास कार्यक्रम सञ्चालन, सबै कार्यक्रमहरू पारदर्शी तथा सूचना माथि सेवाग्राहीहरूको पहुँच अभिवृद्धि भई सुशासनको प्रत्याभूति, सबै सरोकारवालाहरू बीच प्रभावकारी समन्वय र विकास कार्यको प्रभावकारी अनुगमन तथा मुल्याङ्कन जस्ता कुराहरू सँगै गुणस्तरीय सेवा प्रवाह योजनावद्ध विकास हुने अपेक्षा योजनाले गरेको छ ।

यस गाउँपालिकामा ऐन, नियमावली, कार्यविधि, मापदण्ड निर्माण गरी नेपाल राजपत्रमा प्रकाशन भएको छ । ऐन, नियम, कार्यविधि र मापदण्ड निर्माण अन्तरक्रियामा सबैको सहभागिता भएको छ । सार्वजनिक सुनुवाई नियमित रूपमा सञ्चालन भएको, सामाजिक परीक्षण हुने गरेको, वेबसाइटमा राखिने सूचना विद्युतीय सामग्री अध्यावधिक हुने गरेको, पालिका र वडा कार्यालयमा नागरिक वडापत्र अनुसार सेवा प्रवाह भएको छ ।

८.१.२ समस्या र चुनौती

समस्या

संघीय ऐन, प्रदेश ऐन र नियमावली, कार्यविधि, मापदण्ड केही विषयमा बाँझिएको, ऐन नियम कार्यविधि र मापदण्ड निर्माण गर्दा विषयविज्ञ र दक्ष जनशक्तिको अभाव रहेको, सार्वजनिक सुनुवाईमा प्राप्त मात्रामा जनसमुदायको उपस्थिति नहुनु, सामाजिक परीक्षण गर्दा जनसमुदाय स्तरको उपस्थिति कम हुनु, सरोकारवाला पक्षसँग अन्तर्क्रिया भई ऐन कानून निर्माण नभएको, डिजिटल सूचना पाटी तथा राम्रो व्यवस्थापन नभएको, गुनासो सुनुवाई सुरक्षित तथा व्यवस्थित नभएको, आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली व्यवस्थापन कार्यविधि, ऐन नियमावली नहुनु, अनुगमन मुल्याङ्कन सम्बन्धी ऐन कार्यविधि नहुनु, स्थानीय सडक व्यवस्थापन सञ्चालन तथा नियमन सम्बन्धी ऐन, नियम नहुनु, जनप्रतिनिधि कर्मचारी आचरसंहिता नहुनु, कार्य सञ्चालन निर्देशिका नहुनु, सार्वजनिक सुनुवाई नियमित नहुनु, जे.सी.परीक्षण नहुनु, धेरै आयोजनाहमा नागरिक अभिमत नलिनु, नागरिक समाज तथा समुदायको आधारित संस्थाहरूको क्षमता विकासका कार्यक्रमहरू सञ्चालन नहुनु, सामाजिक जवाफदेहिता अभिवृद्धि गर्ने सम्बन्धी कार्यक्रम कम हुनु, स्थानीय संस्थाहरूको सक्रिय परिचालन

नहुनु साथै प्रोफाइल तयार नहुनु, सबै तिर सञ्चार सुविधा प्रभावकारी हुन नसक्नु, गाउँपालिकाको सेवाको गुणस्तरियता परिक्षण हुन नसक्नु आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

### चुनौती

अन्तरनिकाय समन्वय प्रभावकारी बनाउनु, सबै सार्वजनिक निकाय तथा संघ संस्थाहरूको सेवा प्रवाहलाई पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, जवाफदेहिता विकास गर्नु, सुशासनयुक्त समाज तथा संस्कार विकास गर्नु, गाउँपालिकाको कार्यक्षेत्र सुस्पष्ट गर्दै बुझाइमा एकरूपता निर्माण गर्नु, संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्नु, उत्तरदायी प्रशासनिक प्रणालीको विकास गर्नु, गुणस्तरीय, भरपर्दो, विश्वसनीय एवम् सेवाग्राहीमैत्री सार्वजनिक सेवा प्रवाहको सुनिश्चितता गर्दै गाउँपालिका प्रतिको विश्वसनीयता अभिवृद्धि गर्नु, नागरिक समाज र समुदायमा आधारित संस्थाहरूको क्षमता विकास कार्यक्रम सञ्चालन गर्न, सामाजिक जवाफदेहिता अभिवृद्धि गर्ने सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन गर्न, स्थानीय स्तरमा रहेका संस्थाहरू परिचालन गरि प्रोफाइल तयार गर्न, उपभोक्ता हित प्रवर्द्धन तथा खाद्य वस्तुमा मिसावट कम गर्न लगायत समस्या न्युनिकरण गर्न, गाउँपालिकाको सेवाप्रवाह गुणस्तरियताको परिक्षण तथा सेवा प्रवाहको अवरोधमा सुधार ल्याउन, गाउँपालिकाका विकासका गतिविधिलाई पालिकावासी सामु सुसुचित गर्न तथा सुशासनलाई प्रवर्द्धन गर्न गराउन आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

### ८.१.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

स्थानीय निकायको लागि स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनको व्यवस्था हुनु, सेवा प्रवाहलाई नतिजामूलक र प्रविधिमैत्री बनाउन सकिने, स्थानीय न्याय सम्पादन प्रक्रियालाई प्रभावकारी र व्यवस्थित बनाउन कार्यविधि, नीति निर्माण र संस्थागत संरचना खडा गर्न सकिने, विद्युतीय सुशासनलाई प्रवर्द्धन गर्न डिजिटल सरकार निर्माण गर्न सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

स्थानीय निकायको लागि स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनको व्यवस्था हुनु, सेवा प्रवाहलाई नतिजामूलक र प्रविधिमैत्री बनाउन सकिने, स्थानीय न्याय सम्पादन प्रक्रियालाई प्रभावकारी र व्यवस्थित बनाउन कार्यविधि, नीति निर्माण र संस्थागत संरचना खडा गर्न सकिने, विद्युतीय सुशासनलाई प्रवर्द्धन गर्न डिजिटल सरकार निर्माण गर्न सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

### ८.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### लक्ष्य

स्थानीय ऐन, कानून निर्माण गरी सुशासन कायम गर्ने ।

#### उद्देश्य

- स्थानीय ऐन, कानून, नीति तर्जुमा चुस्त-दुरूस्त राखी कानूनको पूर्ण पालना गरी सुशासन अभिवृद्धि गर्नु ।



- स्थानीयवासीलाई सहज सेवा सुविधा प्रदान गर्न ऐन, कानून निर्माण गर्नु ।

### रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
सुशासन तथा जवाफदेहिता प्रवर्द्धन सम्बन्धी नीति, योजना र कार्यान्वयन गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सुशासन तथा जवाफदेहिता सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानून, मापदण्ड, योजना, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ ।</li> <li>• नीति, कानून, कार्यविधि एवम् मापदण्ड तर्जुमा गर्दा सरोकारवाला समेतको सहभागितामूलक प्रक्रियाद्वारा समावेशी लोकतान्त्रिक मूल्य र मान्यताको अवलम्बन गरिनेछ ।</li> <li>• नीति, कानून तथा मापदण्ड सम्बन्धित सबै सरोकारवालाहरूको सहमतिमा र विज्ञहरूसँगको परामर्शको आधारमा निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• ऐन, कानून निर्माणको लागि विषयगत समितिलाई सक्रिय बनाइनेछ । समय समयमा विधायन समितिको बैठक बसी ऐन, कानून सम्बन्धि छलफल गरी आवश्यक संसोधन गरिनेछ र आवश्यक ऐन, कानून निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीय ऐन, कानून बनाउँदा अन्य मौजुदा कानूनसँग नबाँझिने गरी कानून निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• गाउँपालिका तथा वडा कार्यालयमा स्थानीय कानून र नेपालको प्रचलित कानूनलाई कार्यान्वयनमा लगिनेछ ।</li> <li>• योजना छनोट गर्दा कार्यविधिको आधारमा छनोट गरिनेछ ।</li> <li>• ऐन, कानूनले व्यवस्था नगरेका कार्यलाई रोकी कानून बमोजिम कार्य सञ्चालन गर्न मौखिक निर्णयलाई निरुत्साहित गरिनेछ ।</li> <li>• प्रत्येक ४ महिनामा सार्वजनिक निकायमा भएका कामको सार्वजनिक सुनुवाई गर्ने नीति लिइनेछ ।</li> <li>• लक्षित वर्ग, क्षेत्र, लिङ्ग र समुदायलाई समतामूलक सहभागिताको आधारमा बजेट व्यवस्थापन गरिनेछ ।</li> </ul>
सुशासन तथा जवाफदेहिता प्रवर्द्धन गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>• स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले व्यवस्था गरे अनुसारका समिति एवं कार्य प्रकृतिका आधारमा बन्ने समितिहरूलाई पूर्णता दिँदै कार्यक्षेत्रको स्पष्टताका साथ कार्यसम्पादनमा प्रभावकारी ल्याइनेछ ।</li> <li>• संविधान एवं स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनमा गरिएको प्रावधान अनुसारको कार्यसम्पादनका लागि आवश्यक सबै प्रकारका ऐन, नियम, कार्यविधि एवं मापदण्डहरू बनाई राजपत्रबाट सार्वजनिकीकरण गर्दै कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।</li> </ul>

- गाउँपालिकाको नीति कार्यक्रम, निर्णय तथा प्रगति समीक्षाहरूका बारेमा सर्वसाधारण सबैलाई वेवसाइट एवं अन्य प्रकाशनहरू मार्फत जानकारी गराइनेछ ।
- जवाफदेहिता एवं पारदर्शिता अभिवृद्धिका लागि क्षतिपूर्ति सहितको नागरिक वडापत्र लगायत सामाजिक जवाफदेहिताका औजारहरूलाई अभ्यासमा ल्याइनेछ ।
- सूचनाको हक सम्बन्धी ऐनलाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेट र गाउँपालिकामा सूचना अधिकृत र गुनासो सुत्रे अधिकृतको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
- वडाबाट प्रवाह गरिने सार्वजनिक सेवामा सजह पहुँच अभिवृद्धिका लागि वडाहरूको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
- सुशासन प्रवर्द्धनका लागि गाउँपालिकामा जनप्रतिनिधि एवं कर्मचारीहरूका लागि आचार संहिता (कोड अफ कण्डक) तयार पारिनेछ र यसलाई कडाइका साथ कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
- लक्षित वर्ग, क्षेत्र, लिङ्ग र समुदायलाई क्षमतामुलक सहभागिताको आधारमा जवाफदेही र जिम्मेवार बनाइनेछ ।
- सर्वसाधारणहरूको जनगुनासो प्रभावकारी ढंगबाट संचालन र सम्बोधन गरिनेछ ।
- न्यायिक समितिलाई जनपक्षीय र न्यानपूर्ण बनाइनेछ ।
- कुनै व्यक्तिका कारणले जनतालाई दुखसास्ती र क्षति भोग्नु परेमा कानून बमोजिम त्यस्ता व्यक्तिबाट पीडकलाई क्षतिपूर्ति भराउने व्यवस्था सहितको नियम बनाइनेछ ।

८.२.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : सुशासन, ऐन, कानून तथा न्यायिक व्यवस्था								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	सेवाग्राहीसँग हातेमालो कार्यक्रम	५	१	१	१	१	१	स्थानीय तह आफै
२	सार्वजनिक सुनुवाई	१०	२	२	२	२	२	स्थानीय तह आफै
३	जनप्रतिनिधि र कर्मचारीलाई कानून निर्माणका लागि क्षमता विकास कार्यक्रम	१५	३	३	३	३	३	स्थानीय तह आफै
४	सुशासनको अवस्था समीक्षा गोष्ठी	७	१.४	१.४	१.४	१.४	१.४	स्थानीय तह आफै
५	यी नागरिक वडापत्र खरिद तथा सञ्चालन	३५	७	७	७	७	७	प्रदेश/स्थानीय
६	सार्वजनिक लेखा परीक्षण	१२	२.४	२.४	२.४	२.४	२.४	स्थानीय तह आफै
७	कार्यालयमा पेपर लेस सम्बन्धी कार्यक्रम	२०	४	४	४	४	४	प्रदेश/स्थानीय
जम्मा		१०४	२०.८	२०.८	२०.८	२०.८	२०.८	

८.२.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	बिबिल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	स्थानीय कानून, नीति तथा योजना तर्जुमा प्रक्रिया नागरिक पृष्ठपोषण तथा सुझाव दिने माध्यमहरू	संख्या							गापा	८	१६
असर	नियमावली बनाई पालिका सभाले गठन गरेका समितिहरू (विधायन, सुशासन, लेखा आदि समितिहरू)	संख्या							"	८	१६
प्रतिफल	नियमावली बनाई कार्यपालिकाले गठन गरेका समिति, उपसमितिहरूको संख्या	संख्या							"	८	१६
	नागरिक वडापत्र अनुसार सेवा प्रवाहमा क्षतिपूर्ति गरिएको	संख्या							"	८	१६
	अभ्यास भएका सामाजिक जवाफदेहिताका औजारका प्रकारहरू	संख्या							"	८	१६
	वर्षभरीमा भएका सार्वजनिक सुनुवाई	संख्या							"	८	१६

	हेल्प डेष्कवाट लाभान्वित सेवाग्राही	प्रतिशत								"	८	१६
	पालिकामा पेश भएका सेवा प्रवाह सम्बन्धी गुनासो सुनुवाईको फछ्यौट	प्रतिशत								"	८	१६
	कूल दर्ता मध्ये न्यायिक समितिवाट फछ्यौट भएका मुद्दाहरु	प्रतिशत								"	८	१६
	उपलब्ध अनलाइन सेवाका प्रकारहरु (निवेदन, सिफारिस, पञ्जीकरण....)	संख्या								"	८	१६
	अनलाइन सेवावाट लाभान्वित सेवाग्राही	प्रतिशत								"	८	१६
	पालिकाको मोवाइल एप्स प्रयोगकर्ताहरु	संख्या								"	८	१६
	पालिकावाट प्रकाशित दस्तावेज एवं प्रतिवेदनहरु	संख्या								"	८	१६

### ८.१.७ अपेक्षित उपलब्धी

संघीय ऐन, प्रदेश ऐन र नियमावली, कार्यविधि, मापदण्ड बाँझिएको संशोधन भएको हुनेछ । गाउँपालिकामा ऐन नियम र कार्यविधि लगायत निर्माण गर्दा दक्ष जनशक्ति बनाउनका लागि कर्मचारीलाई तालिमको व्यवस्था भएको हुनेछ । सार्वजनिक सुनुवाई गर्दा प्राप्त मात्रामा जनसमुदायलाई उपस्थित गराउन प्रचारप्रसार भएको हुनेछ । जनसहभागीता तथा सरोकारवाला पक्षहरू बृहत सहभागिता बढाई सौहार्द वातावरणमा सार्वजनिक सुनुवाईमा छलफल तथा अन्तक्रिया भएको हुनेछ । सामाजिक परीक्षण गर्दा जनसमुदाय स्तरमा उपस्थितिका लागि व्यापक एवं ठोस कार्य योजना बनाई लागू भएको हुनेछ । कृषि कार्यक्रम संचालन कार्यविधि, विद्युत तथा हाइड्रोपावर सम्बन्धी ऐन, नियमावली, कार्यविधि तयार भएको हुनेछ । डिजिटल सूचना पाटीको व्यवस्थापन र गुनासो सुनुवाई व्यवस्थित तथा नियमित तरिकाबाट भएको हुनेछ । गाउँपालिका र वडाका कर्मचारीहरू तथा जनप्रतिनिधिहरूलाई अभिमूखीकरण तथा क्षमता विकास हुनेछ । सबै वडाहरूमा न्याय सम्पादन सम्बन्धी अभिमूखीकरण सहित मेलमिलाप केन्द्र स्थापना हुनेछ । विद्युतीय सुशासनलाई प्रवर्द्धन गर्न डिजिटल सरकार निर्माणका लागि आवश्यक नीति निर्माण हुनेछ । सूचना तथा अभिलेख सम्बन्धी कानून निर्माण गरी कार्यान्वयन हुनेछ । स्थानीय सुशासन ऐन, सार्वजनिक परीक्षण, सार्वजनिक सुनुवाई, सामाजिक परीक्षण सम्बन्धी कार्यविधि निर्माण गरी कार्यान्वयन हुनेछ । भ्रष्टाचार न्यूनीकरण भएको हुनेछ । पूँजीगत खर्च बढी भएको हुनेछ । चौमासिक र वार्षिक प्रगति समीक्षा नियमित भएको हुने र वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रकाशित भएको हुनेछ ।

### ८.१.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

संघ र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने वित्तिय हस्तान्तरण लगायत अन्य बजेटहरू नियमित रूपमा प्राप्त हुनुपर्ने, आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिकहरूको पदपूर्ति हुनुपर्ने, स्थानीय तहको कार्य सम्पादन र सेवा प्रवाह परिणाममुखी, चुस्त र पारदर्शी हुनुपर्ने, गाउँपालिकाको सेवा प्रवाह, सुशासन, योजना तर्जुमा र कार्यान्वयनसँग सम्बन्धित आवश्यक ऐन कानून र कार्यविधिहरू तर्जुमा भएको हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकार बीच आवश्यक समन्वय र सुमधुर सम्बन्ध स्थापित हुनुपर्ने ।

## ८.२ संस्थागत विकास, मानव संसाधन विकास तथा सेवा प्रवाह

### ८.२.१ पृष्ठभूमि

डुङ्गेश्वर गाउँपालिका लगायत वडा कार्यालयहरूको आफ्नै भवन तथा सभाहल रहेको छ । गाउँपालिका कार्यालय तथा वडा कार्यालयहरूमा इन्टरनेट सुविधा रहेको छ । यहाँ सवारी साधन लगायत आवश्यक भौतिक उपकरणहरू रहेका छन् । विद्युतिय बोलपत्रको अभ्यास वेबसाइटमा राखिएको छ । सेवा प्रवाहलाई प्रभावकारी पारदर्शी बनाउने सन्दर्भमा अनलाइन सेवाहरू प्रारम्भ भएका छन् । गाउँपालिकाको सेवा प्रवाहबाट सन्तुष्ट हुने सेवाग्राहीहरूको संख्या मध्यम स्तरमा रहेको पाइन्छ । कर्मचारीसँग कार्यसम्पादन करार गरी कार्यसम्पादन गर्ने अभ्यासमा प्रभावकारीताको खाँचो देखिन्छ । व्यक्तिगत घटना दर्ता, सामाजिक सुरक्षा, वस्तुगत विवरण संकलन आदि कार्यमा सफ्टवेयरको प्रयोग गरिँदै आएको, गाउँपालिका र वडाहरूमा नागरिक वडापत्र प्रकाशित भएका छन् ।

गाउँपालिकाका विभिन्न शाखाहरूको आफ्नो शाखागत सूचना तथा तथ्याङ्कहरूको सङ्कलन र सुरक्षित अभिलेखीकरण गरी साविक गाविसका सूचना, रेकर्ड, दस्तावेज र तथ्याङ्कहरूको डाटावेस व्यवस्थित ढङ्गले डिजिटাইजेसन गरिनु पर्दछ । पञ्जीकरण शाखा कम्प्युटराईज्ड प्रणालीमा आवद्ध हुनु पर्दछ । संस्थागत विकास योजना सम्बन्धित सरोकारवालाहरूको क्षमता सुदृढीकरण गर्दै दक्ष र बौद्धिक संगठनात्मक संरचनाको स्थापना गरी विकास कार्यहरूलाई तीव्र र व्यवस्थित गर्ने तर्फ केन्द्रित छ । यस अन्तर्गत पूर्वाधार विकास र क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रमहरू समावेश गरिएको छ ।

विषयगत समिति र उपसमिति गठन भई बैठक बस्ने गरेको छ । न्यायिक समितिको निर्णय, सहमति र कार्यान्वयन भएको छ । दुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको संगठनात्मक तालिका बमोजिम कर्मचारीको व्यवस्था भएको, प्राविधिक कर्मचारीहरूको दरबन्दी संख्या ९ जनामा ६ जना स्थायी र १ जना करार कर्मचारी गरी जम्मा ७ जना रहेको र २ जना लोकसेवासँग माग गरिएको, पालिकामा प्राविधिक शिक्षा सञ्चालनमा रहेको छ । यस गाउँपालिकामा र वडा कार्यालयमा सूचना पाटी रहेको छ । सेवाग्राहीको लागि सहायता कक्षको व्यवस्था भएको छ ।

पालिका र वडा कार्यालयको आफ्नै भवन र सभाहल रहेको छ । पालिकामा सवारी साधन रहेका छन् । पालिका र वडा कार्यालयमा विद्युत जडान भएको, इन्टरनेट सेवा र सेवा प्रवाह अनलाइनमा भएको छ । पालिकामा सिसी क्यामेरा जडान भएको, पालिका, वडा कार्यालय, स्वास्थ्य र माध्यमिक विद्यालय सञ्चालन भएका विद्यालयमा इ-हाजिरी जडान भएको, विद्युतीय बोलपत्रको अभ्यास भएको छ ।

## ८.२.२ समस्या र चुनौती

### समस्या

विषयगत समिति र उपसमितिको नियमित बैठक बस्न नसक्नु, न्यायिक समितिको निर्णय र कार्यसम्पादन गर्दा दक्ष जनशक्तिको अभाव रहेको, गाउँ कार्यपालिकाका सदस्यहरूको क्षमता अभिवृद्धि तालिम सञ्चालन नभएको, कर्मचारीसँग कार्यसम्पादन सम्झौता नभएको, प्राविधिक शिक्षा प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन नभएको, कर्मचारीहरूलाई वृत्ति विकास, प्रोत्साहन तथा पुरस्कारको अभ्यास नहुनु, सबै वडा कार्यालय, सबै विद्यालय, सबै स्वास्थ्य संस्था लगायत पालिका भित्रका सबै निकायहरूमा भरपर्दो इन्टरनेट जडान तथा सिसी क्यामेरा नहुनु, स्वास्थ्य संस्था र माध्यमिक विद्यालयमा सञ्चालन भएको इ-हाजिरी प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन नहुनु, कार्यपालिका पदाधिकारी सदस्य तथा कर्मचारीहरूको क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम सञ्चालन नहुनु, सेवा प्रवाहमा प्राथमिकता तथा सेवाग्राहीका लागि सहायता कक्ष नहुनु, स्वीकृत दरबन्दी अनुसारको कर्मचारी नहुनु र सरुवा भएर जाने प्रवृत्ति हुनु, बालमैत्री अपाङ्गता मैत्री, लैङ्गिक मैत्री, ज्येष्ठ नागरिक मैत्री आवश्यक पूर्वाधारहरू नहुनु, पालिकामा एक्सकाभेटर र वारुण यन्त्र नहुनु, क्षतिपूर्ति सहितको नागरिक वडापत्र नभएको, गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र (प्रोफाइल) तयार नभएको आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

## चुनौती

गाउँपालिकाको कार्य जिम्मेवारी अनुसार आवश्यक प्रशासनिक संरचनाको निर्माण तथा संगठनात्मक पुनर्संरचना गर्नु, कर्मचारीको पदपूर्ति गरी सबै वडा तथा विषयगत शाखाहरूमा दरबन्दी अनुसारको कर्मचारी पदपूर्ति गर्न, संघीय सरकारबाट खटिने कर्मचारीहरूमा स्थायित्व ल्याउन, समायोजित कर्मचारीहरूलाई स्थानीय सेवा अनुसार सञ्चालन गरी व्यवस्थित गर्न, सार्वजनिक सेवालाई गुणस्तरीय, छिटोछरितो, न्यून लागत र समयमा सेवा प्रवाह प्रदान गर्नु, सेवाग्राहीहरूको सन्तुष्टि अभिवृद्धि तथा सेवा प्रवाहलाई पारदर्शी एवं उत्तरदायि बनाउनु, स्थानीय स्तरमा रहेका केन्द्रिय, प्रादेशिक निकाय-कार्यक्रम तथा गैरसरकारी संस्थासँग प्रभावकारी समन्वय कायम गर्न जस्ता चुनौतीहरू छन् ।

## ८.२.३ सम्भावना र अवसर

### सम्भावना

गाउँपालिका कार्यालय तथा वडा कार्यालयका कर्मचारीहरूको आचार संहिता बनाएर लागू गर्न सकिने, विद्यमान सूचना प्रविधिको सदुपयोग गरी अन्य स्थानीय सरकारले गरेका उत्कृष्ट अभ्यासहरूको अनुशरण गर्न सकिने, वडा कार्यालयहरू तथा गाउँपालिकाको भवन निर्माण गर्न जग्गा व्यवस्थापन र निर्माण कार्य अगाडि बढाउन सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

### अवसर

निर्वाचित जनप्रतिनिधिहरूको सक्रियता बढ्दो रहनु, स्थानीय संघ, संस्था, नागरिक समाज, गैसस, टोल विकास संस्था, सामुदायिक संस्थाहरूको रचनात्मक सहयोग रहनु, विषयगत समिति तथा उप-समितिहरू गठन र क्रियाशील हुनु, गाउँपालिका केन्द्र एवं वडाहरूमा इन्टरनेट लगायत विद्युतीय उपकरणहरूको व्यवस्था हुन थाल्नु, जनप्रतिनिधि एवं कर्मचारीहरू क्षमता अभिवृद्धि तालिमबाट लाभान्वित हुँदै जानु, पेपरलेस सरकारलाई प्रवर्द्धन गर्दै गाउँपालिकाको सम्पूर्ण कार्य प्रणालीलाई अनलाइन सिस्टममा आवद्ध हुँदै जानु, गाउँपालिकाको आर्थिक केन्द्र, बजार क्षेत्र र बैंकसँग सहकार्य गरी नगद रहित कारोबारलाई प्रोत्साहन गर्न जस्ता अवसरहरू छन् ।

## ८.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

### लक्ष्य

गाउँपालिका तथा वडा कार्यालयहरूको संस्थागत क्षमता, मानव संशाधन र कार्य दक्षतामा विकास गरी सेवा प्रवाहलाई प्रभावकारी बनाउने ।

### उद्देश्य

गाउँपालिका र वडा कार्यालयको मानव संशाधन, संस्थागत विकास गरी सेवा प्रवाह चुस्तदुरूस्त बनाउनु ।



रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
संस्थागत सुदृढीकरण गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>• विधि र कानूनहरूको निर्माण गरी संस्थागत कार्यप्रणालीको स्थापना गरिनेछ ।</li> <li>• विषयगत समिति एवं न्यायिक समितिको क्षमता विकास गरी कार्यसम्पादन स्तरमा अभिवृद्धि ल्याइनेछ ।</li> <li>• संगठन तथा व्यवस्थापन (O&amp;M) सर्भेक्षण अनुसारको कर्मचारी व्यवस्था गरिनेछ । पालिकामा लैङ्गिकमैत्री एवं समावेशीताका आधारमा कर्मचारी दरबन्दी निर्धारण गरिनेछ ।</li> <li>• कार्यवोझ विक्षेपणको आधारमा जनशक्ति व्यवस्थापन गरी कार्यसम्पादन स्तरलाई चुस्त दुरुस्त बनाइनेछ र कार्यसम्पादन करार प्रणाली लागु गरी कार्य उपलब्धिका आधारमा कर्मचारीको कार्य सम्पादन मूल्याङ्कन गरिने प्रणाली अवलम्बन गरिनेछ ।</li> </ul>
मानव संशाधन विकास गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• लोकसेवाबाट छनौट भएका कर्मचारी मात्र कामकाजमा खटाउने र करार कर्मचारी नियुक्ती गर्दा निष्पक्ष ढंगबाट गरिनेछ ।</li> <li>• परिक्षा संचालन गरी कर्मचारी छनोट गरिनेछ ।</li> <li>• कर्मचारीहरूलाई कामकाजमा उत्प्रेरित गरी सेवान्नाही प्रति उत्तरदायी र जवाफदेही बनाइनेछ ।</li> <li>• रिक्त रहेको दरबन्दीमा दक्ष जनशक्तीलाई मात्र पदपूर्ति गरिनेछ ।</li> <li>• विद्यमान जनशक्तिहरूलाई क्षमता विकासको लागि आवश्यक तालिम तथा अभिमुखिकरण गरिनेछ ।</li> <li>• कर्मचारीहरूलाई वैज्ञानिक ढंगबाट कार्य विभाजन गर्न लगाई सोही बमोजिम खटाइनेछ ।</li> <li>• कार्यभार बढी भएको खण्डमा प्रोत्साहन भत्ता लगायतका अन्य सेवा सुविधा दिई सवोप्रवाह प्रभावकारी चुस्त दुरुस्त गर्न गराइनेछ ।</li> <li>• कर्मचारीलाई अनुसाशित र व्यवहारीक बनाइ जनसेवामा थप थप प्रभावकारी बनाइनेछ ।</li> <li>• पालिका अन्तर्गतका विद्यालय, विषयगत कार्यालय एवं सरकारी कार्यालयहरूमा कार्यरत कर्मचारीहरूसँग कार्यसम्पादन सम्झौता गरिनेछ र नियमित मूल्याङ्कनका मापदण्ड निर्धारण गरी मापदण्डका आधारमा उत्कृष्टलाई पुरस्कृत गर्ने अभ्यासको थालनी गरिनेछ ।</li> <li>• पालिका अन्तर्गतका सहकारी, गैसस, नागरिक समाज, सामुदायिक संस्था, निजी क्षेत्रमा कार्यरत कर्मचारीहरूलाई तालिम, अभिमुखिकरण मार्फत क्षमता अभिवृद्धि गरी दक्ष, सबल, सक्षम जनशक्ति विकास गरिनेछ ।</li> <li>• जनप्रतिनिधिहरूको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने र महिला तथा दलित वडा सदस्यको क्षमता विकासमा जोड दिइनेछ ।</li> </ul>

	<ul style="list-style-type: none"> <li>• पालिका कार्यक्रमहरूमा लक्षित समूहको प्रतिनिधित्वलाई सुनिश्चित गरिनेछ र क्षमता विकास कार्यक्रमहरूमा सहभागी छनौट गर्दा महिला, दलित, जनजाति र अपाङ्गता भएका व्यक्तिलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।</li> <li>• कर्मचारीहरूको वृत्ति विकासको सुनिश्चित गरिनेछ । यसका लागि आवश्यकताका आधारमा उच्च शिक्षा हासिल, राष्ट्रिय अन्तर्राष्ट्रिय स्तरका तालिम, सेमिनारहरूमा सहभागि गराइनेछ ।</li> <li>• कार्यसम्पादन मूल्याङ्कनका आधारमा उत्कृष्ट कार्य गर्ने कर्मचारीहरूलाई पुरस्कृत गरिनेछ । यसका लागि कार्यसम्पादन कार्यविधि निर्माण गरिनेछ ।</li> </ul>
<p>सेवा प्रवाह प्रभावकारी बनाउने</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• गाउँपालिकाको वेवसाइट नियमित रूपमा अध्यावधिक गरिनेछ ।</li> <li>• पारदर्शी सरकार निर्माणमा जोड दिन गाउँपालिकाको डकुमेन्ट्री निर्माण तथा रेडियो कार्यक्रम मार्फत गाउँपालिकाको कार्यक्रमलाई संस्थागत गरिनेछ ।</li> <li>• स्थानीय विकास संरचना तथा सेवा प्रवाहको मापदण्डहरू तयार गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• सेवा प्रवाहलाई गुणस्तरीय, न्यून समय लागत छिटो सेवा उपलब्ध बनाउन सम्भव भएका सेवा सुविधाहरू अनलाइन, वडा कार्यालय एवं सेवा केन्द्रबाट उपलब्ध गराउँदै वडा कार्यालयहरूलाई भौतिक श्रोत साधन सुविधायुक्त बनाइनेछ ।</li> <li>• सेवा प्रवाहसँग सम्बन्धित विषयगत शाखाहरूको आवश्यकतानुसार वडा स्तरसम्म पुनः संरचना गरिनेछ ।</li> <li>• नागरिक वडापत्रलाई अध्यावधिक गरी डिजिटल नागरिक वडापत्र कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।</li> <li>• गुनासो सुनुवाई, सार्वजनिक परीक्षण, सामाजिक परीक्षण, सार्वजनिक सुनुवाई जस्ता नागरिक उत्तरदायी संयन्त्रहरूलाई प्रभावकारी बनाइनेछ ।</li> <li>• बजेट, कार्यक्रम तथा कार्यप्रगतिहरूको नियमित रूपमा सार्वजनिक गरिनेछ ।</li> </ul>

८.२.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : मानव संशाधन, संस्थागत विकाश तथा सेवा प्रवाह								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)						
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	घुम्ती शिविर सबै विषयगत शाखा	१००	२०	२०	२०	२०	२०	संघ/प्रदेश
२	सूचना प्रविधि सम्बन्धी तालिम	१५	३	३	३	३	३	स्थानीय तह आफै
३	कर्मचारीको क्षमता विकासका लागि तालिम	२०	४	४	४	४	४	प्रदेश/स्थानीय
४	सेवाग्राही मैत्री अनलाइन पोर्टल सञ्चालन सम्बन्धी सफ्टवेयर खरिद	२०	४	४	४	४	४	प्रदेश/स्थानीय
जम्मा		१५५	३१	३१	३१	३१	३१	

८.२.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	पालिका अन्तर्गत क्रियाशील शाखा, उपशाखा, इकाई, सेवा केन्द्रहरु	संख्या								२	४
असर	पालिकामा कार्यरत कूल जनशक्ति : अधिकृत तह र सोभन्दा मुनी	संख्या								२	४
प्रतिफल	पालिकामा कार्यरत प्राविधिक जनशक्ति (स्थायी र अस्थायी)	संख्या								२	४
	कार्यसम्पादन करार गरिएका कूल कर्मचारी	संख्या								२	४
	कार्य विवरण दिई कार्यसम्पादन गर्ने कर्मचारी	संख्या								२	४
	संगठन तथा व्यवस्थापन सर्भेक्षण अनुसार पदपूर्ति गर्नुपर्ने र पदपूर्ति भएका कर्मचारी	संख्या								२	४

प्रति एक सेवाग्राहीलाई सेवा प्रवाह गर्न लाग्ने औषत समयावधि	घण्टा									२	४
क्षमता विकास कार्यक्रमबाट लाभान्वित जनप्रतिनिधि र कर्मचारी	संख्या									२	४
क्षमता विकास कार्यक्रमबाट लाभान्वित सरोकारवाला, संघसंस्था, गैसस	संख्या									२	४
संस्थागत क्षमता स्वमूल्याङ्कनमा प्राप्ति	प्राप्ति									२	४
उत्कृष्ट कार्यसम्पादन गरेवापत पुरस्कृत कर्मचारी	संख्या									२	४
पालिका केन्द्र तथा वडा कार्यालयको आफ्नै भवन	संख्या									२	४

### ८.२.७ अपेक्षित उपलब्धी

विषयगत समिति र उपसमिति बैठक नियमित बसालनका लागि कार्ययोजना निर्माण हुनेछ । दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था गर्ने तालिमको व्यवस्था हुनेछ । कार्यपालिकाका सदस्यलाई क्षमता अभिवृद्धि तालिम सञ्चालनको व्यवस्था हुनेछ । कर्मचारीसँग कार्यसम्पादन सम्झौता गर्ने व्यवस्था हुनेछ । कार्य सम्पादन करार सम्झौता लागू गरी सो को मूल्याङ्कनको आधारमा प्रोत्साहन पुरस्कार र दण्डको व्यवस्था हुनेछ । प्राविधिक शिक्षालाई प्रभावकारी सञ्चालन गर्नका लागि आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ । सेवा प्रवाह, कार्यसम्पादन र काम कारवाहीलाई चुस्त र प्रभावकारी हुनेछ । संगठन पुनर्संरचना, मानव संसाधन विकास तथा संगठन सुधार हुनेछ । व्यक्तिगत घटना दर्तालाई थप व्यवस्थित गर्न पूर्ण रूपमा डिजिटिजेशन हुनेछ । सूचना तथा अभिलेख सम्बन्धी कानून निर्माण गरी कार्यान्वयन हुनेछ । विद्युतीय हाजिरी, हेल्प डेस्क, गुनासो पेटिका, नागरिक विद्युतीय वडापत्र, सूचना पाटी जस्ता सुशासनका औजारहरुको पूर्ण कार्यान्वयन हुनेछ । आवश्यक बजेटको व्यवस्था गरी पालिकामा एक्सकाभेटर र बारुन यन्त्रको व्यवस्था भएको हुनेछ ।

### ८.२.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

संघ र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने वित्तीय हस्तान्तरण लगायत अन्य बजेटहरु नियमित रूपमा प्राप्त हुनुपर्ने, आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिकहरुको पदपूर्ति हुनुपर्ने, स्थानीय तहको कार्य सम्पादन र सेवा प्रवाह परिणाममुखी, चुस्त र पारदर्शी हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृनिकायहरुको नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, राजश्व सङ्कलन, चुस्त र दुरुस्त हुनुपर्ने, बेरुजु रकम घटाउनु पर्ने, भ्रष्टाचार न्यूनीकरण हुनुपर्ने, गाउँपालिकाको सेवा प्रवाह, सुशासन, योजना तर्जुमा र कार्यान्वयनसँग सम्बन्धित आवश्यक ऐन कानून र कार्यविधिहरु तर्जुमा भएको हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकार बीच आवश्यक समन्वय र सुमधुर सम्बन्ध स्थापित हुनुपर्नेछ ।

### ८.३ वित्तीय श्रोत परिचालन

#### ८.३.१ पृष्ठभूमि

सार्वजनिक स्रोतको मितव्ययी र अधिकतम परिचालन, प्रतिवेदन तथा लेखा परीक्षण मार्फत् वित्तीय व्यवस्थापनमा पारदर्शिता र जवाफदेहिता अभिवृद्धि गरी नागरिकलाई वित्तीय सुशासनको प्रत्याभूति दिनु स्थानीय सरकारको दायित्व हो । सार्वजनिक आयको अघावधिक स्थितिको लेखाङ्कन तथा प्रतिवेदन प्रणालीलाई नियमित र एकरूपता कायम गरी प्रभावकारी बनाउँदै लैजानको लागि सूचना प्रविधिमा आधारित वित्तीय व्यवस्थापनको विकासमा जोड दिदै राजश्व व्यवस्थापन सूचना प्रणालीको विकास गरिएको छ । सार्वजनिक खर्चको पारदर्शिता अभिवृद्धि गर्न सरकारी निकायका कार्यक्रम तथा खर्चलाई सार्वजनिकीकरण गर्ने पद्धतिको समेत विकास भएको छ ।

सेवा प्रदायक सबै सरकारी निकाय, स्थानीय निकायहरुमा मानवीय तथा भौतिक श्रोत साधनको व्यवस्था, प्रभावकारी रूपमा आन्तरिक श्रोतहरुको पहिचान, परिचालन र व्यवस्थापन हुनुपर्छ । वित्तीय विकास योजनाले राजश्व सुधार गर्ने योजनालाई समावेश गरी स्थानीय आमदानीका स्रोत वृद्धि गर्ने, कर प्रशासन

प्रणालीमा सुधार र निजी क्षेत्र तथा नागरिक समाजको प्रवर्द्धनका लागि रणनीति एवम् कार्यक्रमहरु समावेश गरेको छ । डुङ्गेश्वर गाउँपालिकाको आर्थिक वर्ष २०८०/८१को कुल वार्षिक बजेट रु. ३९ करोड १८ लाख ७४ हजार रहेको छ ।

### ८.३.२ समस्या र चुनौती

#### समस्या

गाउँपालिकाको वित्तीय व्यवस्थापन गर्ने निकायको सुदृढिकरण नहुनु, गाउँपालिकामा आउने वार्षिक बजेट केन्द्रीकृत हुनु, विकास खर्च कम हुनु, चालु खर्च समयमा भएपनि पुँजिगत खर्च पूर्ण रुपमा हुन नसक्नु, वित्तिय साक्षरता कार्यक्रम सञ्चालन नहुनु, बेरुजु फछ्छ्योट सम्बन्धी ध्यान नपुगनु, सम्झौता अघि काम गर्ने र सम्झौता अघिको बिल ल्याउने प्रवृतिमा सुधार नहुनु, पर्याप्त मात्रमा राजश्वका स्रोतहरु नहुनु, राजश्व संकलन र परिचालन क्षमतामा वृद्धि नहुनु, राजश्व अध्ययन सुधार कार्ययोजना कार्यन्वयन नहुनु, विकास आयोजनाहरुको ठेक्का पट्टा निर्धारित समयमा नहुनु, विद्युतीय बोलपत्रको व्यवस्था नहुनु, खरिद् प्रकृया नियमसंगत, व्यवस्थित र पारदर्शी हुन नसक्नु, विद्युतीय आर्थिक कारोवार व्यवस्थित नहुनु र आर्थिक वर्षको अन्त्यमा आएर मात्र खर्च गर्ने परिपाटी कायम रहनु आदि यस क्षेत्रका समस्याहरु हुन् ।

#### चुनौती

लेखा परीक्षण गर्ने क्रममा आवश्यक तयारी पुग्न गाह्रो, लेखाको क्रममा सुत्र सिस्टमको प्रयोग गर्नुपर्नेमा केही कारोवारहरु सिस्टम भन्दा बाहिर गर्ने प्रवृति हुनु, गाउँपालिकाबाट विभिन्न शिर्षकमा गर्ने खर्चहरुमा प्रभावकारिता, मितव्ययीता र नियमितता कायम गर्न, संघ र प्रदेशबाट प्राप्त अनुदान समयमा नै निकास भई विकास आयोजनाहरु निर्धारित समयमा ठेक्का पट्टा गरी सम्पन्न गर्न, वार्षिक राजश्व र व्ययको अनुमान यथार्थ परक बनाई कार्यान्वयन गर्न, राजश्व संकलन र परिचालनलाई पारदर्शी र प्रभावकारी बनाउन, खरिद् प्रकृया नियमसंगत, व्यवस्थित र पारदर्शी, नियमित र व्यवस्थित गर्न, सम्पूर्ण आर्थिक कारोवारलाई विद्युतीय माध्यमद्वारा सञ्चालन गर्न, विकास खर्चमा वृद्धि गरी आर्थिक वर्षको प्रथम चौमासिकदेखि बजेट निकास गरी कार्यक्रम सञ्चालन गर्न जस्ता चुनौतीहरु रहेका छन् ।

### ८.३.३ सम्भावना र अवसर

#### सम्भावना

विकास साझेदार संस्था एवं निजी क्षेत्रसंग सहकार्य हुन सक्ने, आन्तरिक आय श्रोत अभिवृद्धिको सम्भावना हुनु, आन्तरिक नियन्त्रण प्रणाली निर्माण गरी लागू गर्न सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

#### अवसर

संघ र प्रदेश सरकारबाट अनुदानहरु प्राप्त हुनु, आन्तरिक आय श्रोत अभिवृद्धिको सम्भावना हुनु, बेरुजु फछ्छ्यौटमा उल्लेख्य प्रगति हुनु, लक्षित वर्ग तथा लैङ्गिक उत्तरदायी बजेटको अभ्यास हुनु, लागत सहभागितामा कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने, विकास साझेदार संस्था एवं निजी क्षेत्रसंग सहकार्य गर्न सकिने, राजश्व सङ्कलन, लेखा अभिलेखीकरण कम्प्युटराइज हुनु जस्ता अवसरहरु रहेका छन् ।

८.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

लक्ष्य

गाउँपालिकाको आन्तरिक तथा बाह्य स्रोतलाई वृद्धि गर्ने ।

उद्देश्य

- आन्तरिक स्रोत र बाह्य स्रोतको खोजी गरी बजेट आकारमा वृद्धि र वित्तीय सुशासन कायम गर्नु
- उत्पादनमुखी र आर्थिक समृद्धिसँग डुङ्गेश्वर गाउँपालिकालाई अगाडी बढाउने गरी वित्तीय स्रोत परिचालन गर्नु ।

रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
वित्तीय सुशासन प्रवर्द्धन गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• गाउँपालिकाको आर्थिक ऐनका प्रावधानहरूलाई कडाइका साथ कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।</li> <li>• लेखा प्रणालीलाई आइसिटिमा जोड्दै आन्तरिक लेखा परीक्षण तथा वित्तीय प्रशासनलाई सक्षम, प्रभावकारी बनाइनेछ ।</li> <li>• आर्थिक प्रशासन प्रणालीलाई प्रभावकारी एवं भरपर्दो बनाइनेछ ।</li> <li>• वार्षिक खरिद योजना बनाउँदै सार्वजनिक खरिदलाई पारदर्शिता, ई-विडिङ तथा प्रक्रियागत ढङ्गबाट खरिद गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ ।</li> <li>• नियमित लेखापरीक्षण, पेशकी तथा वेरुजु फछ्छ्यौटलाई प्रभावकारी बनाई वित्तीय जोखिम न्यूनीकरण गरिनेछ ।</li> <li>• निश्चित अवधि (मासिक, चौमासिक, वार्षिक) मा भएको आर्थिक कारोवारहरूलाई वेवसाइट तथा प्रकाशनहरू मार्फत आम नागरिकहरूलाई जानकारी हुनेगरी सार्वजनिकीकरण गरिनेछ ।</li> <li>• बाह्य स्रोत वृद्धि गर्न आवश्यक मापदण्डहरूमा राम्रो अंक प्राप्त गर्ने वा जिम्मवारी पूरा गरिनेछ ।</li> <li>• आर्थिक ऐनमा आन्तरिक स्रोतका शिर्षकहरू थप गरी वैज्ञानिक प्रणाली लागू गरिनेछ ।</li> <li>• राजश्व संकलनमा नियमन अनुगमन बढाइनेछ ।</li> <li>• बाह्य स्रोत संघ र प्रदेशको बजेट वृद्धि गर्ने औजारहरू खोजी गरी त्यसमा सुधार ल्याइनेछ ।</li> <li>• अन्य सरकारी तथा गैर सरकारी संघ संस्थाहरूसँग सहकार्य र समन्वय गरी योजना आयोजना पालिका भित्र भित्र्याइनेछ ।</li> </ul>
वित्तीय स्रोत परिचालन गर्ने र यस सम्बन्धी स्थानीय नीति निर्माण गर्ने	<ul style="list-style-type: none"> <li>• वित्तीय स्रोत परिचालन सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानून, मापदण्ड, योजना, कार्यान्वयन, अनुगमन, नियमन गरिनेछ ।</li> <li>• प्रभावकारी अनुगमन, सुपरिवेक्षण र स्टमेटको आधार बजेट विनियोज गरी त्यसलाई परिणाममुखी ढंगबाट वित्तीय स्रोत परिचालन गरिनेछ ।</li> <li>• आन्तरिक स्रोत परिचालनका लागि राजश्व सुधार कार्ययोजना तयार पारी गाउँपालिकाको आन्तरिक आय स्रोतमा वृद्धि ल्याइनेछ ।</li> </ul>



	<ul style="list-style-type: none"> <li>• स्थानीय राजस्व परामर्श समितिको क्षमता अभिवृद्धि गरी राजस्व सुधार कार्य योजना लागु गरिनेछ ।</li> <li>• आन्तरिक स्रोत वृद्धि गर्न करका दायरामा वृद्धि विकास गरिनेछ ।</li> <li>• सार्वजनिक खर्चलाई पूँजी निर्माण (आय आर्जन) का क्षेत्रमा लगानी गरी आन्तरिक आयलाई सुदृढ पारिनेछ ।</li> <li>• सम्भावित करदाताहरूको पहिचान गर्दै कर शिक्षा कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरी कर तिर्ने अभ्यासलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । करको दरमा वृद्धि गर्ने भन्दा पनि दायरामा विस्तार ल्याइनेछ ।</li> <li>• उपभोक्ता समितिहरूसँग लागत सहभागितामा आयोजनाहरू सञ्चालन गरी गाउँपालिकाको लागत भारलाई न्यून गरिनेछ ।</li> <li>• गाउँपालिकाको चल अचल सम्पत्तिहरू परिचालन गरी सेवा शुल्क सङ्कलन गरिनेछ ।</li> <li>• सबै वडाहरूमा वातावरण अध्ययन गरी वातावरण अनुकूल, दुग्ध उत्पादनको लागि गाई, भैंसी पालन र मासु उत्पादनको लागि सुगुर, कुखुरा, राँगा, भैंसी, खसी, बाखा र भेडा लगायतका पशुपालन व्यवसायलाई स्थानीय तहले बजेट व्यवस्थापन गरी यस क्षेत्रबाट राजस्व बढाइनेछ ।</li> <li>• प्रत्येक वडामा वातावरण अनुकूल कृषि क्षेत्र घोषणा गरी उत्पादकत्व वृद्धि गरी यस क्षेत्रबाट राजस्व बढाइनेछ ।</li> </ul>
--	---

८.३.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : वित्तीय स्रोत परिचालन								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)					पाँचौ वर्ष	
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष		
१	योजना तर्जुमा कार्यक्रम	२०	४	४	४	४	४	प्रदेश/स्थानीय
२	आन्तरिक स्रोत पहिचानका लागि कर्मचारीलाई क्षमता विकास तालिम	२०	४	४	४	४	४	प्रदेश/स्थानीय
३	राजस्व संकलनका लागि व्यापक जनचेतनामूलक कार्यक्रम	१०	२	२	२	२	२	स्थानीय तह आफै
जम्मा		५०	१०	१०	१०	१०	१०	

८.३.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	दिविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	पालिकाको कूल वार्षिक बजेट	रु.करोड	३९.१९	४०	४३	४४	४६	४८	गापा	८	१६

असर	प्रतिव्यक्ति बजेट खर्च (विकासतर्फ)	रु.हजार	२४.५७							"	८	१६
प्रतिफल	कूल वजेटको वास्तविक खर्च	प्रतिशत	५७.२	६०	६५	७०	७५	८०		"	८	१६
	कूल वजेटको पूँजीगत खर्च	प्रतिशत	६२.२	६५	७०	७५	८०	८५		"	८	१६
	लैङ्गिक उत्तरदायी वजेट विनियोजन	प्रतिशत	०.७०	१	३	७	९	१०		"	८	१६
	सङ्कलित कर राजश्व र गैरकर राजश्वको (करराजश्व : गैरकर राजश्व)	अनुपात	०.२							"	८	१६
	कूल वजेटमा बाह्य श्रोतको हिस्सा	प्रतिशत								"	८	१६
	आन्तरिक राजश्व अभिवृद्धि हुने क्षेत्रमा भएको लगानी (कूल वजेटको)	प्रतिशत	०.१०	५	१०	१५	२०	२५		"	८	१६
	कूल वेरुजुमध्येकोफछ्यौट रकम	प्रतिशत								"	८	१६
	संघीय सरकारवाट राजश्व बाँडफाड प्राप्त रकम	रु. लाख	७३४.५२	८००	८५०	९००	९५०	१०००		"	८	१६
	प्रदेश सरकारवाट राजश्व बाँडफाड वाट प्राप्त रकम	रु. लाख								"	८	१६

संघीय सरकारवाट वित्तीय समानीकरण वाट प्राप्त अनुदान	रु. लाख	२६१२	२३००	२०००	१८००	१५००	१०००	"	८	१६
प्रदेश सरकारवाट वित्तीय समानीकरण वाट प्राप्त अनुदान	रु. लाख	३७७.२३	४००	४१०	४२०	४३०	४५०	"	८	१६
आयोजना कार्यान्वयनमा उपभोक्ता समूहको योगदान हिस्सा (वार्षिक कूल खर्चमा)	प्रतिशत	९०	९२	९३	९५	९६	९७	"	८	१६
निजी क्षेत्रसंगको सहकार्यमा भएको लगानी	रु. लाख	२००	२२५	२५०	२७५	३००	३५०	"	८	१६
सहकारी संस्था तथा सामुदायिक संस्था संगको सहकार्यमा भएको लगानी	रु. लाख							"	८	१६
सम्भावित करदाताहरु मध्येमा नियमित कर भुक्तानी गर्ने करदाता संख्या	संख्या							"	८	१६
आयोजनाहरुको मर्मत सम्भारका लागि व्यवस्था गरिएको कोषमा जम्मा भएको	रु. लाख							"	८	१६

### ८.३.७ अपेक्षित उपलब्धी

क्षतिपूर्ति सहितको नागरिक वडापत्रको व्यवस्था भएको हुनेछ । प्रत्येक वडा कार्यालयमा सेवाग्राहीको लागि सहायता कक्षको व्यवस्था भएको हुनेछ । आयोजना अनुगमन गर्दा कार्यपालिका निर्माण गरी प्रभावकारी रूपमा अनुगमन गर्ने व्यवस्था भएको हुनेछ । गाउँपालिकाको पार्श्वचित्र तयार भएको हुनेछ । पेपरलेस गभर्नेन्स अवधारणा कार्यान्वयन गर्न योजना, लेखा, सामाजिक सुरक्षा, कर्मचारी प्रशासन तथा राजस्व प्रशासन सम्बन्धी सफ्टवेयर निर्माण, खरिद र सञ्चालनमा निरन्तरता हुनेछ । राजस्व सुधार योजना बनाई उचित बजेट विनियोजन भएको हुनेछ । राजस्व सङ्कलन, चुस्त र दुरुस्त भएको हुनेछ । बेरुजु रकम न्यूनीकरण भएको हुनेछ । पूँजीगत खर्च बढी भएको हुनेछ । चौमासिक र वार्षिक प्रगति समीक्षा नियमित भएको हुने र वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रकाशित भएको हुनेछ ।

### ८.३.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

संघ र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने वित्तिय हस्तान्तरण लगायत अन्य बजेटहरू नियमित रूपमा प्राप्त हुनुपर्ने, आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिकहरूको पदपूर्ति हुनुपर्ने, स्थानीय तहको कार्य सम्पादन र सेवा प्रवाह परिणाममुखी, चुस्त र पारदर्शी हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृनिकायहरूको नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, राजस्व सङ्कलन, चुस्त र दुरुस्त हुनुपर्ने, बेरुजु रकम घटाउनु पर्ने, भ्रष्टाचार न्यूनीकरण हुनुपर्ने, गाउँपालिकाको सेवा प्रवाह, सुशासन, योजना तर्जुमा र कार्यान्वयनसँग सम्बन्धित आवश्यक ऐन कानून र कार्यविधिहरू तर्जुमा भएको हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकार बीच आवश्यक समन्वय र सुमधुर सम्बन्ध स्थापित हुनुपर्नेछ ।

### ८.४ योजना व्यवस्थापन

#### ८.४.१ पृष्ठभूमि

विकास प्रयासलाई व्यवस्थित र प्रणालीगत रूपमा सञ्चालन गरी अपेक्षित उपलब्धि हाँसिल गर्न योजनाबद्ध विकासको आवश्यकता पर्दछ । भरपर्दो तथ्याङ्क कार्यान्वयनयोग्य योजनाको आधार हो । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनले स्थानीय तहले आफ्नो क्षेत्राधिकारका विषयमा योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्नु पर्ने व्यवस्था गरेको छ । यसैगरी ऐनले स्थानीय तथ्याङ्क र अभिलेख व्यवस्थापन, पार्श्वचित्र तथा श्रोत नक्सा अद्यावधिक बनाउने, सूचना तथा अभिलेख केन्द्र सञ्चालन गर्ने, जनशक्तिको तथ्याङ्क संकलन गर्ने आदि कार्य स्थानीय तहको काम, कर्तव्य र अधिकारको दायरामा राखेको छ ।

योजना तर्जुमा सम्बद्ध समितिहरू गठन भई कार्यरत छन् । आयोजनाहरू कार्यान्वयनमा उपभोक्ता समितिहरूको सहभागिता हुँदै आएको पाइन्छ, तापनि स्थानीय संस्थाहरू, गैसस लगायत निजी क्षेत्रसँगको सहकार्य प्रभावकारी हुन सकेको देखिदैन । आयोजनाहरू कार्यान्वयन पश्चात सहभागितामूलक अनुगमन मूल्याङ्कन गर्ने अभ्यास हुँदै आएको छ । सबै विषयक्षेत्रगत गुरु योजनाहरू तर्जुमा हुन सकेको छैन । केहि विषय क्षेत्रगत योजना रहेको, केहि विषय क्षेत्रगत गुरु योजना बनेको, वार्षिक योजनाहरू नियमित बनेको, पूर्वाधारमा धेरै आयोजनाहरू भएको (सडक ट्रयार खोल्ने काम), आयोजनाहरू अनुगमन हुने गरेको, टुक्रे आयोजना मार्फत काम हुने गरेको, लाभान्वितको अनुकूल केहि योजना बन्ने गरेको पाइन्छ । गाउँपालिकाको

सार्वजनिक सुनवाई कार्यक्रम हुने गरेको छ । आयोजनाहरूको अनुगमन र सुपरिवेक्षण समावेशी रूपमा भएको छ । लक्षित वर्गको स्थानीय स्रोत साधनमा पहुँच अभिवृद्धि गरिएको छ साथै क्षमता विकास कार्यक्रम सञ्चालन भएको छ ।

#### ८.४.२ समस्या र चुनौती

##### समस्या

कृषि, पर्यटन, यातायात, वातावरण जस्ता अग्रणी क्षेत्रहरूको दीर्घकालीन गुरुयोजना तर्जुमा हुन नसक्नु, आयोजनाहरूको दिगोपना, व्यवस्थित तथा मर्मत सम्भारका लागि लाभान्वितबाट उपभोग शुल्क सङ्कलन हुन नसक्नु, नतिजामा आधारित अनुगमन मूल्याङ्कन अभ्यास नहुनु, आयोजना र योजनाहरू योजनावद्ध ढंगबाट विकास नहुनु, आयोजनाहरू छनौट गर्दा पर्याप्त सरोकारवालाहरूसँग समन्वय नहुनु एवं योजना बमोजिम कार्यान्वयन नहुनु, समावेशी तथा सहभागितामूलक योजना तर्जुमा नहुनु, आयोजनाहरू बालमैत्री, अपाङ्गमैत्री, लैङ्गिकमैत्री, जेष्ठ नागरिकमैत्री नहुनु, धेरै आयोजनाहरू नागरिक स्तरमा प्रभावकारी नहुनु आदि प्रमुख समस्या हुन् ।

##### चुनौती

तथ्याङ्कलाई व्यवस्थित गरी विद्युतीय प्रणालीमा आबद्ध गर्न, तथ्याङ्क तथा वस्तुगत विवरणलाई वार्षिक रूपमा अध्यावधिक गर्न, योजना र तथ्याङ्क बीच तादात्म्यता कायम गर्न, पूर्व सम्भाव्यताका आधारमा आयोजनाहरूको छनौट र कार्यान्वयन गर्न, दामासाहीमा आधारित बजेट वितरणको कार्यलाई योजना अनुशासनमा ल्याउन, संघीय र प्रादेशिक योजना कार्यक्रमको स्थानीय तहसँग समन्वय मिलाउन र योजनागत दोहोरोपना हटाउन, योजना अभिलेख व्यवस्थापन अध्यावधिक गर्न, नियमित अनुगमन गरी निर्धारित समय, लागत र गुणस्तरमा आयोजना सम्पन्न गर्न, आयोजनाहरूमा गुणस्तरीयता कायम राख्दै निर्धारित समयमै सम्पन्न गर्नु, आयोजनाहरूको दिगोपना, मर्मत सम्भार र स्थानीयहरूको अपनत्व श्रृजना गर्नु आदि प्रमुख चुनौती हुन् ।

#### ८.४.३ सम्भावना र अवसर

##### सम्भावना

योजना तर्जुमामा स्थानीय सरोकारवाला, निकाय, गैसस, सामुदायिक संस्था र नागरिक समाजहरूको सहभागिता गर्न सकिने, आयोजनाहरू कार्यान्वयनमा उपभोक्ता समितिको सहभागिता प्रभनवकारी गर्न सकिने, सञ्चार माध्यम मार्फत् गाउँपालिकाका काम र विकास निर्माणका योजना सुसूचित गर्न सकिने, दीर्घकालीन गुरुयोजना निर्माण गर्न सकिने, बालश्रम र महिला हिंसा नियन्त्रणको योजना बनाई नियन्त्रण गर्न सकिने आदि प्रमुख सम्भावना हुन् ।

##### अवसर

वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमहरू कार्यान्वयन हुनु, आयोजनाहरूको वार्षिक समीक्षा हुनु, आवधिक योजना, गौरव आयोजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा हुने क्रममा रहेको, आयोजनाहरू कार्यान्वयनमा उपभोक्ता समितिको सहभागिता हुनु, योजना तर्जुमामा स्थानीय सरोकारवाला, निकाय, गैसस, सामुदायिक संस्था र नागरिक समाजहरूको सहभागिता हुनु, हरेक सार्वजनिक संरचानहरू न्भक्क्ष मैत्री बनाउने कार्यको थालनी हुनु,

सहभागिता मुलक तथा प्रभावकारी ढंगबाट हुने अभ्यास हुनु, प्रत्येक नागरिकले सबै आयोजनामा आफ्नो भाव सृजना गर्न र स्वामित्व ग्रहण गर्न सकिने, लाभान्वित मार्फत सहभागिताको सुनिश्चित तथा योगदान गर्न सकिने आदि प्रमुख अवसर हुन् ।

८.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा योजना

लक्ष्य

योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन तथा अनुगमन नतिजामुखी बनाउने ।

उद्देश्य

- योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन तथा अनुगमन प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्नु ।
- तथ्य र तथ्याङ्कमा आधारित योजना प्रणाली निर्माण गर्नु ।

रणनीति र कार्यनीति

रणनीति	कार्यनीति
योजना व्यवस्थापन सुदृढीकरण गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>• योजना व्यवस्थापन सम्बन्धी स्थानीय नीति निर्माण गरिनेछ ।</li> <li>• योजना व्यवस्थापन सम्बन्धी स्थानीय नीति, कानून, मापदण्ड, योजना, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा नियमन गरिनेछ ।</li> <li>• आवधिक योजनाको कार्यान्वयनका लागि वार्षिक कार्ययोजना बनाइनेछ ।</li> <li>• आवधिक विकास योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक योजना बीच तादत्म्यता स्थापित गरिनेछ ।</li> <li>• योजना तर्जुमा गर्दा वस्ती स्तरबाट छनौट भई आएका योजना तथा कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिने नीति अवलम्बन गरिनेछ ।</li> <li>• आयोजना तथा कार्यक्रमलाई प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्नका लागि उपभोक्ता वा वस्ती स्तरलाई जिम्मेवार बनाउने नीति अवलम्बन गरिनेछ ।</li> <li>• योजना छनौट, कार्यान्वयन तथा अनुगमन गरी अनियमिततालाई निरुसाहित गरिनेछ ।</li> </ul>
योजना सहभागिता तर्जुमामा अभिवृद्धि गर्ने ।	<ul style="list-style-type: none"> <li>• आवश्यकताका आधारमा सरोकारवालाहरूको वृहत सहभागितामा विषयक्षेत्रगत गुरुयोजनाहरू बनाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।</li> <li>• निर्माणधिन र निर्माण भइसकेका संरचनाहरूको रेखदेख र संरक्षण गरिनेछ ।</li> <li>• टोल विकासबाट योजना संकलन गर्दा आवधिक योजना र गाउँपालिकाको नीति तथा कार्यक्रम बमोजीम योजनाहरू छनौट तथा प्राथमिकीकरण गरिनेछ ।</li> <li>• विषयगत समितिको व्यापक छलफल पश्चात मात्र बजेट विनियोजन तथा बाँडफाँड गरिनेछ ।</li> <li>• सहभागितामूलक र समावेशी योजना तर्जुमाका निर्दिष्ट चरण र प्रक्रिया अवलम्बन गर्दै वस्ती स्तरबाटै वार्षिक योजना तर्जुमा गरिनेछ ।</li> </ul>

	<p>उपभोक्ता समितिमा लक्षित वर्गहरूको सहभागितालाई अर्थपूर्ण बनाउन प्रोत्साहन गरिनेछ ।</p> <p>निर्माण भइसकको संरचनाहरूको संरक्षणका लागि सम्बन्धित क्षेत्रका समिति वा उपभोक्ता र वडा समितिलाई जिम्मेवारी दिइनेछ ।</p>
<p>योजना कार्यान्वयनमा प्रभावकारीता कायम गर्ने ।</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• गाउँपालिकाका आयोजनाहरूको लागत अनुमान स्वीकृती र सम्भाव्यता अनुमान सहित आयोजना बैकमा समावेश गर्दै बजेट विनियोजन गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।</li> <li>• योजना कार्यान्वयनमा उपभोक्ता र सरोकारवाला निकायहरूलाई प्रत्यक्ष सहभागी गरिनेछ ।</li> <li>• योजनाहरू कार्यान्वयनमा उपभोक्ता समूहको लागत सहभागितामा सम्पन्न गर्दै आयोजनको मर्मत सम्भार र दिगोपनमा अपनत्व श्रृजना गराइनेछ ।</li> <li>• आयोजनाको प्रभावकारी अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका लागि लैङ्गिक तथा समावेशी संयन्त्र एवं बिषयक्षेत्रगत सूचक निर्धारण गरी सूचकका आधारमा नियमित अनुगमन गरिनेछ ।</li> <li>• उपभोक्ता समितिमा महिलाहरूको सहभागितालाई अर्थपूर्ण गराउन योजना तर्जुमा सम्बन्धी क्षमता विकास मार्फत सशक्तीकरण गरिनेछ ।</li> <li>• गाउँपालिका अन्तर्गतका क्षेत्रमा विद्यमान विकास साझेदार, गैर सरकारी संघ संस्था, नागरिक समाज, सामुदायिक संस्थाहरू परिचालनका लागि कार्यविधि तर्जुमा गर्दै विकास आयोजनाहरूको कार्यान्वयनमा सहकार्य गरिनेछ ।</li> <li>• योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कनलाई प्रभावकारी रूपमा परिचालनका लागि गाउँपालिकामा योजना शाखालाई साधन सम्पन्न बनाइनेछ ।</li> </ul>
<p>तथ्य र तथ्याङ्कमा आधारित योजना प्रणाली स्थापित गर्ने ।</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>• वस्तुगत विवरण तयार गर्दा प्राकृतिक श्रोत र सेवा सुविधाहरूको पहुँच सहितको श्रोत नक्साहरू तयार गरी वार्षिक रूपमा अध्यावधिक गरिनेछ ।</li> <li>• वस्तुगत विवरण र श्रोत नक्साहरूलाई विद्युतीय प्रणालीमा आबद्ध गरिनेछ ।</li> <li>• गाउँपालिकामा सूचना तथा अभिलेख केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।</li> <li>• भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक, संस्थागत, लैङ्गिक लगायता विषय क्षेत्रका खण्डिकृत तथ्याङ्क सहितको वस्तुगत विवरण तयार गरिनेछ ।</li> </ul>



८.४.५ विस्तृत कार्यक्रम

विषयगत उपक्षेत्र : योजना व्यवस्थापन								जिम्मेवारी (स्थानीय तह आफै, प्रदेशसँग समन्वयमा गर्ने, नेपाल सरकारको समन्वयमा गर्ने)
क्र.सं.	आयोजना तथा कार्यक्रम	अनुमानित कूल लागत रकम (रु. लाखमा)					पाँचौ वर्ष	
		कूल लागत	पहिलो वर्ष	दोश्रो वर्ष	तेश्रो वर्ष	चौथो वर्ष		
१	योजना तथा अनुगमन शाखाका लागि सफ्टवेयर निर्माण तथा खरिद	१०	२	२	२	२	२	स्थानीय तह आफै
२	योजना तथा कार्यक्रम अनुगमनका लागि क्षमता विकास तालिम तथा कार्यक्रम	१५	३	३	३	३	३	स्थानीय तह आफै
जम्मा		२५	५	५	५	५	५	

८.४.६ नतिजा खाका

नतिजा तह	सूचक	इकाई	आधार वर्ष २०८० /८१ सम्मको	लक्ष्य परिमाण					पुष्ट्याइएको धार	दिराल संकेत	विविल संकेत
				२०८१ /८२	२०८२ /८३	२०८३ /८४	२०८४ /८५	२०८५ /८६			
प्रभाव	आयोजना बैंकमा समावेश भएका कूल आयोजनाहरु डिपिआर हुन बाँकी समेत	संख्या									

असर	तर्जुमा भएका विषय क्षेत्रगत गुरुयोजना (कृषि, पर्यटन, यातायात गुरुयोजना...)	संख्या										
प्रतिफल	श्रोत नक्शा सहित खण्डीकृत वस्तुगत विवरण (प्रोफाइल) तयारी तथा अद्यावधिक भएको विषयगत क्षेत्र	संख्या										
	कार्यान्वयन भएका स्थानीय गौरव आयोजनाहरू	संख्या										
	वार्षिक नीति कार्यक्रम अनुसार पालिका को आन्तरिक आयमा अभिवृद्धि ल्याउन सक्ने आयोजनाहरू	संख्या										
	सम्पन्न भएका पूँजीगत तर्फका कूल आयोजनाहरू	प्रतिशत										
	कूल आयोजना मध्ये उपभोक्ता समिति वाट कार्यान्वयन भएका आयोजना	प्रतिशत										
	निर्धारित समय वा सो अगावैसम्पन्न आयोजनाहरू	प्रतिशत										
	प्रस्तावित आयोजनाहरू मध्ये यथार्थमा सम्पन्न भएका आयोजनाहरू	संख्या										
	आयोजना/कार्यक्रमको अनुगमन प्रतिवेदन संख्या (पटके, मासिक, चौमासिक, वार्षिक)	संख्या										

सहभागितामुलक योजना तर्जुमा तथा अनुगमन प्रक्रियामा लक्षित वर्ग/ समुदायको प्रतिनिधित्व	संख्या										
तेश्रो पक्षवाट भएको आयोजनाहरुको अनुगमन तथा मूल्यांकन	संख्या										
निजी क्षेत्रसंगको सहकार्यमा सम्पन्न आयोजनाहरु	संख्या										
सार्वजनिक, निजी र सहकारीको सहकार्यमा सम्पन्न आयोजनाहरु	संख्या										
अन्तरपालिका समन्वय र सहकार्यमा सम्पन्न आयोजनाहरु	संख्या										

#### ८.४.७ अपेक्षित उपलब्धी

विकासका नयाँ प्रविधि, सम्भावना तथा विकल्पहरू बारेमा अध्ययन अनुसन्धान हुनेछ । व्यवस्थित तथ्याङ्क प्रणाली स्थापित भई विद्युतीय प्रणालीमा आबद्ध भएको हुनेछ । सहभागितामूलक योजना प्रणाली स्थापित भएको हुनेछ । आवधिक योजनाले पहिचान गरेका योजना तथा कार्यक्रमहरू क्रमश लागू हुने छन् । मध्यकालीन खर्च संरचना लागू भएको हुनेछ । योजनाको लक्ष्य र उपलब्धी बीचको अन्तर न्यून भएको हुनेछ । सूचकमा आधारित योजना अनुगमन र मूल्याङ्कन प्रणाली विकास भएको हुनेछ ।

#### ८.४.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

संघ र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने वित्तिय हस्तान्तरण लगायत अन्य बजेटहरू नियमित रूपमा प्राप्त हुनुपर्ने, आवश्यक जनशक्ति र प्राविधिकहरूको पदपूर्ति हुनुपर्ने, स्थानीय तहको कार्य सम्पादन र सेवा प्रवाह परिणाममुखी, चुस्त र पारदर्शी हुनुपर्ने, स्थानीय संघ संस्था र दातृनिकायहरूको नियमित आर्थिक र प्राविधिक सहयोग हुनुपर्ने, राजस्व सङ्कलन, चुस्त र दुरुस्त हुनुपर्ने, बेरुजु रकम घटाउनु पर्ने, भ्रष्टाचार न्यूनीकरण हुनुपर्ने, गाउँपालिकाको सेवा प्रवाह, सुशासन, योजना तर्जुमा र कार्यान्वयनसँग सम्बन्धित आवश्यक ऐन कानुन र कार्यविधिहरू तर्जुमा भएको हुनुपर्ने, गाउँपालिका, प्रदेश र सङ्घीय सरकार बीच आवश्यक समन्वय र सुमधुर सम्बन्ध स्थापित हुनुपर्नेछ ।

## परिच्छेद ९: योजना कार्यान्वयन व्यवस्था

### ९.१ पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाले तर्जुमा गर्ने वार्षिक बजेटको कार्यान्वयन अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने परिपाटी प्राथमिकतामा रहनु जरुरी छ । अनुगमन कार्यलाई सामान्य स्थलगत निरीक्षण एवम् बजेट खर्चसँगको तादात्म्यतासँग मात्र जोडेर हेर्ने गरेको पाइन्छ । केही योजना तथा कार्यक्रमहरूको हकमा प्रतिनिधि तथा कर्मचारीहरू समेतको सहभागितामा अनुगमन हुने गरेको एवम् चौमासिक तथा वार्षिक समीक्षामा प्रगतिको स्थितिको समीक्षा गर्नुका साथै स्पष्ट ढङ्गले कार्यतालिका तयार गरी सूचकहरूको आधारमा अनुगमन गरिनुपर्दछ । अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्य योजना चक्र व्यवस्थापनमा महत्वपूर्ण कार्यको रूपमा ग्रहण गर्ने तथा यसका लागि बजेट विनियोजन समेत हुने गरेको परिस्थिति विद्यमान छ ।

गाउँपालिकाको समग्र विकास योजनाको कार्यान्वयन एउटा महत्वपूर्ण चुनौतीको विषय हो । विकासका लागि प्रस्ताव गरिएका कार्यक्रमहरूको सफल कार्यान्वयन गाउँपालिकाको आन्तरिक क्षमता र आगामी वर्षहरूमा सरोकारवालाबाट प्राप्त हुने सहयोग र सहकार्यमा भर पर्दछ । यस आवधिक योजना तर्जुमा गर्दा गाउँपालिकाले योजना अवधिमा आफ्नो वित्तीय तथा संस्थागत अवस्था सुदृढ गरेको हुनेछ भन्ने मान्यता लिएको छ भने यसले संघ, प्रदेश, निजी क्षेत्र, गैरसरकारी संघ संस्थाहरू र समुदायबाट यथेष्ट विश्वास, सहयोग र सहभागिता प्राप्त गर्नेछ भन्ने समेत विश्वास लिइएको छ । प्रस्तुत योजनामा यिनै मान्यताका आधारमा प्रस्तावित विकास योजना र कार्यक्रमहरूका लागि बहुक्षेत्रगत लगानी कार्ययोजना प्रस्ताव गरिएको छ । योजना कार्यान्वयनको प्रकृया र योजना अनुगमन तथा मूल्याङ्कन पद्धति समेतको प्रस्ताव यसै परिच्छेदमा समेटिएको छ ।

यस आवधिक योजनाको प्रस्तावमा आधारित भई वार्षिक योजना तथा बजेट तर्जुमा गरी योजनाको कार्यान्वयन गरिनुपर्दछ । यसरी वार्षिक योजना तथा बजेट तर्जुमा गर्दा आवधिक योजनाको समग्र लक्ष्य, रणनीति तथा प्राथमिकता, विषय क्षेत्रगत उद्देश्य तथा कार्यक्रमलाई आधार लिईने छ । आवधिक योजनाको स्वीकृती पछि गाउँ कार्यपालिकाले सबै विषयगत समिति एवम् शाखा र सबै वडा कार्यालयहरूलाई मार्गदर्शन सहित वार्षिक योजना तर्जुमा प्रयोजनका लागि पठाईने छ । अनुमानित बजेट एवम् योजना तर्जुमा मार्गदर्शनका आधारमा सहभागितात्मक प्रक्रिया मार्फत वार्षिक योजनाको तर्जुमा गरी आवधिक योजनाको कार्यान्वयन सुनिश्चित गरिनेछ ।

### ९.२ संस्थागत व्यवस्था तथा मानव संसाधन योजना

गाउँपालिकामा दक्ष जनशक्तिको अपर्याप्तता, भौतिक पूर्वाधार तथा प्रविधिको अपर्याप्तता, विषयगत समितिहरूको न्यून सक्रियता, अपाङ्गतामैत्री, बालमैत्री र महिलामैत्री पूर्वाधारको अपर्याप्तता, लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण रणनीतिको अभाव, जनप्रतिनिधिहरूसँग विषयगत ज्ञानको अपर्याप्तता यहाँको प्रमुख चुनौतीहरू हुन् । संस्थागत सुधारको लागि गाउँपालिका तथा वडा कार्यालयको संस्थागत क्षमता, मानव संसाधन र कार्य दक्षतामा अभिवृद्धि गर्दै जानुपर्ने देखिन्छ ।

### ९.३ विषय क्षेत्र अनुसार अनुमानित बजेट

#### ९.४ श्रोत परिचालन रणनीति

आवधिक योजना अनुसार विषय क्षेत्रगत ५ वर्षको बजेट कुल बजेट अनुमान गरिएको छ । गत दुई वर्षको यथार्थ र चालू आ.व. २०८०/८१ को अनुमानित सहित आगामी ५ वर्षको आय अनुमान गरिएकोमा नपुग श्रोत रकमको परिचालनका लागि देहाय अनुसारको रणनीति अख्तियार गरिनेछ ।

#### आन्तरिक श्रोत (राजश्व) अभिवृद्धिका रणनीतिहरू

- गाउँपालिकाको एकीकृत सम्पत्ति कर कार्यान्वयन गर्न व्यवस्थित नीति तथा कार्यक्रम बनाई कार्यान्वयन गर्दै लगिने छ ।
- गाउँपालिकामा सञ्चालित होटल, रेष्टुरेन्ट, मनोरञ्जन लगायतका अन्य उद्योग तथा व्यवसायिक क्रियाकलापहरूको अभिलेखीकरण गर्ने, रजिष्ट्रेशन गर्ने र करको दायरामा ल्याइने छ ।
- गाउँपालिका क्षेत्रभित्र रहेका प्राकृतिक श्रोतहरूको उपयोग बापत प्राप्त हुने रोयल्टीमा साझेदारी गरिनेछ ।
- वन पैदावार व्यवस्थित तथा वैज्ञानिक उपयोग गर्न वनसँग समन्वय गरी कर तथा रोयल्टी वृद्धि गरिनेछ ।
- गाउँपालिकाले पर्यटनमा हरित शुल्क लगाई आय आर्जन गर्ने रणनीति अवलम्बन गरिनेछ ।
- भूमि बैंकको स्थापना गरी यसको परिचालनबाट आय वृद्धि गर्दै लगिने छ ।
- केन्द्र र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुन सक्ने अनुदान (समपूरक अनुदान र विशेष अनुदान ) प्राप्त गर्न विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार गरी पहल कदमी गरिनेछ ।
- गाउँपालिकाले सम्भाव्य ठूला परियोजनाहरू विद्युत, पर्यटन विकास, प्राकृतिक श्रोतमा आधारित उद्योग, आदिमा लागत सहभागिता कार्यक्रम मार्फत आयवृद्धि गरिनेछ ।

#### सार्वजनिक खर्चमा वित्तिय अनुशासनका रणनीतिहरू

- गाउँपालिकाभित्र हुने सबै प्रकारका खर्च सार्वजनिक खरिद ऐन अनुसार गरिनेछ ।
- केन्द्र र प्रदेश सरकारका ससर्त अनुदान, समपुरक अनुदान तथा विशेष अनुदानका कार्यक्रमहरू उनीहरूको खर्च नीति र कार्यविधिसँग समन्वय गरी खर्च गरिनेछ ।
- सार्वजनिक खर्चमा मितव्ययितालाई सबै क्षेत्रमा कडाईका साथ लागू गरिनेछ ।
- गाउँपालिकालाई दीर्घकालीन आर्थिक भार तथा दायित्व वृद्धि हुने गरी चालु प्रकृतिका खर्च बढ्ने कुनै नयाँ निर्णय गर्नु परेमा गाउँपालिकाको संयुक्त प्रकृत्याबाट गरिनेछ ।
- आर्थिक ऐन र खरिद ऐनको अधिनमा रही ठूला आयोजनाहरू ठेक्का पट्टा गरी र सानातिना योजनाहरू मात्र नगद सहभागितामा उपभोक्ता समिति मार्फत गरिनेछ ।
- वार्षिक खर्च विनियोजनमा क्षेत्रगत र सामाजिक समावेशितालाई जोड दिइने छ ।

- गाउँपालिकाले खर्च व्यवस्थापन सम्बन्धी आफ्नै ऐन, नियम र कार्यविधिहरू बनाउने र तिनीहरूको कडाइका साथ कार्यान्वयन गरिनेछ ।
- आवधिक/वार्षिक योजनाहरूको मध्यावधि मूल्याङ्कन ढाँचा अनुरूप खर्च व्यवस्थापन गर्दै लगिनेछ ।
- आवधिक योजनाका विषयगत क्षेत्रहरूमा तोकिएको बजेटबाट अन्य क्षेत्रमा रकमान्तर नगर्ने, गर्ने परे विषयगत क्षेत्रभित्र मात्र गर्ने प्रकृत्याको अवलम्बन गरिनेछ ।
- गाउँपालिकाबाट हुने सबै खर्च र लगानीको विद्युतीय र बैकिङ प्रकृत्याबाट भुत्तानी गर्ने पद्धति कडाईका साथ लागू गरिनेछ ।

## ९.५ आवधिक योजना कार्यान्वयन

यस आवधिक योजना कार्यान्वयनमा सरकारी, निजी, सार्वजनिक सबै क्षेत्रको भूमिका अहम् हुन आउँछ । योजना बनाएर मात्र हुँदैन, त्यसको सफल कार्यान्वयन र कार्यान्वयनको नियमित अनुगमन, मूल्याङ्कन हुँदै जानु पर्दछ । योजना कार्यान्वयनको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको मुख्य जिम्मेवारी गाउँपालिका के हुन आउँछ । यसको लागि तल प्रस्ताव गरिए बमोजिमका निकायहरूको भूमिका देहाय बमोजिम हुने छ ।

### ९.५.१ कार्यान्वयन योजना

यस आवधिक योजनालाई कार्यान्वयनका लागि गाउँपालिकाले देहाय बमोजिम गर्नुपर्दछ;

#### क) प्रारम्भिक सम्भाव्यता अध्ययन

पहिचान भएका आयोजना र कार्यक्रम मध्ये उपयुक्त आयोजनाहरू छनौट गर्न आर्थिक, वातावरणीय, प्राविधिक र सामाजिक दृष्टिले छुन् छैनन् भन्ने कार्यको लागि प्रारम्भिक सम्भाव्यता अध्ययन विशेषज्ञहरूबाट गराउने । प्रारम्भिक सम्भाव्यताबाट उपयुक्त देखिएका आयोजना तथा कार्यक्रमहरू वार्षिक कार्यक्रम तथा लगानी योजनामा समावेश गर्ने विस्तृत सम्भाव्यता सम्पन्न भएका आयोजना तथा कार्यक्रमहरू वार्षिक कार्यक्रम तथा लगानी योजनामा समावेश गर्ने ।

#### ख) विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार गर्ने

दीर्घकालीन प्रकृतिका र सार्वजनिक खरिद ऐनले तय गरेको मापदण्डमा पर्ने ठूलो लगानीका परियोजनाहरूको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन विशेषज्ञहरूबाट गराउने ।

#### ग) वार्षिक कार्यक्रम तथा लगानी योजना तर्जुमा गर्ने

वार्षिक कार्यक्रम र योजना तर्जुमा गर्दा प्रारम्भिक सम्भाव्यता अध्ययन, विस्तृत परियोजना प्रतिवेदनका आधारमा संघ र प्रदेश तथा गाउँपालिका स्तरीय र वडा स्तरीय कार्यक्रमहरूको प्राथमिकीकरण गर्ने । प्राथमिकीकरण र योजना निर्माण जनसहभागिताको आधारमा गर्ने ।

#### घ) बजेट अनुमान (निर्माण)

विभिन्न स्तरका आयोजना तथा कार्यक्रमहरू मध्ये संघ र प्रदेशमा समन्वय गर्नुपर्ने र विभिन्न अनुदानमा आधारित (ससर्त, समानीकरण, समपूरक एवम् विशेष) आयोजना वर्गीकरण गरी प्रदेश र प्राप्त सरकारका बजेटहरू ल्याउन पहल गर्ने ।

#### ङ) वित्तीय सन्तुलन र अनुशासन कायम गर्ने

पालिका तथा वडा स्तरका कार्यक्रम र आयोजनाहरू प्रत्येक वर्षको बजेटमा क्रमशः प्राथमिकताका आधारमा विनियोजन गर्दा गाउँपालिकाको आयश्रोत र जनसहभागितालाई उपयुक्त अनुपातमा व्यवस्थापन गर्ने ।

#### च) मध्यमकालीन खर्च संरचना अवलम्बन गर्ने

यस आवधिक योजनाको कार्यान्वयनका क्रममा योजनाले निर्धारण गरेका कार्यक्रम कूल बजेटको आकार र सीमा समेतको पुनरावलोकन गरी मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गरी आवधिक योजनालाई परिणाममुखी बनाउने ।

#### छ) योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन

प्रत्येक क्षेत्रगत योजनाहरूको कार्यान्वयनको अवस्थालाई निरन्तर अनुगमन र मूल्याङ्कनको व्यवस्था गरी प्रभावकारी कार्यान्वयनको परिपाटी विकास गर्ने ।

#### ९.५.२ योजना कार्यान्वयन विधि

आवधिक योजनामा परेका आयोजना तथा कार्यक्रमहरूको प्रभावकारी कार्यान्वयनका लागि गाउँपालिकाले आवधिक योजना कार्यान्वयन कार्यविधि तयार गर्न सक्ने छ । यस्तो कार्यविधिले योजना कार्यान्वयनको प्रकृयाको स्पष्ट रूपरेखा मार्गदर्शन गर्ने छ । साथै कार्यविधिमा कार्यान्वयन संयन्त्र, समन्वय समिति, विशेषज्ञ समिति आदिको गठन, अधिकार र कर्तव्य स्पष्ट गर्नुपर्ने छ ।

#### क) योजना कार्यान्वयन संयन्त्र

आयोजना तथा कार्यक्रमहरू कार्यान्वयन गर्न गाउँपालिका स्तरमा योजना कार्यान्वयन संयन्त्र गाउँपालिका प्रमुखको संयोजकत्वमा गठन गर्नुपर्ने छ । यस्तो संयन्त्र समावेशी र सहभागितामूलक हुनेछ । कार्यान्वयनको समग्र उत्तरदायित्व उक्त संयन्त्रको हुनेछ ।

#### ख) वडा स्तरीय समन्वय समिति

स्तरका विकास कार्यहरूको समन्वयका लागि वडा अध्यक्षको संयोजकत्वमा आयोजना तथा कार्यक्रमहरू कार्यान्वयन समन्वय समिति गठन गर्नुपर्ने छ । यो समिति पनि समावेशी प्रकृतिको हुनुपर्ने छ ।



## ग) विशेषज्ञ समिति

प्राविधिक प्रकृतिका विकास आयोजनाहरूको कार्यान्वयन, अनुगमन र मूल्याङ्कनका लागि गाउँपालिकाले आवश्यकता अनुसारका विभिन्न विशेषज्ञ समितिहरू गठन गर्न सक्ने छ । योजना कार्यान्वयन संयन्त्रले यस्ता समितिहरूको प्राविधिक सुझाव आवश्यकता अनुसार लिन सक्ने छ ।

### ९.६ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना

योजनाहरूको सफल कार्यान्वयनको लागि नीति, कार्यक्रम तथा आयोजनाहरू के कति सान्दर्भिक, लाभदायी र प्रभावकारी छन् तथा के कस्ता उपलब्धी एवम् प्रभावहरू हासिल भएका छन् भन्ने कुराको आन्तरिक वा बाह्य मूल्याङ्कनकर्ताबाट उद्देश्यपूर्ण र व्यवस्थित तरिकाले लेखाजोखा गर्ने कार्य अनुगमन तथा मूल्याङ्कन हो । गाउँपालिका क्षेत्रभित्र सञ्चालन भएका भईरहेका तथा हुने सबै विषयगत तथा क्षेत्रगत योजनाहरूको निर्धारित गुणस्तर र समय सिमाको सुनिश्चितता गर्न, सम्भावित जोखिम र त्यसले भविष्यमा पार्न सक्ने असरका बारेमा लेखाजोखा गरी समयमा नै क्षति न्यूनीकरणमा पूर्वतयारी गर्न, विकास निर्माणसँग सम्बन्धित सबै सरोकारवालालाई अनुशासित, मर्यादित, जिम्मेवार र कर्तव्यनिष्ठ बनाउने कार्यको लागि आयोजनाको नियमित अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्नुपर्ने हुन्छ । सँगसँगै यस आवधिक योजनाले पहिचान र प्राथमिकीकरण गरेका आयोजनाहरूको कार्यान्वयनबाट लक्षित उद्देश्य प्राप्त भयो भएन यकिन गर्न र आयोजनाको कार्यान्वयनबाट अपेक्षित वर्गले फाईदा पायो पाएन भनेर नियमित रूपमा अध्ययन तथा विश्लेषण गर्नुपर्ने हुन्छ ।

योजनाका उपलब्धी र प्रभाव तहका सूचकमा के कति परिणाममा परिवर्तन आयो भन्ने जानकारी मूल्याङ्कनबाट हुने हुँदा गाउँपालिकाले आवश्यकता र आयोजना वा कार्यक्रमको प्रकृति अनुसार उल्लेखित दुबै तहमा तेस्रो पक्षबाट पनि मूल्याङ्कन गर्नु/गराउनुपर्ने छ । त्यसको लागि योजना तर्जुमासँग सम्बन्धित समितिहरू लगायत गाउँ कार्यपालिकालाई आवश्यक पृष्ठपोषण दिनका लागि स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन र अन्य प्रचलित ऐनमा व्यवस्था भए बजोमिम गठन भएका पालिका तथा वडा स्तरीय अनुगमन तथा मूल्याङ्कन समितिहरू मार्फत आयोजनाको निरन्तर अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्न प्रस्ताव गरिएको छ ।

गाउँ सभाबाट स्वीकृत कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूको कार्यान्वयन योजना बनाई सकेपछि सञ्चालन गरिने क्रियाकलापहरूको आधारमा अनुगमन योजना समेत बनाई उपाध्यक्षको संयोजकत्वमा गठन भएको समितिबाट अनुगमन योजना स्वीकृत गराई नियमित अनुगमनको व्यवस्था गर्नुपर्दछ । यसरी अनुगमन गर्दा अनुगमन सूचकको आधारमा गरी अनुगमन प्रतिवेदन नियमित रूपमा प्राप्त गर्ने परिपाटी निर्माण गरिनेछ । उपाध्यक्षको संयोजकत्वमा भएका अनुगमनको प्रतिवेदन कार्यपालिकाको नियमित बैठकमा छलफल गरी योजनाको अनुगमन तथा कार्यालयको समष्टि भौतिक र वित्तीय प्रगति एवम् समस्याहरूको बारेमा चौमासिक र वार्षिक समीक्षा गरिनेछ ।

### ९.६.१ अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको आवश्यकता

गाउँपालिकाले तर्जुमा गर्ने वार्षिक बजेटको कार्यान्वयन अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने परिपाटी प्राथमिकतामा खासै रहेको देखिएको छैन । अनुगमन कार्यलाई सामान्य स्थलगत निरीक्षण एवम् बजेट खर्चसँगको तादात्म्यतासँग मात्र जोडेर हेर्ने गरेको पाइन्छ । केही योजना तथा कार्यक्रमहरूको हकमा प्रतिनिधि तथा

कर्मचारीहरू समेतको सहभागितामा अनुगमन हुने गरेको एवम् चौमासिक तथा वार्षिक समीक्षामा प्रगतिको स्थितिको समीक्षा पनि हुने गरेको छ । तथापि स्पष्ट ढंगले कार्यतालिका तयार गरी सूचकहरूको आधारमा अनुगमन हुने गरेको भने देखिंदैन । अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्य योजना चक्र व्यवस्थापनमा महत्वपूर्ण कार्यको रूपमा ग्रहण गर्ने तथा यसका लागि बजेट विनियोजन समेत हुने गरेको परिस्थिति विद्यमान छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा १४ बमोजिम उपप्रमुखको संयोजकत्वमा अनुगमन तथा सुपरीवेक्षण समिति गठन गर्नुपर्ने कानुनी व्यवस्था गरेको छ । जस अनुसार यस गाउँपालिकामा समेत उपप्रमुखको अध्यक्षतामा अनुगमन समितिको गठन भएको देखिन्छ । त्यस्तै ऐनको दफा ८४ ले प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतले प्रमुखको निर्देशनमा अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने गराउने कानुनी व्यवस्था गरेको छ । स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनले गाउँपालिकालाई आफ्नो कार्यक्षेत्रभित्र पर्ने विकास योजनाको अनुगमन सम्बन्धी कानुनी संस्थागत तथा कार्यविधिगत जिम्मेवारी समेत किटानी व्यवस्था हुनुलाई प्रभावकारी अनुगमन प्रणाली स्थापना गर्ने अवसरको रूपमा लिनुपर्ने हुन्छ ।

गाउँपालिकाको संस्थागत संरचना तथा मानव संसाधनको विकास पर्याप्त भई नसकेको वर्तमान अवस्थामा नियमित अनुगमन प्रभावकारी हुन सकिरहेको छैन । अनुगमन सम्बन्धी संयन्त्रहरू क्रियाशील नहुनु तथा गाउँपालिकाका विभिन्न विषयगत कार्य जिम्मेवारीहरू अनुसारका अनुगमनका सूचकहरू निर्धारण हुन नसक्नु, चुनौतीको रूपमा रहेको छ । कार्यक्रम अनुसार आयोजना चक्रको प्रत्येक चरणमा अनुगमन गरी पूर्वनिर्धारित समय, गुणस्तर, लागतमा कार्य भए नभएको यकिन प्रभावकारी अनुगमन प्रणाली स्थापित हुन आवश्यक देखिन्छ । आवधिक योजना अनुगमन र मूल्याङ्कनले आवधिक योजना र यस बमोजिम तर्जुमा हुने वार्षिक योजनाहरूको नतिजामुखी अनुगमन तथा मूल्याङ्कन पद्धति स्थापित भई संस्थागत भएको हुनेछ । साथै यसको रणनीति देहाय बमोजिम हुनेछ ।

- आवधिक योजनाले निर्दिष्ट गरेका लक्ष्य, उद्देश्य हासिल भए नभएको उपलब्धी र नतिजा सूचकहरूको विकास गरी मध्यावधि मूल्याङ्कन गरिनेछ ।
- आवधिक योजनाका आधारमा वार्षिक योजना तर्जुमा गरी आवधिक योजनाले निर्दिष्ट गरेका लक्ष्यहरू प्राप्त उन्मुख भए नभएको अनुगमन गरिनेछ ।
- अनुगमनको कार्यतालिका बनाई अनुगमन गर्ने प्रणालीको विकास गरी तद् अनुसार क्षमता विकासका साथै बजेटको व्यवस्था गरिनेछ ।
- अनुगमन पश्चात अनुगमनकर्ताबाट लिखित रूपमा अनुगमन प्रतिवेदन लिने तथा नियमित बैठकमा छलफल गरी देखिएका समस्या समाधान गरिनेछ ।
- अनुगमनको प्रतिवेदन गाउँपालिकाको वेबसाइटमा राखी सार्वजनिक गरिनेछ ।

#### ९.६.२ अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको जिम्मेवारी

आवधिक योजना कार्यान्वयनको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको जिम्मेवारी देहाय बमोजिम हुनेछ ।

### क) पालिका स्तरीय समिति

गाउँपालिकाले गाउँ स्तरमा आवधिक योजना कार्यान्वयनको मूल्याङ्कनको लागि देहाय बमोजिमको सदस्य रहने गरी गाउँपालिका स्तरीय निर्देशक समिति गठन गर्ने छ ।

गाउँपालिका अध्यक्ष	संयोजक
प्रमुखले तोकेको एक जना महिला सहित कार्यपालिका सदस्यहरु मध्येबाट २ जना	सदस्य
प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत	सदस्य
पूर्वाधार विकास शाखा प्रमुख ईन्जिनियर	सदस्य
योजना तथा अनुगमन शाखा प्रमुख	सदस्य

### ख) वडास्तरीय समिति

गाउँपालिकाले वडा स्तरमा आवधिक योजना कार्यान्वयनको मूल्याङ्कनको लागि देहाय बमोजिमको सदस्य रहने गरी गाउँपालिका स्तरीय समिति गठन गर्नेछ ।

सम्बन्धित वडाका वडा अध्यक्ष	संयोजक
वडा सदस्यहरु	सदस्य
सम्बन्धित वडाका प्राविधिक वा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने कर्मचारी	सदस्य
वडा सचिव	सदस्य सचिव

### ९.६.३ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रकृया

आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनका साधन तथा विधि देहाय अनुसार रहने छ ।

- स्थलगत अनुगमन ।
- कार्ययोजना लक्ष्य र प्रगति बीच तुलना ।
- नागरिक अनुगमन ।
- सहभागितामूलक मध्यावधि समीक्षा ।
- सहभागितामूलक अन्तिम समीक्षा (तेश्रो पक्षबाट मूल्याङ्कन)

आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रक्रिया देहाय बमोजिम हुने छ :

तालिका १६ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रक्रिया			
के अनुगमन गर्ने?	कसरी अनुगमन गर्ने ?	कसले अनुगमन गर्ने ?	कहिले अनुगमन गर्ने ?
कार्यक्रम वा योजना कार्यान्वयन	सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समिति, वडा समिति, सरकारी र गैसस, परियोजना	पटके, मासिक, चौमासिक र वार्षिक	<ul style="list-style-type: none"> <li>• स्थलगत अनुगमन गर्ने,</li> <li>• चौमासिक कार्ययोजनाको लक्ष्य र प्रगति, विवरणको तुलना गर्ने</li> </ul>

प्रतिफल अनुगमन	गाउँ कार्यपालिका, सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समिति	चौमासिक, अर्धवार्षिक, वार्षिक र मध्यावधि	<ul style="list-style-type: none"> <li>• स्थलगत अनुगमन गर्ने</li> <li>• वार्षिक कार्ययोजनाको लक्ष्य र प्रगति विवरणको तुलना गर्ने</li> <li>• नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार नतिजा मापन गर्ने,</li> </ul>
असर तह अनुगमन	सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समिति र तेश्रो पक्ष	वार्षिक मध्यावधि र अन्तिम वर्ष	<ul style="list-style-type: none"> <li>• सहभागितामूलक छलफल गर्ने,</li> <li>• नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार नतिजा मापन गर्ने,</li> <li>• नमूना सर्वेक्षण गर्ने</li> </ul>
प्रभाव तह अनुगमन	सुपरीवेक्षण तथा अनुगमन समिति र तेश्रो पक्ष	मध्यावधि र अन्तिम वर्ष	<ul style="list-style-type: none"> <li>• नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार नतिजा मापन गर्ने,</li> <li>• सहभागितामूलक छलफल गर्ने,</li> <li>• अध्ययन तथा सर्वेक्षण गर्ने</li> </ul>

अनुसूची १ : विषयगत वडागत आयोजनाहरू

वडा नं. १

कृषि

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
चुप्रा बजारमा संकलन केन्द्र स्थापना	चुप्रा बजार	८० लाख	संघीय अनुदान	४०००
सुख्खा क्षेत्रमा अदुवा बेसार खेती विकास योजना	वडाभरी	५० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश र दातृ निकाय	६००
बाँझो जग्गामा फलफूल खेती विस्तार	वडाभरी	१५ लाख	गाउँपालिका/प्रदेश	१०००
कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन	वडाभरी	३० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३२००
कृषि औजार तथा उपकरण वितरण	वडाभरी	४० लाख	प्रदेश/गाउँपालिका	२७००
रैथाने बाली संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	वडा/गाउँपालिका	२७००
कृषकलाई क्षमता विकास तालिम, भ्रमण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका/प्रदेश	५० जना कृषक
सामुहिक तरकारी खेती प्रवृत्तीको विकास	वडाभरी	२५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५० घरधुरी
प्राङ्गारिक मलका लागि कृषकलाई क्षमता विकास तालिम र मल उत्पादन	वडाभरी	५० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश र दातृ निकाय	५० घरधुरी
मौषमी तथा बेमौषमी तरकारीको बीउ वितरण	वडाभरी	५० लाख	गाउँपालिका, प्रदेश र दातृ निकाय	२७००
मकै, धान गहुँ र घाँसको बीउ उत्पादन केन्द्र स्थापना	चुप्रा	२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	२७००
मेटल टनेल वितरण	वडाभरी	५० लाख		१०० घरधुरी

पशुपन्छी

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
सामुहिक रुपमा भैसी, बाखा, कुखुरा, माछा, टर्कि र बंगुर पालन (पकेट क्षेत्रको रुपमा)	वडाभरी	१ करोड	संघ र प्रदेश	६० किसान
खोर तथा भकारो सुधार तथा व्यवस्थापन योजना	वडाभरी	५० लाख	संघ प्रदेश र गाउँपालिका	१०० किसान
सुविधा सम्पन्न वधशाला स्थापना	चुप्रा बजारमा	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१०००
पशुपालक किसानलाई क्षमता विकास तालिम र अवलोकन भ्रमण	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१०० किसान
घाँस खेती प्रवृद्धन	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१०० किसान
पशुलाई दाना उपकरण	वडाभरी	२५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१०० किसान
भैसी पालक किसानलाई दुध विक्री बापत प्रोत्साहन गर्ने	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१०० जना किसान

## सिंचाई

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
लोहोरे देखि बाख्खोर बृहत लिफ्टिङ्ग सिंचाई आयोजना	वडाभरी	५ करोड	संघ र प्रदेश	२७००
ठूलोखेत सिंचाई कुलो निर्माण आयोजना	समला टोल	२५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	७० घरधुरी
जारेखोला कुनाखेत सिंचाई कुलो	जारेखोरा	१५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२० घरधुरी
खाडाखेत देखि लामछाने टोल सिंचाई कुलो	खाडाखेत	१० लाख	गाउँपालिका	३० घर
आकासे पानी संकलन आयोजना	वडाभरी	५० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१०० घरधुरी
मटेला खोला सिंचाई कुलो	मटेलाखेत	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२०

## पर्यटन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
गैरी पिकनिक स्पट	गैरी	५० लाख	संघीय अनुदान	दैलेख जिल्लाभरी
सामाजिक मन्दिर व्यवस्थापन	चुप्रा	२५ लाख	प्रदेश र संघ	५००
बौद्ध विहार पर्यटकीय क्षेत्रको रुपमा विकास गर्ने	गैरी	५० लाख	संघ र प्रदेश	१०००
मारुनी नाच संरक्षण	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका	२७००
पञ्चेबाजा संरक्षण तथा तालिम	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२७००
भजनकृतन संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२७००
लोहोरे खोलामा प्याफ्टिङ्ग सञ्चालन योजना	लोहोरे खोला	५० लाख	संघीय अनुदान	दैलेख जिल्लाभरी
लाखे जात्रा संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२७००
ज्येष्ठ नागरिक दिवा खाजा घर	चुप्रा	३० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	३००

## उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्ति

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
औद्योगिक ग्राम योजना	गैरी	१० करोड	संघीय अनुदान	२७००
ढाका बुनाई तथा उत्पादन	वडाभरी	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	५० जना
बेकरी उद्योग सञ्चालन सहयोग	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५० जना
सिलाई कटाई तालिम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५० जना
इन्टरलक इट्टा उद्योग सञ्चालन	चुप्रा	१५ लाख	प्रदेश गाउँपालिका	२०
ब्यूटीपार्लर तालिम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५० जना
सुपथ मुल्य पसल सञ्चालन	चुप्रामा	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	५०००

सिकर्मी, डकर्मी तालिम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	
-----------------------	--------	-------	---------------------	--

### श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
युवा जनशक्तिलाई व्यवसायिक सिप विकास तालिम	वडाभरी	५० लाख	संघ, प्रदेश	५०० जना
भाषा प्रशिक्षण तथा लोकसेवा आयोग कक्षा सञ्चालन	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२५०

### स्वास्थ्य तथा पोषण

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
बेलपाटा स्वास्थ्य चौकीको स्तरोन्नती तथा उपकरण व्यवस्थापन	चुप्रा	१ करोड	संघीय अनुदान प्रदेश अनुदान	२७००
ब्यायामशाला स्थापना (जिमखाना)	चुप्रा	५० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१०००
योग भवन स्थापना, सञ्चालन तथा व्यवस्थापन	चुप्रा	५० लाख	संघ र प्रदेश	१५००
बृहत स्वास्थ्य शिविर संचालन	चुप्रा	१० लाख	गाउँपालिका	१०००
स्वास्थ्य स्वयमसेवीकालाई प्रोत्साहन कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१०
कुपोषित बालबालिकालाई पोषणयुक्त खाना व्यवस्थापन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२००
गर्भवती तथा सुत्केरी महिलालाई पोषिलो खाना तथा औषधी व्यवस्थापन	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका	२५०
बेलपाटा स्वास्थ्य चौकीमा औषधी खरिद	चुप्रा	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२७००
अपाङ्ग अशक्त तथा ज्येष्ठ नागरिकलाई घरदैलोमै स्वास्थ्य जाँच सेवा सञ्चालन	वडाभरी	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१०००
स्वास्थ्य चौकीमा ल्याब सञ्चालन तथा व्यवस्थापन	स्वास्थ्य चौकी चुप्रा	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२७००
गर्भवती जाँच गर्ने मेसिन खरिद	स्वास्थ्य चौकी	१५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२७००
स्वास्थ्य विमा अनुदान कार्यक्रम	वडाभरी	२५ लाख	संघ र प्रदेश	६०० घरधुरी

### शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवतन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
आवासिय प्राविधिक शिक्षालय	चुप्रा	१ करोड	संघीय अनुदान	४०००
खेलकुद मैदान (मिनिरंगशाला निर्माण तथा व्यवस्थापन)	चुप्रा	२ करोड	संघीय र प्रदेश अनुदान	४०००

सेनेटरी प्याड चेन्जिङ्ग शौचालय	चुप्रा	१२ लाख	गाउँपालिका प्रदेश	५००
विद्यालयमा इपुस्तकालय निर्माण	चुप्रा	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१०००
विद्यार्थी शैक्षिक प्रदर्शनी मेला कार्यक्रम	चुप्रा	५ लाख	गाउँपालिका	१०००
विद्यालयमा चमेनागृह निर्माण	चुप्रा	२० लाख	संघ प्रदेश	१०००
विद्यार्थी मनोपरामर्श कार्यक्रम	चुप्रा	१० लाख	संघ प्रदेश	१०००
विद्यार्थी अध्ययन अवलोकन भ्रमण	चुप्रा	१५ लाख	प्रदेश र संघ	१०००
१-५ सम्मका विद्यार्थीलाई शैक्षिक सामग्री	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२५०
विद्यालयमा हरियाली कार्यक्रमभ	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	१०००
विद्यालयमा मर्मत तथा रंगरोगन	वडाभरी	१५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	७००
कक्षा १-५ सम्मका विद्यार्थीलाई पोषाक	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२५०
नेरा प्राची बेलपाटा र आनन्द नेरा प्राची खाडा बालमैत्री शौचालय तथा घेरबार	वडाभरी	५० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	४००
त्रिवेणी संगम मावीमा बालमैत्री शौचालय	चुप्रा	१५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५००
शिक्षक विद्यार्थी अभिभावक सम्मान तथा पुरस्कार कार्यक्रम	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५० जना
विद्यालयमा अतिरिक्त कक्षा सञ्चालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१०० जना

### खानेपानी तथा सरसफाइ

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
रिठठाकुन बाखोर लिफ्टिङ्ग बृहत खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना	रिठठाकुना	३ करोड	संघीय अनुदान	२५० घरधुरी
लाप्का खोला सेर्माकोट काफलसैनी राजीगाउँ खानेपानी योजना मर्मत	काफलसैनी राजीगाउँ	१५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	७५ घरधुरी
लोहोरे लिफ्टिङ्ग खानेपानी तथा सरसफाई योजना (साविक ३ र ४)	साविक ३ र ४	५० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	४० घरधुरी

### महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
महिलाहरुलाई प्रविधिमैत्री पहुँचमा पुर्याउने	वडाभरी	२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१५००
महिलाहरुलाई क्षमता विकास तालिम	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१०००
बालविवाह विरुद्ध अभियान सञ्चालन गर्ने	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२७००
किशोरी तथा महिलाहरुलाई आत्मरक्षा तालिम सञ्चालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५००
महिलाहरुलाई साबुन उत्पादन तालिम सञ्चालन	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५०
महिलाहरुलाई टपरी उद्योग सञ्चालन प्रोत्साहन कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२०



बाल अधिकार सम्बन्धी विद्यालयस्तरमा अभिमुखिकरण कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने	वडामा विद्यालयमा	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	७००
विपन्न तथा अभिभावक विहिन बालबालिकालाई सहयोग	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२००
हिंसा पीडित महिलाहरु उद्धार, राहत तथा पुर्नस्थापना	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२००

### युवा तथा खेलकुद

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
युवा परिचालन	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२००
युवाहरुलाई खेलकुद सामग्री खरिद	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५००
बेलपाटामा खेलकुद मैदान निर्माण	बेलपाटा	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५००
सिलाडी, बराहचौर, काफलसैनी र खाडामा भलिबल मैदान निर्माण	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	८००
लागु औषध दुर्व्यसनमा फसेका युवा युवतीहरुलाई परामर्श सेवा सञ्चालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	६००
आत्महत्या विरुद्ध चेतनामुलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	वडाभरी	२ लाख ५० हजार	गाउँपालिका	६००

### बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
लोहोरे खोला र छामघाट खोलाको संगमस्थलमा प्रतिक्षालय निर्माण	चुप्रा	२० लाख	गाउँपालिका	४५००
बेलपाटा स्कूल, मटेला, बलेना, काफलसैनी, खाडा, गलैचीडाँडा, सिलाडी, समला टोल, जारे खोला, प्रहरी चेक पोस्ट नजिक र शान्ति चोकमा प्रतिक्षालय निर्माण	वडाभरी	३५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२७०००
सालघारी आमा समुह र दिगो स्वास्थ्य आमा समुहको भवन निर्माण	सिमसार र चुप्रा	२० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२००
समला टोल सामुदायिक मर्मत	समला टोल	३ लाख	गाउँपालिका	२००
विपन्न समुदायका व्यक्तिलाई सुरक्षित आवास निर्माण	वडाभरी	१ करोड	संघ प्रदेश	२० घरधुरी
एकीकृत बस्ती विकास	वडामा	१ करोड ५० लाख	संघीय र प्रदेश अनुदान	५०० घरधुरी
बहुउदेशीय सभा हल (सामाजिक कार्यका लागि)	चुप्रा र बेलपाटामा	५० लाख	संघीय र प्रदेश	१०००
वडाभित्रको सार्वजनिक जग्गा छुट्याउने	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका	२७००

सडक, पुल तथा यातायात

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
चुप्रा हेल्थ पोस्टदेखि मटेला सडक कालोपत्रे		२४ करोड	संघीय अनुदान	४००
सेरादेखि अल्छी डाँडा खाडा सडक	सेरा	५ लाख	गाउँपालिका	३००
भाक्री थानदेखि डाँडाबारी बस्ती सडक निर्माण	डाँडाबस्ती	५ लाख	गाउँपालिका	६०
अवलडाँडादेखि खाडा स्कुलसम्म सडक निर्माण	अवलडाँडा	५ लाख	गाउँपालिका	१००
भाक्री टोलदेखि मटेला सडक निर्माण	भाक्री टोल	१० लाख	गाउँपालिका	१००
बतासे डाँडादेखि बेलपाटा स्कुलसम्म सडक निर्माण	बतासे डाँडा	१० लाख	प्रदेश गाउँपालिका	१००
वडा नं. १ का सबै सडक स्तरोन्नती	वडाभरी	१ करोड	प्रदेश र गाउँपालिका	२७००
चुप्राको तल्लो सडकलाई स्तरोन्नती	चुप्रा बजार	५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१०००
वडाभित्रका सबै सडकहरुको लगत कट्टा	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका	२७००

जलश्रोत, विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
गैरी खेत संरक्षण (गैरी खेत)	गैरी खेत	५० लाख	संघ र प्रदेश	५००
लाँकुरी खोलादेखि मटेला खोलासम्म तटबन्धक	लोहोरे खोला	१ करोड	संघ र प्रदेश	२०००
वडा १ का सबै घरधुरीमा विद्युतीकरण	वडाभरी	५ लाख	संघ, प्रदेश गाउँपालिका	५० घर
जोखिमयुक्त घर बस्तीमा तारजाली योजना	वडाभरी	५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	२० घरधुरी
चुप्रा बजारमा सौर्य बत्ति जडान	चुप्रा बजारमा	२५ लाख	संघ प्रदेश र गाउँपालिका	१५००

सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वडा नं. १ मा फि वाईफाई जडान (१५ स्थानमा)	वडाभरी	२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	२७००
कम्प्युटर तालिम	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१००
मोवाइल मर्मत तालिम	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१००
उद्घोषण तथा आधारभुत पत्रकारिता तालिम सञ्चालन	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५० जना
सार्वजनिक स्थानमा सूचना बोर्डहरु स्थापना गर्ने	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२७००

## वन तथा जैविक विविधता

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वन संरक्षणका साभेदारी कार्यक्रम (१० वटा सामुदायिक वनमा)	वडाभरी	५० लाख	संघीय र प्रदेश अनुदान	२७००
वनको लागि नर्सरी स्थापना र व्यवस्थापन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२७००
मेललाई नास्पतिमा कलमी गर्ने योजना	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२७००

## भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
चुप्रा बसपार्कमा तटबन्धन, वृक्षारोपण, सुरक्षा पर्खाल निर्माण	चुप्रा	५० लाख	संघीय र प्रदेश अनुदान	१०००
शान्ति बजार तटबन्धन, वृक्षारोपण, सुरक्षा पर्खाल निर्माण	चुप्रा	४० लाख	संघीय र प्रदेश अनुदान	५००
लापेरा जारेखोला तटबन्धन, वृक्षारोपण, सुरक्षा पर्खाल निर्माण	लापेरा	३० लाख	संघीय र प्रदेश अनुदान	१०००
गैरी खेत तथा साइली खोल्सा तटबन्धन, वृक्षारोपण, सुरक्षा पर्खाल निर्माण	गैरी साइली खोल्सा	५० लाख	संघीय अनुदान	१०००
वडा नं. १ भित्र रहेका पानीका मुहानहरु संरक्षण कार्यक्रम	वडाभरी	५० लाख	संघीय र प्रदेश अनुदान	२७००

## वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
चुप्रा बजारमा फोहोर मैला व्यवस्थापन योजना	चुप्रा बजार	२ लाख	गाउँपालिका	१२००
सबै विद्यालयमा फोहोर फाल्ने खाडल निर्माण	सबै विद्यालय	२ लाख	गाउँपालिका	७००
चुप्रा बजारका सबै घरधुरीमा डस्विन वितरण कार्यक्रम	चुप्रा	६ लाख	गाउँपालिका	३०००
वडाका सबै घरधुरीमा फोहोर फाल्ने खाडल निर्माण	वडाभरी	८ लाख	गाउँपालिका, प्रदेश र दातृ निकाय	४००
खाली जग्गामा बगैँचा निर्माण	वडाभरी	१५ लाख	गाउँपालिका, प्रदेश र दातृ निकाय	२७००
सडकको छेउछाउमा बाँस निंगाला फलफूल रोपण (हरित सडक)	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका, प्रदेश र दातृ निकाय	२७००

इन्डक्सन चुल्हो वितरण	वडाभरी	४० लाख	गाउँपालिका, प्रदेश र संघ	५००
रिचार्ज पोखरी निर्माण १० वटा	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश अनुदान	

### विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
कृषि उपज बस्तुमा किटनासक विषादी प्रयोगलाई नियन्त्रण गर्ने	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२७००
जैविक विषादी निर्माण र प्रयोगलाई	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२७००
विपद्बाट प्रभावित नागरिकहरूलाई उद्धार, राहत तथा पुर्नस्थापना	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका, प्रदेश	२७००
मापदण्ड अनुसारको घर निर्माणका लागि अभियान सञ्चालन गर्ने	वडाभरी	५० हजार	गाउँपालिका, प्रदेश	२७००
रैथाने बालीको संरक्षण कृषिमा बाली चक्र	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२७००

### संस्थागत विकास तथा सुशासन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
जनप्रतिनीधि र वडामा कार्यरत कर्मचारीहरूलाई क्षमता विकास गर्ने ।	वडा कार्यालय	२ लाख	गाउँपालिका	१० जना
वडा कार्यालय, स्वास्थ्य संस्था र विद्यालयहरूमा स्तनपान कक्ष निर्माण	सबै कार्यालय	३ लाख	गाउँपालिका	१०००
योजना अनुगमन तथा मुल्यांकनलाई प्रभावकारी बनाउने	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२७००
नियमित रूपमा सार्वजनिक सुनुवाई कार्यक्रम सञ्चालन	वडा कार्यालय	१ लाख	गाउँपालिका	२७००
वडामा सञ्चालन हुने सबै योजनाको नियमित सार्वजनिक परिक्षण गर्ने	सबै योजना	१ लाख	गाउँपालिका	१०००
वडा कार्य समितिले गरेको निर्णलाई नियमित रूपमा सार्वजनिक गर्ने	वडा कार्यालय	-	वडा कार्यालय	२७००
वडाबाट प्रवाह हुने सेवा सुविधाका बारेमा नियमित सञ्चारमाध्ययम र वडा कार्यालयको सूचना पाटीबाट सार्वजनिक सूचना प्रवाह गर्ने ।	वडा कार्यालय	-	वडा कार्यालय	२७००
वडा, स्वास्थ्य चौकी र विद्यालयमा आवश्यक जनशक्ति परिपूर्ती गर्ने	वडाभरी	५० लाख	गाउँपालिका, प्रदेश र संघ	२७००
वडा कार्यालयको तला थप	वडा कार्यालय	८० लाख	गाउँपालिका	२७००
टोल विकास समिति, सहकारी, वन समिति, सञ्जाल, आमा समुह, बाल क्लब, युवा क्लबको विवरण	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका, दातृ निकाय	२७००

अद्यावधिक गरि क्षमता विकास गर्ने र				
कर्मचारी जनप्रतिनीधि अवलोकन भ्रमण	वडा	२ लाख	गाउँपालिका	१० जना

## वडा नं. २

### कृषि

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
आलु पकेट क्षेत्र विस्तार	वडाभरी	५० लाख	संघीय र प्रदेश अनुदान	३०००
सुन्तला खेती प्रवर्द्धन	सेर्माकोट, गुयली, रुवाँटी, उम र सिर्सिने, लाँकुरी माँझ गाउँ	५० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	२०००
कोल्ड स्टोर स्थापना	देउली बजार	१ करोड	प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	३०००
कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन	वडाभरी	३० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	३०००
कृषि संकलन केन्द्र व्यवस्थापन	देउली बजार	१५ लाख	गाउँपालिका	३०००
कृषकलाई प्राविधिक सहयोग	वडाभरी	२० लाख	गाउँपालिका	३०००
कृषि औजार उपकरणहरु वितरण	वडाभरी	१ करोड	संघ र प्रदेश अनुदान	५००
मौषमी तथा बेमौषमी तरकारी बीउ विजन वितरण	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका	२००
अगुवा किसानलाई क्षमता विकास तालिम, अवलोकन भ्रमण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५० किसान
रैथाने बाली संरक्षण	वडाभरी	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१०० किसान
अलैची खेती विस्तार	वडाभरी	५० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२०० किसान
किसानलाई पक्की टनेल सहयोग	वडाभरी	५० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५० किसान

### पशुपन्छी

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
उन्नतजातको राँगा, भैसी, बोका, बाखा, बंगुर वितरण	वडाभरी	१ करोड	प्रदेश र गाउँपालिका	२०००
भकारो सुधार आयोजना	वडाभरी	५० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३०० घरधुरी
खोर निर्माण सहयोग	वडाभरी	५० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३०० घरधुरी
देउली बजारमा बधशाला निर्माण	देउली बजार	१० लाख	गाउँपालिका	३०००

पशुपक्षीलाई औषधी उपचार	वडाभरी	२० लाख	प्रदेश गाउँपालिका	३०००
पशुपालक किसानलाई व्यवसाय प्रवर्द्धन तालिम	वडाभरी	१० लाख	प्रदेश गाउँपालिका	१०० किसान
पशु प्राविधिक व्यवस्थापन	वडा	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३०००
माछाका भुर्रा वितरण कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५० जना

### सिंचाई

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
साङ्खोलादेखि मङ्केनी सिंचाई कुलो	मङ्केनी	३० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	६०
ठूलधारा सिंचाई पोखरी निर्माण	ठूलधारा	३ लाख	गाउँपालिका	२५
जुगेधारा सिंचाई पोखरी निर्माण	भर्ले	३ लाख	गाउँपालिका	६०
वडाखोला, खाग्रा देउतीगैरा हुँदै पैयाँचौर अतुराली बृहत सिंचाई योजना	पैयाँचौर	२ करोड	संघीय र प्रदेश अनुदान	१२००
खाडाखोला सेर्माकोट बृहत सिंचाई आयोजना	सेर्माकोट	१ करोड	संघीय र प्रदेश अनुदान	४००
मारुनी घट्ट हुँदै बंसीडाँडा सिंचाई कुलो निर्माण	विजयकोट	५० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१५०
रुवाटी सिंचाई पोखरी निर्माण	रुवाटी	२० लाख	प्रदेश गाउँपालिका	६०
वडाखोला गोयली हुँदै गडुली बृहत सिंचाई आयोजना	लाँकुरी	१ करोड	संघ र प्रदेश	१५००
गोगनपानी सिंचाई पोखरी निर्माण	गोगनपानी	२ लाख	गाउँपालिका	
वडाखोलादेखि खाडग्र सिंचाई कुलो	उम माभा गाउँ	५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१०००
वडाखोला सिलाजु सिंचाई कुलो	सिलाजु खेत	१ करोड	संघीय र प्रदेश अनुदान	५००
टाकुरी हुँदै सिर्सेने तल्लो बस्ती सिंचाई कुलो	सिर्सेनी	५५ लाख	संघीय र प्रदेश अनुदान	२००

पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
कुईयाँ ताल पर्यटकीय स्थल निर्माण योजना	कुईयाँ ताल	१ करोड	संघीय र प्रदेश अनुदान	४०००
लेखालडाँडा पार्क निर्माण	लेखालडाँडा	१ करोड	संघीय र प्रदेश अनुदान	५००
लेखालडाँडादेखि गाउँपालिका भवन बेलीब्रिज निर्माण बृहत योजना		५ करोड	संघीय र प्रदेश अनुदान	१०,०००
पञ्चेबाजा संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२००
मारुनी नाच संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२००
भोसो संस्कृति संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१०००

उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्ति

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
इट्टा साइजको ढुंगा कटिङ्ग उद्योग स्थापना	वडामा	१ करोड	संघीय र प्रदेश अनुदान	३०००
स्टेल (पत्थर) उद्योग स्थापना	उम	५० लाख	प्रदेश र संघीय अनुदान	३०००
देउली बजारमा व्यवसाय प्रवर्द्धन योजना	देउली बजार	२ लाख	गाउँपालिका	१०००
पत्थर निर्यात अनुदान	वडा	५ लाख	गाउँपालिका	२००
सुन्तलाको जुस उत्पादन उद्योग	सेर्माकोट	१० लाख	गाउँपालिका	१०००

श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
युवायुवती परिचालन	वडाभरी	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	४००
रोजगारमुलक तालिहरु, सिकर्मी, डकर्मी, इलेक्ट्रिसियन, घडी रेडियो, कम्प्युटर तालिम	वडामा	५० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२००

## स्वास्थ्य तथा पोषण

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
लाँकुरी स्वास्थ्य चौकीमा ल्याब सञ्चालन	स्वास्थ्य चौकी	५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	
भीडियो एक्सरे सेवा (गर्भवती आमाका लागि)	स्वास्थ्य चौकी	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
स्वास्थ्यकर्मीका लागि संक्रमण रोकथाम सम्बन्धी क्षमता अभिवृद्धि		१ लाख	गाउँपालिका	
महामारी रोगहरु व्यवस्थापनका लागि औषधी व्यवस्थापन		५ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
फोहोर मैला व्यवस्थापन		२ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
किशोरी किशोरी कार्यक्रम		२ लाख ५० हजार	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
गाउँघर क्लिनिक र खोप क्लिनिक व्यवस्थापन		१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
१००० दिनका आमाहरुको पोषण प्रवर्द्धन कार्यक्रम		७ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
स्वास्थ्य बिमा कार्यक्रम		९ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
बृद्धवृद्धा घरदैलो सेवा		२ लाख		
आर्युवेद भवन निर्माण		२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
आर्युवेद औषधी व्यवस्थापन		३ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
महिला स्वास्थ्य स्वयंम सेवीका प्रोत्साहन कार्यक्रम		५ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	

## शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवतन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
जनकल्याण मावीको घरबार	देउली	५० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	८००
भैरव प्रावी फिल्ड निर्माण	पैयाँचौर	१० लाख	गाउँपालिका	१००
भैरव आधारभुत विद्यालय लाँकुरीमा ४ कोठे भवन निर्माण	लाँकुरी	५० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२००
जनकल्याण मावीमा ६ कोठे भवन निर्माण	देउली	६० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	८००
नेरा प्रावी उममा फिल्ड निर्माण	उम	५ लाख	गाउँपालिका	१००
नारायण नेपाल प्रावी विजयकोट घरबार	विजयकोट	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५०



शिवालय प्रावी त्रिकुलेमा घरबार	त्रिकुले	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१००
जनता प्रावी तल्लो लाँकुरी	तल्लो लाँकुरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५०
जनता प्रावी तल्लो लाँकुरीमा कोठे भवन निर्माण	तल्लो लाँकुरी	२० लाख	गाउँपालिका	५०
जनकल्याण मावीमा कम्प्युटर शिक्षक व्यवस्थापन	देउली	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	८००

### खानेपानी तथा सरसफाइ

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
मालुखोला पैयाँचौर खानेपानी तथा सरसफाई योजना मर्मत सम्भार	पैयाँचौर	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	३००
खानेपानीको मुहान संरक्षण	वडाभरी	२० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२०००

### महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
महिला तथा किशोरीलाई आत्मरक्षा तालिम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५००
बालविवाह, बहुविवाह, घरेलु हिंसा, यौन दुर्व्यवहार, छुवाछुत तथा भेदभाव न्यूनिकरण गर्न अभियान सञ्चालन गर्ने	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१०००
बाल अधिकार सम्बन्धी क्षमता विकास तालिम	विद्यालयमा	५ लाख	गाउँपालिका	१५००
हिंसा पीडित महिलालाई उद्धार राहत तथा पुर्नस्थापना	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२००
द्वन्द्वपीडित महिलाहरुका लागि आयआर्जन सहयोग	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१०
एकल महिलाहरुका लागि जीविकोपार्जन सहयोग कार्यक्रम	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२२
अभिभावक विहिन बालबालिकालाई बर्सरी सहयोग	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	२५
दलित समुदायका युवायुवतीलाई लोक सेवा आयोग तयारी कक्षा सञ्चालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५०

### युवा तथा खेलकुद

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
खेलकुद मैदान निर्माण	पैयाँचौर	१० लाख	गाउँपालिका	२००
जिमखाना निर्माण	देउली	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	४००
युवाहरुलाई खेलकुद सामग्री खरिद	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	२००
लागु औषध दुर्व्यसनीविरुद्ध चेतनामुलक कार्यक्रम सञ्चालन	वडाभरी	१ लाख	गाउँपालिका	३००

**बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण**

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
विपन्न समुदायका व्यक्तिलाई सुरक्षित आवास निर्माण	वडाभरी	१ करोड ५ लाख	संघीय र प्रदेश अनुदान	२५ घरधुरी
देउली बजारमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण	देउली बजार	१० लाख	गाउँपालिका	१०००
सिरसिने आमा समूहको भवन निर्माण	सिरसिने	५ लाख	गाउँपालिका	१००
वडा नं. २ को तला थप	वडा कार्यालय	४० लाख	गाउँपालिका	३०००
मडकेनी चौतारी निर्माण	मडकेनी	१ लाख	गाउँपालिका	२००
खाडाखोला चियानघाट प्रतिक्षालय निर्माण	खाडाखोला	३ लाख	गाउँपालिका	२००
बैतडी खोला चियानघाट प्रतिक्षालय निर्माण	बैतडी खोला	३ लाख	गाउँपालिका	२००
सिर्जना जीवनज्योती चर्च भवन निर्माण	देउली बजार	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका अनुदान	१००

**सडक, पुल तथा यातायात**

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
चुप्रा जर्सी चोकदेखि देउली बजार सडक कालोपत्रे	वडा	२७ करोड	संघीय अनुदान	३०००
२ नं. वडा कार्यालय देखि मल्ल घट्ट हुँदै गाउँपालिका जोड्ने सडक स्तरोन्नती	वडा	४० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	३०००
खाडाखोला पक्की पुल निर्माण	खोलाखोडा	२ करोड	संघीय अनुदान	१०००
खाडाखोला हुँदै वडा कार्यालय जोड्ने सडक स्तरोन्नती	खाडाखोला हुँदै वडा कार्यालय	२५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१०००
तल्लो बैतडी खोला भोलुङ्गे पुल निर्माण	तल्लो बैतडी खोला	१५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२००
वडाखोला भोलुङ्गे पुल निर्माण	वडाखोला	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५००
२ नं. वडा कार्यालयदेखि पैयाँचौर बलेना सडक स्तरोन्नती	पैयाँचौर	२० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२००
वडा नं. २ का सबै सडक स्तरोन्नती	वडाभरी	१ करोड	प्रदेश र गाउँपालिका	३०००
वडाभित्रका सबै सडकहरुको लगत कट्टा	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका	३०००

**जलश्रोत, विद्युत् तथा बैकल्पिक ऊर्जा**

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
देउली बजारमा सडक बत्ती जडान	देउली बजार	१५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	३००

### सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
देउली बजारमा फि वाईफाई जडान	देउली बजार	५० हजार	गाउँपालिका	१०००
सिलाडीबाट लाँकुरी हुँदै उमसम्म फाइबर लाइन विस्तार	वडा	३ लाख	गाउँपालिका	१२००
कम्प्युटर तालिम	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१००
मोवाइल मर्मत तालिम	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१००
उद्घोषण तथा आधारभुत पत्रकारिता तालिम सञ्चालन	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५० जना
सार्वजनिक स्थानमा सूचना बोर्डहरु स्थापना गर्ने	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२७००

### वन तथा जैविक विविधता

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वन संरक्षण कार्यक्रम (१० वटा सामुदायिक वनमा)	वडाभरी	२० लाख	संघ, प्रदेश	३०००
वनको लागि नर्सरी स्थापना र व्यवस्थापन	उम	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३०००
नाङ्गो स्थानमा बृक्षारोपण	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	३०००
हरित सडक निर्माण योजना	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	३,०००

### भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
गौते खोली तटबन्धन योजना	लाँकुरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२००
सडकको दुवैतर्फ अम्रिसो लगाएतका विरुवा रोपण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका प्रदेश	३०००
वडा नं. २ भित्र रहेका पानीका मुहान, खोला संरक्षण	वडाभरी	२० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२०००
जोखिमयुक्त घर बस्तीमा तारजाली योजना	वडाभरी	५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	२० घरधुरी

### वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
देउली बजारमा फोहोर मैला व्यवस्थापन योजना	देउली बजार	२ लाख	गाउँपालिका	६००

सबै विद्यालयमा फोहोर फाल्ने खाडल निर्माण	सबै विद्यालय	१ लाख	गाउँपालिका	१०००
देउली बजारका सबै घरधुरीमा डस्विन वितरण कार्यक्रम	देउली बजार	२ लाख	गाउँपालिका	१००
वडाका सबै घरधुरीमा फोहोर फाल्ने खाडल निर्माण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	५००
खाली जग्गामा बगैँचा निर्माण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	३०००
रिचार्ज पोखरी निर्माण १० वटा	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	३०००

### विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
कृषि उपज बस्तुमा किटनासक विषादी प्रयोगलाई नियन्त्रण गर्ने				
जैविक विषादी निर्माण र प्रयोगलाई				
विपद्बाट प्रभावित नागरिकहरूलाई उद्धार, राहत तथा पुर्नस्थापना				
मापदण्ड अनुसारको घर निर्माणका लागि अभियान सञ्चालन गर्ने				
रैथाने बालीको संरक्षण कृषिमा बाली चक्र				

### संस्थागत विकास तथा सुशासन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
जनप्रतिनीधि र वडामा कार्यरत कर्मचारीहरूलाई क्षमता विकास गर्ने ।	वडा कार्यालय	२ लाख	गाउँपालिका	
वडा कार्यालय, स्वास्थ्य संस्था र विद्यालयहरूमा स्तनपान कक्ष निर्माण	सबै कार्यालय	३ लाख	गाउँपालिका	
योजना अनुगमन तथा मुल्यांकनलाई प्रभावकारी बनाउने	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	
नियमित रूपमा सार्वजनिक सुनुवाई कार्यक्रम सञ्चालन	वडा कार्यालय	१ लाख	गाउँपालिका	
वडामा सञ्चालन हुने सबै योजनाको नियमित सार्वजनिक परिक्षण गर्ने	सबै योजना	१ लाख	गाउँपालिका	
वडा कार्य समितिले गरेको निर्णलाई नियमित रूपमा सार्वजनिक गर्ने	वडा कार्यालय	-	वडा कार्यालय	
वडाबाट प्रवाह हुने सेवा सुविधाका बारेमा नियमित सञ्चारमाध्ययम र वडा कार्यालयको सूचना पाटीबाट सार्वजनिक सूचना प्रवाह गर्ने ।	वडा कार्यालय	-	वडा कार्यालय	
वडा कार्यालयको तला थप	वडा कार्यालय	८० लाख	गाउँपालिका	

वडा नं. ३

कृषि

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
माटो परिक्षण योजना	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	३८५ घरधुरी
कृषि औजार उपकरण वितरण	वडाभरी	५० लाख	प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	३०० घरधुरी
आलु पकेट क्षेत्र विस्तार	वडाभरी	५० लाख	प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	३०० घरधुरी
अलैंची खेती विस्तार योजना	बाले, रेक्वा, छाना,	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका अनुदान	१०० घरधुरी
सुन्तला जातका फलफूल खेती विस्तार योजना	वडाभरी	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२०० घरधुरी
कृषि उपज संकलन केन्द्र स्थापना २ वटा	वडाका दुई स्थानमा	३० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३०० घरधुरी
कोल्ड स्टोर निर्माण र सञ्चालन	हनेटा	६० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३०० घरधुरी
किसानलाई पक्की टनेल सहयोग कार्यक्रम	वडाभरी	१ करोड	प्रदेश र गाउँपालिका	१०० किसान
रैथाने बाली संरक्षण र प्रवर्द्धन	वडाभरी	२० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	३०० घरधुरी
व्यवसायिक किसानलाई व्यवसायिक सिप विकास तालिम सञ्चालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२५० किसान
किसानलाई उन्नत जातको बिउविजन सहयोग कार्यक्रम	वडाभरी	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३०० घरधुरी

पशुपन्छी

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
उन्नतजातको भैसी पालन सहयोग कार्यक्रम	वडाभरी	१ करोड	प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	१०० किसान
उन्नत जातको राँगा वितरण	वडाभरी	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१०० किसान
उन्नत जातको बाखा वितरण	वडाभरी	५० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१०० किसान
उन्नत जातको बोका वितरण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१०० किसान
व्यवसायिक कुखरा तथा कालीज पालन सहयोग कार्यक्रम	वडाभरी	२० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१०० किसान
माछा पोखरी निर्माण योजना	बाले, हनेटा	१ करोड	गाउँपालिका र प्रदेश	१० जना किसान
पशुपालक किसानलाई प्राविधिक सहयोग ( जनशक्ति व्यवस्थापन)	वडाभरी	२० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	३०० किसान

भकारो सुधार कार्यक्रम	वडाभरी	५० लाख	संघीय र प्रदेश, दातृ निकाय	१०० जना
मौरी पालन व्यवसाय प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वडाभरी	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	५० किसान
घाँस खेती सहयोग तथा प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वडाभरी	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३०० घरधुरी
डेरी सञ्चालन कार्यक्रम (२स्थानमा)	वाले र हनेटा	६० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३०० घरधुरी

## सिंचाई

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
टिमिलेदेखि सिम खेत हुँदै चैते काफल सिंचाई कुलो निर्माण	कल्सेढुंगा	१ करोड	संघीय र प्रदेश अनुदान	४० घरधुरी
भुत्त खोलादेखि बाहुन गाउँ सिंचाई कुलो निर्माण	कल्सेढुंगा	५० लाख	संघीय र प्रदेश अनुदान	६० घरधुरी
लाटोमरेदेखि भेडीखोर हुँदै पीपिल डाँडाटोल सिंचाई कुलो तथा पोखरी निर्माण	वाले	५० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	२६
धुन्द्रो खोलादेखि खुरखुरे हुँदै आलडाँडासम्म सिंचाई कुलो निर्माण	छान्ना	५० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	२२
वाङ्गेतिजु उचाईना थालीकाँडा लिफ्टिड सिंचाई योजना	थालीकाँडा	८० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	६०
रातोपानी खोला देखि हटेना सिंचाई कुलो निर्माण	हनेटा	५० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	१००
तल्लो गोगनखोला छराको मुहान चौखोडा भुसलडाँडा हुँदै डुम्रा सिंचाई योजना	चौखोडा	१ करोड	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	८०
रातामाटा बागिना लिफ्टिड सिंचाई योजना	रातामाटा बागिना	५० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	४०
ठाडीओडारदेखि चर्यँतडा हुँदै घामलतडा सिंचाई कुलो	चुर्यँतडा	१ करोड	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	५०
किरकिट्टा सनिकोट लिफ्टिड सिंचाई योजना	सनिकोट	३० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	१०
सिम्रो खोला मुहानदेखि खोलावारी सिंचाई योजना		२० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	१०
सिमातडादेखि कालीमुल सिंचाई	कालीमुल	५० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	३०
धौलाढुंगा देखि बाहुनगाउँ सिंचाई कुलो	बाहुन गाउँ	५० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	४५
कालीमुल सिमलखेत सिंचाई योजना	सिमलखेत	३० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	२२
वडा नं. ३ किसानलाई सिंचाई सुविधा पुर्याउन पाइप खरिद	वडाभरी	५० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	३८५ घरधुरी
खोरियाखोला ज्यामुना सिंचाई पाइपलाइन निर्माण योजना	खोरियाखोला ज्यामुना	४० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	३० घरधुरी
लामितिजु तल्लो हनेटाटोल सिंचाई पाइपलाइन विस्तार योजना	तल्लो हनेटाटोल	६० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	४० घरधुरी

घामलतडादेखि सिमलखेत सिंचाई कुलो योजना	सिमलखेत	१ करोड	संघीय प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	५० घरधुरी
---------------------------------------	---------	--------	----------------------------------	-----------

### पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
छानोखोला भरना प्रवर्द्धन योजना	छानोखोला	५० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	१० हजार
कल्सेढुंगा मालीका पर्यटन पदमार्ग निर्माण	कल्सेढुंगा मालीका	५० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	५ हजार
सनीकोड डाँडामा राम मन्दिर स्थापना	सनिकोट	२५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३०००
मारुनी नाँच संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५००
सिंगारु नाच संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५००

### उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्ति

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
स्टेल (पत्थर) उद्योग स्थापना तथा सञ्चालन	कल्सेढुंगाको लेक	२० लाख	प्रदेश गाउँपालिका	१०००
जडीबुटी प्रशोधन उद्योग स्थापना	वडाभरी	५० लाख	संघीय र प्रदेश अनुदान	१०००

### श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
युवायुवती परिचालन	वडाभरी	२० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२०००

### स्वास्थ्य तथा पोषण

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
बाले सामुदायिक स्वास्थ्य इकाईको भवन निर्माण	बाले	५० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	८००
अवलपराजुल स्वास्थ्य चौकी ल्याव तथा भीडियो एक्सरे सञ्चालन	अवलपराजुल स्वास्थ्य चौकी	२५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१९००
हनेटा गाउँघर क्लिक भवन निर्माण	हनेटा	१० लाख	गाउँपालिका	५००
महिला स्वास्थ्य स्वयंम सेविका प्रोत्साहन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	८जना
कुपोषित बालबालिकालाई पोषिलो खाना व्यवस्थापन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५० जना
अवलपराजुल स्वास्थ्य चौकी घरवार	अवलपराजुल	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१९००

ज्येष्ठ नागरिक, अशक्त, अपाङ्गता भएका व्यक्ति घरदैलो स्वास्थ्य जाँच कार्यक्रम	वडाभरी	२५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१०००
--	--------	--------	---------------------	------

### शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवतन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
जनक आधारभुत विद्यालयमा बाले ६ कोठे भवन निर्माण	बाले	६० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२००
नेरा मावी हनेटा ६ कोठे भवन निर्माण	हनेटा	६० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३००
नेरा मावी फिल्ड निर्माण तथा घेरबार निर्माण	हनेटा	८० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३००
नेरा मावीमा बालमैत्री तथा अपाङ्गमैत्री शौचालय निर्माण	हनेटा	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३००
नेरा मावी हनेटामा पुस्तकालय स्थापना तथा सञ्चालन	हनेटा	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	५००
सरस्वती प्रावी रेक्चा घेरबार	रेक्चा	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१००
गिता प्रावी मष्टाथानमा ४ कोठे भवन निर्माण	मष्टाथान	४० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	५०
वडा नं. ३ को केन्द्रमा कक्षा १ देखि ५ सम्म अंग्रेजी माध्यमको आवासिय विद्यालय सञ्चालन	वडाको केन्द्र	१० करोड	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	१९००

### खानेपानी तथा सरसफाइ

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
बाले खानेपानी तथा सरसफाई योजना (एकघर एकधारा)	बाले	५० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका तथा दातृ निकाय	२२ घरधुरी
थालीकाँडा कबेरे टोल खानेपानी तथा सरसफाई योजना	कबेरे टोल	२० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका तथा दातृ निकाय	१५ घरधुरी
रातामाटा बागिना खानेपानी तथा सरसफाई योजना	रातामाटा बागिना	५० लाख	संघीय, प्रदेश, गाउँपालिका र दातृ निकाय	४० घरधुरी

### महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
महिलालाई सिलाईकटाई तथा घरेलु तालिम तथा औजार खरिद कार्यक्रम	वडा	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१०० जना
महिला तथा किशोरीलाई आत्मरक्षा तालिम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१०० जना
सचेतनामुलक कार्यक्रम सञ्चालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१०००



## युवा तथा खेलकुद

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
ज्यामुना डाँडा खेलकुद मैदान निर्माण	ज्यामुनाडाँडा	१ करोड	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	१००० जना
खेलकुद सामग्री खरिद	वडाभरी	५० लाख	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	१००० जना
लागु औषध दुर्व्यसनीविरुद्ध चेतनामुलक कार्यक्रम संचालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१००० जना

## बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
विपन्न नागरिकको घर निर्माण (जनता आवास कार्यक्रम)	वडाभरी	१ करोड	संघीय अनुदान	१२० जना
हनेटा पिपल चौतारा व्यवस्थापन तथा प्रतिक्षालय निर्माण	हनेटा	३ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	६०० जना
छान्ना पिपल चौतारा व्यवस्थापन तथा प्रतिक्षालय निर्माण	छान्ना	३ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१५०० जना
बाले पिपल चौतारा व्यवस्थापन तथा प्रतिक्षालय निर्माण	बाले	३ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१५०० जना
भैरमथान घेरबार तथा मर्मत	चौखोडा	५ लाख	गाउँपालिका	५०० जना
भुसल डाँडा पिपल चौतारा व्यवस्थापन तथा प्रतिक्षालय निर्माण	भुसलडाँडा	३ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	६०० जना
ज्यामुना पिपल चौतारा व्यवस्थापन तथा प्रतिक्षालय निर्माण	हनेटा	३ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	६०० जना
कल्सेढुंगा पिपल चौतारा व्यवस्थापन तथा प्रतिक्षालय निर्माण	कल्सेढुंगा	३ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	६०० जना

## सडक, पुल तथा यातायात

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
हनेटा खोलादेखि टिमिले देउराली हुँदै चिपिन सडक	हनेटा चिपिन	५ करोड	संघीय, प्रदेश र गाउँपालिका	१५००० भन्दा माथी
सनिकोटदेखि पुलियाँ जोड्ने सडक	सनिकोट	५० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२५००० भन्दा बढि
ज्यामुनादेखि बाले सडक स्तरोन्नती	बाले	५० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१५००० भन्दा बढि
रातामाटादेखि बाले जोड्ने सडक	बाले	१ करोड	प्रदेश र गाउँपालिका	१०००० भन्दा बढि
बाले कल्सेढुंगा बाहुनगाउँ टिमिले हुँदै जडि सडक	बाले	३ करोड	संघीय प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	२० हजार बढि
रेक्चा गल्लिनादेखि गुराँसको काँडामर्खे जोड्ने सडक	रेक्चा	२ करोड	संघीय प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	२० हजार बढि

डुङ्गेश्वर गापा भवनदेखि ज्यामुना सडक स्तरोन्नती	ज्यामुना	५ करोड	संघीय प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	२२ हजार बढि
३ नं. वडा कार्यालयदेखि चौखोडा जोड्ने सडक	चौखोडा	२५ लाख	संघीय प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	१० हजार बढि
वासखर्क डुम्रा हुँदै हनेटा वडा कार्यालय सडक स्तरोन्नती	हनेटा	५० लाख	संघीय प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	१५ हजार बढि
हनेटा खोला पक्की निर्माण आयोजना	हनेटा	५ करोड	संघीय प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	१० हजार बढि
बडिला खोला ट्रेस पुल निर्माण	बडिला खोला	६० लाख	संघीय प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	१० हजार बढि
छानाखोला भोलुङ्गे पुल निर्माण	छानाखोला	२० लाख	संघीय प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	१० हजार बढि
टिमिले भोलुङ्गे पुल निर्माण	टिमिले	२० लाख	संघीय प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	१० हजार बढि
पँधेरी खोला पक्की पुल निर्माण	पँधेरी खोला	१ करोड	संघीय प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	१० हजार बढि

### जलश्रोत, विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वडा नं. ३ लाई पूर्ण विद्युतीकरण	वडाभरी	१० करोड	संघीय प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	२०० परिवार
वडा कार्यालय भवन, हनेटा बजार चोक, नेरामावी चोक, अवलपराजुल स्वास्थ्य चौकी चोक, छाना पिपल चोक, चियानडाँडा, आर्यघाट पुलियाँ, बागिना डाँडा, बतासे डाँडा र ज्यामुना डाँडामा सौर्य बत्ति जडान	वडाभरी	१० लाख	संघीय प्रदेश अनुदान र गाउँपालिका	१९०० जना

### सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
थालीकाँडाको मालिकाडाँडामा नेपाल टेलिकमको टावर स्थापना	मालिकाडाँडा	१ करोड	संघीय सरकार	२५००० बढि
वडा नं. ३ मा फाइबर लाइन विस्तार	वडाभरी	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१९०० जना
कम्प्युटर तालिम	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका	१२५ जना
मोबाइल मर्मत तालिम	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	२५ जना
वायरिङ्ग तालिम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५० जना
उद्घोषण तथा आधारभुत पत्रकारिता तालिम सञ्चालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२०
सार्वजनिक स्थानमा सूचना बोर्डहरु स्थापना गर्ने	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१९००

## वन तथा जैविक विविधता

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वृक्षारोपण कार्यक्रम	वडाभरी	२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१९००
वनको लागि नर्सरी स्थापना र व्यवस्थापन	कल्सेढुंगा	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१९००
वन संरक्षण र व्यवस्थापन तालिम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१९००

## भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
भुते रहदेखि टिमिलेसम्म बृहत तटबन्धन आयोजना		१० करोड	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
पँधेरी खोला तटबन्धन योजना	पधेरी खोला	२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
वडा नं. २ भित्र रहेका पानीका मुहान, खोला संरक्षण				

## वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
हनेटा बजार फोहोर मैला व्यवस्थापन योजना				
सबै विद्यालयमा फोहोर फाल्ने खाडल निर्माण				
हनेटा बजारका सबै घरधुरीमा डस्विन वितरण कार्यक्रम				
वडाका सबै घरधुरीमा फोहोर फाल्ने खाडल निर्माण				
खाली जग्गामा बगैँचा निर्माण				
रिचार्ज पोखरी निर्माण १० वटा				

## विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
कृषि उपज बस्तुमा किटनासक विषादी प्रयोगलाई नियन्त्रण गर्ने				
जैविक विषादी निर्माण र प्रयोग विस्तार				
विपद्बाट प्रभावित नागरिकहरूलाई उद्धार, राहत तथा पुर्नस्थापना				

मापदण्ड अनुसारको घर निर्माणका लागि अभियान सञ्चालन गर्ने				
रैथाने बालीको संरक्षणमा अभियान सञ्चालन गर्ने				

### संस्थागत विकास तथा सुशासन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वडा कार्यालयमा प्रतिक्षालय निर्माण				
वडा कार्यालयमा अपाङ्गमैत्री शौचालय निर्माण				
वडा कार्यालयमा स्तनपान कक्ष स्थापना				
वडा कार्यसमितिले गर्ने निर्णयलाई नियमित सार्वजनिक गर्ने ।				

### वडा नं. ४

#### कृषि

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
कृषि औजार उपकरण वितरण	वडाभरी	२ करोड	संघीय, प्रदेश, गाउँपालिका	२०० किसान
व्यवसायिक तरकारी खेती विस्तार	वडाभरी	१ करोड	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१०० किसान
उन्नत जातको बीउ वितरण	वडाभरी	२५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२५० किसान
किसानलाई पक्की टनेल वितरण	वडाभरी	४० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	५० घरधुरी
रैथाने बाली संरक्षण र प्रवर्द्धन तथा विस्तार	वडाभरी	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२४०० जना
माटो परिक्षण शिविर सञ्चालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२४०० जना
कृषि उपज संकलन केन्द्र सञ्चालन	अवलपराजुल	५० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२४०० जना
कोल्ड स्टोर निर्माण	अवलपराजुल	१ करोड	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	२४०० जना
कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन	वडाभरी	३० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२४०० जना
व्यवसायिक कृषकलाई तालिम	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	५० किसान
उत्पादन तथा नतिजामा आधारित प्रोत्सान कार्यक्रम	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	१० जना किसान
जैविक तथा प्राङ्गारिक मल उत्पादन सहयोग कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२०० किसान
किसान वर्गिकरण र परिचयपत्र वितरण कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	सबै किसान
अगुवा कृषकलाई अवलोकन भ्रमण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५० जना किसान

## पशुपन्द्धी

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
डेरी सञ्चालन	अवलपराजुल	२० लाख	प्रदेश, गाउँपालिका र दातृ निकाय	१५० घरधुरी
उन्नतजातको बाखा पालन सहयोग कार्यक्रम	वडाभरी	५० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५० घरधुरी
भकारो सुधार कार्यक्रम	वडाभरी	३० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१५० घरधुरी
खोर सुधार कार्यक्रम	वडाभरी	२५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	५० किसान
कुखुरा पालन व्यवसाय विस्तार	वडाभरी	२० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२० जना किसान
माछा पालन पोखरी निर्माण	वडाभरी	२५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	५ वटा
पशुपंक्षीमा हुने प्रकोप नियन्त्रण कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	सबै घरधुरी
व्यवसायिक मौरी पालन व्यवसाय विस्तार	वडाभरी	५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१०
उन्नत जातको घाँस खेती विस्तार	वडाभरी	७ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१५० घरधुरी
पशुपंक्षी पालन तालिम	वडाभरी	२ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२०० किसान
पशु स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	सबै किसान
उत्पादनमा आधारित प्रोत्साहन कार्यक्रम	वडाभरी	१ लाख	गाउँपालिका	१० जना

## सिंचाई

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वर्षातको पानी संकलन गर्न पोखरी निर्माण	वडाभरी	३ लाख	गाउँपालिका	सबै घरधुरी
मजाउदेखि सेरासम्म बृहत सिंचाई कुलो निर्माण	वडाभरी	५० लाख	संघ र प्रदेश अनुदान	५० घरधुरी
गौता अलैंचीवारी सिंचाई कुलो निर्माण	गौता	२५ लाख	संघ, प्रदेश अनुदान	४० घरधुरी
चारथाप्ला सिंचाई कुलो निर्माण	चारथाप्ला	५ लाख	गाउँपालिका	३० घरधुरी
बुडीखोला सिंचाई कुलो निर्माण	बुडीखोला	५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२० घरधुरी
डुम्रा खोला सिंचाई कुलो निर्माण	डुम्रा खोला	५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२० घरधुरी
रापतटोल सिंचाई पोखरी निर्माण	रावतटोल	५ लाख	गाउँपालिका	२० घरधुरी
चाइनाखेत सिंचाई पोखरी निर्माण	चाइनाखेत	५ लाख	गाउँपालिका	१५ घरधुरी

विछिन्न सिंचाई पोखरी निर्माण	विछिन्न	५ लाख	गाउँपालिका	१५ घर
काँडाज्यूला सिंचाई पोखरी निर्माण	काँडाज्यूला	५ लाख	गाउँपालिका	१४ घरधुरी
सातामुल सिंचाई पोखरी विस्तार योजना	सातामुल	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३५ घरधुरी
धैरेनीधारा सिंचाई पोखरी निर्माण	धैरेनीधारा	५ लाख	गाउँपालिका	१५ घरधुरी
तिनधारा सिंचाई पोखरी निर्माण	तिनधारा	५ लाख	गाउँपालिका	१५ घरधुरी

### पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
घर पर्यटन (होमस्टे) प्रोत्साहन कार्यक्रम	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका	५०० घरधुरी
परम्परागत कला संस्कृति जगेर्ना तथा संरक्षण कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	सबै घरधुरी
ऐतिहासिक अभिलेखहरूको अध्ययन अनुसन्धान तथा अभिखीकरण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	सबै घरधुरी
कोटाफेरा पर्यटकीय क्षेत्र संरक्षण तथा मन्दिर निर्माण ( वडा नं. ४ र ५ )	कोटाफेरा	१ करोड ५६ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	२००० जना

### उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्ति

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
जडिबुटी संकलन केन्द्र स्थापना	अवलपराजुल	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	सबै घरधुरी
मसला उद्योग	वडामा	२ लाख	गाउँपालिका	१० जना
आरन व्यवसाय प्रवर्द्धन	वडामा	२ लाख	गाउँपालिका	१० जना
सिलाईकटाई व्यवसाय प्रवर्द्धन	वडामा	२ लाख	गाउँपालिका	१० जना
ढाका बुनाई उद्योग	वडामा	२ लाख	गाउँपालिका	१० जना
जुत्ता, चप्पल उद्योग	वडामा	२ लाख	गाउँपालिका	१० जना
मुढा बुनाई उद्योग	वडामा	२ लाख	गाउँपालिका	१० जना
स्थानीय उत्पादनमा आधारित खाजा उद्योग	वडामा	२ लाख	गाउँपालिका	१० जना
घ्यू प्रशोधन उद्योग	वडामा	२ लाख	गाउँपालिका	१० जना

### श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
श्रम संस्कृतिको विकासका लागि युवा परिचालन	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५०० युवाहरु

## स्वास्थ्य तथा पोषण

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
स्वास्थ्य केन्द्रको भवन निर्माण	अवलपराजुल, बाउन्नेचौर	१ करोड	संघ र प्रदेश	२४००
सामुदायिक स्वास्थ्य इकाईलाई स्वास्थ्य चौकीमा स्तरोन्नती	अवलपराजुल, बाउन्नेचौर	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२४००
भीडियो एक्सरे र ल्याब सेवा सञ्चालन	अवलपराजुल, बाउन्नेचौर	१५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२४००
सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई भवनको तला थप	अवलपराजुल, बाउन्नेचौर	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२४००
कृपोषित बालबालिकालाई पोषिलो खाना व्यवस्थापन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५० जना
ज्येष्ठ नागरिक, अशक्त, अपाङ्गता भएका व्यक्ति घरदैलो स्वास्थ्य जाँच कार्यक्रम	वडाभरी	२५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१०००
महिला स्वास्थ्य स्वयंम सेवीका प्रोत्साहन	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	६ जना
चारेखोलामा गाउँघर क्लिनिकको भवन निर्माण	चारेखोला	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	६०० जना

## शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवतन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
सिता जनसहयोग मावीमा प्राविधिक धार पढाई व्यवस्थापन र सञ्चालन (कक्षा ९ देखि)	सिता मावी	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१०००
सिता जनसहयोग मावीमा घेरवार	सिता मावी	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१०००
जयजनता प्रावि सालटुंडामा ६ कोठे भवन निर्माण	सालटुंडा	६० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१००
जयजनता प्रावि सालटुंडामा खेलमैदान निर्माण	सालटुंडा	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१००
पृथ्वी प्रावी चाख्लेचौरमा ६ कोठे भवन निर्माण	चाख्लेचौर	६० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	८०
विपन्न, जेहेन्दार र जोखिममा परेका बालबालिकालाई छात्रवृत्ति सहयोग कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१००
अतिरिक्त कक्षा सञ्चालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१००

## खानेपानी तथा सरसफाइ

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
रानावन लिफ्टिङ खानेपानी तथा सरसफाई योजना	रानावन	५० लाख	संघ, प्रदेश, गाउँपालिका र दातृ निकाय	४० घरधुरी

वडाखोला लिफ्टिड खानेपानी तथा सरसफाई योजना	वडाखोला	२ करोड	संघ, प्रदेश, गाउँपालिका र दातृ निकाय	९० घरधुरी
लम्कना खानेपानी तथा सरसफाई योजना	लम्कना	१० लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	२५ घरधुरी
सातमुल खानेपानी तथा सरसफाई योजना (टंकी निर्माण र धारा विस्तार)	सातमुल	५० लाख	संघ, प्रदेश, गाउँपालिका र दातृ निकाय	१०० घरधुरी
वडाधारा लिफ्टिड खानेपानी तथा सरसफाई योजना	वडाधारा	३० लाख	संघ, प्रदेश, गाउँपालिका र दातृ निकाय	८० घर
केउडा पानी तथा वडाधारा तल्लो पानी खानेपानी तथा सरसफाई योजना (सितामावी तथा बजार क्षेत्रमा एक घर एक धारा)	बाउन्नेचौर	२० लाख	संघ, प्रदेश, गाउँपालिका र दातृ निकाय	विद्यालय, वडा कार्यालय, स्वास्थ्य केन्द्र सहित २५ घरधुरी
कोलकाँडा खानेपानी तथा सरसफाई योजना	कोलकाँडा	१० लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	१५ घरधुरी
तिनधारा मुहान संरक्षण	तिनधारा	५ लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	
बेडुपानी मुहान संरक्षण	बेडुपानी	५ लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	
सान्नाधारा मुहान संरक्षण	सान्नाधारा	३ लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	
जोगीदेउ खानेपानी मुहान संरक्षण	जोगीदेउ	५ लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	
डुम्रा खानेपानी मुहान संरक्षण	डुम्रा	३ लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	
बृहत रकचना खानेपानी तथा सरसफाई योजना विस्तार	साउनबाडा, आच्छाटाकुरा, बैडाँडा	१० लाख	संघ, प्रदेश गाउँपालिका	
बाउन्नेचौर बजार क्षेत्रमा डस्बिन वितरण	बाउन्नेचौर	५० हजार	गाउँपालिका	

### महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
महिला हिंसा, बलात्कार तथा यौन दुर्व्यवहारबाट जोगाउन महिला तथा किशोरीलाई आत्मरक्षा तालिम कार्यक्रम	बाउन्नेचौर	५ लाख	प्रदेश, गाउँपालिका, र दातृ	१०० जना
बालविवाह विरुद्ध अभियान सञ्चालन	वडाभरी	१ लाख	गाउँपालिका	१५००
बूहारी पाठशाला सञ्चालन	वडाभरी	१ लाख	गाउँपालिका	५० जना



महिलाहरुलाई सिप विकास तालिम सञ्चालन (सिलाईकटाइ, मुढा बुनाई, ढाका बुनाई)	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	१०० जना
महिलाहरुलाई कम्प्युटर कक्षा सञ्चालन	वडाभरी	१ लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	५० जना
बाल अधिकार सम्बन्धी विद्यालयस्तरमा अभिमुखिकरण	विद्यालयस्तरमा	३ लाख	गाउँपालिका	१२०० जना बालबालिका

### युवा तथा खेलकुद

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
सिता मावीस्थित खेलकुद मैदानलाई विस्तार	सिता मावी	१५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१०००
युवाहरुलाई खेलकुद सामग्री खरिद	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५०० युवा
खेल पोषाक खरिद	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१०० युवा
देउल खेल मैदानलाई रंगशाला व्यवस्थापन	देउल	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	५०० युवा
लागु औषध दुर्व्यसनि विरुद्ध अभियान सञ्चालन	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	५०० युवा
युवा क्लब गठन तथा सञ्चालन	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	५०० युवा

### बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
बाउन्नेचौर कृषि तथा पशु पालन सहकारी भवन निर्माण	बाउन्नेचौर	३० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	३०० जना
दिपज्योती महिला सहकारी व्यवस्थापन	बाउन्नेचौर	५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२०० जना
सातमुल प्रतिक्षालय निर्माण	सातमुल	६ लाख	गाउँपालिका प्रदेश	१००० जना
सातमुलमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण	सातमुल	६ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१००० जना
विपन्न नागरिक सुरक्षित आवास निर्माण	वडाभरी	१ करोड ५० लाख	संघ	३० घरपरिवार
बाउन्नेचौरदेखि सातमुलसम्म बस्ती विस्तार व्यवस्थान कार्यक्रम	बाउन्नेचौर-सातमुल	१० लाख	संघ र प्रदेश	१०० घरपरिवार

**सडक, पुल तथा यातायात**

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
बासकोटीदेखि चौखोडा सडक स्तरोन्नती	बासकोटी-चौखुडा	२ करोड	संघ र प्रदेश	२००० जना
ब्यूराखेत भवानी प्रावी सडक कालोपत्रे	ब्यूराखेत	९ करोड	संघ र प्रदेश	१००० जना
बाउन्नेचौर खानीचौर सडक स्तरोन्नती	बाउन्नेचौर-खानीचौर	१० लाख	संघ प्रदेश र गाउँपालिका	१००० जना
दानसैनी बासखर्क सडक स्तरोन्नती	दानसैनी बासखर्क	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	५०० जना
रानावन सडक स्तरोन्नती	रानावन	१५ लाख	गाउँपालिका	१००० जना
देउनवाडा पातिल्ना सडक स्तरोन्नती	देउनवाडा	१० लाख	गाउँपालिका	७०० जना
चोत्रेमेली कोटदेवल क्याम्पस सडक स्तरोन्नती	चोत्रेमेली	५ लाख	गाउँपालिका	२०० जना
पृथ्वी प्रावी जोगीदेउ सडक स्तरोन्नती	पृथ्वीप्रावी	५ लाख	गाउँपालिका	३०० जना
ब्यूराखेत पक्की पुल निर्माण	ब्यूराखेत	१० करोड	संघीय अनुदान	२००० जना
मजाउमा भोलुङ्गे पुल निर्माण	मजाउ	३० लाख	संघीय अनुदान	१००० जना
तिलियाँ पक्की पुल	तिलियाँ	८ करोड	संघीय अनुदान	१५०० जना

**जलश्रोत, विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा**

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वडाका सबै घरधुरीमा विद्युतीकरण	वडाभरी	५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	२४०० जना
सौर्य बत्ति जडान (बाउन्नेचौर सातमुल, स्वास्थ्य केन्द्र, वडा कार्यालय, विद्यालय, मष्टाथान चोक, ब्यूराखेत, जारेखोला)	वडाभरी	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	२४००
सातमुल धारा नजिक ट्रांसमिटर जडान	सातमुल	-	नेपाल विद्युत प्राधिकरण	-

**सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि**

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वडा नं. ४ मा फाइबर लाइन विस्तार	वडाभरी	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	२४००
कम्प्युटर तालिम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५० जना
मोवाइल मर्मत तालिम	वडाभरी	१ लाख	गाउँपालिका	१० जना
वायरिङ्ग तालिम	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	१० जना
उद्घोषण तथा आधारभुत पत्रकारिता तालिम सञ्चालन	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	१५ जना
सार्वजनिक स्थानमा सूचना बोर्डहरु स्थापना गर्ने	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	२४००

## वन तथा जैविक विविधता

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
नर्सरी स्थापना तथा व्यवस्थापन	तीनधारा	५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२४००
नाङ्गो स्थानमा वृक्षारोपण	वडाभरी	५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२४००
डढेलो नियन्त्रण कार्यक्रम	वडाभरी	१ लाख	गाउँपालिका	२४००
सबै वन समिति दर्ता तथा अद्यावधिक अभियान	वडाभरी	-	वडा	२४००
वन समितिलाई वन व्यवस्थापन तालिम	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	२०० जना

## भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
पहिरोको जोखिममा रहेका घरबस्तीमा तारजाली व्यवस्थापन	वडाभरी	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१०० घरपरिवार
पराजुली खोला तटबन्धन	पराजुलीखोला	५० लाख	संघ, प्रदेश	वडाबासी
मजाउ खोला तिरुवावगर तटबन्धन	मजाउ र तिरुवावगर	५० लाख	संघ, प्रदेश	वडाबासी
अलैंचीवारी तटबन्धन		३० लाख	संघ, प्रदेश	
सेरा तटबन्धन		२० लाख	संघ, प्रदेश	
वडाखोला, रोटीखोला, डुम्राखोला, गाजलगाडा पहिरो नियन्त्रण		५० लाख	संघ, प्रदेश	

## वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
कृषि उपज बस्तुमा किटनासक विषादी प्रयोगलाई नियन्त्रण गर्ने	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	२४०० जना
जैविक विषादी निर्माण र प्रयोग विस्तार	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	२४०० जना
रैथाने बाली संरक्षणम अभियान सञ्चालन गर्ने ।	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२४०० जना
वडाका सबै घरधुरीमा फोहोर फाल्ने खाडल निर्माण, चाड र भाडा माभ्ने ठाउँ व्यवस्थापन	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	२४०० जना

## विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
विपद् जोखिम न्यूनीकरण पूर्वतयारी	वडाभरी	५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२४००
विपद्बाट प्रभावित नागरिकहरूलाई उद्धार, राहत तथा पुर्नस्थापना	वडाभरी	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२५० घरधुरी

संस्थागत विकास तथा सुशासन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
जनप्रतिनीधि र कर्मचारीको क्षमता विकास	वडा	५ लाख	गाउँपालिका	५० जना
कर्मचारी सर्वेक्षण गरि दरबन्दी अनुसारको पदपूर्ती गर्ने	वडाभरी	५० हजार	गाउँपालिका	-
वडा कार्यालयमा स्तनपान कक्ष, सोधपुछ तथा नागरिक सहायता कक्ष स्थापना	वडामा	१ लाख	गाउँपालिका	२४००
उजुरी पेटीका व्यवस्थापन	वडामा	५ हजार	गाउँपालिका	-
टोल फ्रि नम्बरको व्यवस्थापन			गाउँपालिका	
गुनासो सुनुवाई संयन्त्रलाई व्यवस्थित बनाउने	वडामा	१० हजार	गाउँपालिका	
वडा कार्यालय, स्वास्थ्य चौकी, विद्यालयहरुमा सिसी क्यामेरा जडान	वडामा	१० लाख	गाउँपालिका	
वडामा डिजिटल बोर्ड स्थापना	वडामा	५ लाख		

वडा नं. ५

कृषि

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
किसानलाई यन्त्र, उपकरण सहयोग कार्यक्रम	वडाभरी	१ करोड	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१५० किसान
उन्नत जातको बीउ विजन वितरण	वडाभरी	१२ लाख ५० हजार	गाउँपालिका	४५० घरधुरी
माटो परीक्षण शिविर सञ्चालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र दूत निकाय	३०० घरधुरी
कृषि उपज संकलन केन्द्र स्थापना र सञ्चालन	कोठेबाल्ने	१५ लाख	गाउँपालिका	५०० किसान
चिस्यान गृह निर्माण र सञ्चालन	कोठेबाल्ने	१ करोड	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	५०० किसान
पकेट प्याकेज सृष्टिकरण कार्यक्रम	वडाभरी	३० लाख	प्रदेश	४०० किसान
रैथाने बाली संरक्षण कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	संघीय अनुदान	२० किसान
कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन कार्यक्रम	वडाभरी	२५ लाख	संघीय अनुदान/ गाउँपालिका	५०० किसान
हाटबजार सञ्चालन	कोठेबाल्ने	३० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१९०० जना
कृषक पहिचान र परिचयपत्र वितरण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१९०० जना
प्राङ्गारिक र जैविक मल उत्पादन कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१२५ किसान
कृषक अवलोकन भ्रमण कार्यक्रम	कृषकहरु	५ लाख	गाउँपालिका	३० जना किसान

कृषि विमा कार्यक्रम सञ्चालन	कृषक	१ लाख	वडा कार्यालय	२०० किसान
-----------------------------	------	-------	--------------	-----------

### पशुपन्थी

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
व्यवसायिक फर्म दर्ता	वडाभरी	८ लाख	संघीय अनुदान	१५० किसान
उन्नत नश्लका पशुपंक्षी वितरण कार्यक्रम	वडाभरी	२० लाख	संघीय बजेट	१५० किसान
पशु विमा कार्यक्रम	वडाभरी	१ लाख	वडा कार्यालय	१५ किसान
भकारो सुधार कार्यक्रम	वडाभरी	३० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	२०० किसान
एक टोल एक पशु प्राविधिक कार्यक्रम	वडाभरी	२२ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१९००
घाँस काट्ने मेसिन वितरण	वडाभरी	७ लाख ५० हजार	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१०० किसान
फेस हाउस सञ्चालन अनुदान कार्यक्रम	पिपलचौतारा टोल	३ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	३ वटा सञ्चालन गर्ने
उत्पादनमा आधारित प्रोत्साहन कार्यक्रम	वडाभरी	८ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	सबै किसान
दुग्ध डेरी कार्यक्रम	भैरवस्थान टोल	३० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	सबै किसान
भुईँ तथा डाले घाँस विकास कार्यक्रम	वडाभरी	४० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	सबै किसान

### सिंचाई

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
लोहोरे खोला डाँडागाउँ लिफ्टिङ्ग बृहत सिंचाई आयोजना	वडाभरी	५० करोड	संघीय बजेट	१४०० घरधुरी
अलैचीबारी नुवाखेत सिंचाई कुलो निर्माण	अलैचीबारी	३० लाख	संघीय बजेट	५० घरधुरी
ठुल्धारा सिंचाई पोखरी निर्माण	पोखरीपाटा	५० लाख	संघीय बजेट	३० घरधुरी
पोखरीपाटा सिंचाई पोखरी निर्माण	पोखरीपाटा	८० लाख	संघीय बजेट	६० घरधुरी
घरखेत बल्लियाँ सिंचाई पोखरी	घरखेत	२० लाख	संघीय बजेट	२० घर
भेरेखोदेखि फलाटे टोल हुँदै पान्नुला सिंचाई योजना	भेरेखोला	१ करोड	संघीय बजेट	४० घरधुरी
तल्लोकुलो खेत सिंचाई योजना	तल्लोकुलो	१५ लाख	प्रदेश	२२ घरधुरी
लिम्सियाँ सिंचाई योजना	लिम्सियाँ	१० लाख	संघीय बजेट	१४ घरधुरी
जडी सिंचाई पोखरी निर्माण	जडी	२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	२० घरधुरी
भतेरहाल्ने सिंचाई पोखरी निर्माण	भतेरहाल्ने	२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१० घरधुरी

नयाँगाउँ सिंचाई पोखरी	नयाँगाउँ	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१० घरधुरी
तिजुगौरा सिंचाई पोखरी निर्माण	तिजुगौरा	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१० घरधुरी
खेतखाना सिंचाई पोखरी निर्माण	खेतखाना	२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	७ घरधुरी
अमिलीखोला औला सिंचाई योजना		५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१७ घरधुरी

### पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
नारायणस्थान पर्यटकीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम	नारायणस्थान	५ करोड	संघ	
बण्डालीथान मन्दिर निर्माण	बण्डालीथान	१० लाख	प्रदेश र स्थानीय	
भैरमथान घेरवार	भैरमथान	१० लाख	संघ	
कालीका मन्दिर माथिल्लो पाङ्कोट निर्माण तथा घेरवार	माथिल्लो पाङ्कोट	२० लाख	संघ	
पोखरीपाटा र पानीनाउला शिव मन्दिर घेरवार	पोखरीपाटा	२० लाख	स्थानीय	
औल धर्मशाला निर्माण	औल	२० लाख	स्थानीय	
गिद्ध पोखरी संरक्षण	गिद्ध पोखरी	१० लाख	संघ	
दुङ्गेधारा संरक्षण	दुङ्गेधारा	१० लाख	संघ	
लुहाटोल कुलायन मन्दिर निर्माण	लुहाटोल	५ लाख	गाउँपालिका	
पञ्चेबाजा संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	

### उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्ति

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
कपडा उद्योग सञ्चालन सहयोग कार्यक्रम	भैरवस्थान	५ लाख	गाउँपालिका	
जुस उद्योग सञ्चालन	गाउँपालिका आसपास	१० लाख	प्रदेश सरकार	
सावुन उद्योग	गाउँपालिका आसपास	२० लाख	स्थानीय	
दुनाटपरी उद्योग	भैरमथान	५ लाख	स्थानीय	
बाँस निगालोबाट बन्ने सामग्री निर्माण उद्योग	गाउँपालिका आसपास	५ लाख	स्थानीय	
होमस्टे सञ्चालन तथा व्यवस्थापन सहयोग कार्यक्रम	डाँडागाउँ, बात्थला, जडी र पोखरीपाटा	३० लाख	प्रदेश स्थानीय	

## स्वास्थ्य तथा पोषण

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
१० शैयाको अस्पताल भवन निर्माण	वात्थला	२५ करोड	संघीय अनुदान	१० हजार
औषधी खरिद	डाँडापराजुल स्वास्थ्य चौकी	१५ लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१९००
पोषण सुधार कार्यक्रम	वडाभरी	३ लाख	गाउँपालिका	२०० बालबालिका
सुत्केरीलाई न्यानो कपडा वितरण कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	७५ जना
ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्ग र अशक्त घरदैलो स्वास्थ्य जाँच कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२०० जना
पाठेघर शल्यक्रिया शिविर सञ्चालन	डाँडापराजुल स्वास्थ्य चौकी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५० जना
डाँडापराजुल स्वास्थ्य चौकीमा ल्याब व्यवस्थापन	डाँडापराजुल स्वास्थ्य चौकी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	
१० शैयाको अस्पताल र स्वास्थ्य चौकी घरबार		१ करोड ५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
पाङकोट स्वास्थ्य इकाईको भवन निर्माण	पाङकोट	८० लाख	संघ र प्रदेश	

## शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवतन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
पिपल चौतारा मावीको चार कोठे भवनको तला थप	पिपलचौतारा मावी	८० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	४०० विद्यार्थी
पिपलचौतारा मावीमा शैक्षिक अनुदान	पिपलचौतारा मावी	२० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	४०० विद्यार्थी
पिपल चौतारा मावीमा बहुउद्देश्यीय शौचालय निर्माण	पिपलचौतारा मावी	५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	४०० विद्यार्थी
पिपलचौतारा मावीको पर्खाल निर्माण	पिपलचौतारा मावी	३० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	४०० विद्यार्थी
अतिरिक्त कक्षा सञ्चालन (कक्षा ८-१०सम्म)	विद्यालयमा	१ करोड ५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	४७५ विद्यार्थी
नेरा आधारभुत फिल्ड निर्माण	पाङकोट	१० लाख	गाउँपालिका	१०० विद्यार्थी
नेरा आधारभुत विद्यालयको घरबार	पाङकोट	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१०० विद्यार्थी
नेरा आधारभुत विद्यालय ४ कोठे भवन निर्माण	पाङकोट	५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१०० विद्यार्थी
नेरा आधारभुत विद्यालय शौचालय निर्माण	पाङकोट	१५ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१०० विद्यार्थी
नारायण प्रावी पोखरीपाटा ४ कोठे भवन	पोखरीपाटा	५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	६१ विद्यार्थी
नारायण प्रावी पोखरीपाटामा पर्खालसहित फिल्ड निर्माण	पोखरीपाटा	५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	६१ विद्यार्थी

नारायण प्रावी पोखरीपाटामा शौचालय निर्माण	पोखरीपाटा	१५ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	६१ विद्यार्थी
नारायण प्रावी पोखरीपाटामा कार्यालय सञ्चालनका लागि कम्प्युटर र प्रिन्टर खरिद	पोखरीपाटा	२ लाख	गाउँपालिका	६१ विद्यार्थी
नारायण प्रावीमा पर्खाल निर्माण	पोखरीपाटा	२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	६१ विद्यार्थी
सरस्वती प्रावी भित्रिखोला फिल्ड निर्माण	भित्रिखोला	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१८ विद्यार्थी
गरिब तथा जेहेन्दार विद्यार्थीलाई उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति कार्यक्रम	वडाभरी	१५ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	५ जना
पिपिलचौतारा मावीमा कम्प्युटर शिक्षक व्यवस्थापन	पिपिलचौतारा	४४ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	४०० विद्यार्थी

### खानेपानी तथा सरसफाइ

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
लोहोरे नारायणनाथ बृहत लिफ्टिड खानेपानी तथा सरसफाई योजना	५ नं. वडा	४१ करोड	संघीय सरकार	१४००
बेलपाटेधारा डाँडागाउँ लिफ्टिड खानेपानी तथा सरसफाई योजना	डाँडागाउँ	१ करोड	संघ, प्रदेश र दातृ निकाय	३० घरधुरी
धाराखोला भैरवस्थान लिफ्टिड खानेपानी तथा सरसफाई योजना	भैरवस्थान	५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	३० घरधुरी
चंखिलादेखि नयाँगाउँ पोखरीपाटा खानेपानी तथा सरसफाई योजना	पोखरीपाटा	३० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	७० घरधुरी
जुगेपानी पोखरीपाटा खानेपानी तथा सरसफाई योजना	पोखरीपाटा	१५ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१५ घरधुरी
जुगेपानी चौरी पोखरीपाटा खानेपानी तथा सरसफाई योजना	पोखरीपाटा	१५ लाख	गाउँपालिका	१७ घरधुरी
बाङ्गेडाँडा खानेपानी तथा सरसफाई योजना	बाङ्गेडाँडा	२० लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	२० घरधुरी
कोइराल खोला पाङकोट खानेपानी तथा सरसफाई योजना मर्मतसम्भर	पाङकोट	१० लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	३५ घरधुरी
खहरे खानेपानी रिजर्व ट्यांकी निर्माण	पाङकोट	५ लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	४ घरधुरी
अमेली खोला औल खानेपानी तथा सरसफाई योजना	औल	५ लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	८ घरधुरी
पूर्ण सरसफाई वडा घोषणा	वडाभरी	६ लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	५१९ घरधुरी



**महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग**

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
महिला सामुदायिक भवन निर्माण (पाङकोट, पोखरीपाटा र भैरवस्थान)	पाङकोट, पोखरीपाटा र भैरवस्थान	४५ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	८०० जना
बाल विकास केन्द्रमा खेलकुद सामग्री खरिद	४ वटा बाल विकास केन्द्र	४ लाख	गाउँपालिका	५५ जना
पोखरीपाटाको चौरीमा आमा समुहको भवन निर्माण	चौरी	८ लाख	गाउँपालिका	१०० जना
हिंसापीडित महिलाको उद्धार, राहत र पुर्नस्थापनाका लागि आकस्मिक राहत कोष	वडामा	५ लाख	गाउँपालिका	१०० महिला
स्वास्थ्य चौकीबाट रिफर भएका सुत्केरीको एम्बुलेन्स भाडा छुट कार्यक्रम	वडाभरी	२ लाख ५० हजार	गाउँपालिका	२५ जना
यौन दुर्व्यवहार तथा बलात्कारबाट जोगाउन महिला र किशोरीलाई आत्मरक्षा तालिम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१०० जना
महिला हिंसा, बाल विवाह लगाएत हानिकारक अभ्यासविरुद्ध अभियान सञ्चालन	वडाभरी	२ लाख ५० हजार	गाउँपालिका	८०० महिला
दिवसीय कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	८०० महिला

**युवा तथा खेलकुद**

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वडास्तरिय खेलकुद मैदान निर्माण	सिम	५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	५०० जना
खेलकुद सामग्री खरिद	वडाभरी	३ लाख	गाउँपालिका	५०० जना युवा
लागु औषध दुर्व्यसनीविरुद्ध सचेतनामुलक कार्यक्रम	वडाभरी	१ लाख	गाउँपालिका	५०० युवा
ओखरपाटामा खेलकुद मैदान निर्माण	ओरपाटा	५ लाख	गाउँपालिका	३० जना
युवा जीविकोपार्जन सहयोग कार्यक्रम	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका	५० युवा
चौवारी खेलकुद मैदान निर्माण	चौवारी	१० लाख	गाउँपालिका	५० युवा

**बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण**

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
बरपिपलदेखि नाउलापानीसम्म बस्ती विकास योजना निर्माण	वडामा	१ करोड ५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
जनता आवास कार्यक्रम	वडामा	८७ लाख ८५ हजार	संघीय सरकार	२५ घरधुरी
पाँच वटा प्रतिक्षालय निर्माण (स्वास्थ्य चौकी, मुसुरकोटी, कोइरालखोला, कोटीबाल्ने)	वडामा	२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१००० जना

डाँडागाउँको तिजु चौतारा खुलामञ्च निर्माण	वडामा	५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	१००० जना
पाङकोटमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण	कोटीबाल्ने	५ लाख	गाउँपालिका	
गाउँपालिका आसपासमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण	गाउँपालिका	१० लाख	गाउँपालिका	

### सडक, पुल तथा यातायात

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
डुङ्गेश्वर गाउँपालिका सडक कालोपत्रे	-	३० करोड	संघ, प्रदेश र दातृ निकाय	
भैरमस्थानदेखि २ नं. वडा कार्यालय जोड्ने सडक स्तरोन्ती		२ करोड	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
भैरमस्थानदेखि औलँ पैयाँचौर देउली सडक स्तरोन्ती		२० करोड	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
भैरमस्थान कोइरालखोला आरुखर्क हुँदै जडी सडक स्तरोन्ती		१ करोड	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
तिजुडाँडादेखि पिपलडाँडा सडक स्तरोन्ती		१५ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
पाङकोटदेखि मटेला सडक स्तरोन्ती		५० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
सिमदेखि जोगिनहुंगा सडक स्तरोन्ती		२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
चौरीदेखि मटेला सडक स्तरोन्ती		३० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
गाउँपालिकादेखि जडी सडक		३० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
खाल्देपानीदेखि आरुखर्क सडक स्तरोन्ती		१५ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
डाँडागाउँदेखि सातमुल सडक कालोपत्रे		१० करोड	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
वरपिपलदेखि अस्पतालसम्म पिपलचौतारा सडक कालोपत्रे		५ करोड	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
वात्थलादेखि शहरी विकास सडक स्तरोन्ती		२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
कोटीबाल्नेदेखि सेरा सडक स्तरोन्ती		३० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
ओखरपाटादेखि डाँडागाउँ सडक स्तरोन्ती		२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
पाङकोट गुरुङ्गचोकदेखि कोइराला खोला सडक स्तरोन्ती		२५ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
चौवारी रावतडाँडा भित्रिखोला सडक निर्माण		२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
पिपलडाँडादेखि नयाँ गाउँ हुँदै गुरुङ्ग टोलसम्म सडक निर्माण		५ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
माथिल्लो मटेलाखोला पक्की पुल निर्माण		२ करोड	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	

सिङखोला पक्की पुल निर्माण		२ करोड	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
चखेली खोला आरसिसी पुल निर्माण		१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
भेय्या खोला भोलुङ्गे पुल निर्माण		३० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
ह्याउकी खोला भोलुङ्गे पुल निर्माण		३० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	

### जलश्रोत, विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वडा नं. ५ लाई पूर्ण विद्युतीकरण कार्यक्रम	वडाभरी	३ करोड	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
सडक बत्ति जडान (वडा कार्यालय, कोटी बाल्ने, पिपलचौतारा मावी, अस्पताल, गाउँपालिका, सिम, पाङकोट स्कूल, नारायण प्रावी स्कूल, माथिल्लो पाङकोट, भैरमथान)	वडाभरी	१५ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
इन्डक्स चुल्हो वितरण कार्यक्रम	वडाभरी	२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	४८० घरधुरी

### सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
कम्प्युटर तालिम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५० जना
मोवाइल मर्मत तालिम	वडाभरी	१ लाख	गाउँपालिका	१० जना
वायरिङ्ग तालिम	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	१० जना
उद्घोषण तथा आधारभुत पत्रकारिता तालिम सञ्चालन	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	१५ जना
सार्वजनिक स्थानमा सूचना बोर्डहरु स्थापना गर्ने	वडाभरी	२ लाख	गाउँपालिका	२४००
सार्वजनिक स्थानमा फ्रि वाइफाई सुविधा विस्तार	सार्वजनिक स्थानमा	५ लाख	गाउँपालिका	२०१६

### वन तथा जैविक विविधता

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वृक्षारोपण कार्यक्रम	वडाभरी	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
अग्नी नियन्त्रण कार्यक्रम	वडाभरी	५ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	
हाइटेक नर्सरी स्थापना र सञ्चालन	वडाभरी	२० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	

वन समितिका पदाधिकारीलाई वन व्यवस्थापन तालिम	वडा	३ लाख	गाउँपालिका	
---	-----	-------	------------	--

### भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
कोटीबाल्ने ग्यामिन जाली र वृक्षारोपण	काटीबाल्ने	१० लाख	गाउँपालिका	
चौवारी भूक्षय नियन्त्रण	चौवारी	१० लाख	गाउँपालिका	
अलैंचीबारी खेतमा जलाधार व्यवस्थापन	अलैंचीबारी	१० लाख	गाउँपालिका	
मटेलाखेत पहिरो नियन्त्रण	मटेलाखेत	५ लाख	गाउँपालिका	
बजियाँखेत पहिरो नियन्त्रण	बजियाँ खेत	३० लाख	गाउँपालिका	
पोखरीपाटा सिमसार/जलाधार क्षेत्र संरक्षण	पोखरीपाटा	५० लाख	गाउँपालिका	

### वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
जैविक विषादी उत्पादन र प्रयोगमा किसानलाई प्रोत्साहन कार्यक्रम		५ लाख	गाउँपालिका	सबै किसान
वडाका सबै घरधुरीमा फोहोर फाल्ने खाडल निर्माण, चाड र भाडा माफ्ने ठाउँ व्यवस्थापन	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र दातृ निकाय	१९०० जना

### विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
विपद् जोखिम न्यूनीकरण पूर्वतयारी	वडाभरी	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	२०१६ जना
विपद्बाट प्रभावित नागरिकहरूलाई उद्धार, राहत तथा पुर्नस्थापना	वडाभरी	१० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	१०० घरधुरी

### संस्थागत विकास तथा सुशासन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वडा कार्यालयमा फर्निचर व्यवस्थापन	वडा	२० लाख	गाउँपालिका	-
वडामा डिजिटल बोर्ड स्थापना	वडा	५ लाख	गाउँपालिका	
जनप्रतिनीधि र कर्मचारीलाई क्षमता विकास तालिम	वडा	३ लाख	गाउँपालिका	
लक्षित वर्गलाई जनचेतना तथा क्षमता विकास तालिम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	
वडा कार्यालयमा स्तनपान कक्ष, सोधपुछ तथा नागरिक सहायता कक्ष स्थापना	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	

टोल विकास संस्था गठन तथा क्षमता विकास कार्यक्रम	वडाभरी	७ लाख	गाउँपालिका	
---	--------	-------	------------	--

## वडा नं. ६

### कृषि

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
माथिल्लो डुङ्गेश्वर बजारमा कृषि उपज संकलन केन्द्र	माथिल्लो डुङ्गेश्वर बजार	७५ लाख	संघीय अनुदान	३२००
कृषि एमबुलेन्स सञ्चालन	वडाभरी	३० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	३२००
घोडाबास ज्यामिरे टाकुरा आग्रज्यामिरे खानीचौर कृषि सडक	-	५० लाख	प्रदेश अनुदान	१४००
कृषि औजार उपकरणहरु वितरण योजना	वडाभरी	१ करोड	प्रदेश अनुदान	१७००
टनेल प्रविधिको विकास	वडाभरी	५० लाख	प्रदेश र गाउँपालिका	५० घरधुरी
मौषमी तथा बेमौषमी तरकारी बीउ विजन वितरण	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका	२०० घरधुरी
अगुवा किसानलाई क्षमता विकास तालिम, अवलोकन भ्रमण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	३० जना
फलफुल खेतीका लागि विरुवा वितरण	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका	१५० घरधुरी
फलफूल बगैँचा व्यवस्थापन	टोलस्तरमा	५ लाख	प्रदेश तथा गाउँपालिका	१०० घरधुरी
रैथाने जातको खेती पद्धतीको संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका प्रदेश	१८००

### पशुपन्छी

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
उन्नतजातको (राँगा, भैसी, बोका, बाखा, बंगुर लगाएत) वितरण	वडाभरी	५० लाख	प्रदेश/गाउँपालिका	१०० किसान
खोर तथा भकारो सुधार व्यवस्थापन	वडाभरी	४० लाख	गाउँपालिका / प्रदेश/संघ	२५० घरधुरी
डुङ्गेश्वर बजारमा बधशाला निर्माण	डुङ्गेश्वर बजार	५ लाख	गाउँपालिका	१२०० जना
रैथाने जातका कुखुरा तथा बाखा पालन व्यवसाय सञ्चालन सहयोग योजना	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१४००
पशुपंक्षीलाई औषधी उपचार	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१५००
पशुपालक किसानलाई व्यवसाय प्रवर्द्धन तालिम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	८० जना

## सिंचाई

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
भैरीखोला रामपाटा सिंचाई कुलो निर्माण	आग्र	३० लाख	प्रदेश	२७०
भण्डारखोला ज्यामिरेखेत सिंचाई कुलो निर्माण	भण्डारखोला पाडुला	५० लाख	प्रदेश	२५०
रिठ्ठापाडुला सिंचाई कुला	ज्यामिरे	१५ लाख	गाउँपालिका/प्रदेश	१९०
धवेनखेत सिंचाई पोखरी निर्माण	धवेनखेत	१० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश	५०
भित्ताआग्र सिंचाई पोखरी निर्माण	आग्र	२० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश	१८०
थापादाल्का सिंचाई कुलो निर्माण	थापादाल्का	५ लाख	गाउँपालिका	९०
लटाली सिंचाई पोखरी निर्माण	लटाली	१० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश	१५०
बोहोराखेत सिंचाई कुलो निर्माण	बोहोराखेत	२० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश	२५०
धारीखेत सिंचाई कुलो निर्माण	धारीखेत	२० लाख	प्रदेश	१५०
सिस्नेटार सिंचाई कुलो निर्माण	डुङ्गेश्वर	२० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश	३५०
लोहोर ठूलो वडरी लिफ्टिङ्ग बृहत सिंचाई योजना	लोहोरे वडरी	४ करोड	संघीय अनुदान	२५००
धारागैरा सिंचाई पोखरी	धारागैरा	१५ लाख	गाउँपालिका/प्रदेश	१५०
सानो वडरी भट्ट टोल सिंचाई पोखरी निर्माण	सानो वडरी	१० लाख	गाउँपालिका/दातृ निकाय	११०
जिलिगे खेत सिंचाई पोखरी	गोठपाँडा	१० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश/दातृनिकाय	११५
ज्यामिरे सिंचाई पोखरी निर्माण	ज्यामिर	१५ लाख	गाउँपालिका/प्रदेश/दातृनिकाय	२१०
खानीचौर मुलपानी खेत सिंचाई पोखरी निर्माण	खानीचौर	१० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश/दातृनिकाय	९०

## पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
डुङ्गेल बाबा मन्दिर निर्माण	डुङ्गेश्वर बजार	५० लाख	प्रदेश/संघ	८०००
ज्यामिरे बंडाली देवता मन्दिर निर्माण	ज्यामिरे	१० लाख	प्रदेश संघ	३५०
डुङ्गेल मन्दिर पर्यटक पदमार्ग	डुङ्गेश्वर बजा	२० लाख	प्रदेश संघ	८०००
ज्यामिरे टाकुरा शिव मन्दिर निर्माण	ज्यामिरे टाकुरा	५ लाख	गाउँपालिका प्रदेश	१००
खानीचौर डुङ्गेल मन्दिर निर्माण	खानीचौर	५ लाख	गाउँपालिका प्रदेश	२००
मारुनी नाच संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	६००
ठाडो भाका संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१०००
मगर भाषा संरक्षण	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश	६००
लाखे जात्रा व्यवस्थापन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	३०००
पर्यटन तथा कृषि महोत्सव	डुङ्गेश्वर बजार	१० लाख	गाउँपालिका प्रदेश	८०००
देउडा नाच संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२०००
शिवरात्री मेला व्यवस्थापन	ब्यूराखेत	५ लाख	गाउँपालिका	४०००
कालभैरम देवता मन्दिर निर्माण	लटाली	५ लाख	गाउँपालिका प्रदेश	२५००

## उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्ति

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
जडुबुटी संकलन तथा प्रशोधन उद्योग	डुङ्गेश्वर	२० लाख	गाउँपालिका / प्रदेश	२५००
व्यवसाय प्रवर्द्धन कार्यक्रम	वडाभरी	५० लाख	गाउँपालिका / प्रदेश	१००
कुटानी पिसानीका लागि मिल संचालन	वडाभरी	५० लाख	गाउँपालिका / प्रदेश	१००

## श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
सिपमुलक तालिमहरु (सिलाई बुनाई, सिलाई कटाई, दुनाटपरी, वाइरिङ्ग, पलम्बर, सवारी चालक, मुडा बुन्ने, अगर बत्ति बनाउने लगाएत)	वडाभरी	५० लाख	संघ प्रदेश	१४००
रोजगारी सृजना हुने योजनाहरु गोरेटो बाटो, चौतारो, प्रतिक्षालय निर्माण लगाएत	वडाभरी	५० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश तथा संघ	१८००
ज्येष्ठ नागरिक सम्मान कार्यक्रम	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका	२००

## स्वास्थ्य तथा पोषण

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
डुङ्गेश्वर स्वास्थ्य चौकी भवन निर्माण	डुङ्गेश्वर	१ करोड	संघ/प्रदेश	२५००
खोप क्लिनिक भवन निर्माण तथा फर्निभर व्यवस्थापन	वइरी र खानेपानी र लटाली	१५ लाख	गाउँपालिका	१५००
बर्थिङ्ग सेन्टरमा औजार उपकरण व्यवस्थापन	डुङ्गेश्वर	१० लाख	गाउँपालिका प्रदेश	१५००
स्वास्थ्य शिविर संचालन	डुङ्गेश्वर	५ लाख	गाउँपालिका	१०००
टोलटोलमा स्वास्थ्य घुम्ती सेवा	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२९००
स्वास्थ्य स्वयमसेवीकालाई प्रोत्साहन भत्ता	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	८
कुपोषित बालबालिकालाई पोषणयुक्त खाना व्यवस्थापन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५०
गर्भवती तथा सुत्केरी महिलालाई पोषिलो खाना व्यवस्थापन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	७५

## शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवतन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
सरस्वती मावी ६ कोठे भवन निर्माण	वइरी	१ करोड २० लाख	संघ/प्रदेश	३००
सरस्वती मावी जग्गा खरिद तथा खेलकुद मैदान निर्माण	वइरी	१० लाख	गाउँपालिका प्रदेश	३००
जिवनज्योती आवी आग्रज्यामिरे ४ कोठे भवन निर्माण	आग्र ज्यामिरे	६० लाख	प्रदेश	२५०

जिवनज्योती आवीलाई मावीमा स्तरोन्नती गर्ने	आग्र ज्यामिरे	१ करोड	संघ प्रदेश गाउँपालिका	२५०
जिवनज्योती आवी जग्गा खरिद गरि फिल्ड निर्माण	आग्र ज्यामिरे	३० लाख	संघ प्रदेश र गाउँपालिका	२५०
जीवनज्योती र देविस्थान आवीमा विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण	आग्र र दुङ्गेश्वर	२० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५००
देविस्थान आवी ४ कोठे भवन निर्माण	दुङ्गेश्वर	६० लाख	संघ प्रदेश गाउँपालिका	२५०
गणेश आवी २ कोठे भवन निर्माण, शौचालन र घेरबार	खानीचौर	६० लाख	संघ प्रदेश र गाउँपालिका	९०
जनहित आवी २ कोठे भवन निर्माण, शौचालन र घेरबार	सानो वईरी	६० लाख	संघ प्रदेश र गाउँपालिका	९०
विषयगत शिक्षक व्यवस्थापन	वडाभरी	१ करोड	संघ प्रदेश गाउँपालिका	७००
विद्यालयमा वैकल्पिक कक्षा सञ्चालन तथा व्यवस्थापन	वडाभरीका विद्यालय	५० लाख	गाउँपालिका	७००
जेहेन्दार विद्यार्थीलाई प्रोत्साहन स्वरुप पुरस्कार	वडाभरी	५० हजार	गाउँपालिका	१० जना
जेहेन्दार विद्यार्थीलाई उच्च शिक्षा अध्ययनका लागि सहयोग	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका	१० जना
सरस्वती मावी वईरीमा मगर भाषा पढाई सञ्चालन	वईरी	१० लाख	गाउँपालिका	५०
अनुशासित तथा लगनशिल शिक्षकलाई पुरस्कृत गर्ने	वडाभरी	५० हजार	गाउँपालिका	५ जना
लटालीमा बाल विकास केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालन	लटाली	१० लाख	गाउँपालिका	२० जना
विद्यालयमा अतिरिक्त क्रियाकलाप सञ्चालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१०० जना

### खानेपानी तथा सरसफाइ

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
मुखोला तल्लो आग्र खानेपानी तथा सरसफाई योजना	तल्लो आग्र	१० लाख	गाउँपालिका / दातृ निकाय	१२०
तुलधारा खानेपानी योजना	तुलधारा	२० लाख	गाउँपालिका / प्रदेश	२००
खानेपानीको मुहानहरु संरक्षण (रिचार्ज ट्यांकी, घेरबार, वृक्षारोपण)	वडाभरी	२० लाख	गाउँपालिका / प्रदेश र दातृ निकाय	२९००
सानो वईरी खानेपानी तथा सरसफाई योजना	सानो वईरी	३० लाख	गाउँपालिका / दातृ निकाय	२५०
भण्डारखोला ठूलो वईरी माथिल्लो टोल खानेपानी तथा सरसफाई योजना	ठूलो वईरी	३० लाख	गाउँपालिका / दातृ निकाय	३५०
वंशीधारा खानेपानी तथा सरसफाई योजना	ठूलो वईरी	१० लाख	गाउँपालिका / प्रदेश / दातृ निकाय	९०
माथिल्लो गोठपाँडा खानेपानी तथा सरसफाई योजना	माथिल्लो गोठपाँडा	१० लाख	गाउँपालिका / दातृ निकाय	६०
जुगेपानी खानेपानी तथा सरसफाई योजना	ठूलो वईरी	१५ लाख	गाउँपालिका / प्रदेश / दातृ निकाय	२२०



जुगेखोला खानेपानी तथा सरसफाई योजना	माथिल्लो आग्र	१० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश/दातृनिकाय	१८०
भलायडाँडा पाडुला खानेपानी तथा सरसफाई योजना	भलायडाँडा र पाडुला	१५ लाख	गाउँपालिका/प्रदेश/दातृनिकाय	९०
भुटुकेनी जिलिंगे ज्यामिरेटाकुरा खानेपानी तथा सरसफाई योजना	भुटुकेनी जिलिंगे ज्यामिरे टाकुरा, तल्लो जिलिंगे	२० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश/दातृनिकाय	१८०
तिनखाली खानेपानी योजना	तिनखाली	५ लाख	गाउँपालिका	१५

### महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
सिपमुलक तालिम सञ्चालन	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश	३००
महिला तथा किशोरीलाई आत्मरक्षा तथा क्षमता अभिवृद्धि तालिम सञ्चालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका/प्रदेश	३००
बालविवाह, बहुविवाह, घरेलु हिंसा, यौन दुर्व्यवहार, छुवाछूत तथा भेदभाव न्यूनिकरण गर्न अभियान सञ्चालन गर्ने	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश र दातृ निकाय	१०००
महिलाहरु लक्षित सामुदायिक भवन निर्माण	वडाभरी	२० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश र दातृ निकाय	२००
बाल अधिकार सम्बन्धी क्षमता विकास तालिम	वडाभरीका विद्यालमा	५ लाख	गाउँपालिका/प्रदेश र दातृ निकाय	७००

### युवा तथा खेलकुद

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
खेलकुद मैदान निर्माण तथा घरबार	डुङ्गेश्वर	२० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५००
लटाली खेल मैदान निर्माण	लटाली	५ लाख	गाउँपालिका प्रदेश	५०
युवा परिचालन	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२००
जिमखाना निर्माण	डुङ्गेश्वर बजार	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२००
युवाहरुलाई खेलकुद सामग्री खरिद	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	५००

### बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
विपन्न समुदायका व्यक्तिलाई सुरक्षित आवास निर्माण	वडाभरी	१ करोड	संघ प्रदेश	२० घरधुरी
डुङ्गेश्वर बजारमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण	डुङ्गेश्वर	१५ लाख	गाउँपालिका प्रदेश	१०००
प्रतिक्षालयहरु (लटाली, डुङ्गेश्वर, वडरी, वरपिपल, ज्यामिरे, खानीचौर, सानो वडरी र आग्र) निर्माण	वडाभरी	४० लाख	गाउँपालिका/प्रदेश	२५००

सामुदायिक भवन निर्माण (लटाली, गोठपाँडा र सानो वईरी, आग्र र खानीचौर)	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका प्रदेश	२५००
चौतारोहरु (ठूलोवईरी वरपिपल, लटाली लामाखाली, सरस्वती मावी पिपल चौतारा, बतासे डाँडा पिपल चौतारा, खानीचौर रातोडाँडा पिपल चौतारा र सानो वईरी पिपल चौतारा निर्माण)	वडाभरी	६ लाख	गाउँपालिका प्रदेश	१५००

### सडक, पुल तथा यातायात

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
घोडाबास ज्यामिरेटाकुरा आग्रज्यामिरे खानीचौर सडक निर्माण	घोडाबास ज्यामिरेटाकुरा आग्रज्यामिरे खानीचौर	२ करोड	गाउँपालिका, प्रदेश र संघ	२२००
भण्डारखोला गोठपाँडा सडक निर्माण	वईरी	१५ लाख	गाउँपालिका, प्रदेश र संघ	५००
सल्लाघारी देखि थर्पु सडक निर्माण	थर्पु	१ लाख	गाउँपालिका	५०
थर्पु सडक स्तरोन्नती	थर्पु	१० लाख	गाउँपालिका	२००
सिर्सेनी बतासेडाँडा सडक स्तरोन्नती	सानो वईरी	३० लाख	गाउँपालिका, प्रदेश र संघ	३५०
थर्पु पिपलदेखि गाहा पधेरा हुँदै मारुनी पिपल सडक निर्माण	ठूलो वईरी	३० लाख	गाउँपालिका, प्रदेश र संघ	२५०
गोठपाँडा धारा माथिल्लो गोठपाँडा सडक स्तरोन्नती	गोठपाँडा	१० लाख	गाउँपालिका, प्रदेश र संघ	११०
धारीपिपल आँपौरा सडक निर्माण	वईरी	२ लाख	गाउँपालिका	१००
तिलियाघाट पक्की पुल निर्माण	आग्रज्यामिरे	८ करोड	संघ	२५००
चैतेकुना भोलुङ्गे पुल निर्माण	डुङ्गेश्वर	३० लाख	संघ	१२००
च्याउखोला तिनखाली सडक निर्माण	लटाली	१० लाख	गाउँपालिका	१२०
भुटुकेनी माथिल्लो लटाली आरुखर्क सडक निर्माण	माथिल्लो लटाली	१० लाख	गाउँपालिका	१५०
धारखोला माथिल्लो लटाली सडक निर्माण	माथिल्लो लटाली	३ लाख	गाउँपालिका	१००

### जलश्रोत, विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वडा नं. ६ लाई पूर्ण विद्युतीकरण	वडाभरी	५ करोड	संघ	२९००
बोहोरा खेत तटबन्धन	बोहोराखेत	२० लाख	संघ/प्रदेश	१२०
पराजुलीखोला ब्यूराखेत तटबन्धन	ब्यूराखेत	२० लाख	संघ/प्रदेश	१८०
धारखोला बक्ष्यराज तटबन्धन निर्माण	धारखोला	५० लाख	संघ/प्रदेश	२२०
धारीखेत तटबन्धन	धारीखेत	२० लाख	संघ/प्रदेश	१५०
डुङ्गेश्वर तटबन्धन	डुङ्गेश्वर	५० लाख	संघ/प्रदेश	३५०
धारखोला भित्तआग्र तटबन्धन	धारखोला	२० लाख	संघ/प्रदेश	२२०
ज्यामिरे खेत तटबन्धन	ज्यामिरेखेत	१० लाख	संघ/प्रदेश	१२०
अलैचीखेत तटबन्धन	अलैचीखेत	२० लाख	संघ/प्रदेश	१५०

डुङ्गेश्वर बजार क्षेत्रमा सडक बत्ति योजना	डुङ्गेश्वर	५० लाख	संघ/प्रदेश र पालिका	२७०
वडाभरीका विद्यालयमा सौर्य बत्ति जडान	वडाभरी	१ करोड	संघ/प्रदेश र गाउँपालिका	१२००

### सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वडाका सबै विद्यालयमा सूचना प्रविधि व्यवस्थापन	वडाभरीका विद्यालय	२ लाख	गाउँपालिका	७००
डुङ्गेश्वर बजारमा साप्ताहिक पत्रिका प्रकाशनमा प्रोत्सहान	डुङ्गेश्वर	५ लाख	गाउँपालिका	२९००
सार्वजनिक स्थानमा सूचना बोर्डहरू स्थापना गर्ने	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२९००
विद्यालयमा अध्ययनरत छात्रछात्रालाई सूचना प्रविधि सम्बन्धी क्षमता विकास तालिम	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	७००

### वन तथा जैविक विविधता

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
वडाभित्रका सबै सामुदायिक वनलाई संरक्षण र सम्वर्द्धन	सामुदायिक वन	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	२९००
कवुलियती वन र नीजि वन व्यवस्थापन	वडाभरी	२ लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	५००
वृक्षारोपण	वडाभरी	१० लाख	संघ, प्रदेश र गाउँपालिका	२९००
आगलागी, डढेलो नियन्त्रण	वडाभरी	१ लाख	गाउँपालिका	२९००

### भूसंरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
बोहोरा खेत तटबन्धन	बोहोराखेत	२० लाख	संघ/प्रदेश	१२०
पराजुलीखोला ब्यूराखेत तटबन्धन	ब्यूराखेत	२० लाख	संघ/प्रदेश	१८०
धारखोला बक्ष्यराज तटबन्धन निर्माण	धारखोला	५० लाख	संघ/प्रदेश	२२०
धारीखेत तटबन्धन	धारीखेत	२० लाख	संघ/प्रदेश	१५०
डुङ्गेश्वर तटबन्धन	डुङ्गेश्वर	५० लाख	संघ/प्रदेश	३५०
धारखोला भित्तआग्र तटबन्धन	धारखोला	२० लाख	संघ/प्रदेश	२२०
ज्यामिरे खेत तटबन्धन	ज्यामिरेखेत	१० लाख	संघ/प्रदेश	१२०
अलैचीखेत तटबन्धन	अलैचीखेत	२० लाख	संघ/प्रदेश	१५०
बोहोरा खेत तटबन्धन	बोहोराखेत	२० लाख	संघ/प्रदेश	१२०
वडाभित्र रहेको खोला र नदि संरक्षण	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	१५००
माछा संरक्षण	लोहोरे र पराजुली खोला	५ लाख	गाउँपालिका	२९००

**वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन**

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
माथिल्लो डुङ्गेश्वर बजार सरसफाई व्यवस्थापन योजना	डुङ्गेश्वर बजार	५ लाख	गाउँपालिका	१२००
वातावरण संरक्षण अभियान सञ्चालन	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२९००
धुँवारहित चुल्हो वितरण	वडाभरी	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	५००

**विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता**

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
विपद् जोखिम पूर्व सूचना प्रणालीको विकास गर्ने	खोला किनारका बस्तीमा	१० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	१५००
कृषि उपज बस्तुमा किटनासक विषादी प्रयोगलाई नियन्त्रण गर्ने	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२९००
विपद् जोखिमबाट बच्न सूचना प्रवाह गर्ने	वडाभरी	५० हजार	गाउँपालिका	२९००
विपद्बाट प्रभावित नागरिकहरूलाई उद्धार, राहत तथा पुर्नस्थापना	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२९००
मापदण्ड अनुसारको घर निर्माणका लागि अभियान सञ्चालन गर्ने	वडाभरी	५० हजार	गाउँपालिका	२९००

**संस्थागत विकास तथा सुशासन**

योजनाको नाम	योजना संचालन हुने स्थल	अनुमानित लागत	कार्यान्वयन विधि	लाभान्वित जनसंख्या
जनप्रतिनीधि र वडामा कार्यरत कर्मचारीहरूलाई क्षमता विकास गर्ने ।	वडा कार्यालय	२ लाख	गाउँपालिका	३० जना
वडा कार्यालय, स्वास्थ्य संस्था र विद्यालयहरूमा स्तनपान कक्ष निर्माण	सबै कार्यालय	३ लाख	गाउँपालिका	१०००
योजना अनुगमन तथा मुल्यांकनलाई प्रभावकारी बनाउने	वडाभरी	५ लाख	गाउँपालिका	२९००
नियमित रूपमा सार्वजनिक सुनुवाई कार्यक्रम सञ्चालन	वडा कार्यालय	१ लाख	गाउँपालिका	२९००
वडामा सञ्चालन हुने सबै योजनाको नियमित सार्वजनिक परिक्षण गर्ने	सबै योजना	१ लाख	गाउँपालिका	१०००
वडा कार्य समितिले गरेको निर्णलाई नियमित रूपमा सार्वजनिक गर्ने	वडा कार्यालय	-	वडा कार्यालय	२९००
वडाबाट प्रवाह हुने सेवा सुविधाका बारेमा नियमित सञ्चारमाध्ययम र वडा कार्यालयको सूचना पाटीबाट सार्वजनिक सूचना प्रवाह गर्ने ।	वडा कार्यालय	-	वडा कार्यालय	२९००
वडा, स्वास्थ्य चौकी र विद्यालयमा आवश्यक जनशक्ति परिपुर्ती गर्ने	वडाभरी	५० लाख	गाउँपालिका, प्रदेश र संघ	२९००
वडा कार्यालयको तला थप र घरबार योजना	वडा कार्यालय	८० लाख	गाउँपालिका	२९००
वडा कार्यालय आउने सडक कालोपत्रे	वडा कार्यालय	२० लाख	गाउँपालिका र प्रदेश	२९००

अनुसूची २ : आवधिक योजना तर्जुमा उपस्थिति विवरण

आज मिति २०८० साल चैत्र १५ गते <sup>विहि</sup> बुधवारका दिन बुङ्गेधर गाउँपालिकाको आर्थिक सहयोगमा यस बुङ्गेधर गाउँपालिका को <sup>द्वितीय</sup> प्रथम पञ्चवर्षीय आवधिक योजना तर्जुमाको लागि यस गाउँपालिका द्वारा आयोजित अभिमुखीकरण तथा तयारी सम्बन्धी कार्यशाला गोष्ठी गाउँपालिकाका अध्यक्ष सुन्दर कुमार के.सी ज्यूको अध्यक्षता तथा परामर्शदाता संस्था श्री फेनापति कन्सल्टेन्ट प्रा.लि., काठमाण्डौको प्राविधिक सहजीकरणमा देहाय बमोजिमको उपस्थितिमा बस्यो:

उपस्थिति

क्र.सं.	सहभागीको नाम थर	पद	संस्था/ निकाय	सम्पर्क नं	दस्तखत
१	सुन्दर कुमार के.सी.	गा.का.प्र.अ. बुङ्गेधर गाउँपालिका	बुङ्गेधर गाउँपालिका	९८४८०६८४८	
२	प्रबल शर्मा	वडा अध्यक्ष	डु. गा. पा.	९८४९८२५९९९	
३	नरेश के. बुढा	वडा अध्यक्ष	ड. गा. पा. ६	९८४८९९९९९	
४	प्रानवहाल पाण्डे	वडा अध्यक्ष	ड. गा. पा. ९	९८४८९९९९९	
५	प्रभात शर्मा	वडा अध्यक्ष	ड. गा. पा. १	९८४८००६४४	
६	श्रीमान सु. उपाध्याय	कार्यपालीका अध्यक्ष	डु. गा. पा.	९८४८००६४४	
७	रमेश ब. शिवाक	गा. का. प्र. अ.	डु. गा. पा. २	९७५९७२५५३०	
८	रवि श. शर्मा	गा. का. प्र. अ.	डु. गा. पा.	९८५८०५५६०	
९	रवि श. शर्मा	गा. का. प्र. अ.	" "	९८४८११८१३६	
१०	प्रानवहाल शर्मा	गा. का. प्र. अ.	डु. गा. पा. १०	९८४८०३५६२४	
११	विष्णु शर्मा	गा. का. प्र. अ.	" "	९८४८००९९९	
१२	लक्ष्मण शर्मा	गा. का. प्र. अ.	" "	९८४८००९९९	
१४	पद्म शर्मा	गा. का. प्र. अ.	" "	९८४८०६९३३९	
१५	कृष्ण शर्मा	गा. का. प्र. अ.	" "	९८४८०९४२३०	
१६	हरि शर्मा	गा. का. प्र. अ.	" "	९८४८०८०५००	
१७	रवि शर्मा	गा. का. प्र. अ.	" "	९८४८०८०५२२	
१८	रवि शर्मा	गा. का. प्र. अ.	" "	९८४८०८०५२२	
१९	विष्णु शर्मा	गा. का. प्र. अ.	" "	९८४८०६४४२	
२०	गौरी कुमारी शर्मा	गा. का. प्र. अ.	डु. गा. पा.	९८४८९९९९९	
२१	गौरी कुमारी शर्मा	गा. का. प्र. अ.	" "	९८४८९९९९९	

२२	असुहा थापा नगर	अवधि निर्देशक समिति	डुङ्गा गा.पा. २	९८४८९६०२६०	उत्तर
२३	कृष्ण प्रसाद चौधरी	अवधि निर्देशक समिति	नेपालगञ्ज	९१५१०१०५००	सुदूरपश्चिम
२४	मिलन बहादुर ठाकुर	अवधि निर्देशक समिति	१ - १	९८४८९४९०३६	दक्षिण
२५	विमला विष्ट	अवधि निर्देशक समिति	कुङ्कुम - ५	९६६२१०६६९५	दक्षिण
२६	महेश विष्ट	अवधि निर्देशक समिति	कसकट	९८५१२०५६६५	दक्षिण
२७	देविनाथ न्यौपाने	अवधि निर्देशक समिति	१ - १	९८५१०२१२१२	दक्षिण
२८	आलोक सुन्दर कुमार के.सी	अवधि निर्देशक समिति	१ - १	९८५१०३६२३३	दक्षिण
२९					
३०					

प्रस्तावहरू

१. आवधिक योजना तर्जुमा निर्देशक समिति गठन सम्बन्धमा ।
२. आवधिक योजना निर्माणको लागि संयोजन तथा सहजीकरण समिति गठन सम्बन्धमा ।
३. आवधिक योजना तर्जुमाको लागि कार्य योजना स्वीकृत सम्बन्धमा ।
४. आगामी पञ्चवर्षीय योजनाको प्रारम्भिक बजेट सीमा निर्धारण तथा विषयगत रूपमा विनियोजन सम्बन्धमा ।

निर्णय

१. प्रस्ताव नं. १ माथि छलफल गर्दा यस गाउँपालिकाको आवधिक योजनालाई व्यापक जनसहभागिताका आधारमा जन अपेक्षा तथा वास्तविकता अनुसार तोकिएको समयभित्र प्रचलित कानून तथा आवधिक योजना तर्जुमा दिग्दर्शन पहिलो संशोधन २०७८ को २.४.१ मा भएको व्यवस्था अनुसार आवधिक योजना तर्जुमाको समग्र प्रक्रियालाई सहयोग, निर्देशन र समन्वय गर्न गाउँपालिकाका अध्यक्ष सुन्दर कुमार के.सी ज्यूको अध्यक्षतामा देहाय बमोजिमको एक आवधिक योजना तर्जुमा निर्देशक समिति गठन गर्ने निर्णय गरियो-

१. श्री सुन्दर कुमार के.सी - संयोजक
२. श्री कलावती न्यौपाने - सदस्य
३. विषयगत समितिका सबै संयोजकहरू - सदस्य
४. विषयगत शाखा प्रमुखहरू जना..... - सदस्य
५. संयोजकले तोकेका निजी क्षेत्रका एकजना महिला सहित जना २ - सदस्य

६. गैसस तथा स्थानीय विषय विज्ञ कम्तीमा ३ जना

-सदस्य

७. प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत

-सदस्य-सचिव

२. निर्णय नं. २ प्रस्ताव नं. २ माथि व्यापक छलफल हुँदा आवधिक योजना तर्जुमा दिग्दर्शन पहिलो संशोधन २०७८ को २.४.३ अनुसार आवधिक योजना तर्जुमा सम्बन्धी कार्यशाला व्यवस्थापन, सञ्चालन र सहजीकरण तथा योजना तर्जुमा कार्यशालाको छलफल, निष्कर्ष तथा उपलब्धिहरूलाई अभिलेखीकरण गरी आवधिक योजनाको दस्तावेज लिपिबद्ध गर्न प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत श्री मणिराम खराल को संयोजकत्वमा देहाय बमोजिमको संयोजन तथा सहजीकरण समिति गठन गर्ने निर्णय गरियो-

१. श्री मणिराम खराल (प्र.प्र.अ)

-संयोजक

२. श्री

-सदस्य

३. श्री

(शाखा प्रमुख/ अधिकृत )

-सदस्य-सचिव

३. निर्णय नं. ३ प्रस्ताव नं. ३ माथि व्यापक छलफल हुँदा आवधिक योजना तर्जुमा कार्यतालिका तथा जिम्मेवारी देहाय अनुसार हुनेछ ।

आवधिक योजनाका विभिन्न प्रक्रियाहरू पुरा गरी चरण बद्ध रूपमा तयारी, विश्लेषण, योजना तर्जुमा र स्वीकृति गरी चार चरणमा १५ कार्यहरू पुरा गरी तर्जुमा गर्ने प्रयोजनमा मार्गदर्शन गर्नका लागि देहाय बमोजिमको एक आवधिक योजना तर्जुमा कार्यतालिका तथा जिम्मेवारी कार्यतालिका व्यापक छलफल सहित स्वीकृत गरी कार्यान्वयन गर्ने निर्णय गरियो-

तर्जुमा गतिविधि	संलग्नता	समयावधि
आवधिक योजना तर्जुमा तयारी बैठक	कार्यपालिका सदस्य, प्र.प्र.अ., आवश्यक अन्य सरोकारवालाहरू	२०८० चैत्र दोश्रो हप्ता
स्थानीय तहको अघावधिक वस्तुस्थिति विवरण तयारीका लागि तथ्याङ्क र सूचना सङ्कलन,	विषय क्षेत्र समितिका सदस्य, शाखा प्रमुख र स्थानीय विकास साझेदार	२०८० चैत्र तेश्रो हप्ता देखि चैत्र ३०० गतेसम्म
स्थानीय तहको वस्तुस्थिति विवरण विश्लेषण लेखन	शाखा प्रमुख र विज्ञ	२०८० चैत्र २० देखि चैत्र ३० गतेसम्म
विषय क्षेत्र गत समिति निर्माण र कार्य प्रारम्भ	कार्यपालिका	२०८१ वैशाख १० गते सम्म
योजना तर्जुमा कार्यशाला सञ्चालन	उल्लिखित सहभागी	२०८१ वैशाख १५ गतेसम्म
आ-आफ्नो विषयगत क्षेत्रको क्षेत्र गत अघावधिक योजना तर्जुमा गर्ने	सम्बन्धित सदस्यहरू	२०८१ वैशाख २० गतेसम्म

तर्जुमा गतिविधि	संलग्नता	समयावधि
मस्यौदा प्रतिवेदन लेखन	विज्ञ समूह	२०८१ वैशाख २० गतेबाट
प्रारम्भिक प्रतिवेदन पेस गर्ने	कार्यालयमा पेस गर्ने	२०८१ जेठ ५
सुझाव सहित मस्यौदा प्रतिवेदन तयारी तथा पेस	विज्ञ समूह	२०८१ जेठ १० गतेभित्र
अन्तिम प्रतिवेदन पेस	विज्ञहरू	२०८१ जेठ १५
आवधिक योजनाको प्रतिवेदन स्वीकृति	गाउँ कार्यपालिका	२०८१ असार ५ गतेभित्र
योजना दस्तावेज छपाई र प्रकाशन	गाउँ कार्यपालिका	२०८१ असार मसान्तभित्र
योजना कार्यान्वयन अनुगमन तथा मूल्याङ्कन	गाउँ कार्यपालिका	२०८१ साउन १५ बाट

माथि उल्लिखित कार्य योजना प्रक्रिया पुरा गरी व्यापक जनसहभागिताको आधारमा कार्य गर्दै जाँदा उल्लिखित समयभन्दा छिटो गर्ने प्रयास गरिनेछ तर काबू बाहिरको विशेष परिस्थिति सिर्जना भई ढिलो हुन गएमा म्याद थप गरी २०८१ साल असार १२ गते भित्र सम्पन्न गरिनेछ ।

४. प्रस्ताव नं ४ माथि छलफल हुँदा डुङ्गेधर गाउँपालिकाको विगत ३ वर्षको सङ्घ, प्रदेश, स्थानीय तह र अन्य निकायबाट प्राप्त बजेटको आँकडालाई विश्लेषण गर्दै आगामी पाँच वर्षको पञ्चवर्षीय योजनाको लागि रु. /- सम्म बजेट प्रक्षेपण गरी सीमा निर्धारण गर्ने निर्णय गरियो । साथै विषय/क्षेत्र गत रूपमा देहायको सीमाभित्र रही कार्यक्रम तर्जुमा गर्ने गरी विषयगत विनियोजन गर्ने निर्णय गरियो-

१. आर्थिक विकास क्षेत्र रु
२. सामाजिक विकास क्षेत्र रु
३. भौतिक पूर्वाधार क्षेत्र रु
४. वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र रु
५. सुशासन तथा संस्थागत क्षेत्र रु



मिति २०८१/०१/२८ र २९ गते यस कार्यको आयोजना र परामर्शार्थ फेनापति कनसल्टेन्ट प्रा.लि.शंकरमुल काठमाडौंको सहजिकरणमा हुने घर गाउँपालिकाको आवधिक तर्जुमा सम्बन्धी कार्यशाला गोष्ठीको उपस्थिति:

क्र.सं.	नाम थर	पद	दस्तखत			कैफियत
			२०८१/०१/२८	२०८१/०१/२९	२०८१/०१/३०	
१.	श्री सुन्दर कुमार के.सी.	गाउँपालिका अध्यक्ष				
२.	श्री कलावती न्यौपाने	गाउँपालिका उपाध्यक्ष				
३.	श्री श्याम बहादुर राना	वडा अध्यक्ष वडा नं.१				
४.	श्री यम बहादुर विष्ट	वडा अध्यक्ष वडा नं.२				
५.	श्री कृष्ण बहादुर खत्री	वडा अध्यक्ष वडा नं.३				
६.	श्री नगेन्द्र बहादुर बुढा	वडा अध्यक्ष वडा नं.४				
७.	श्री पर्वलाल शर्मा जैसी	वडा अध्यक्ष वडा नं.५				
८.	श्री मान बहादुर थापा मगर	वडा अध्यक्ष वडा नं.६				
९.	श्री प्रमिला सुनार	कार्यपालिका सदस्य				
१०.	श्री सुन्तली कुमारी वि.क.	कार्यपालिका सदस्य				
११.	श्री कमला वि.क.	कार्यपालिका सदस्य				

१२.	श्री शान्ती कुमारी बुढा	कार्यपालिका सदस्य				
१३.	श्री चन्द्रा वि.क.	कार्यपालिका सदस्य				
१४.	श्री खिमा कुमारी उपाध्याय	कार्यपालिका सदस्य				
१५.	श्री लक्ष्मण खत्री	नि.प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत				
१६.	विष्णुकुमारी वि.क.	कार्यपालिका सदस्य वडा नं. ७				
१७.	श्री शोनी ह्याप शर्मा	संयोजक विद्यादास संस्था				
१८.	श्री विष्ट विष्ट	फेनापति कनसल्टेन्ट-प्रा.				
१९.	विष्णु थापा	प्रार्थशास्त्री, फेनापति				
२०.	अरुण बाबु ह्याप	सूचना विज्ञ, फेनापति				
२१.	पद्म प्रसाद न्यौपाने	पशु पंछी विकासशास्त्र				
२२.	गगन बहादुर हमाल	कृषि विकासशास्त्र प्रमुख				
२३.	विश्व शकल	कृषि विज्ञ				
२४.	तेज कुमारी रेग्मी	महिला तथा बालकलिका शारदा				
२५.	श्री विष्ट कुमारी	पाञ्चिका २११				

25	मौवी कुमारी वि. 3	पोखरा शाखा				
26	विष्णु शर्मा	लोखरा शाखा				
27	विष्णु रावत	खोखरा शाखा				
28	नवलका रेग्मी	सयमा फुवदी अचिका				
29	हरि बहादुर गुड्डा	अच्युत आचरेय				
30	धुर्व मिस्रि शर्मा	मं. स.				
31	गणेश ठापा	श्रीमान सहायक				
32	गगन बहादुर थापा	खा.पा.स.दे. (खा.पा.स.दे. शाखा)				
33	कर्ण शर्मा	रोजगार संयोजक				
34	मनबहादुर जोतम	शिक्षा आचिकेत (देवी)	-			
35	मुकेश दाहाल	उद्यम विकास लक्ष्मी				

### अनुसूची ३ : फोटोहरू



